उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2016–18

विश्वविद्यालय परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

शान्तिपुरम् (सेक्टर–एफ), फाफामऊ, इलाहाबाद – 211021

प्रमुख दूरभाष

कुलपति सचिवालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447032 0532–2447028
कुलपति कैम्प कार्यालय (गंगा परिसर)	0532–2447033 (फैक्स) 0532–2447034
कुलसचिव कार्यालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447035 0532–2447036 (फैक्स)
परीक्षा नियंत्रक कार्यालय (प्रशासनिक भवन, गंगा परिसर)	0532–2447038 (फैक्स)

कुलगीत

सद्ज्ञान तीर्थ पावन नगरी यही सुहाती।

सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।।

शिक्षा जगत पुरोधा आदर्श राष्ट्र–नायक।

हिन्दी प्रबल समर्थक सद्भावना विधायक।।

यह मुक्त पीठ अनुपम राजर्षि जिसकी थाती।

सबके लिए सुशिक्षा ——————।।

संगम मनीषियों की चिन्तन धरा मनोहर।

भगवान राम अपने दीक्षित हुए यहीं पर।।

विज्ञान, धर्म, दर्शन के मंत्र को जगाती।

सबके लिए सुशिक्षा ——————।।

गंगा, सरस्वती माँ, यमुना की वाग्धारा।

स्वाध्याय, स्वावलम्बन, मंथन पुनीत नारा।।

मंगलमयी उषा से सबका हृदय खिलाती।

सबके लिए सुशिक्षा ——————।।

उत्तर प्रदेश व्यापी अध्ययन केन्द्र न्यारे।

दूरस्थ ज्ञान पद्धति आधार हैं हमारे।।

विद्या प्रसार माध्यम संचार तंत्र पाती।

सबके लिए ——————।।

सत्कर्म, मुक्त चिंतन, आदर्श पथ चलें हम।

ज्ञानी बनें, गुणी हों, मंजिल पहुँच के लें दम।।

जीवन जगत् समुज्ज्वल का सूत्र नित सिखाती।

सबके लिए सुशिक्षा संकल्प शुभ सुनाती।

सम्पादक मण्डल

सम्पादक

डॉ. पी.पी. दुबे	निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

सह–सम्पादक मण्डल

डॉ. ओमजी गुप्ता	निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा
डॉ. आर.पी.एस. यादव	निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
डॉ. आशुतोष गुप्ता	निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
प्रो. (डॉ.) गिरिजा शंकर शुक्ल	निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
प्रो. पी.के. पाण्डेय	प्रभारी, शिक्षा विद्याशाखा
प्रो. सुधांशु त्रिपाठी	प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. विनोद कुमार गुप्त	उपनिदेशक / एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
डॉ. रुचि बाजपेई	असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा
डॉ. श्रुति	असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी	असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा	परामर्शदाता (दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र)
डॉ. अलका वर्मा	शैक्षणिक परामर्शदाता (समाजकार्य)
डॉ. रामजी मिश्रा	परामर्शदाता, आडियो विजुअल लैब
डा. प्रभात चन्द्र मिश्र	कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड 1

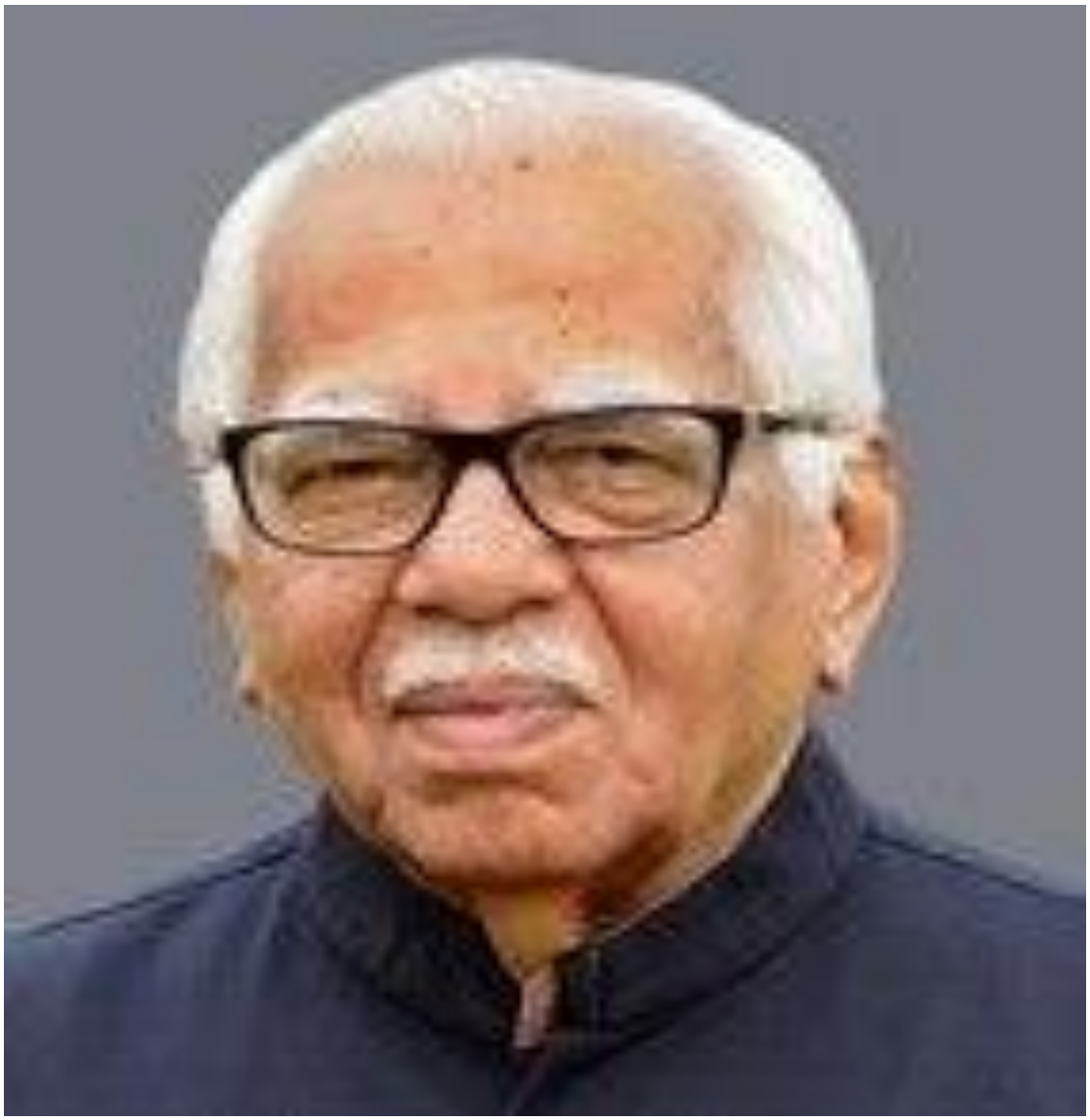

माननीय श्री राम नाईक

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

विश्वविद्यालय की विकास प्रवृत्तियां
(Growth- wise Students Enrollment)

Session wise Students Enrollment

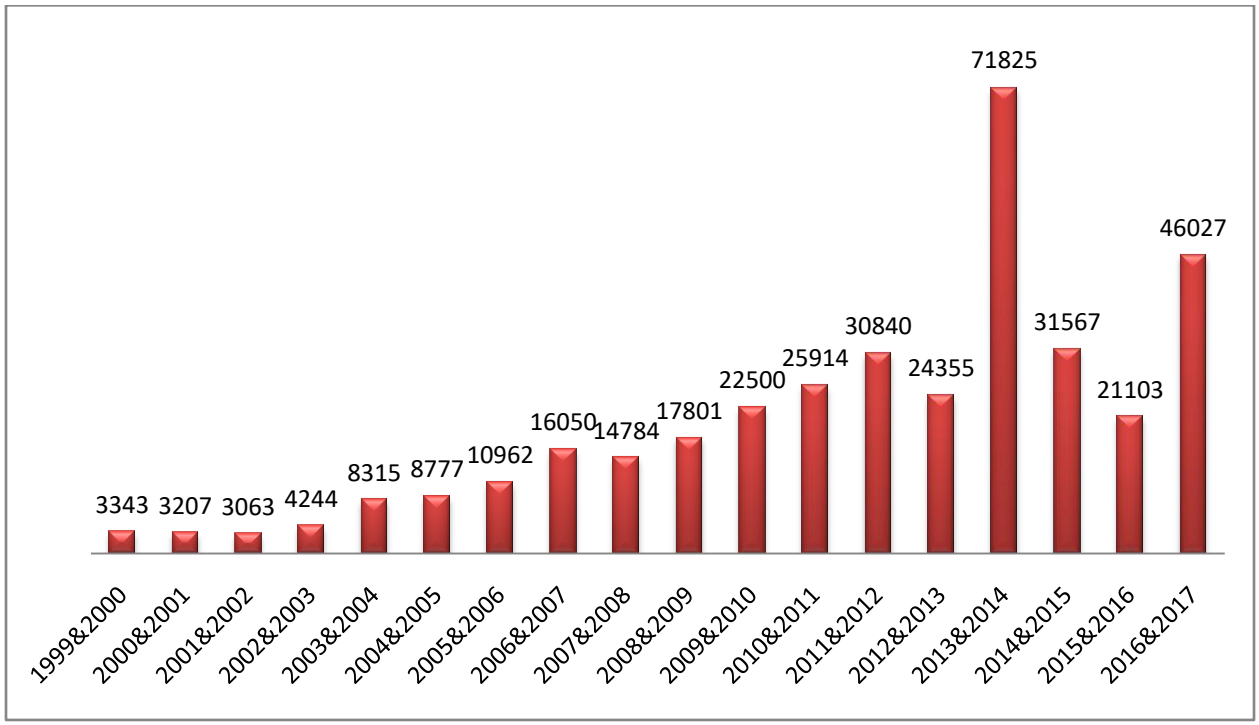

Session wise Number of Study Centres

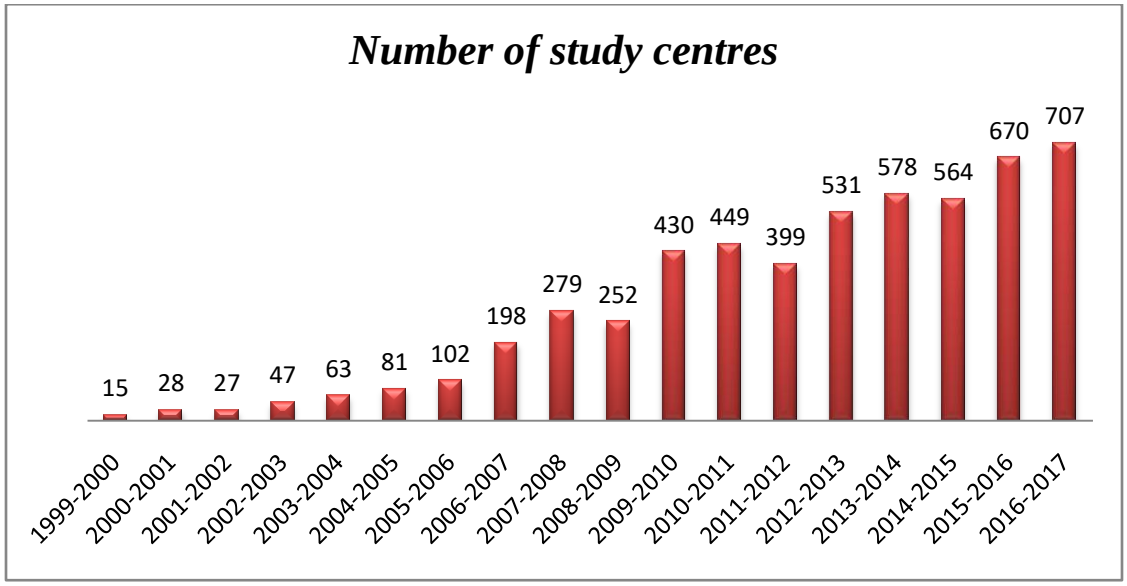

Session wise Number of Programme

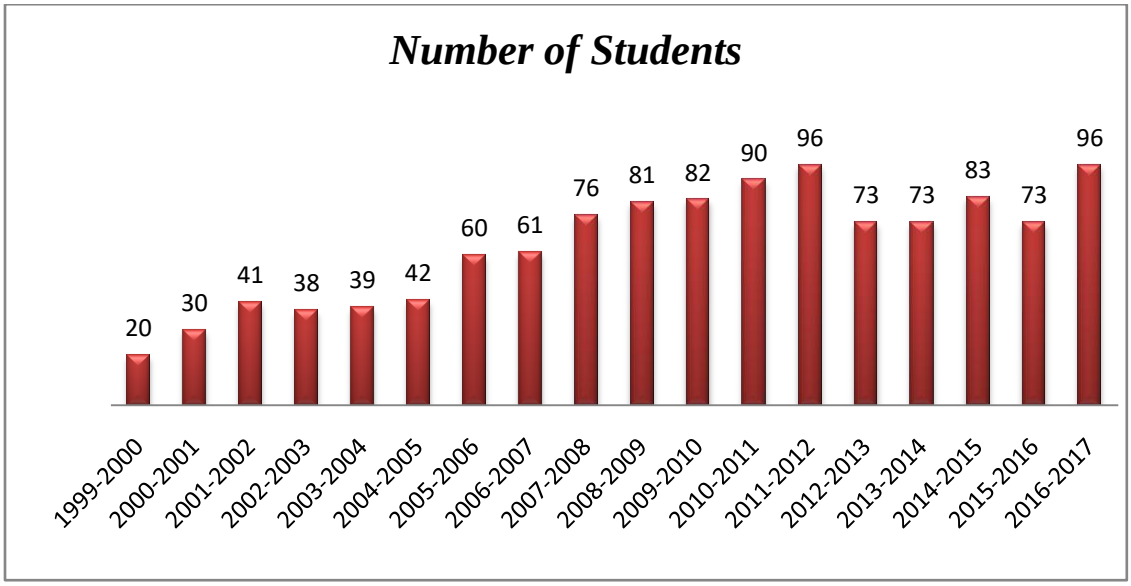

प्रमुख सूत्र वाक्य

''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ''

''गुरुकुल से छात्र कुल तक''

''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक''

''सबको शिक्षा, सबको ज्ञान''

''जब भी चाहें प्रवेश पाएँ,
घर बैठे अध्ययन सामग्री पाएँ''

''स्टूडेन्ट इज द किंग''

''क्लीन कैम्पस, ग्रीन कैम्पस''

प्राक्कथन

Foreword

भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय से ही शैक्षिक उन्नयन हेतु तमाम प्रयास किये जा रहे है जिसमें निरक्षरताउन्मूलन से लेकर कौशल विकास तक के कार्यक्रमों से सम्बन्धित नीतियों का निर्माण, उनको लागू करना तथा उनका वित्त पोषण आदि सम्मिलित है। निस्संदेह इन नीतियों का अच्छा प्रभाव परिलक्षित भी हुआ किन्तु देश की युवा एवं प्रौढ़ जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा अभी भी ज्ञान के प्रकाश से अछूता रह गया है। शिक्षा प्राप्ति हेतु सकल नामांकन अनुपात (GER) काफी कम है जो अभी भी चिन्ता का विषय बना हुआ है। इस समस्या से निजात पाने के लिए सदियों पुरानी पारम्परिक शैक्षिक व्यवस्था अब धीरे–धीरे अप्रासंगिक होने लगी है। इस व्यवस्था में सुधार करते हुए लचीले एवं प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता महसूस हुई जिसके फलस्वरूप मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था का आविर्भाव हुआ। कई देशों में भी इस प्रकार का प्रयोग काफी सफल सिद्ध हुआ। हमारे देश में भी दूरस्थ अध्ययन का दायरा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है जिसकी लोक प्रियता का प्रमुख कारण इसकी शहरों से लेकर सुदूरवर्ती ग्रामीण अंचलो तक पहुँच, सुगमता, सर्वसुलभता, सरलता एवं सस्ते होने जैसे गुण है। देश में सम्प्रति माध्यामिक स्तर तक मुक्त स्कूलिंग की व्यवस्था चल रही है । इसके अतिरिक्त लगभग एक करोड़ शिक्षार्थी 14 मुक्त एवं 100 से अधिक पारम्परिक विश्वविद्यालयों के माध्यम से इस प्रणाली में उच्च अध्ययन (ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन) हेतु नामांकित है।

जनसंख्या की दृष्टि से भारत के सबसे बडे राज्य उत्तर प्रदेश में भी यहां की पवित्र तीर्थ नगरी प्रयाग में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पारित अधिनियम की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत वर्ष1999 में की गई। यह विश्वविद्यालय देश के 14 मुक्त विश्वविद्यालयों में से एक है जो उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय की श्रेणी में आता है। अपने स्थापना काल से ही यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के स्थापित मानकों के अनुरुप ज्ञान के प्रचार एवं प्रसार के पथ पर निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय समय–समय पर अपनी कार्य प्रणाली में आवश्यकतानुसार परिमार्जन भी करता रहता है। इन परिवर्तनों का एकमात्र उद्देश्य शिक्षार्थियों को कम लागत में घर बैठे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ उनके अन्दर कौशल का भी विकास करना है जिससे वह आत्म निर्भर बन सकें। विश्वविद्यालय अपनी विकास यात्रा में नित नये कीर्तिमान स्थापित करते हुए 17 वर्ष पूरे कर चुका है। शैक्षिक प्रबन्धन की दृष्टि से विश्वविद्यालय यू.जी.सी. एवं ए.आई.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त कुल 96 कार्यक्रमों का संचालन अपने दस विद्याशाखाओं के माध्यम से कर रहा है। सीमित शिक्षकों के साथ प्रत्येक विद्याशाखा अपने सम्बन्धित कार्यक्रमों की अध्ययन सामग्रियों को अद्यतन करने के साथ–साथ पठन–पाठन एवं परीक्षा जैसी गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन करता रहता है। प्रदेश के भौगोलिक विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए शैक्षिक नीतियों के सफल संचालन एवं प्रशासनिक प्रबन्धन के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में अब तक कुल 10 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 707 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गयी है। जो सफलतापूर्वक कार्यरत है।

विश्वविद्यालय में 'वर्ष पर्यन्त प्रवेश' के अन्तर्गत कभी भी और कहीं भी प्रवेश की व्यवस्था संचालित है। इसके अन्तर्गत ऑन लाइन प्रवेश की व्यवस्था की गयी है। विश्वविद्यालय हर वर्ष प्रवेश सूचना विवरणिका तथा वेबसाइट के माध्यम से अपना शैक्षिक कलेण्डर घोषित करता है। विगत कई सत्रों से विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अधिकतर सूचनायें, एसाइनमेंट प्रश्नपत्र आदि ऑन लाइन कर दी गई हैं। विभिन्न लोकप्रिय कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय की अपनी स्वयं की स्वअध्ययन सामग्री है जो शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराई जाती हैं। तथापि यदि किन्हीं कार्यक्रमों में कमी है तो इनके निर्माण का कार्य भी सतत् रुप से जारी है। यह विश्वविद्यालय की आत्म निर्भरता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय में स्वअध्ययन सामग्री के परिमार्जन एवं उनके लेखन का कार्य भी तीव्र गति से हो रहा है। आशा है कि आगामी सत्र से विश्वविद्यालय स्वनिर्मित उच्च कोटि की गुणवत्ता युक्त स्वअध्ययन सामग्री शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराने में सक्षम होगा। अभी तक तैयार एवं प्रकाशित पाठ्य सामग्री को शिक्षार्थियों के हित में ऑन लाइन भी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नामांकन संख्या इत्यादि की सूचना सोशल साइट्स यथा एस.एम.एस (SMS) एलर्ट, व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर आदि के माध्यम से भी दिया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय का अपना ऐप भी बना हुआ है जिसकी सहायता से सूदूरवर्ती क्षेत्रों के शिक्षार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

शिक्षार्थियों को समय से पाठ्य सामग्री एवं अधिन्यास प्रश्न–पत्र उपलब्ध कराने की दृष्टि से इन्हें डाक द्वारा उनके घर तक भेजे जाने की व्यवस्था की गई है। जिसकी वजह से इस शिक्षा प्रणाली के प्रति शिक्षार्थियों में अभिरुचि में वृद्धि हुई है। इससे उनके श्रम एवं समय की भी बचत हो रही है। अधिन्यास कार्य में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए कई प्रकार के परिवर्तन किए गए हैं। इस नवीन व्यवस्था से छात्रों की प्रतिभा निखर कर सामने आयेगी एवं दूरस्थ शिक्षा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा। ए.आई.सी.टी.ई. की सहमति से एम.बी.ए. कार्यक्रम की अवधि तीन वर्ष के स्थान पर दो वर्ष कर दी गयी है। स्नातक स्तर पर प्रबंधन जैसे समसामायिक विषय को वैकल्पिक प्रश्न–पत्र के रुप में भी लागू किया गया है। अध्ययन केन्द्रों के अधिकारों में वृद्धि करते हुए शिक्षार्थियों की समस्याओं के समाधान में उनके उत्तरदायित्व को बढ़ाया गया है। क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्य क्षेत्र को और अधिक व्यापक किया गया है तथा युवा एवं योग्य समन्वयकों की नियुक्ति की गयी है जिससे सभी क्षेत्रीय केन्द्र और अधिक सक्रिय हुये हैं। जुलाई माह में सभी क्षेत्रीय केन्द्रों में प्रवेश पूर्व काउंसलिंग की व्यवस्था होती है।

जनमानस में उच्च शिक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय समय–समय पर अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाता रहता है। शिक्षार्थियों को उच्च कोटि की शिक्षा प्राप्त हो उसके लिए विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं में योग्य एवं विद्वान परामर्शदाताओं एवं शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। शिक्षार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए मात्र एक शिक्षार्थी के लिए भी परामर्श सत्र के आयोजन की व्यवस्था की गई है, जिससे कोई भी शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्ति से वंचित न रह जाय।

हमारे दूरस्थ शिक्षार्थी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बन सकें इसके लिए विश्वविद्यालय निरन्तर शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए (MOOCS) का विकास करवाया जा रहा है। इस सम्बन्ध में IIT Bombay जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से MOU की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गयी है। विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट को इस प्रकार Learner friendly बनाया है जिससे जन सामान्य को सभी सूचनाएं आसानी से सुलभ हो पा रही हैं। गूगल सर्च के रिकार्ड के अनुसार हमारी वेबसाइट को सबसे अधिक हिट होने वाली वेबसाइट्स में सम्मान जनक स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सुदृढ़ता प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय के सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर इंजीनियरों सहित विशेषज्ञ शिक्षक लगातार प्रयासरत हैं। प्रवेश, प्रशासन, वित्त, पाठ्य सामग्री, पुस्तकालय एवं परीक्षा आदि अनुभागों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने एवं इनसे सम्बन्धित सूचनाओं को सर्वसुलभ बनाने हेतु इन्हें ऑनलाइन कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अथक प्रयास से इस वर्ष विश्वविद्यालय में **कुल 47 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार,** सिम्पोजियम, वर्कशाप आदि का आयोजन हुआ जिनमें देश विदेश के विद्वानों ने सक्रिय भागीदारी की।

यह विश्वविद्यालय वर्तमान सत्र में राज्य के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों पर पंजीकृत लगभग पचपन हजार शिक्षर्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। प्रदेश के सुदूरवर्ती अल्प सेवित व असेवित क्षेत्रों, ग्रामीण अँचलों एवं पिछड़े क्षेत्रों के इच्छुक शिक्षार्थियों को भी लाभान्वित कराने हेतु इस वर्ष 167 नए अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। सम्प्रति विश्वविद्यालय में अध्ययन केन्द्रों की संख्या 707 हो गयी है। विश्वविद्यालय के इन सार्थक प्रयासों से शिक्षार्थियों की संख्या में आशातीत वृद्धि हुई है।

प्रयाग की धरती पर हर वर्ष लगने वाले कुम्भ मेला जैसे कार्यक्रमों में जागरुकता शिविर के माध्यम से भी विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षण पद्धति से जनमानस को अवगत कराता रहता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश में चल रहे सभी राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों को अपनी देख–रेख में रखने का फैसला किया है। उसकी नीतियों का अनुसरण करते हुए परम्परागत विश्वविद्यालयों के समानान्तर ही इस मुक्त विश्वविद्यालय में भी गुणवत्तापरक पठन–पाठन की व्यवस्था की गयी है। यू.जी.सी. की मंशा के अनुरुप च्वायस बेस्ड क्रेडिट प्रणाली (CBCS) को अपनी व्यवस्था में सम्मिलित करने वाले विश्वविद्यालयों में यह विश्वविद्यालय अग्रणी रहा। इससे विश्वविद्यालय को अपनी छवि का और अधिक विकास करने में मदद मिली है। विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगतिपथ पर नित नये प्रतिमान स्थापित करे और शैक्षिक दृष्टिकोण से विश्व की अग्रणी संस्थाओं में से एक बने इसके लिए विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनायें।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2016–17 का वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Report) प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता है। आशा है। इस प्रतिवेदन से मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधिंया प्रकाश में आएंगी तथा दूरस्थ शिक्षा के प्रति शिक्षा–जगत का रूझान बढ़ेगा। इस प्रतिवेदन को तैयार करने में सम्पादक मण्डल का योगदान सराहनीय रहा है।

प्रो. एम.पी. दुबे
कुलपति

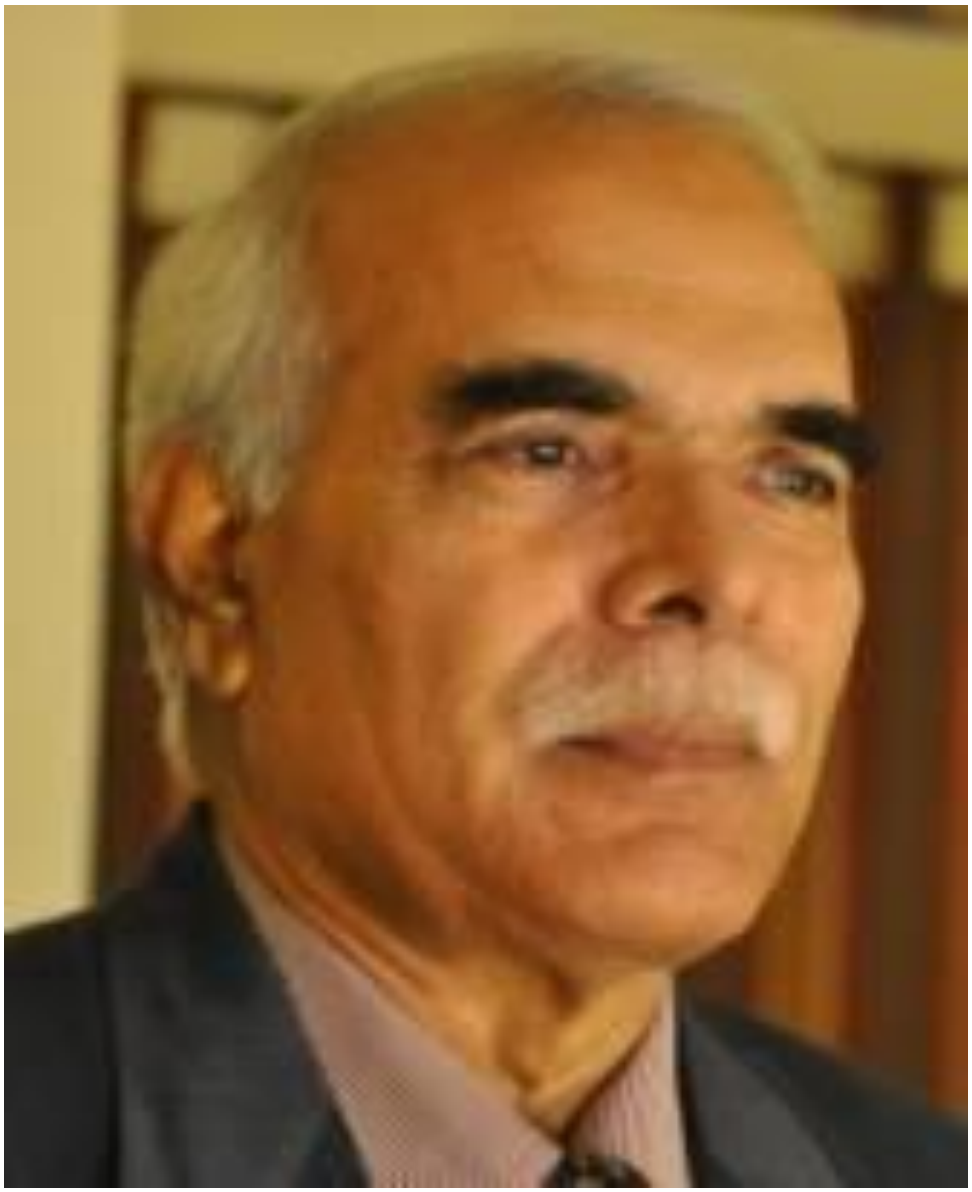

प्रो. एम.पी. दुबे

कुलपति

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

डॉ. ओमजी गुप्ता
निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा

डॉ. पी.पी. दुबे
निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

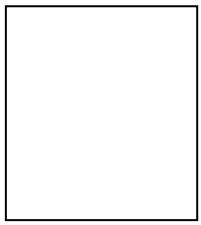

डॉ. आर.पी.एस. यादव
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

डॉ. आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

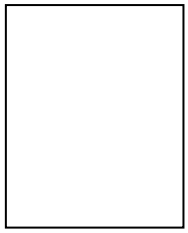

प्रो. पी.के. पाण्डेय
प्रभारी, शिक्षा विद्याशाखा

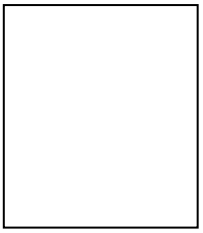

प्रो. (डॉ.) गिरिजा शंकर शुक्ल
निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

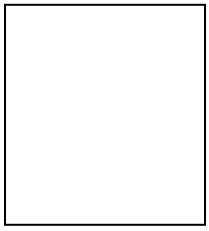

प्रो. सुधांशु त्रिपाठी
प्रभारी
समाज विज्ञान विद्याशाखा

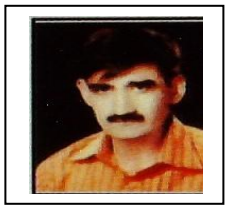

डॉ. जी. के. द्विवेदी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर/
परीक्षा नियंत्रक

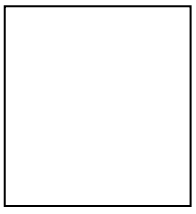

श्री. एस.पी. सिंह
वित्त अधिकारी

आमुख

Preface

शिक्षा सुयोग्य एवं सक्षम जनशक्ति पैदा करने का एक सशक्त माध्यम है जो किसी व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के विकास में सार्थक भूमिका निभाती है। इस समय भारत विश्व का सबसे युवा देश है जहां की जनसंख्या का आधा से अधिक भाग 25 वर्ष से कम तथा 65 प्रतिशत से अधिक भाग 35 वर्ष से कम उम्र का है। इतनी विशाल युवा जनसंख्या के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित कर कुशल बनाने एवं योग्यता के अनुसार उन्हें रोजगार दिलाने या स्वरोजगार प्रारम्भ करने हेतु अभिप्रेरित करने की दिशा में देश ने सराहनीय कदम बढ़ाया है। हाल के वर्षो में किये गये प्रयासों के परिणाम काफी उत्साहजनक रहें हैं। उच्च शिक्षा की दृष्टि से भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा राष्ट्र है। वर्ष 1950 में देश में विश्वविद्यालयों की संख्या मात्र 20 थी जो वर्ष 2014–15 में बढ़कर 757 हो गयी। उसी प्रकार महाविद्यालयों की संख्या भी तेजी से बढ़ती हुई वर्ष 1950 में मात्र 500 के मुकाबले वर्ष 2014–15 में 38,056 हो गयी। उच्च शिक्षा की तरफ युवाओं के बढ़ते रुझान का अन्दाज इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2012–13 में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (GER) 21.5 प्रतिशत था जो वर्ष 2014–15 में बढ़कर 23.6 प्रतिशत हो गया। फिर भी यह विश्व के औसत के लगभग आस–पास ही है जो विकासशील एवं विकसित देशों से काफी कम है। वर्ष 2020 तक इसे 30 प्रतिशत तक पहुँचाने के लक्ष्य को पूरा करने हेतु काफी प्रयास की आवश्यकता है।

उच्च शिक्षा में नामांकन में वृद्धि एवं गुणात्मक सुधार के लिए अविरल प्रयास होते रहें हैं। स्वातन्त्र्योत्तर काल में कई शैक्षिक नीतियां बनी एवं उनमें आवश्यकतानुसार समय–समय पर यथोचित संशोधन होते रहे। इसी क्रम में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नीति का भी अविर्भाव हुआ। इस नीति के अन्तर्गत देश के सभी राज्यों में कम से कम एक मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रावधान हुआ। वर्तमान में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के अलग–अलग राज्यों में अब तक कुल चौदह राज्य मुक्त विश्वविद्यालय स्थापित हो चुके हैं। 100 से अधिक पारम्परिक विश्वविद्यालयों ने भी अपनी पारम्परिक व्यवस्था के साथ–साथ दूरस्थ मोड में भी शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया है। आज मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान देश में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। लगभग पाँच दशक पूर्व सन् 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय में पत्राचार शिक्षा विभाग की स्थापना के साथ देश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की औपचारिक शुरुआत हुई थी। वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा का उच्च शिक्षा के कुल नामांकन में योगदान लगभग 20 प्रतिशत है। यह प्रणाली लचीली एवं लागत प्रभावी होने के कारण उच्च शिक्षा के क्रमिक विकास में आवश्यक कदम के रुप में तेजी से अपनायी जा रही है।

'शिक्षा शिक्षार्थियों के द्वार तक' जैसी अवधारणा को आत्मसात् कर मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली निःसंदेह लाखों शिक्षार्थियां के लिए आशा की किरण बन गयी है। यह प्रणाली अपने शिक्षाथीअनुकूल स्वभाव एवं लचीली व्यवस्था के माध्यम से उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आज देश के ज्यादातर परम्परागत विश्वविद्यालयों के समक्ष संसाधनों का अभाव व योग्य शिक्षकों की कमी का विकराल संकट है। लगभग 40 प्रतिशत शैक्षणिक पद या तो खाली है या अयोग्य या तदर्थ शिक्षकों से भरे हैं। ऐसी स्थिति में आने वाले समय में मुक्त विश्वविद्यालय देश में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात के लक्ष्य को निर्धारित समय में पूरा करने में सराहनीय योगदान करेंगे। इस प्रकार समाज व राष्ट्र के समग्र विकास में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अहम भूमिका एवं उपादेयता को रेखांकित करने में समर्थ होगें। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इस दिशा में दृढ़तापूर्वक अपना कदम आगे बढ़ा चुका है।

स्वनामधन्य महान स्वतंत्रता सेनानी एवं हिन्दी के प्रबल समर्थक राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से उ.प्र. सरकार ने उनके गृह नगर इलाहाबाद में उनके नाम पर उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना का संकल्प लिया जो प्रदेश शासन की अधिसूचना संख्या 2000/सत्रह वि0 1–2 (क) 24–1998 दिनांक 2 नवम्बर 1998 द्वारा नवम्बर 1999 में पूर्ण हुआ। आज यह उ.प्र. राज्य का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जो 'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा 'व्यवस्था द्वारा समाज के वंचित वर्गो, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों एवं दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (A.I.U.), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (A.I.C.T.E.), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (N.C.T.E.), तथा भारतीय पुनर्वास परिषद् (R.C.I.), आदि निकायों से अनुमति एवं मान्यता प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, सुनियोजित पाठ्यक्रम तथा विकास की गति को देखते हुये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (A.I.C.T.E.) तथा तत्कालीन दूरस्थ शिक्षा परिषद् (D.E.C.) की संयुक्त समिति ने निरीक्षण कर इसके द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान की। एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपेन यूनिवर्सिटीज (A.A.O.U.) तथा असोसियेशन ऑफ कामनवेल्थ युनिवर्सिटीज (A.C.U.) की सदस्यता प्राप्त कर इस विश्वविद्यालय ने अपनी एक नयी पहचान बनायी है।

यहाँ निकटस्थ अध्ययन केन्द्रों पर शिक्षार्थियों को नामांकित कर परामर्श कक्षाओं एवं अन्य आधुनिक जनसंचार माध्यमों के प्रयोग से शिक्षार्थियां को शिक्षित किया जाता है। शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा हेतु निकटस्थ परीक्षा केन्द्र आवंटित किया जाता है तथा ICT के अधिकाधिक प्रयोग से शिक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम भी यथाशीघ्र उपलब्ध करा दिये जाते हैं। विश्वविद्यालय अपनी लचीली प्रवेश प्रणाली के माध्यम से सभी आयु वर्गो, सेवारत व्यक्तियों, दूर–दराज के क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों, महिलाओं एवं उपेक्षित वर्गो के लिए उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रहा है। साथ ही शिक्षार्थियां के बौद्धिक, चारित्रिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए उनमें आदर्श मूल्यों की स्थापना कर रहा है। विश्वविद्यालय अपने सभी पाठ्यक्रमों का संचालन प्रदेश के कोने–कोने में फैले **707 अध्ययन केन्द्रों** के माध्यम से प्रभावी ढंग से कर रहा है। ऑनलाइन प्रवेश एवं ऑनलाइन पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना इसकी विशेष उपलब्धियां रही हैं। भविष्य में ऑन लाइन परीक्षा आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संकल्प को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय कटिबद्ध है। इस दिशा में सतत् प्रयास के फलस्वरुप विश्वविद्यालय की लगभग सभी गतिविधियां ऑनलाइन हो चुकी हैं। आगे भी विश्वविद्यालय भविष्य के तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता रहे, ऐसा प्रयास जारी रहेगा।

परम्परागत विश्वविद्यालयों की तुलना में इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम एवं इनकी गुणवत्ता तथा अनुदेशन–निर्देशन श्रेष्ठ साबित हुये हैं। विश्वविद्यालय में स्थापनाकाल से लेकर अद्यावधि तक कुल ग्यारह दीक्षान्त समारोहों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के चार आधार– प्रवेश, परामर्श, परीक्षा एवं पाठ्य सामग्री हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर इन्हें अधिकाधिक शिक्षार्थी अनुकूल एवं प्रभावी बनाने का अनवरत प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा अपने सभी क्षेत्रीय केन्द्रों पर शिक्षार्थियों के लिए प्रवेश से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की जिज्ञासाओं के समाधान के लिये हर वर्ष परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही हर वर्ष माघ मेला के समय प्रयाग क्षेत्र में कल्पवास करने के लिये आये हुए तीर्थ यात्रियों में भी शिक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने एवं उनके नामांकन में वांछित सहयोग प्रदान करने का कार्य भी किया जाता है।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम 1999 की धारा 30 (1) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार किये जाने का प्रावधान है। सत्र 2016–17 के लिये तैयार किये गये इस वार्षिक प्रतिवेदन के सात अध्यायों तथा दस परिशिष्टों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा इस अवधि में किये गये प्रमुख क्रिया–कलापों, महत्वपूर्ण गतिविधियों, विभिन्न निकायों की स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में किये गये प्रयासों आदि को प्रस्तुत किया गया है। आशा है कि पाठकगण इस वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किये गये शैक्षणिक प्रयासों से अवगत हो सकेंगे। इसके साथ ही यह भी विष्वास है कि यह प्रतिवेदन विश्वविद्यालयीय कर्मियों के लिये प्रेरक का कार्य करते हुये उन्हें भावी विकास के उच्च आयाम स्थापित करने की दिशा में सक्रिय रूप से अभिप्रेरित कर सकेगा। वार्षिक प्रतिवेदन में सम्मिलित की गयी विभिन्न प्रकार की सूचनाओं एवं तथ्यों को समय पर उपलब्ध कराने के लिये सम्पादक मण्डल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अनुभाग, वित्त अनुभाग, प्रवेश अनुभाग, परीक्षा अनुभाग, अध्ययन केन्द्र प्रभारी, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदशकों एवं अन्य सभी का आभारी है। इसी क्रम में हम अपने माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय के सम्मानित सहयोगियों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने समय–समय पर अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमारा मार्गदर्शन किया। यद्यपि वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार करने में पर्याप्त सावधानी बरती गयी है, फिर भी इस प्रस्तुति में हुई किन्हीं त्रुटियों के लिये हम क्षमाप्रार्थी हैं।

(डॉ. पी.पी. दुबे)
संयोजक, सम्पादक मण्डल
निदेशक
कृषि विज्ञान विद्याशाखा

अनुक्रमणिका

Index

प्राक्कथन

आमुख

1. विश्वविद्यालय : एक सिंहावलोकन
   University: At a Glance
2. अधिसंरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएं
   Infrastructure and Human Resource Capabilities
3. शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन
   Acadmic Programme and Learning Resources
4. शिक्षार्थी सहायता सेवाएं
   Learner Support Services
5. शोध परामर्श एवं प्रसार
   Research, Consultancy and Extension
6. प्रशासन संचालन
   Governance
7. नवाचारी व्यवहार
   Innovative Practices

परिशिष्ट (1–10)
Annexures

1. सिंहावलोकन

University at a Glance

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1999 में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु की गई। इस विश्वविद्यालय में समसामयिक एवं अत्याधुनिक तकनीकी पर आधारित एवं रोजगारपरक कार्यक्रमों के द्वारा प्रदेश भर में शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय ने प्रारम्भ से अब तक की अपनी 17 वर्षो की शैक्षणिक गतिविधियों द्वारा अनेक कीर्तिमान स्थपित कर अपने नाम को सार्थक किया है। विश्वविद्यालय की लोकप्रियता एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा को प्रदान करने के कारण प्रतिवर्ष शिक्षार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ती रही है। विश्वविद्यालय अपने सूत्र वाक्य ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा ना कोई जहाँ'' को सार्थक करते हुए, अपने लोकप्रिय कार्यक्रमों एवं सुगम उपलब्धता के कारण प्रदेश में अपनी एक सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है। साथ ही विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह का सफल आयोजन होता है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय ई.आर.पी. विकसित कर पेपर रहित कार्य प्रणाली की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। विश्वविद्यालय में जुलाई 2016 से जून 2017 तक की प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् प्रस्तुत किया जा रहा है–

दिनांक 11 जुलाई 2016 को विश्वविद्यालय के प्रवेश सत्र 2016–17 की 'सूचना विवरणिका' का विमोचन मा0 कुलपति, प्रो0 एम.पी. दुबे द्वारा किया गया तथा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।

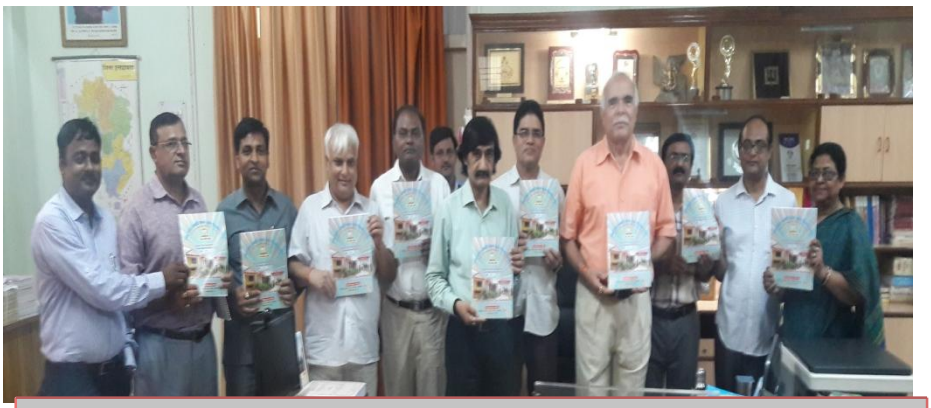

सत्र 2016–17 की सूचना विवरणिका का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति, प्रो0 एम.पी. दुबे जी एवं साथ में विश्वविद्यालय के निदेशकगण, प्रभारीगण, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव/वित्त अधिकारी जी।

दिनाँक 14 जुलाई 2016 को 'सामाजिक सरोकारों में दूरस्थ शिक्षा और मीडिया की भूमिका' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री जगदीश जोशी, वरिष्ठ सम्पादक, दैनिक जागरण, इलाहाबाद रहे तथा अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे द्वारा की गयी।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यकम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि श्री जगदीश जोशी, साथ में मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे एवं कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकगण/अधिकारीगण/श्रोतागण

कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे को गुरू पूर्णिमा 19 जुलाई, 2016 को श्रीमद् आर्यावर्त विद्वत परिषद्, प्रयाग की ओर से विद्वता, कर्मठता एवं सजग शक्ति के लिये 'प्रयाग गौरव सम्मान' से सम्मानित कियाा गया। समारोह के अध्यक्ष सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति प्रो0 यदुनाथ प्रसाद दुबे ने इस अवसर पर कहा कि जिस समाज में विद्वतजनों का सम्मान होता है वह समाज उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है। प्रो0 एम0पी0 दुबे ने अपने कार्यो से विश्वविद्यालय एवं प्रयाग का सम्मान बढ़ाया है।

*मा0 कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे को **'प्रयाग गौरव सम्मान'** से सम्मानित करते हुए विद्वत परिषद के अध्यक्ष डॉ0 रामजी मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 यदुनाथ प्रसाद दुबे जी एवं बायोवेद संस्थान के निदेशक, डॉ0 बी.के. द्विवेदी जी।*

दिनाँक 20 जुलाई 2016 को ''Preparation for an Effective Interview'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर श्री अखिलेश भार्गव तथा अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे द्वारा की गयी।

व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर श्री अखिलेश भार्गव एवं कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकगण/अधिकारीगण/श्रोतागण

दिनांक 20 जुलाई, 2016 को ''भारतीय संस्कृति के प्रेरक प्रसंग'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एस.एन. कपूर रहे तथा अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे द्वारा की गयी।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. एस.एन. कपूर साथ में मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे एवं याख्यान विषयक परिचय एवं अतिथियों का परिचय देते हुए डॉ. सन्तोषा कुमार एवं बैठे हुए अतिथिगण।

दिनांक 30 जुलाई 2016 को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी में कुलपति सम्मेलन आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता मा0 कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा की गयी। इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे ने प्रतिभाग किया।

दिनाँक 01 अगस्त 2016 को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जयन्ती विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय जी एवं अध्यक्ष मा. कुलपति रहे।

मंच पर आसीन समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं प्रो. एम.पी. दुबे तथा कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी/प्रभारी/अध्यापक तथा श्रोतागण

सातवें विश्व शिक्षा सम्मेलन में एशिया की प्रमुख पत्रिका डिजीटल लर्निंग द्वारा दिनांक 05–06 अगस्त 2016 को आई.सी.टी पर ली मेरीडियन नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे को उच्च शिक्षा में आईसीटी के विकास में अनुकरणीय भूमिका के लिए ''हायर एजूकेशन लीडरशिप एवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

दिनाँक 15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे ने ध्वजारोहण किया। कुलपति प्रो0 दुबे ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा राष्ट्रनिर्माण में योगदान कर सकते हैं, समाज हित में कार्य करने के लिए सभी को संकल्प लेना चाहिए। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सभी का योगदान है। इस अवसर पर सरस्वती परिसर में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान एवं वृक्षारोपण किया। गार्गी सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव श्री डी0पी0 त्रिपाठी, डॉ0 ओमजी गुप्त, डॉ0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 एस0पी0 गुप्ता, डॉ0 श्रुति, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 शैलेश यादव, परमानन्द उपाध्याय, रामप्रवेश यादव तथा बेबी आस्था श्री ने देश भक्ति परक गीतों एवं भजनों से समां बांधा।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे के साथ

विश्वविद्यालय के गाजियाबाद एवं मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न जनपदों में स्थापित अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की दो दिवसीय कार्यशाला एवं काउन्सिलिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन 20 एवं 21 अगस्त 2016 को इस्माईल नेशलन महिला पी.जी.कालेज, मेरठ के सभागार में किया गया। दिनांक 20 अगस्त, 2016 को कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ0 बी0के0 भदरी, असिस्टेंट एजूकेशनल एडवाइजन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त, 2016 के काउन्सिलिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम मुख्य अतिथि कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेन्टर फॉर एशिया (सेमका), नई दिल्ली के निदेशक डॉ0 शाहिद रसूल रहे एवं समारोह की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

मुख्य अतिथि कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेन्टर फॉर एशिया (सेमका), नई दिल्ली के निदेशक डॉ0 शाहिद रसूल जी से वार्ता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं साथ में विश्वविद्यालय के निदेशक एवं मेरठ की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ पूनम गर्ग

दिनांक 30 अगस्त, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न मुद्दो पर चर्चा हेतु शास्त्री भवन के माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक आहूत की गयी जिसमें मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी प्रतिभाग किया।

दिनाँक 05 सितम्बर 2016 को शिक्षक दिवस विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित किया गया। शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट क्षेत्रीय केन्द्र, अध्ययन केन्दों, शिक्षक एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने की एवं संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने कहा कि शिक्षक का समाज में श्रेष्ठ स्थान है। शिक्षकों को समाज में उचित सम्मान प्राप्त करने के लिए अपनी कमियों में सुधार लाना होगा, तभी शिक्षा जगत की चुनौतियाँ दूर हो सकती हैं साथ ही शिक्षकों को स्वयं के प्रति और समाज के प्रति ईमानदार रहना होगा तभी राष्ट्र निर्माण और देश का विकार दूर हो सकता है। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय ने इस अवसर पर कहा कि योग्य शिक्षक वही है जो राष्ट्रीय चेतना एवं नैतिक मूल्यों के विचारों को विद्यार्थियों के मन में जगाएँ। आज दूरस्थ शिक्षा का विकास तेजी से हो रहा हैं। कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि शिक्षक ही देश का विकास कर सकता है। गुरू ही सृजनशीलता का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय आई0सी0टी0 के क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षार्थियों के अन्दर राष्ट्र निर्माण एवं चरित्र निर्माण की भावना का विकास किया जा रहा है।

सम्मान समारोह में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान शिक्षा विद्याशाखा के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, उत्कृष्ट तृतीय श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्री इन्दूभूषण पाण्डेय तथा उत्कृष्ट चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्री राजू प्रसाद बारी को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं प्रो0 एम0पी0 दुबे ने प्रदान किये। कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी श्री डी0पी0 त्रिपाठी को विशिष्ट उत्कृष्टता सम्मान से विभूषित किया गया। सम्मान समारोह में उत्कृष्ट क्षेत्रीय केन्द्र का क्रमशः पुरस्कार लखनऊ क्षेंत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 निरांजलि सिन्हा ने प्राप्त किया। पांच उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्रों का पुरस्कार क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर के समन्वयक मेजर बी0पी0 श्रीवास्तव, शिबली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ के समन्वयक डॉ0 जावेद अहमद, बरेली कालेज, बरेली की समन्वयक डॉ0 शचि मित्तल, इस्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज, मेरठ की समन्वयक डॉ0 शिवाली अग्रवाल तथा शिवहर्ष किसान पी0जी0 कालेज बस्ती के प्राचार्य डॉ0 राघवेन्द्र शरण त्रिपाठी को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने प्रदान किए। पांचों अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों को कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने एक–एक मल्टीपरपज़ प्रिन्टर भी प्रदान किया जिससे अध्ययन केन्द्र के कार्यक्षमता में और तेजी आ सके। एक अन्य विशेष पुरस्कार सुधाकर महिला पी0जी0 कालेज, वाराणसी को प्रदान किया गया।

माननीय अतिथियों के साथ शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त करने वाले सदस्यगण।

दिनाँक 17 सितम्बर 2016 को 'हिन्दी पखवारा' तथा विश्वकर्मा पूजन का आयोजन हुआ जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद थे एवं अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे ने की। मुख्य अतिथि ने कहा कि हिन्दी दिन प्रतिदिन सबल हो रही है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। भाषा राष्ट्रीयता की पहचान है। साथ ही इस अवसर पर देवशिल्पी विश्वकर्मा को याद करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि भगवान विश्वकर्मा ने ज्ञान, विज्ञान, शास्त्र और शस्त्र में बहुत योगदान किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मुविवि के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि हिन्दी का भविष्य टेक्नालॉजी ने बहुत मजबूत कर दिया है। भूमण्डलीकरण ने हिन्दी का एक बहुत बडा बाजार तैयार कर दिया है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ हिन्दी के महत्व को समझ रही हैं। आज जापान, कोरिया, चीन आदि देशों में हिन्दी सीखने का रुझान बढ़ा है।

मुख्य अतिथि मा0 कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी को साल पहनाकर उनका स्वगत करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे जी

दिनाँक 20 सितम्बर 2016 को आडिटोरियम का भूमिपूजन तथा शिलान्यास एवं लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'दूरस्थ शिक्षा : युवा शक्ति और समाज' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद–सह–पुराछात्र सम्मेलन, का उद्‌घाटन मा. कुलाधिपति/श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. श्रुति, आयोजन सचिव डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं परिसंवाद निदेशक डॉ. संतोषा कुमार रहें।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रेक्षागृह का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक जी तथा साथ में कुलपति प्रो0 एम0 पी0 दुबे जी।

इस अवसर पर कुलाधिपति श्री रामनाईक जी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि 2020 तक हमें हासिल होगी। ऐसे में युवाओं को अपनी शक्ति का प्रयोग सही दिशा में करना होगा। श्री नाईक ने कहा कि पुरा छात्रों का मिलना युवा शक्ति के एकत्रीकरण की दिशा में अहम कड़ी है। साथ ही उन्होंने मोबाइल एप का उद्‌घाटन करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा और तकनीक का संयोग निश्चय ही भविष्य में शैक्षिक क्रान्ति लायेगा, उन्होंने दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के नए आयामों के लिए विशेष पहल कर रहा है। राज्यपाल श्री नाईक जी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नई तकनीक के माध्यम से निश्चय ही युवाओं को और प्रदेश के सभी लोगों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बनने जा रहे एक हजार व्यक्तियों की क्षमता के प्रेक्षागृह का लाभ विश्वविद्यालय के साथ ही सभी लोगों को मिलेगा।

दीप प्रज्ज्वलित कर पुरा छात्र सम्मेलन का उदघाटन करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक जी तथा पुष्प गुच्छ भेट कर उनका स्वगत करते हुए कुलपति प्रो0 एम0 पी0 दुबे जी एवं डॉ. कार्तिक शर्मा

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने राज्यपाल श्री नाईक का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने अल्प समय में तकनीकी दक्षता हासिल की है। विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक आधारित नए आयामों की तरफ आगे बढ़ रहा है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया और सीबीसीएस प्रणाली का लाभ शिक्षार्थियों को मिल रहा है। प्रो0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को ऑनलाइन सुविधाएं देने के लिए कृतसंकल्पित है। प्रवेश परीक्षाओं के लिए भी ऑनलाइन प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान की गयी हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के दो प्रकाशनों कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे द्वारा सम्पादित 'सोशल जस्टिसः डिस्ट्रीब्यूटिव प्रिंसिपल एण्ड बियाण्ड' तथा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 श्रुति द्वारा सम्पादित 'इनोवेटिव प्रैक्टिसेज ऑफ स्टैटिक्स इन रिसर्च' का विमोचन किया गया।

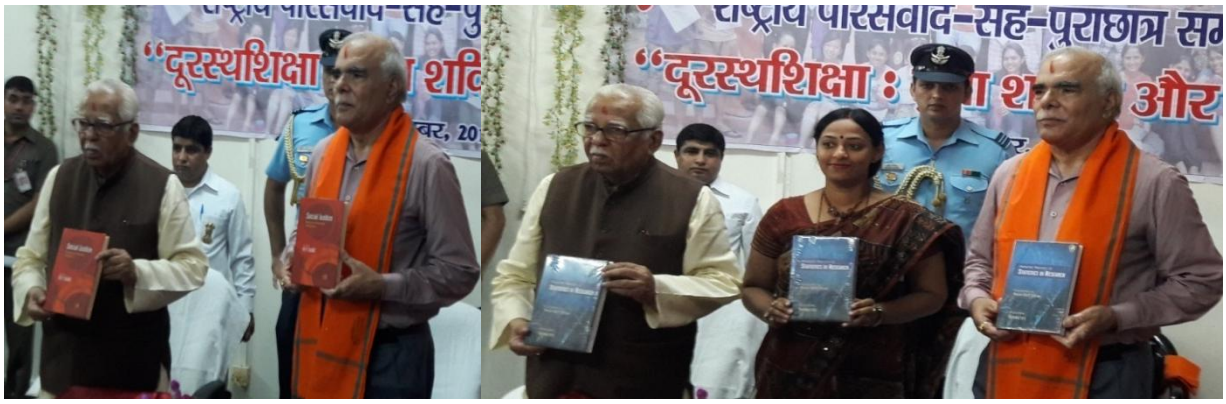

कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे द्वारा सम्पादित 'सोशल जस्टिसःडिस्ट्रीब्यूटिव प्रिंसिपल एण्ड बियाण्ड' तथा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 श्रुति द्वारा सम्पादित 'इनोवेटिव प्रैक्टिसेज ऑफ स्टैटिक्स इन रिसर्च' का विमोचन करते हुए श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक जी

कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में डॉ0 अनिल दत्त मिश्रा, उपनिदेशक, गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली, प्रो0 डी0पी0 सिंह, भूगोल विभाग, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना, प्रो. आर. वी.पी. सिंह, प्रो. आर.पी. मिश्रा एवं मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में अपने विचार प्रस्तुत करते क्रमशः डॉ. अनिल दत्त मिश्र, प्रो. डी.पी. सिंह, प्रो. आर. वी.पी. सिंह, मा. न्यायमूर्ति सुधीर नारायण एवं प्रो. आर.पी. मिश्रा (बायें से)

दिनाँक 02 अक्टूबर 2016 को गांधी जयन्ती समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''गॉधी और विश्व शान्ति'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सन्तोष गोइन्दी, समाजसेवी व गांधीवादी विचारक एवं मुख्य अतिथि प्रो.आर.पी.मिश्र, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे, ने की। गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही परिसर को स्वच्छ बनाये रखने में अपना योगदान करने वाले सभी सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवाओं के अंदर स्वावलम्बन की भावना विकसित करने के लिए गांधी चरखा प्रयोगशाला में सूत कताई का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम संयोजक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव थे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यकम का उदघाटन करते हुए माननीय अतिथिगण, माननीय कुलपति जी, कार्यकम का संचालन करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं मंच पर बैठे हुए अतिथिगण तथा सभागार में बैठे हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षकगण व कर्मचारीगण।

दिनांक 18 अक्टूबर, 2016 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र झांसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को विपिन बिहारी डिग्री कालेज में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेन्द्र दुबे जी, विशिष्ट अतिथि विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य, डॉ. एम.एम. पाण्डेय जी एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

माननीय अतिथियों का परिचय एवं संचालन करते हुए डॉ. विजय यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, विपिन बिहारी डिग्री कालेज झाँसी

दिनांक 19 अक्टूबर, 2016 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आगरा विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी एवं वित्त अधिकारी श्री एस.पी. सिंह जी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए आगरा क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक, एस.सी शर्मा।

दिनाँक 05 नवम्बर 2016 को सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दौड़ तथा **'वर्तमान भारत में सरदार वल्लभ भाई पटेल का महत्व एवं प्रासंगिकता'** विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता एवं सम्भाषण प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित की गई। जिसमें निदेशक, मानविकी विद्याशाखा के डॉ. आर.पी.एस. यादव ने संयोजक के रुप में तथा डॉ. रुचि बाजपेई असि. प्रोफेसर, हिन्दी विभाग ने सह संयोजक के रुप में सहभागिता की।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 06 नवम्बर, 2016 को बरेली कालेज, बरेली में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रो0 मुशाहिद हुसैन, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य, बरेली कालेज, बरेली डॉ. सोमेश यादव एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए प्राचार्य, बरेली कालेज, बरेली डॉ. सोमेश यादव

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में दिनांक 09 नवम्बर, 2016 को पश्चिम बंगाल के माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी का अभिनन्दन एवं 'राष्ट्रीय एकता में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान' विषय पर व्याख्यान तथा विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का भूमिपूजन एवं शिलान्यास माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी के करकमलों द्वारा किया गया। निदेशक, मानविकी विद्याशाखा डॉ. आर.पी.एस.यादव संयोजक के रुप में सहभाागिता की।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा वृक्षारोपण करते हुए पश्चिम बंगाल के माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी साथ में मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी एवं विश्वविद्यालय परिवार।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'लोकतंत्र एवं राष्ट्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 10 नवम्बर 2016 को किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 अरूण चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति, प्रो0 एम0 पी0 दुबे ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा पुष्प गुच्छ देकर मुख्य वक्ता जी का स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर, डॉ0 रुचि बाजपेई एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा0 कुलपति जी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर, डॉ0 दीपशिखा श्रीवास्तव।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द, वाराणसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 नवम्बर, 2016 को आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ0 पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 एम0 पी0 दुबे, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सतीश जैसल, असि. प्रोफेसर, पत्रकारिता, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं मंच पर बैठे हुए मा0 अतिथिगण तथा सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्र समन्वयक व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं निदेशकगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 17 नवम्बर, 2016 को 'अंतर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस' के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 ओमजी गुप्ता एवं मंचासीन कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 पी0 पी0 दुबे एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव रहे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आर.पी.एस यादव तथा आयोजन सचिव के रुप में डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई।

अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, कार्यक्रम के बारे बताते हुए डॉ0 अतुल मिश्रा तथा *कार्यक्रम* में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में *''विकास के विभिन्न प्रतिमान एवं अन्य विकल्प''* विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 22 नवम्बर 2016 को किया गया। व्याख्यान के

मुख्य वक्ता प्रो0 लीला राम गुर्जर निदेशक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्याशाखा, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान एवं अध्यक्षता माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सतीश जैसल, असि. प्रोफेसर, पत्रकारिता, मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत करती हुई असि. प्रोफेसर डॉ0 रुचि बाजपेई, मुख्य वक्ता प्रो0 लीला राम गुर्जर जी को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत करती हुई असि. प्रोफेसर पत्रकारिता, डॉ0 साधना श्रीवास्तव।

दिनांक 01 दिसम्बर, 2016 को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार माननीय प्रकाश जावड़ेकर द्वारा डिजिटल एकोनॉमीः– कैशलेश अर्थव्यवस्था की जागरूकता हेतु वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित किया गया। जिसका सीधा प्रसारण राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में भी किया गया। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने अपने उद्बोधन में कैशलेस माध्यमों के विभिन्न आयामों एवं तकनीकियों के बारे में बताया। इस अवसर पर गंगा परिसर स्थित कमेटी कक्ष में विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, तकनीकी अधिकारी एवं कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

माननीय प्रकाश जावड़ेकर द्वारा डिजिटल एकोनॉमीः– कैशलेस अर्थव्यवस्था की जागरूकता हेतु वीडियो कान्फ्रेन्सिंग में उपस्थित मा. कुलपति महोदय एवं विश्वविद्यालय के निदेशक एवं तकनीकी अधिकारीगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 11 दिसम्बर 2016 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। इस अवसर पर कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 ओ.पी. श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के निदेशक, विज्ञान डॉ0 आशुतोष गुप्ता, वित्त अधिकारी, श्री एस.पी. सिंह, कुलसचिव, डॉ0 राजेश पाण्डेय, पाठ्य सामग्री प्रभारी, डॉ0 सन्तोषा कुमार, परीक्षा नियंत्रक/प्रवेश प्रभारी, डॉ0 जी0के0 द्विवेदी एवं क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण उपस्थित रहे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मा0 कुलपति जी एवं स्वागत गीत प्रस्तुत करती हुई छात्रायें।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 12 दिसम्बर 2016 को बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी रहे । इस अवसर पर बप्पा श्रीनारायण डिग्री कालेज के प्राचार्य, प्रबन्धक लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशिका डॉ0 निरांजली सिन्हा, विश्वविद्यालय के निदेशक, विज्ञान डॉ0 आशुतोष गुप्ता, वित्त अधिकारी, श्री एस.पी. सिंह, कुलसचिव, डॉ0 राजेश पाण्डेय, पाठ्य सामग्री प्रभारी, डॉ0 सन्तोषा कुमार, परीक्षा नियंत्रक/प्रवेश प्रभारी, डॉ0 जी0के0 द्विवेदी एवं क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र निदेशिका डॉ0 निराजंली सिन्हा,एवं मचं पर बैठे हुए मा0 अतिथिगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 15 दिसम्बर 2017 को ''पाठ्यसामग्री निर्माण एवं छात्र सहायता सेवाएँ'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के सचिव डॉ0 ए0के0 दुबे एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, डॉ0 रंजना श्रीवास्तव, डॉ0 शैलेश यादव, डॉ0 मुकेश कुमार तथा डॉ0 उपेन्द्र नाथ तिवारी आदि ने पाठ्य लेखन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए असिस्टेन्ट प्रसोफेसर डॉ0 मुकेश कुमार तथा मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. दुबे, एवं मा0 कुलपति जी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करती हुई असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 रुचि बाजपेई व क्षेत्रीय निदेशक इलाहाबाद डॉ0 पूर्णिमा शर्मा।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'भारतीय भाषा एवं उसका वैश्विक परिदृश्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 19 दिसम्बर 2016 को किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के सचिव श्री अतुल कोठारी, विशिष्ट अतिथि संयोजक भारतीय भाषा मंच, डॉ0 वी0पी0 जैन, सारस्वत अतिथि पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद प्रो0 आर0पी0 मिश्रा जी रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी तथा मंच पर आसीन अतिथिगण एवं मा. कुलपति जी

दिनाँक 26 जनवरी, 2017 को ध्वजा रोहण कर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया एवं विश्वविद्यालय परिवार का ग्रुप फोटो लिया गया।

विश्वविद्यालय परिवार

शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण दिनांक 30 जनवरी, 2017 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में मनाया गया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्मरण किया गया एवं महात्मा गॉधी के मूर्ति पर अतिथियों एवं संकाय सदस्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने इस अवसर पर कहा कि देश के लिए जान देने वाले समस्त देश भक्तों की याद में शहीद दिवस का आयोजन किया जाता है। आज के दिन हम यह प्रतिज्ञा लेगे कि गांधी जी के आदर्शो को मानते हुये सत्य एवं अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण एवं विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते अतिथिगण एवं मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित करते विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं अन्य सदस्य

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन आई0सी0टी0' विषय पर दिनांक 30–31 जनवरी 2017 को दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद तथा अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने की। सेमिनार की संयोजक डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव, सुश्री मारिषा, आयोजन संयुक्त सचिव, श्री मनोज कुमार बलवन्त, डॉ0 डी.के. गुप्ता एवं सेमिनार निदेशक, डॉ0 आशुतोष गुप्ता रहे, साथ ही चार राज्यों से आये प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

ई–सोविनयर का विमोचन करते हुए मा0 अतिथिगण एवं साथ में सेमिनार समिति के सदस्यगण।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद में दिनांक 19 फरवरी 2017 को होने वाले एकादश दीक्षान्त समारोह की जानकारी मीडिया को देने के लिए पूर्व दिनांक 16.02.2017 को प्रेस कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

मीडिया को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 एम0 पी0 दुबे जी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जी.के. द्विवेदी जी एवं उपस्थित पत्रकार बंधु

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का एकादश दीक्षान्त समारोह 19 फरवरी 2017 को सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी, माननीय श्री राज्यपाल, पश्चिम बंगाल रहे एवं दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने की। माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी, मुख्य अतिथि पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी, माननीय श्री राज्यपाल, पश्चिम बंगाल, ने दीप प्रज्ज्वलित किया। समारोह के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे ने अतिथियों एवं अन्य आगन्तुकों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी द्वारा एकादश दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 20 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी एवं मुख्य अतिथि पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी, माननीय श्री राज्यपाल, पश्चिम बंगाल के साथ ग्रुप फोटोग्राफी करते हुए कार्यपरिषद, विद्यापरिषद के मा0 सदस्यगण एवं साथ में न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति श्री एम0के0 मित्तल, डॉ0 नरेन्द्र सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति प्रो. पी. नाग, प्रो0 यदुनाथ दूबे, मा0 कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, डॉ0 अरविन्द दीक्षित, कुलपति, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0आर0पी0 मिश्रा, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो0 जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रो0 ओम प्रकाश, पूर्व कुलपति, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, प्रो0 के0बी0 पाण्डया, कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,, प्रो0 के0एस0 मिश्रा, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 रजनी रंजन झा, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, बी0एच0यू0 वाराणसी, डॉ0 अनिल दत्त मिश्रा।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **''लैंगिक भेदभाव तथा भारतीय कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक सहभागिता के आयाम''** विषय पर दिनांक 27–28 फरवरी 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय की गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो0 संगीता श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सेमिनार के संयोजक डॉ0 प्रेम प्रकाश दुबे, आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, सह–आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प एवं डॉ0 अलका वर्मा, सह– संयोजक डॉ0 डी0के0 गुप्ता एवं अतुल मिश्रा, सह–समन्वयक सुश्री मारिषा एवं श्री एम0 के0 बलवन्त थे साथ ही इस सेमिनार में पाँच राज्यों के प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

ई–सोविनिया का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में **'वर्तमान में योग की प्रासंगिकता'** विषय पर दिनांक 01–02 मार्च 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी, मुख्य वक्ता प्रो0 राजलक्ष्मी वर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, संयोजक डॉ0 रामजी मिश्र, सह संयोजक डॉ. रुचि बाजपेई, समन्वयक डॉ. जी.के. द्विवेदी एवं आयोजन सचिव डॉ0 स्मिता अग्रवाल रही।

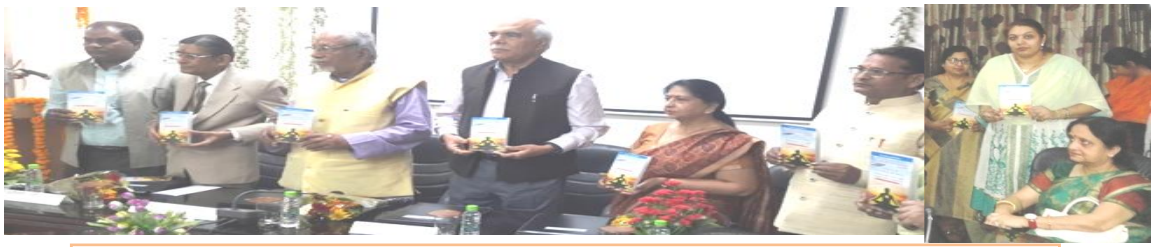

ई–सोविनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **'बायोलॉजिकल साइंसेज एण्ड बायो स्टैटिसटिक्स''** विषय पर दिनांक 09–10 मार्च 2017 को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स का आयोजन सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय, बीज वक्ता नेशनल साइंस एकेडमी के महासचिव प्रो0 यू0सी0 श्रीवास्तव एवं अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स के अध्यक्ष कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। कान्फ्रेन्स निदेशक डॉ0 आशुतोष गुप्ता, संयोजक डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव मनोज कुमार बलवन्त, सुश्री मारिषा, समन्वयक डॉ0 गौरव संकल्प, डॉ0 अतुल मिश्रा, डॉ0 अलका वर्मा रहीं। इस अवसर पर अतिथियों ने अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स के ई–सोविनियर का विमोचन किया। अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में छः देशों तथा सात राज्यों से आये प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

ई–सोविनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 18–24 मार्च 2017 तक **'रिसर्च मेथाडोलॉजी, स्टेटिस्टिकल डाटा एनालिसिस यूजिंग लेटेक्स एण्ड आर साफ्टवेयर'** विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर के प्रोफेसर जे0पी0 वर्मा, कार्यशाला के अध्यक्ष इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं कार्यशाला के संरक्षक कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी रहे। कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति, संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी एवं कार्यशाला निदेशक, डॉ0 आशुतोष गुप्ता रहे। इस कार्यशाला में चार राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

अतिथियों का स्वागत एवं कार्यशाला के बारे में बताती हुई सेमिनार की आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति

मंचासीन अतिथियों के साथ माननीय कुलपति जी

धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कार्यशाला निदेशक डॉ0 आशुतोष गुप्ता

विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए कार्यशाला संयोजक डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी।

सात दिवसीय कार्यशाला में आये प्रतिभागी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में 18 मार्च 2017 को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे सहित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक दूसरे को अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव, डॉ0 आर0के0 पाण्डेय, निदेशक प्रबन्धन डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक कृषि डॉ0 पी0पी0 दुबे, निदेशक मानविकी डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, श्री परमानन्द उपाध्याय आदि ने होली गीतों की संगीतमय प्रस्तुति की।

होली मिलन समारोह की झलकियां

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में स्थित नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद के भवन का उद्घाटन 24 मार्च 2017 को प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने किया। पूर्व में उक्त केन्द्र का शिलान्यास भी माननीय राज्यपाल श्री नाईक जी के कर–कमलों से हुआ था। क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद के उक्त भवन में अब इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के शिक्षार्थियों की हर तरह की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही उन्हें नई जानकारियों से भी अवगत कराया जाएगा। माननीय राज्यपाल श्री नाईक जी ने क्षेत्रीय केन्द्र का भ्रमण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उक्त केन्द्र का निर्माण सी0 एन0डी0एस0 द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय का यह केन्द्र वाई–फाई सुविधा से सम्पन्न होगा। इस अवसर पर माननीय श्री राज्यपाल जी ने वृक्षारोपण किया। माननीय राज्यपाल श्री नाईक जी के साथ कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय, इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 पूर्णिमा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद का उद्घाट्न करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी साथ में कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद के भवन का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी साथ में कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे, एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 24–26 मार्च 2017 तक **''डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन''** विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक, विशिष्ट अतिथि संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पद्मभूषण डॉ0 सुभाष सी. कश्यप तथा कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, आई0सी0पी0आर0 के अध्यक्ष प्रो0 एस.आर. भट्ट जी रहे। संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 गोपीनाथ जी, आयोजन सचिव डॉ0 जी0के0 द्विवेदी तथा सह–आयोजन सचिव संयोजक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 अतुल मिश्रा रहे। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय, प्रो0 गिरिराज किशोर, प्रो0 आनन्द कुमार, प्रो0 स्मिथ, डॉ0 सुधीर सिंह, प्रो0 महेश विक्रम सिंह, प्रो0 कृष्ण गोपाल, प्रो0 सुब्रत मुखर्जी, डॉ0 प्रभाकर आदि उपस्थित रहे। देश भर के कई राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 24 मार्च 2017 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला के त्रयोदश पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता लोकसभा के पूर्व महासचिव पदमभूषण डॉ0 सुभाष कश्यप एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि एवं सभागार में उपस्थित स्रोतागण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में उ0प्र0 सरकार द्वारा पोषित दिनांक 27–28 मार्च 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **''उर्दू कविता–अकबर इलाहाबादी के विशेष संदर्भ में'** (उर्दू शायरीः अकबर इलाहाबादी के खूसूसी हवाले से) का उद्घाटन हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, मुख्य वक्ता प्रो0 मुजाबिर हुसैन रिजवी, अध्यक्षता कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आर.पी.एस.यादव तथा आयोजन सचिव डॉ.अब्दुल हफीज रहे।

ई–सोबिनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी., मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 29 मार्च 2017 को एक दिवसीय **"सोशल मीडिया के सामाजिक सरोकार"** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पांचजन्य के सम्पादक श्री जगदीश उपासने, मुख्य वक्ता मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान, माहात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के निदेशक प्रो ओम प्रकाश सिंह रहे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो एम पी दुबे ने की। संगोष्ठी निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव, संयोजक डॉ. सतीश चन्द्र जैसल तथा आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्वत रहीं।

ई–सोविनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 30–31 मार्च 2017 को **''एप्लीकेशन्स ऑफ़ साइंटिफ़िक एण्ड स्टैटिस्टिकल साफ्टवेयर इन रिसर्च''** विषय पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आई0टी0) इलाहाबाद के निदेशक प्रो0 जी0सी0 नन्दी, मुख्यवक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 अनूप चतुर्वेदी एवं अध्यक्ष कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति, संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी एवं संगोष्ठी निदेशक, डॉ0 आशुतोष गुप्ता रहे। इस संगोष्ठी में नौ राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

ई–सोबिनियर एवं सोबिनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी,, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर की 126वीं जयंती के अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में अयोजित संगोष्ठियों में हुए व्याख्यान पर आधारित प्रो0 अशोक मोडक की पुस्तक ***''डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर और भारतीय एकात्मकता''*** के लोकार्पण समारोह का आयोजन 14 अप्रैल, 2017 को लखनऊ विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में स्वदेशी जागरण मंच की तरफ से आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उ0प्र0 विधान सभा के मा0 अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित थे। मुख्य वक्ता डॉ0 अशोक मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, विशिष्टि अतिथि श्री अजय कुमार, संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश स्वदेशी जागरण मंच रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे।

प्रो0 अशोक मोडक की पुस्तक ''डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर और भारतीय एकात्मकता'' का लोकार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 25 अप्रैल 2017 को उ0प्र0 अन्तरविश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल (युवा संगम) आयोजित किया गया। उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 लल्लन जी सिंह एवं अध्यक्षत कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, सह–संयोजक, डॉ0 अतुल मिश्रा एवं सह–आयोजन सचिव डॉ0 अलका वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। युवा संगम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत संयोजक डॉ0 श्रुति ने किया। युवा संगम एवं विश्वविद्यालय के बारे में आयोजन सचिव डॉ0 जी0के0 द्विवेदी ने जानकारी दी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा ने किया। इस अवसर पर यूथ फेस्टिवल में रंगोली (अल्पना), कोलाज, मेंहदी, सोलोसांग (भक्ति, देश भक्ति एवं प्रेरणादायी) प्लेइंग म्यूजिक(म्युजिकल इन्स्ट्रूमेन्ट्स), शार्ट प्ले, फैंसी ड्रेस (राष्ट्रीय एकता), स्लोगन राइटिंग, स्पॉट पेंटिंग, निबन्ध लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें गांधी शान्ति निकेतन डिग्री कालेज, इलाहाबाद, ग्रामोदय आश्रम पी0जी0 कालेज, अम्बेडकरनगर, विद्यावती देवी महाविद्यालय, देवरिया, मां सुकाली देवी डिग्री कालेज, देवरिया, बुद्धा पी0जी0 कालेज, कुशीनगर, रामपाल मौर्या पी0जी0 कालेज, फतेहपुर, कृषक पी0जी0 कालेज मऊ, एस0पी0एस0 स्मारक पी0जी0 कालेज, अम्बेडकरनगर, काशी विद्यापीठ वाराणसी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, शुआट्स, नैनी, इलाहाबाद, पी0जी0 कालेज पट्टी, प्रतापगढ़, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डी0वी0एस0 डिग्री कालेज, बरना, प्रतापगढ़, सुखदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय कुशीनगर, श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया, महात्मा बुद्ध महाविद्यालय, कौशाम्बी, श्री रतिराम महाविद्यालय, मथुरा, डी0एस0एन0 पी0जी0कालेज, उन्नाव तथा पूर्वांचल पी0जी0कालेज, आजमगढ़ के लगभग 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

युवा संगम की एक झलक

युवा संगम में आयोजित रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता की एक झलक

युवा संगम में आयोजित गायन एवं वादन प्रतियोगिता की एक झलक

युवा संगम में आयोजित कोलॉज एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता की एक झलक

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 16 मई, 2017 को माननीय कुलाधिपति जी ने सरस्वती परिसर स्थित याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय में आडियो विजुअल लैब का उद्घाटन तथा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित प्रसाधन भवन का उद्घाटन तथा सरस्वती परिसर में नये प्रसाधन भवन के शिलान्यास किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के प्रथम पुष्प का आयोजन भी किया गया। व्याख्यानमाला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीयुत् रामनाईक, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो0 अशोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी रहे। व्याख्यानमाला के आयोजन सचिव डॉ. जी.के. द्विवेदी एवं संयोजक डॉ. श्रुति रहीं।

सरस्वती परिसर स्थित याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय में आडियो विजुअल लैब का उद्घाटन तथा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित प्रसाधन भवन का उद्घाटन तथा सरस्वती परिसर में नये प्रसाधन भवन के शिलान्यास करते हुए श्रीयुत् श्री रामनाईक जी माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए एवं पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथि एवं श्रीयुत् श्री रामनाईक जी माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद में दिनांक 17 मई 2017 को मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर डॉ0 अशोक गजानन मोडक ने किया। इस अवसर पर शंकराचार्य सभागार में 'उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । विचार–गोष्ठी के मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर प्रो0 अशोक गजानन मोडक जी एवं विचार–गोष्ठी के अध्यक्ष इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर0पी0 मिश्र जी रहे तथा संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 पूर्णिमा शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ0 रामजी मिश्र, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 टी0एन0 दुबे एवं डॉ0 जी0के0 द्विवेदी आदि ने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। समारोह में वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, उपकुलसचिव डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ0 सुखपाल मथुरिया, डॉ0 इति तिवारी, डॉ0 संतोषा कुमार एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त आदि उपस्थित रहे।

' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ0 रामजी मिश्र एवं मंचासीन मुख्य अतिथि एवं मा. कुलपति जी

दिनांक 23 व 24 मई, 2017 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र गाजियाबाद तथा प्रेरणा जनसंचार एवं शोध संस्थान, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में ''राष्ट्रवाद और मीडिया : दूरस्थ शिक्षा की भूमिका'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व कार्यशाला आयोजित की गयी। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ0 महेश शर्मा, माननीय केन्द्रीय मंत्री, पर्यटन व संस्कृति, भारत सरकार, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि श्री कृपाशंकर जी, संयुक्त क्षेत्र प्रचार प्रमुख, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड, मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष बल्देव भाई शर्मा एवं अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द, गाजियाबाद के क्षेत्रीय केन्द, निदेशक डॉ0 अनिल दत्त मिश्र, अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा जनसंचार एवं शोध संस्थान के निदेशक अरूण कुमार सिन्हा एवं मंच पर बैठे हुए माननीय अतिथिगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसम्बर–2016 तथा जून–2017 की परीक्षाएं क्रमशः 68 एवं 96 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। इन परीक्षाओं में क्रमशः लगभग 12 हजार एवं 40 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने सभी केन्द्राध्यक्षों से पारदर्शिता पूर्ण ढंग से परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए। इलाहाबाद, आगरा, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, मेरठ, गाजियाबाद तथा वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण पर्यवेक्षकों द्वारा कराया गया। परीक्षा केन्द्रों पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने औचक निरीक्षण भी किया। इस दौरान कुलसचिव प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ला, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, केन्द्राध्यक्ष डॉ0 ओमजी गुप्ता, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

शैक्षणिक परिसर (सरस्वती परिसर) में विद्यार्थी परीक्षा देते हुए

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2017 को योगाभ्यास एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य वक्ता क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान, झूंसी की ज्ञानमती माता ने कहा कि योग विद्या को आगे बढ़ाने में विश्वविद्यालय अच्छा योगदान कर सकते हैं। आज हमारा जीवन पल–प्रतिपल बदल रहा है। व्यवस्थाएं पहले की अपेक्षा सुधरी हैं। उन्होंने कहा कि कोई कार्य इतना कठिन नहीं है कि उसका समाधान संभव न हो। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि योग की महत्ता प्राचीन कालीन से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है। योग आज एक टेक्निक के रूप में देखा जा रहा है। योग ज्ञान, भक्ति, कर्म, लय आदि है। प्रो0 दुबे ने कहा कि भगवद्गीता को सभी क्लास में अनिवार्य कर देना चाहिए। गीता को पढ़कर व्यक्ति को उसे अपने जीवन में उतारना चाहिए। प्रो0 दुबे ने कहा कि शरीर को सब कुछ मान लिया गया है जबकि आत्मा को प्रमुखता दी जानी चाहिए। इस कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव रहे तथा डॉ. अतुल कुमार मिश्र की इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मा. कुलपति उद्बोधन करते हुए

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रोफेसर एम0पी0 दुबे को दिनांक 20 जून 2017 को लखनऊ में आयोजित समारोह में 'सरस्वती एवार्ड–2017' से सम्मानित किया गया। प्रो0 दुबे को यह सम्मान केवलपत्ती राम आसरे महाविद्यालय लखनऊ, अखिल भारतीय कला साहित्य–संस्कृति एवं विज्ञान शोध संस्थान, लखनऊ तथा गौतमबुद्ध पंचशील शोध साहित्य–संस्कृति संस्थान लखनऊ की तरफ से प्रदान किया गया। समारोह के संयोजक शिक्षाविद् डॉ0 आर0पी0 वर्मा ने बताया कि प्रो0 दुबे ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है और उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश में स्थापित एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी एवं वैचारिक क्रान्ति के प्रणेता कुलपति प्रोफेसर एम0पी0दुबे को विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में सरस्वती एवार्ड से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि प्रो0 दुबे की गिनती देश के चुनिंदा शिक्षाविदों में की जाती है। राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान रखने वाले प्रोफेसर दुबे को इससे पूर्व देश के 100 प्रतिभाशाली एवं प्रभावशाली कुलपतियों में शामिल होने पर सम्मानित किया जा चुका है। प्रो0दुबे को शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण योगदान करने पर पूर्व में भी विभिन्न संस्थानों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

मा. कुलपति को प्राप्त सरस्वती अवार्ड

2. अधिसंरचना एवं मानव संसाधन क्षमताएं
(Infra-structure and Human Resource Capabilities)

(क) भौतिक अधिसंरचना (Physical Infra-Structure)

प्रयाग, भारत देश के हृदय रूपी सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश की एक पावन तीर्थ नगरी है जहाँ गंगा, यमुना एवं सरस्वती का पवित्र संगम होता है। ज्ञान एवं कौशल के चतुर्दिक प्रचार–प्रसार तथा उसे जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से यहॉ स्वनाम धन्य समाज सेवी, मनीषी एवं राष्ट्रभक्त श्री पुरूषोत्तम दास टण्डन जी के नाम से सुविख्यात उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 'हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ' के सूक्त वाक्य को चरितार्थ करने के लिए हुई। यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के अर्न्तगत सामान्य कार्यक्रमों के साथ साथ रोजगारपरक एवं कौषल विकास पर आधारित लोकप्रिय शैक्षिक कार्यक्रमों को भी संचालित कर रहा है। प्रदेश में उच्च शिक्षा की सर्वसुलभता के प्रयासों को दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से सार्थक दिशा प्रदान करना एवं छात्र/छात्राओं में ज्ञानार्जन के साथ ही साथ नेतृत्व क्षमता का विकास करना इसके प्रमुख उद्देश्य रहे हैं जिन्हें पूरा करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में इस विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को सार्थक करने की दृष्टि से एवं शिक्षार्थियों हेतु शिक्षा को सुगम बनाने हेतु अब तक दस क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर एवं झांसी में स्थापित किए हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से मुक्त विश्वविद्यालय न केवल प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को कुशलतापूर्वक संचालित कर रहा है वरन् 'छात्र–सहायता सेवाओं' एवं 'नवाचारी व्यवहार' जैसी सहायक क्रियाओं के संचालन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय उ0प्र0 राज्य के इलाहाबाद जनपद में, मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम वनगमन मार्ग पर स्थित फाफामऊ नामक उपनगर में स्थापित है। मुख्यालय की विभिन्न गतिविधियां इसके तीन अलग–अलग परिसरों (गंगा परिसर, यमुना परिसर एवं सरस्वती परिसर) से संचालित है।

<u>गंगा परिसर</u>:–

विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर को गंगा परिसर के नाम से जाना जाता है। गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन से ही विश्वविद्यालय के समस्त प्रशासनिक कार्य संचालित एवं नियंत्रित किये जाते हैं। इसी भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त अधिकारी कार्यालय, परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, उप कुलसचिव कक्ष आदि स्थित हैं। विश्वविद्यालय के प्रमुख अनुभाग यथा प्रवेश प्रकोष्ठ, पाठ्यसामग्री प्रकोष्ठ, दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, अध्ययन केन्द्र प्रकोष्ठ, मीडिया प्रकोष्ठ, अनुरक्षण प्रकोष्ठ, तकनीकी प्रकोष्ठ आदि इसी परिसर में अवस्थित हैं। प्रशासनिक भवन में ही आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित समिति कक्ष है जिसमें विश्वविद्यालय की कार्य परिषद, विद्या परिषद, मान्यता बोर्ड, योजना बोर्ड, वित्त समिति आदि उच्च स्तरीय बैठकों का आयोजन किया जाता है। गंगा परिसर में ही योग एवं फिटनेस सेन्टर की स्थापना की गयी है। इसी परिसर के एक भाग में कैण्टीन एवं एक भाग में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वविद्यालय अतिथि गृह स्थित है जिसमें अतिथियों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था के साथ ही डायनिंग हाल एवं वी0आई0पी0 कक्ष की सुविधा उपलब्ध है। अतिथि गृह के समीप ही मीडिया सेन्टर स्थापित है जिसमें आधुनिक संचार सेवाओं की सुविधा के साथ ही वाई–फाई की सुविधा प्रदान की गयी है। गंगा परिसर में सी0सी0टी0वी0 की व्यवस्था भी की गयी है। गंगा परिसर के ही एक भाग में कुलपति आवास सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था की गयी है। गंगा परिसर के प्रवेश द्वारों का नये सिरे से निर्माण कराया गया है जिसके साथ गार्डरूम की भी व्यवस्था की गयी है।

अन्य संसाधनों में विजया बैंक, भारतीय डाकघर तथा स्वास्थ्य केन्द्र की अत्युत्तम व्यवस्था के साथ ही एक अलग प्रसाधन गृह का भी निर्माण कराया गया है जिसका सीधा लाभ विश्वविद्यालय के स्टाफ तथा अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को मिल रहा है। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर कार्यालयीय उपयोग के लिए अतिरिक्त विषाल कक्षों का निर्माण कराया जा रहा है। गंगा परिसर को स्वच्छ एवं हरा–भरा बनाए रखने के लिए सफाई अभियान के साथ ही वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है। उर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए गंगा परिसर में सोलर लाईट की व्यवस्था की गयी है। केन्द्र सरकार के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने की दिषा में विश्वविद्यालय का यह सक्रिय प्रयास सराहनीय है।

गंगा परिसर में स्थित प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का नवनिर्मित गेट।

कैण्टीन का उद्घाटन करते हुए मा. कुलपति जी।

गंगा परिसर में बैंक का शुभारंभ

परिसर में डाकघर का शुभारंभ

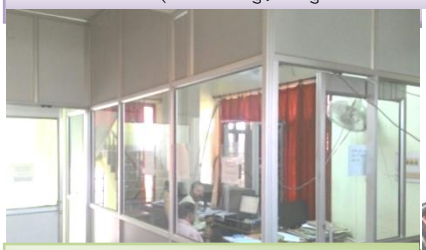

विश्वविद्यालय का आई.सी.टी. केन्द्र

परिसर में स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारंभ

*माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के **स्वच्छ भारत अभियान** के अर्न्तगत विश्वविद्यालय द्वारा **बढ़ाया गया** एक कदम । विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में छात्र/छात्राओ एवं आगंतुकों के सुविधा हेतु **'प्रसाधन भवन' का निर्माण ।***

सरस्वती परिसरः–

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से सरस्वती परिसर में एक शैक्षणिक भवन बनाया गया है। सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में मुख्य रूप से परामर्श कक्षाएं, परीक्षाएं, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। तीन मंजीले इस भवन में शिक्षा विद्याशाखा, मानविकी विद्याशाखा, समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा, विज्ञान विद्याशाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा स्थित है। इन सभी विद्याशाखाओं से सम्बन्धित शैक्षिक कार्यक्रम एवं उनकी परामर्श कक्षाएं सरस्वती परिसर में ही संचालित की जाती है। परामर्श कक्षाएं विद्याशाखाओं में नियुक्त कुशल एवं विद्वान शिक्षकों द्वारा आयोजित की जाती है। सरस्वती परिसर में ही केन्द्रीय पुस्तकालय भवन स्थित है जिसे याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के नाम से जाना जाता है। इस ग्रंथालय में उत्कृष्ट पुस्तकों का संग्रह है और विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन के लिए यहां उच्च कोटि की वैचारिक पत्र–पत्रिकाएं उपलब्ध है। याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के भूतल पर गार्गी सभागार का निर्माण कराया गया है तथा प्रथम

तल पर आडियो –विजुवल लैब की स्थापना की गयी है। द्वितीय तल पर अत्याधुनिक हाल का निर्माण कराया जाना भी प्रस्तावित है। सरस्वती परिसर में ही ज्ञानप्रद अध्ययन केन्द्र तथा चरखा प्रयोगशाला को स्थापित किया गया है जहां कोई भी अपना श्रमदान कर सकता है। शोध–अनुभाग अपनी महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सरस्वती परिसर में ही करता है। यह अनुभाग पी.एच.डी. डिग्री हेतु नामांकित शोधार्थियों के शोध कार्य की प्रगति आख्या प्राप्त करने, उसकी समीक्षा तथा तत्सम्बन्धी आवश्यक दिशा–निर्देश देने, शोध ग्रन्थ जमा करने, प्री एवं पोस्ट सब्मीशन मौखिकी परीक्षा आदि सम्बन्धित कार्य का निष्पादन करता है। इस परिसर में अत्याधुनिक संसाधनों से परिपूर्ण लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार का निर्माण कराया गया है। इस सभागार में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं, बौद्धिक विचार गोष्ठियों, लेखन प्रतियोगिताओं, भाषण प्रतियोगिताओं तथा अन्य पाठ्य–सहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है। परिसर को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत पर्यावरणीय दृष्टि से भी हरा–भरा किया गया है। विश्वविद्यालय में आने वाले प्रत्येक अतिथि द्वारा पौधरोपण की परम्परा प्रारम्भ किए जाने से परिसर में चारों तरफ छायादार वृक्ष विकसित हो रहे हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला है। यहॉ सोलर लाईट एवं सी0सी0टी0वी0 कैमरे की व्यवस्था सहित स्मार्ट कम्प्यूटर लैब, कुलाधिपति कक्ष आदि की व्यवस्था भी की गयी है। परिसर में विद्यार्थियों की परीक्षायें आयोजित करने हेतु कई परीक्षा हाल की व्यवस्था भी की गयी है जिसमें विद्यार्थी सुगम रूप से परीक्षा दे रहे हैं। इसी परिसर में 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले आडिटोरियम तथा एक प्रसाधन भवन निर्माण का कार्य द्रुतगति से चल रहा है। सरस्वती परिसर में पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त प्रांगण स्थित है जिसमें प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जाता है। सरस्वती परिसर के भी प्रवेश द्वार का नव निर्माण कराकर साथ में गार्डरूम की व्यवस्था भी की गयी है।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर का नवनिर्मित गेट।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रेक्षागृह का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करते हुए माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक जी तथा साथ में कुलपति प्रो0 एम0 पी0 दुबे जी।

माननीय कुलाधिपति कक्ष

याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय

चरखा लैब

लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार

गार्गी सभागार

विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र में चल रही परीक्षायें।

सरस्वती परिसर स्थित याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय में आडियो विजुअल लैब का उद्घाटन, स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित प्रसाधन भवन का उद्घाटन तथा सरस्वती परिसर में नये प्रसाधन भवन का शिलान्यास करते हुए श्री रामनाईक जी माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी।

नवनिर्मित आडियो – विजुअल लैब

आडियो विजुअल लैब का निरीक्षण करते हुए श्री रामनाईक जी, माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी।

यमुना परिसर :–

विश्वविद्यालय का यमुना परिसर भी फाफामऊ के शान्तिपुरम् कालोनी के सेक्टर–बी में स्थित है। इस परिसर की 22267.71 वर्ग मीटर भूमि का कब्जा इलाहाबाद विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय को सत्र 2012 में दे दिया। यमुना परिसर की चहारदिवारी का षिलान्यास दिनांक 21 अप्रैल 2016 को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राम नाईक जी के कर–कमलों द्वारा किया गया। इस परिसर में विश्वविद्यालय का, इलाहाबाद क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। इस द्वितलीय भवन में कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ ही मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार की स्थापना की गयी है। यमुना परिसर में ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों के आवासीय भवन जिसमें टाइप–1, टाईप–2 एवं टाईप–3 प्रकार के फ्लैट्स के निर्माण का कार्य चल रहा है।

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित आवासीय परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है

विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा वृक्षारोपण करते हुए पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी साथ में मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी एवं विश्वविद्यालय परिवार।

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद के भवन का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी साथ में कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे, एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार।

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद में मैत्रेयी ग्रंथालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण

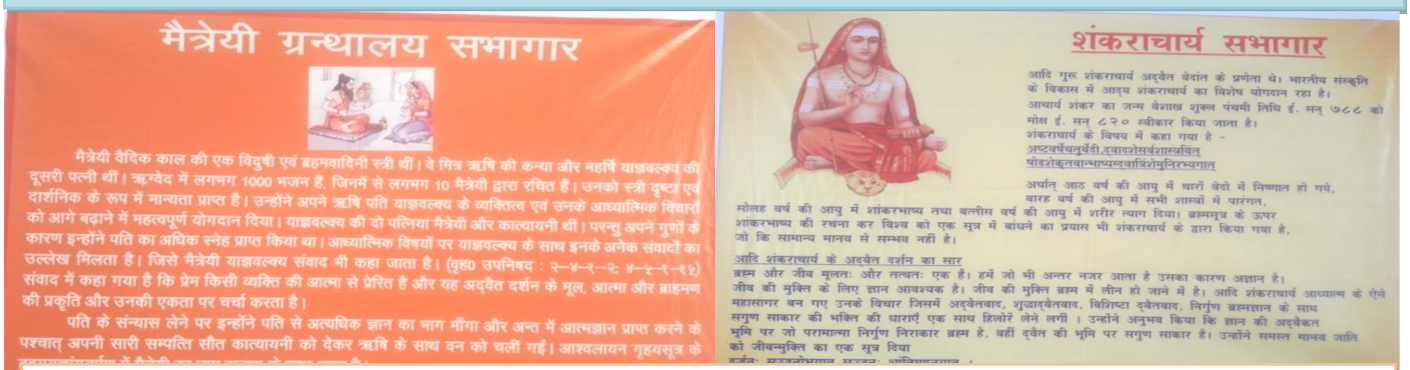

मैत्रेयी ग्रन्थालय सभागार

मैत्रेयी वैदिक काल की एक विदुषी एवं ब्रह्मवादिनी स्त्री थीं। वे मित्र ऋषि की कन्या और महर्षि याज्ञवल्क्य की दूसरी पत्नी थीं। ऋग्वेद में लगभग 1000 भजन हैं, जिनमें से लगभग 10 मैत्रेयी द्वारा रचित हैं। उनको स्त्री दृष्टा एवं दार्शनिक के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने अपने ऋषि पति याज्ञवल्क्य के व्यक्तित्व एवं उनके आध्यात्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। याज्ञवल्क्य की दो पत्नियां मैत्रेयी और कात्यायनी थीं। परन्तु अपने गुणों के कारण इन्होंने पति का अधिक स्नेह प्राप्त किया था। आध्यात्मिक विषयों पर याज्ञवल्क्य के साथ इनके अनेक संवादों का उल्लेख मिलता है। जिसे मैत्रेयी याज्ञवल्क्य संवाद भी कहा जाता है। (वृह0 उपनिषद : २–४–१–२; ४–५–१–१५) संवाद में कहा गया है कि प्रेम किसी व्यक्ति की आत्मा से प्रेरित है और यह अद्वैत दर्शन के मूल, आत्मा और ब्राह्मण की प्रकृति और उनकी एकता पर चर्चा करता है।

पति के संन्यास लेने पर इन्होंने पति से अत्यधिक ज्ञान का भाग माँगा और अन्त में आत्मज्ञान प्राप्त करने के पश्चात् अपनी सारी सम्पत्ति सौत कात्यायनी को देकर ऋषि के साथ वन को चलीं गईं। आश्वलायन गृहयसूत्र के

शंकराचार्य सभागार

आदि गुरू शंकराचार्य अद्वैत वेदांत के प्रणेता थे। भारतीय संस्कृति के विकास में आदय शंकराचार्य का विशेष योगदान रहा है।
आचार्य शंकर का जन्म वैशाख शुक्ल पंचमी तिथि ई. सन् ७८८ को मोक्ष ई. सन् ८२० स्वीकार किया जाता है।
शंकराचार्य के विषय में कहा गया है -
अष्टवर्षेचतुर्वेदी,द्वादशेसर्वशास्त्रवित्
षोडशेकृतवान्भाष्यम्द्वात्रिंशेमुनिरभ्यगात्
अर्थात् आठ वर्ष की आयु में चारों वेदो में निष्णात हो गये,
बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत,
सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है।

आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन का सार
ब्रह्म और जीव मूलतः और तत्वतः एक हैं। हमें जो भी अन्तर नजर आता है उसका कारण अज्ञान है। जीव की मुक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है। जीव की मुक्ति ब्रह्म में लीन हो जाने में है। आदि शंकराचार्य आध्यात्म के ऐसे महासागर बन गए उनके विचार जिसमें अद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, विशिष्टा द्वैतवाद, निर्गुण ब्रह्मज्ञान के साथ सगुण साकार की भक्ति की धाराएँ एक साथ हिलोरें लेने लगीं । उन्होंने अनुभव किया कि ज्ञान की अद्वैतिक भूमि पर जो परामात्मा निर्गुण निराकार ब्रह्म है, वही द्वैत की भूमि पर सगुण साकार है। उन्होंने समस्त मानव जाति को जीवन्मुक्ति का एक सूत्र दिया

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद में मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर ,डॉ0 अशोक गजानन मोडक जी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर0पी0 मिश्र जी एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी।

नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद में मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का निरीक्षण करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर डॉ0 अशोक गजानन मोडक जी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर0पी0 मिश्र जी एवं विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 एम0पी0 दुबे जी

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के चहारदीवारी का निर्माण।

(ख) तकनीकी अधिसरंचना (Techological Infra-structure)

विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (आई0सी0टी0) द्वारा घर बैठे गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिये निरन्तर अथक प्रयास किया जा रहा है। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (आई0सी0टी0) के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उच्च स्थान दिलाने के लिए विश्वविद्यालय प्रबन्ध प्रणाली (यू0एम0एस0) के समस्त घटकों जैसे प्रवेश, परीक्षा, परामर्श, स्वअध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों के व्याख्यान, सूचना विवरणिका आदि को आनलाइन कर दिया गया है। मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्सेज (MOOC) ऑनलाइन अधिन्यास, परीक्षा परिणाम, अंकपत्र, आफिस आटोमेशन, वाईफाई की व्यवस्था विश्वविद्यालय के तकनीकी पक्ष को और अधिक मजबूत करता है। इस व्यवस्था के द्वारा कोई भी शिक्षार्थी कहीं भी और कभी भी आई0सी0टी0 का उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गति लाने के लिए पूरे विश्वविद्यालय प्रबंध तंत्र को शिक्षार्थी केन्द्रित, समयबद्ध तथा कम लागत में सभी शिक्षार्थियों को शिक्षा उपलबध कराने की दिशा में सक्रिय किया गया है। विश्वविद्यालय ने इन सबके अतिरिक्त शिक्षार्थियों को सम्पूर्ण शैक्षिक व्यवस्था का लाभ मोबाइल ऐप से भी उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अपने तीन मुख्य आधार स्तम्भों स्वाध्याय, स्वमन्थन तथा स्वावलम्बन के माध्यम से दूरस्थ एवं मुक्त पद्धति में शिक्षा प्रदान कर रहा है। शिक्षार्थियों को कुशल एवं प्रभावी परामर्श देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में सुयोग्य शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं की नियुक्ति की गई है तथा अध्ययन केन्द्रों पर यह कार्य विशेषज्ञ प्रवक्ताओं के द्वारा पूर्ण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय दिन प्रतिदिन अपने विकासमान तकनीकी संसाधनों के माध्यम से स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। साथ ही अधिकांश शिक्षार्थी आधुनिक तकनीकी का उपयोग करके अपने ज्ञानार्जन में निरन्तर वृद्धि कर रहें है।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में इस विश्वविद्यालय के दस क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित हो चुके हैं जिनके अन्तर्गत अनेक अध्ययन केन्द्र सुदूर क्षेत्रों में भी स्थापित है। इन दूर–दराज के क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय उच्च प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के मुख्यालय द्वारा दसों क्षेत्रीय केन्द्रों पर वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सीधा सम्पर्क बनाये रखने के लिए भी संसाधन विकसित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अद्यतन सूचनाओं का संग्रह रहता है। इस वेबसाइट को गूगल द्वारा सबसे अधिक सर्च की जाने वाली वेबसाइट होने पर सराहा गया है। वेबसाइट के माध्यम से विश्वविद्यालय की सभी जानकारियां, गतिविधियां एवं सूचनाएं ऑनलाइन कर दिये जाने से पलभर में संपूर्ण विष्व में उनका प्रचार एवं प्रसार आसानी से हो जाता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर नेटवर्किंग, फेसबुक, ट्विटर, यू–टयूब, डाउनलोडिंग, मल्टीमीडिया, मोबाइल वैन, मोबाइल एस0एम0एस0 तथा ज्ञानवाणी से रिकार्डेड शैक्षिक कार्यक्रमों की सी0डी0 के माध्यम से भी छात्रों का मार्गदर्शन हो रहा है।

(ग) मानव संसाधन (Human Resources)

यद्यपि मानव उद्यम के विभिन्न क्षेत्रों में भौतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में भौतिक संसाधनों साथ ही साथ मानवीय संसाधनों की भी आवश्यकता अनिवार्य रूप से होती है। भौतिक संसाधनों की मदद से शिक्षा, शिक्षक तथा शिक्षार्थी के मध्य एक प्रभावी सम्बन्ध स्थापित होता है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्येताओं के बौद्धिक विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय द्वारा षिक्षकों के चयन में विशेष रूप से योग्यता एवं गुणवत्ता के साथ ही पारदर्शिता का भी ध्यान रखा जाता है। सुशिक्षित, अनुभवी एवं कुशल शिक्षकों द्वारा शिक्षा के स्तर एवं गुणवत्ता में उत्तरोत्तर वृद्धि का ध्यान रखा जाता है। मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों का उत्तरदायित्व परम्परागत् शिक्षण संस्थाओं में संलग्न शिक्षकों से कहीं अधिक है। इस अध्ययन प्रणाली में सुगमता एवं लचीलापन विद्यमान है। पाठ्यक्रम के अनुसार सभी प्रश्न–पत्रों की पूर्व निर्धारित काउन्सिलिंग होती है। शिक्षक अधिन्यास कार्य हेतु परामर्श देता है और अधिन्यास का मूल्यांकन

भी करता है। शिक्षकों को प्रवेश पूर्व काउन्सिलिंग से शैक्षणिक कार्यक्रम की समाप्ति तक जिज्ञासु शिक्षार्थियों को निर्देशन प्रदान करना रहता है।

विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, शैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ अपने–अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन भली–भांति करने हेतु तत्पर रहते हैं। प्रभावी निष्पादन हेतु उन्हें समय–समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। विशिष्ट व्याख्यानों के लिए महत्वपूर्ण शिक्षण सस्थाओं से विशेषज्ञ आमंत्रित करके छात्रों को निरन्तर लाभान्वित किया जाता है। लचीलापन दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता है इसके साथ ही सरल एवं बोधगम्य पाठ्य सामग्री भी छात्रों का मार्गदर्शन करती है। यह मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को स्वनिर्मित पाठ्य सामग्री के माध्यम से संस्कार, मूल्य और जीवन दर्शन की शिक्षा प्रदान कर मानव जीवन के उच्चतर उददेश्यों की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। इस विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के निरन्तर गुण संवर्धन तथा ज्ञान के समाजोपयोगी विकास हेतु शिक्षकों को तदनुसार स्वयं में कौशल विकास हेतु प्रेरित किया जाता है। उनकी सहायता हेतु विश्वविद्यालय में वर्ष पर्यन्त सेमिनार, संगोष्ठियां तथा कार्यशाला यें आयोजित की जाती है। क्षेत्रीय केन्द्रों के साथ ही अध्ययन केन्द्रों पर सुयोग्य मानवीय संसाधनों की समुचित व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है।

विश्वविद्यालय में बढ़ते हुए शैक्षणिक तथा प्रशासनिक कार्यो के सुचारू संपादन हेतु नवीन पदों का सृजन राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सेवा शर्तो के अनुरूप इन पदों पर नियुक्तियां की जाती है। अनेक तकनीकी एवं शिक्षणेत्तर वर्ग में कुशल कर्मचारियों की नियुक्ति शैक्षिक तथा प्रशासनिक कार्यो की सम्यक व्यवस्था में सहयोग देने के लिए की गयी है। क्षेत्रीय केन्द्रों को मजबूती प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय समन्वयकों को पहली बार स्वतंत्र रूप से क्षेत्रीय निदेशक का पदनाम देते हुए उनकी शक्तियों एवं उत्तरदायित्वों में वृद्धि की गयी है। विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों को पुरस्कृत भी किया जाता है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग से भी सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षक एवं कर्मचारियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जाता है। विगत वर्ष तथा इस वर्ष विश्वविद्यालय में एक प्रोफेसर, तीन निदेशक/प्रोफेसर उपनिदेशक, एक एसोसिएट प्रोफेसर, पांच असिस्टेन्ट प्रोफेसर, दो उपकुलसचिव तथा दो शैक्षणिक परामर्शदाताओं की सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति की गई। इसके साथ ही एक प्रोफेसर तथा पॉच असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स स्टेज II एवं स्टैज III में पदोन्नति के माध्यम से नियुक्ति हुए। इनके अतिरिक्त कई अन्य पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया भी विश्वविद्यालय में शैक्षिक संवर्धन एवं विस्तार के लिए चल रही है।

सम्यक रूप से यह विश्वविद्यालय ज्ञान रूपी ज्योति को प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुॅचाने तथा ऐसे शिक्षार्थी जो औपचारिक रूप से अध्ययन नहीं कर सकते उनमें शिक्षा के प्रति अभिरूचि जागृत कर उपयुक्त अवसर प्रदान करने की दिषा में निरन्तर प्रयत्नशील है। इसका सुपरिणाम संपूर्ण प्रदेश एवं देश –विदेश में इस विश्वविद्यालय की बढती लोकप्रियता के रूप में स्पष्टतया परिलक्षित हो रहा है। आगे भी इस प्रकार के प्रयासों को निष्ठापूर्वक जारी रखने के लिए विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिवार संकल्पबद्ध है।

3.शैक्षणिक कार्यक्रम एवं अधिगम संसाधन

(Academic Programmes and Learning Resources)

विश्वविद्यालय की प्रगति में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा अधिगम संसाधनों का होता है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अपनी स्थापना वर्ष से ही दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से औपचारिक उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर समसामयिक एवं गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय ने निर्धन ज्ञान–पिपासुओं, विकलांगों, महिलाओं, ग्रामीण अंचल के निवासियों तथा सेवारत व्यक्तिओं को शिक्षा के विशेष अवसर उपलब्ध कराये हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था एवं संचालन को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के लिए पूरे प्रदेश में 10 क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, कानपुर, झांसी, मेरठ, आगरा एवं गाजियाबाद स्थापित किये गये हैं। सत्र 2016–17 में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में 707 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाया जा रहा है। सत्र 2016–2017 में विश्वविद्यालय द्वारा भिन्न–भिन्न स्तर एवं भिन्न–भिन्न प्रकृति के 96 गुणवत्तायुक्त एवं रोजगार शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए गए।

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अतिरिक्त पी.जी. डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र कार्यक्रम तथा नॉन–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम सत्र 2016–17 में संचालित किए गए। विश्वविद्यालय ने इस सत्र में अनेक सामान्य कार्यक्रमों के साथ–साथ सामुदायिक कालेज के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कौषल विकासयुक्त कार्यक्रमों को भी प्रस्तावित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है –

(क) कार्यक्रमों की प्रकृति (Nature of the Programmes)-

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 96 कार्यक्रमों में व्यावसायिक, रोजगारपरक, परम्परागत आदि भिन्नताओं के साथ–साथ प्रारूपगत, अर्हता, अवधि, परीक्षा प्रणाली सम्बन्धी अनेक विविधताएँ हैं। इन्हीं विभिन्नताओं पर कार्यक्रमों की प्रकृति निर्भर करती हैं। सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट–08 में दर्शाया गया है।

(i) शिक्षार्थी केन्द्रित शैक्षिक कार्यक्रम (Learner Centric Academic Programmes)-

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के किसी कार्यक्रम के प्रवेशार्थी/शिक्षार्थी अन्य विश्वविद्यालय में भी छात्र रह सकते हैं, परन्तु उसी प्रकृति अर्थात् उसी स्तर के उपाधि, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र के कार्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति अथवा दूरस्थ एवं परम्परागत शिक्षा पद्धति से उसी विश्वविद्यालय अथवा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में कोई भी अध्ययनरत शिक्षार्थी निम्न संयोजन के अनुसार कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प चुन सकता है।

डेब के नवीन दिशा–निर्देश के द्वारा सत्र 2016–2017 में निम्न संयोजन के अनुसार एक साथ दो कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है–

1. एक डिग्री एवं एक डिप्लोमा/परास्नातक डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
2. एक परास्नातक डिप्लोमा एवं डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
3. एक डिप्लोमा एवं एक प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
4. दो परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम
5. दो डिप्लोमा कार्यक्रम
6. दो प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(ii) शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण (Deseription of Academic Programmes)

शिक्षार्थी हित में दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि के साथ–साथ अधिकतम अवधि की भी सुविधा शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराई है। इस पद्धति के द्वारा शिक्षा प्राप्त करने पर शिक्षार्थियों को कार्यक्रम पूर्ण करने के लिए पर्याप्त समय प्राप्त होता है। ौक्षिक कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है –

स्नातक, स्नातकोत्तर, पी0जी0 डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र एवं नॉन–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम

वार्षिक आधार पर आधारित स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का विवरण

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
1.	**स्नातक कार्यक्रम Bachelor Programmes**			
101	Bachelor of Arts (B.A.) स्नातक कला (बी.ए.)	124	3	10+2
102	Bachelor of Commerce (B.Com.) स्नातक वाणिज्य (बी.काम.)	124	3	10+2
103.	B.A. in Tourism (पर्यटन में बी.ए.)	124	3	10+2
2.	**स्नातक विज्ञान (बी.एस–सी.) Bachelor of Science (B.Sc.)**			
104	Bachelor of Science (B.Sc.) स्नातक विज्ञान (बी.एस–सी.)	124	3	10+2
3.	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम Postgraduate Programmes**			
201	स्नातकोत्तर कला (Master of Arts) [MA] (Hindi, *English, History, Sociology, Political Science, Economics, Education, Statistics*, Philosophy, Sanskrit. Social Work)	80	2	Graduate (10+2+3)
214	वाणिज्य में स्नातकोत्तर Master of Commerce [M.Com.]	80	4	Graduate (10+2+3)
223	विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Science (M.Sc.) सांख्यिकी एवं जैवरसायन (Statistics & Biochemistry)	80	4	Graduate (10+2+3) with concerned subject

वार्षिक आधार पर आधारित एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
4.	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम** Post Graduate Diploma Programmes			
207	अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Translation [PGDT]	**40**	1	Graduate (10+2+3) with Hindi/ Eng. as one of the subject with adequate Knowledge and proficiency in Hindi/Eng.
210	हिन्दी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Creative Writing in Hindi [PGDCWH]	40	1	Graduate (10+2+3) with Hindi as a subject at Degree level
211	शिक्षा प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (Post Graduate Diploma in Educational Adminstration) [PGDEA]	40	1	Graduate (10+2+3)
212	पर्यावरण एवं संधृत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (Post Graduate Diploma in Environment and Sustainable Development) [PGD-ESD]	56	1	Graduate (10+2+3)
213	इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (Post Graduate Diploma in Electronic Media Management and Film Production) [PGDEM&FP]	40	1	Graduate 10+2+3

220	वोकेषनल गाइडेन्स एवं कैरियर काउन्सिलिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Vocational Guidance and Career Counselling [PGDVGCC]	40	1	Trained Graduate (10+2+3) Teacher with two years experience OR M.A. (Education)/M.A. (Psychology)/ M.Ed. OR Educational Administrator with degree in Education /Psychology and 2 years experience.
221	दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Distance Education (PGDDE)	40	1	Graduate (10+2+3)
224	प्रयोजनमूलक हिन्दी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Functional Hindi (PGDFH)	40	1	Graduate (10+2+3)
225	ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Rural Journalism and Mass Communication (PGDRJMC)	40	1	Graduate (10+2+3)
976	उपभोक्ता संरक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Consumer Protection (PGDCP)	40	1	Graduate (10+2+3)
977	ग्रीन सोशल वर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Green Social Work (PGDGSW)	40	1	Graduate (10+2+3)
982	गाँधी विचार एवं शान्ति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Gandhian Thought and Peace Studies (PGDGTS)	40	1	Graduate (10+2+3)

वार्षिक आधार पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरण :–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
5.	**सामान्य डिप्लोमा कार्यकम** **General Diploma Programmes**			
301	स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (Diploma in Health Education and Nutrition [DHEN])	40	1	10+2
302	पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा Diploma in Tourism Studies [DTS]	40	1	10+2
303	ग्रामीण विकास में डिप्लोमा Diploma in Rural Development [DRD]	40	1	10+2
304	डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन में डिप्लोमा Diploma in Dietetics and Nutrition [DCDN]	40	1	10+2
305	प्रारम्भिक बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा में डिप्लोमा Diploma in Early Childhood Care and Education [DECE]	32	1	10+2
601	फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा Diploma in Fashion Designing (DFD)	40	1	10+2
602	टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा Diploma in Textile Designing (DTD)	40	1	10+2
603	डिप्लोमा इन फोटोग्राफी Diploma in Photography [DIP]	40	1	10+2

604	डिप्लोमा इन होम आर्टस् Diploma in Home Arts [DHA]	40	1	10+2
905	**डिप्लोमा इन एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर** Diploma in Applied Statistics and Computer (DASC)	40	1	10+2
980	**डिप्लोमा इन** ज्वेलरी डिजाइन Diploma in Jewelry Designing (DJD)	40	1	10+2
981	**डिप्लोमा इन** पेपर क्राफ्ट Diploma in Paper Craft (DPC)	40	1	10+2
983	**डिप्लोमा इन** उर्दू Diploma in Urdu (DUR)	40	1	10+2 Pass (With Urdu as One of the Subjects) Or its Equivalent or a certificate in Urdu Language from IGNOU
984	**डिप्लोमा इन** उर्दू जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन Diploma in Urdu Journalism & Mass Communication (DUJMC)	40	1	10+2 Pass (With Urdu as One of the Subjects) Or its Equivalent or a certificate in Urdu Language from IGNOU
985	**डिप्लोमा इन** उर्दू न्यूज रीडिंग एण्ड एंकरिंग Diploma in Urdu News Reading & Anchoring (DUNRA)	40	1	10+2 Pass (With Urdu as One of the Subjects) Or its Equivalent or a certificate in Urdu Language from IGNOU

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित स्नातक कार्यक्रमों का विवरण :–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
1.	**स्नातक कार्यक्रम** /Bachelor Programmes			
105	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक Bachelor of Computer Application (BCA)	**132**	3	10+2 with Maths or Computer Course of 6 months duration or CCC or equivalent.
108	व्यवसाय प्रषासन में स्नातक Bachelor of Business Adminstration (BBA)	**120**	3	10+2
202	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक Bachelor of Library and information Science (BLIS)	**48**	1	Graduate (10+2+3)

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का विवरण

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
2.	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम** **Post Graduate Programmes**			

203	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Library and Information Science [MLIS]	62	1	Bachelor of Library and information Science (BLIS)
205	पत्रकारिता में स्नातकोत्तर Master of Journalism (MJ)	104	2	Graduate (10+2+3)
706	कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर Master of Computer Science (MSc. CS.)	80	2	Graduate (10+2+3) with Computer Science

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरण :–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
3	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम** **Post Graduate Diploma Programmes**			
204	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Gradutate Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC).	**40**	1	Graduate (10+2+3)
206	वित्तीय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Financial Management (PGDFM)	40	1	Graduate (10+2+3)
208	अन्तर्राष्ट्रीय मार्केटिंग और ई– बिजनेस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Gradutate Diploma in Internatioal Marketing and E-Business (PGDIMB)	**40**	1	Graduate (10+2+3) with 6 months Computer Diploma or DOEACC 'O' Level.
215	विपणन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Marketing Management (PGDMM)	40	1	Graduate (10+2+3)
216	उत्पादन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Production Management (PGDPM)	40	1	Graduate (10+2+3)
217	मानव संसाधन विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma in Human Resource Development (PGDHRD)	40	1	Graduate (10+2+3)
501	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा Post Graduate Diploma. in Computer Application (PGDCA)	48	1	Graduate (10+2+3) with Maths at 10+2 or six months Computer Course
978	Post Graduate Diploma in Tourism Management (PGDTM)	40	1	Three year Bachelor Degree

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
4.	**सामान्य डिप्लोमा कार्यक्रम** General Diploma Programmes			
502	कम्प्यूटर में बेसिक डिप्लोमा	**40**	1	10+2

	Basic Diploma in Computer (DIC)			
504	कार्यालय प्रबन्धन में कम्प्यूटर में डिप्लोमा Diploma in Computer office Management (DCOM)	40	1	10+2
506	हार्डवेयर टेक्नालॉजी में डिप्लोमा Diploma in Hardware Technology (DIHT)	40	1	10+2

प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
5.	**प्रमाण–पत्र कार्यक्रम** Certificate Programmes			
401	पोस्ट–हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन में प्रमाण–पत्र Certificate in post Harvest Tecnology and Value Addition [CPHT&VA]	**12**	½	10+2
402	औषधीय एवं सगन्धीय पौधों की खेती में प्रमाण–पत्र Certificate in Cultivation of Medicinal and Aromatic plants [CCMAP]	12	½	10+2
403	प्शुधन उत्पादन प्रणाली में प्रमाण–पत्र Certificate in Live Stock Production System [CLPS]	12	½	10+2
405	पर्यटन अध्ययन में प्रमाण–पत्र Certificate in Tourism Studies (CTS)	24	½	10+2
406	शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण–पत्र Certificate in Child Care and Nutrition [CCCN]	16	½	10+2
407	पोषण एवं आहार में प्रमाण–पत्र Certificate in Nutrition and Food [CNF]	24	½	10+2
408	उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण–पत्र Certificate in Consumer Protection [CCP]	16	½	10+2
409	मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र Certificate in Human Rights (CHR)	16	½	10+2
412	आपदा प्रबन्धन में प्रमाण–पत्र Certificate in Disaster Management [CDM]	16	½	10+2
413	एच.आई.वी. एवं परिवार शिक्षा में प्रमाण–पत्र Certificate in HIV and Family Education [CHFE]	16	½	10+2
414	महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण–पत्र Certificate in Women Empowerment and Development [CWED]	16	½	10+2
415	योग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम Certificate Course in Yoga [CCY]	20	½	10+2
417	कारपेट एण्ड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में प्रमाण–पत्र Certificate in Carpet and Textile Technology [CCTT]	20	½	8th Pass
418	कराधान और निर्यात–आयात प्रबन्धन में प्रमाण –पत्र Certificate in Taxation and Export- Import Management [CTEIM]	16	½	Graduate (10+2+3)
423	व्यावहारिक अपराध शास्त्र में प्रमाण–पत्र Certificate in Applied Criminology [CAC]	16	½	10+2
424	फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र Certificate in Fashion Designing [CFD]	24	½	10th Pass
425	टेक्सटाइल डिजाइनिंग में प्रमाण पत्र Certificate in Textile Designing [CTD]	24	½	10th Pass
426	ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रमाण–पत्र Certificate in Rural Journalism and Mass Communication [CRJMC]	24	½	10th Pass

505	कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र Certificate in Computer Course (CCC)	24	½	10+2
959	व्यावहारिक सांख्यिकी और कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र Certificate in Applied Statistics and Computer (CASC)	24	½	10+2
961	फॉरेन्सिक साइंस में प्रमाण–पत्र Certificate in Forensic Science (CFS)	24	½	10+2 (Science)
979	Certificate in Tourism Management (CTM)	24	½	10+2

नॉन–क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रमों का विवरणः–

कार्यक्रम कोड Prog. Code	कार्यक्रम का नाम Name of the programme	क्रेडिट Credit	न्यूनतम अवधि (वर्षो में) Min. Duration (Yrs)	प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता Min. Qualification for Admission
6.	**जागरूकता कार्यक्रम** **Awareness Programmes**			
801	पंचायतीराज जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Panchyati Raj [APPR]		2 Months	VIII Standard pass
802	योग–जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Yoga [APY]		2 Months	High School or Equivalent
803	डेरी उद्योग जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Dairy Farming [APDF]		2 Months	VIII Standard Pass
805	शिशु पालन एवं पोषण में जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Child Care and Nutrition {APCCN}		2 Months	High School or Equivalent
806	पोषण एवं आहार में जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in Child Nutrition and Food{APNF}		2 Months	High School or Equivalent
807	एच0 आई0 वी0 एवं परिवार शिक्षा में जागरूकता कार्यक्रम Awareness Programme in HIV and Family Education (APHFE)		2 Months	High School or Equivalent

(iii) कार्यक्रमों के विभिन्न प्रारूप (Different Formats of Programmes)-

शिक्षार्थियों को उनकी क्षमता एवं अभिरूचि के अनुरूप अध्ययन हेतु उपाधि कार्यक्रम, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, सामान्य डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र तथा जागरूकता कार्यक्रमों के अन्तर्गत पाठ्यक्रम चयन के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। सत्र 2016–17 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशानुसार स्नातक (कला, वाणिज्य, विज्ञान), पर्यटन में बी.ए., कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (BCA), व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS), स्नातकोत्तर कार्यक्रम (कला, विज्ञान, वाणिज्य), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS), पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ), कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA) तथा व्यवसाय प्रषासन में स्नातकोत्तर(MBA)– कार्यक्रमों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) को लागू किया गया है। CBCS के अन्तर्गत स्नातक कार्यक्रमों में विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम तथा विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के साथ साथ नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम, वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम तथा कौशल विकास कार्यक्रमों को भी समाहित किया गया है।

स्नातकोत्तर स्तर पर विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम तथा विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के साथ ही अन्य विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के चयन की भी व्यवस्था की गयी है। स्नातकोत्तर स्तर द्वितीय वर्ष में नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर दोनों ही स्तरों पर नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया हैं।

बी.एड तथा बी.एड.(विशिष्ट शिक्षा) कार्यक्रमों में विगत सत्रों से ही एन.सी.टी.ई. तथा आर.सी.आई. के मानकों के अनुसार क्रेडिट पद्वति लागू है।

(iv) कार्यक्रमों में क्रेडिट पद्धति (Credit System of Programmes)-

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए निर्धारित क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य होता है। क्रेडिट का अर्थ अध्ययन में लगने वाले समय से होता है। एक क्रेडिट के लिए अध्ययन का निर्धारित समय 30 घण्टे होता है, जिसमें परामर्श कक्षाएँ, स्वाध्याय तथा प्रयोगात्मक कार्य करने होते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों के हित में सत्र 2016–17 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के क्रेडिट को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देश अनुसार सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुरूप कर दिया गया है। स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों, डिप्लोमा कार्यक्रमों, तथा प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में डेब के अनुसार क्रेडिट का निर्धारण किया गया है।

(v) स्नातक कार्यक्रम (Graduate Programmes)-

विश्वविद्यालय द्वारा कला, वाणिज्य, विज्ञान, पर्यटन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय प्रशासन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान आदि विषयों में स्नातक स्तर के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कला वर्ग में शिक्षार्थियों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, समाज शास्त्र, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, उर्दू, शिक्षाशास्त्र, गणित, सांख्यिकी, फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग जैसे महत्त्वपूर्ण विषयशिक्षार्थियों के चयन हेतु विकल्प के रूप में उपलब्ध हैं।

(क) स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

स्नातक उपाधि स्तर के कार्यक्रमों क्रमशः स्नातक कला कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए न्यूनतम अवधि तीन वर्षहै। स्नातक कार्यक्रम में प्रत्येक शिक्षार्थी को कुल 124 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन करना अनिवार्य है। इसके अन्तर्गत शिक्षार्थी को अपने चयनित तीनों विषयों के 8–8 क्रेडिट के 3 अनिवार्य प्रश्न–पत्रों (अर्थात कुल 24 क्रेडिट) का प्रत्येक वर्षमें अध्ययन करना अनिवार्य है। जिन विषयों में 8 क्रेडिट से कम के प्रश्न–पत्र भी हैं, उन विषयों के शिक्षार्थी को तीन से अधिक प्रश्नपत्रों का अध्ययन कुल 24 क्रेडिट को पूरा करने के लिए करना होगा। इसके साथ ही तीनों विषयों का एक–एक विषय केन्द्रित वैकल्पिक प्रश्नपत्र (08 क्रेडिट) प्रथम वर्ष में, द्वितीय वर्षमें तथा तृतीय वर्ष में लेना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम विषय का वैकल्पिक प्रश्न–पत्र प्रथम वर्षमें, द्वितीय विषयका वैकल्पिक प्रश्न–पत्र द्वितीय वर्षमें तथा तृतीय विषय का वैकल्पिक प्रश्न–पत्र तृतीय वर्षमें पढ़ना होगा। आधार पाठ्यक्रम (Foundation Course) के अन्तर्गत तीनों वर्षों में अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के एक–एक प्रश्नपत्रों (नॉन क्रेडिट) को प्रथम वर्ष में UGFODL, द्वितीय वर्षमें CHEQ/EA तथा तृतीय वर्षमें UGFIT का अध्ययन करना अनिवार्य है। आधार पाठ्यक्रम के एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र को प्रथम वर्षमें स्नातक कला के शिक्षार्थियों को UGFST (04 क्रेडिट) तथा द्वितीय वर्षमें UGFEG अथवा UGFHD (04 क्रेडिट) में से एक तथा सभी शिक्षार्थियों को तृतीय वर्ष DM अथवा AOCHE अथवा AOCNC अथवा SWM (04 क्रेडिट) में से किसी एक प्रश्न–पत्र को पूर्ण करना अनिवार्य है।

कौशल विकास से सम्बन्धित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से अपने स्नातक कार्यक्रम की अवधि के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में 8–8 क्रेडिट के दो प्रश्न–पत्र अपने सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में से चयन कर अध्ययन करना अनिवार्य है।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष में 36 क्रेडिट, द्वितीय वर्ष में 44 क्रेडिट तथा तृतीय वर्ष में 44 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए प्रश्न–पत्रों का चयन करते हुए कुल 124 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। तीनों वर्षों में 124 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जायेगा। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को भी उत्तीर्ण करना भी अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ख) स्नातक वाणिज्य कार्यक्रम (बी.कॉम)

स्नातक वाणिज्य वर्ग के शिक्षार्थी को 8–8 क्रेडिट के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में पढ़ना अनिवार्य है। विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्क्रम के अन्तर्गत शिक्षार्थी को 8–8 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयनकर तीनों वर्षों में अध्ययन करना होगा। इस प्रकार विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम, (8 क्रेडिट) द्वितीय (8 क्रेडिट) एवं तृतीय वर्षमें (8 क्रेडिट) को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष एक–एक नॉन क्रेडिट प्रश्नपत्र को उत्तीर्ण करना होगा तथा उसी प्रकार वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम के प्रथम वर्षमें UGFODL (4 क्रेडिट), द्वितीय वर्ष CHEQ/EA (4 क्रेडिट) तथा तृतीय वर्ष में UGFIT (4 क्रेडिट) का अध्ययन करना होगा।

वैकल्पिक कौशल विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत 08–08 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों का चयन कर एक प्रश्न–पत्र द्वितीय एवं एक प्रश्न–पत्र तृतीय वर्षमें अध्ययन करना अनिवार्य है।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष में 36 क्रेडिट, द्वितीय वर्ष में 44 क्रेडिट तथा तृतीय वर्ष में भी 44 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए 124 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। 124 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाएगा। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ग) स्नातक विज्ञान कार्यक्रम (बी0एससी0)

स्नातक उपाधि स्तर के स्नातक विज्ञान कार्यक्रम को पूरा करने के लिए न्यूनतम अवधि तीन वर्ष है। स्नातक विज्ञान कार्यक्रम में प्रत्येक शिक्षार्थी को कुल 124 क्रेडिट के पाठ्यक्रम का अध्ययन तीन वर्षमें करना अनिवार्य है। इसके अन्तर्गत शिक्षार्थी को अपने चयनित तीनों विषयों से अलग–अलग 24 क्रेडिट का अध्ययन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्षमें करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को 8 क्रेडिट के प्रश्नपत्र को पूर्ण करने के लिए एक से अधिक प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा। विषयकेन्द्रित अनिवार्य प्रश्नपत्रों के 08–08 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए प्रथम वर्षमें तीनों विषयों के समूह – एक में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। द्वितीय वर्षमें तीनों विषयों के विषयकेन्द्रित अनिवार्य प्रश्नपत्रों के 08–08 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए समूह – दो में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का तथा उसी प्रकार तृतीय वर्षमें समूह –तीन में अंकित सभी प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। इसके साथ ही तीनों विषयों के एक–एक विषय केन्द्रित वैकल्पिक प्रश्नपत्र (08 क्रेडिट) को प्रथम वर्ष में, द्वितीय वर्ष में तथा तृतीय वर्षमें समूह–चार से लेना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम का चयन तीनों विषयों के लिए समूह – चार में अंकित प्रश्न पत्रों से करना है। विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम विषयका वैकल्पिक प्रश्न–पत्र प्रथम वर्ष में समूह–चार से, द्वितीय विषय का वैकल्पिक प्रश्न पत्र द्वितीय वर्ष में समूह–चार से, तथा तृतीय विषय का वैकल्पिक प्रश्नपत्र समूह–चार से तृतीय वर्ष में पढ़ना होगा। समूह–चार के अन्तर्गत 08 क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए किन्हीं दो प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा। आधार पाठ्यक्रम (Foundation Courses) के अन्तर्गत तीनों वर्षों में अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के एक–एक प्रश्न पत्रों (नॉन क्रेडिट) को प्रथम वर्षमें UGFODL , द्वितीय वर्षमें CHEQ/EA तथा तृतीय वर्षमें UGFIT का अध्ययन करना अनिवार्य है। वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत एक–एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र को प्रथम वर्षमें UGFHS (04 क्रेडिट), द्वितीय वर्ष में UGFEG अथवा UGFHD (04 क्रेडिट) तथा तृतीय वर्ष में DM अथवा AOCHE अथवा AOCNC अथवा SWM (04 क्रेडिट) में से किसी एक प्रश्न–पत्र को पूर्ण करना होगा।

कौशल विकास से सम्बन्धित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए द्वितीय एवं तृतीय वर्षमें 8–8 क्रेडिट के दो प्रश्न–पत्रों का चयन अपने अध्ययन हेतु शिक्षार्थी को करना आवश्यक है।

इस प्रकार शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष में 36 क्रेडिट, द्वितीय वर्ष में 44 क्रेडिट तथा तृतीय वर्ष में 44 क्रेडिट के प्रश्न–पत्रों का चयन करते हुए अपने क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। इस प्रकार स्नातक विज्ञान कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए कुल 124 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों को पूर्ण करना अनिवार्य है। तीनों वर्षों में 124 क्रेडिट को पूर्ण न करने की दशा में उनका कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जायेगा। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि में ही नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्नपत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे स्नातक विज्ञान (BSc.) उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

स्नातक विज्ञान कार्यक्रम की संयुक्तियाँ

शिक्षार्थी जो स्नातक विज्ञान का अध्ययन करना चाहते हैं, उन्हें निम्न संयुक्तियों में से किसी एक को चयन करने की सुविधा होगीः–

(i) Physics, Chemistry, Mathematics.
(ii) Physics, Mathematics, Computer Science.
(iii) Botany, Zoology, Chemistry.
(iv) Physics, Mathematics, Statistics.
(v) Botany, Zoology, Biochemistry.
(vi) Physics, Chemistry, Statistics.
(vii) Physics, Statistics, Computer Science.
(viii) Mathematics, Statistics, Computer Science.

प्रत्येक विषयमें निर्धारित प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य रूप से करना होगा (गणित के अतिरिक्त)। निर्धारित प्रयोगात्मक कार्य किए बिना परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सामान्यतः प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम 25% प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य रूप से करना होगा।

(घ) कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बी.सी.ए.)

कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (BCA) कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को अपने प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम तथा 'ाष्ठ सेमेस्टरों में विषयकेन्द्रित अनिवार्य प्रश्नपत्रों के अन्तर्गत 04–04 क्रेडिट के चार–चार प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 04–04 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयन प्रत्येक छहों सेमेस्टरों में करना होगा। अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम (नॉन–क्रेडिट) के अन्तर्गत प्रथम सेमेस्टर में UGFODL, तृतीय सेमेस्टर में CHEQ/EA तथा पंचम सेमेस्टर में DM का अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार दूसरे, चौथे तथा छठे सेमेस्टर में वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रमों UGFST (04 क्रेडिट) अथवा AOCHE (04 क्रेडिट) अथवा AOCOM (04 क्रेडिट) अथवा AOCNC (04 क्रेडिट) अलग–अलग किसी एक प्रश्नपत्र का चयन द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययन के लिए करना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम/(Elective Foundation Course) के अन्तर्गत द्वितीय, चतुर्थ तथा 'ाष्ठ सेमेस्टर में भिन्न–भिन्न प्रश्न–पत्रों का चयन करना अनिवार्य है। किसी भी प्रश्न–पत्र की पुनरावृत्ति नहीं की जानी है। कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए प्रथम सेमेस्टर में 20 क्रेडिट, द्वितीय सेमेस्टर में 24 क्रेडिट, तृतीय सेमेस्टर में 20 क्रेडिट, चतुर्थ सेमेस्टर में 24 क्रेडिट, पंचम सेमेस्टर में 20 क्रेडिट तथा षष्ठ सेमेस्टर में 24 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य है। कार्यक्रम की अवधि में ही नॉन क्रेडिट कार्यक्रम को भी पूर्ण करना होगा। इस प्रकार शिक्षार्थी को कुल 132 क्रेडिट के प्रश्न–पत्र को अपने अध्ययन अवधि को पूर्ण करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ड़) व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (बी.बी.ए.)

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA) कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को अपने कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 12–12 क्रेडिट के विषयकेन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के लिए सभी चार सेमेस्टरों में 04–04 क्रेडिट के तीन–तीन प्रश्न–पत्रों का अध्ययन करना होगा। जबकि विषयकेन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए पंचम सेमेस्टर में 4+4+4+4=16 क्रेडिट के प्रश्न पत्र एवं छठे सेमेस्टर में 4+4+8=16 क्रेडिट के प्रश्नपत्रों का भी अध्ययन करना अनिवार्य है। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 04–04 क्रेडिट के एक–एक प्रश्न–पत्र का चयन कर तीनों वर्षों के प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन करना होगा। अनिवार्य आधार पाठ्यक्रमों (नॉन क्रेडिट) के अन्तर्गत एक–एक प्रश्न–पत्र का प्रथम सेमेस्टर में, तृतीय सेमेस्टर में तथा पंचम सेमेस्टर में अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठ सेमेस्टर में वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रमों के अलग–अलग एक–एक प्रश्नपत्रों (AOCHE अथवा AOCNC अथवा UGFIT अथवा AOCNC में से किसी एक) का अध्ययन करना होगा। कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में 16–16 क्रेडिट, द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 20–20 क्रेडिट तथा पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में 24–24 क्रेडिट कुल 120 क्रेडिट को पूर्ण करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(च) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बी.एल.आई.एस.)

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS) कार्यक्रम के शिक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय दोनों सेमेस्टरों में 04–04 क्रेडिट के तीन–तीन अनिवार्य प्रश्न–पत्रों का अध्ययन करना है। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत प्रथम सेमेस्टर में 08 क्रेडिट के एक प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा तथा द्वितीय सेमेस्टर में 04 क्रेडिट के एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दोनों सेमेस्टरों में एक–एक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। उसी प्रकार कौशल विकास कार्यक्रमों में से प्रथम सेमेस्टर में 04 क्रेडिट के एक प्रश्न पत्र का तथा द्वितीय वर्षमें 08 क्रेडिट के एक प्रश्न पत्र का अध्ययन करना होगा। इस प्रकार प्रथम सेमेस्टर में 24 क्रेडिट तथा द्वितीय सेमेस्टर में 24 क्रेडिट अर्थात् कुल 48 क्रेडिट को पूर्ण करने पर ही कार्यक्रम पूर्ण माना जाएगा। कार्यक्रम की अवधि में ही नॉन क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को भी पूर्ण करना अनिवार्य है। नॉन क्रेडिट कार्यक्रम को पूर्ण न करने की दशा में कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा एवं शिक्षार्थी को उपाधि प्रदान नही की जाएगी।

(vi) स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PostGraduate Programmes)

(क) स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर कला की उपाधि प्रदान की जाती हैः–

1- हिन्दी (Hindi)
2. अंग्रेजी (English)
3. इतिहास (History)
4. समाजशास्त्र (Sociology)
5. राजनीतिशास्त्र (Political Science)
6. अर्थशास्त्र (Economics)
7. शिक्षाशास्त्र (Education)
8. सांख्यिकी (Statistics)
9. दर्शनशास्त्र (Philosophy)
10. संस्कृत (Sanskrit)
11. समाज कार्य (Social Work)

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम चयन की विधि एवं रूपरेखाः–

त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम की संरचना को दो वर्षों में विभाजित किया गया है। इसकी परीक्षा वार्षिक आधार पर आयोजित कराई जाती है तथा तदनुसार परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा होती है।

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (M.A.) के शिक्षार्थी को अपने चयनित विषय के तीन–तीन अनिवार्य प्रश्न–पत्रों का प्रथम एवं द्वितीय वर्षों में अध्ययन करना होता है। इसके अतिरिक्त विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में 8–8 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्रों को दोनों वर्षों में पढ़ना होगा। इसके साथ ही शिक्षार्थी को विस्तृत ज्ञानार्जन हेतु प्रथम तथा द्वितीय दोनों वर्षमें अपने चयनित विषय के अतिरिक्त किसी अन्य विषयसे सम्बन्धित एक–एक प्रश्न–पत्र का अध्ययन करना होता है। इस प्रकार से कुल मिला कर शिक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय दोनों वर्षों में से प्रत्येक वर्षअपने चयनित विषय के तीन–तीन अनिवार्य प्रश्न पत्रों, एक–एक वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का तथा किसी अन्य विषय से सम्बन्धित एक–एक प्रश्न पत्रों का अध्ययन करना अपेक्षित है। इसके अलावा आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय वर्षमें नॉन क्रेडिट गाँधी विचार एवं शान्ति अध्ययन (PGFGS) अथवा मानवाधिकार एवं कर्त्तव्य (PGFHR) में से किसी एक प्रश्न पत्र को उत्तीर्ण करना भी अनिवार्य है। इस प्रकार से स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शिक्षार्थी द्वारा प्रथम वर्षमें 40 क्रेडिट के कार्यक्रम तथा द्वितीय वर्ष में भी 40 क्रेडिट के कार्यक्रम के साथ–साथ नान–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करना होता है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कुल 80 क्रेडिट का पाठ्यक्रम पूर्ण करना अनिवार्य है। 80 क्रेडिट पूर्ण न करने एवं इंगित नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम को पूर्ण न करने पर कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाता है।

शिक्षार्थी को कार्यक्रम की अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ख) स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम (एम.काम.)

स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में तीन वर्षीय स्नातक उपाधि है। स्नातकोत्तर वाणिज्य कार्यक्रम दो वर्षका है और शिक्षार्थी को प्रति वर्षप्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय दोनों वर्षों में 8–8 क्रेडिट के तीन–तीन अनिवार्य प्रश्न–पत्र, 08 क्रेडिट का एक वैकल्पिक प्रश्न–पत्र दोनों वर्षों में तथा किसी अन्य विषयसे सम्बन्धित 08 क्रेडिट के एक प्रश्न–पत्र का चयन करते हुए दोनों वर्षों में अध्ययन करना अनिवार्य है। इसके साथ ही द्वितीय वर्ष में नॉन–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रमों में से एक प्रश्न–पत्र का अध्ययन करना होगा।

शिक्षार्थी को कार्यक्रम की अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ग) स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम (एम.एस.–सी.)

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तीन विषयों में स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम संचालित कर रहा हैं। जैव रसायन एवं सांख्यिकी वार्षिक प्रणाली पर आधारित है जबकि M.Sc. Computer Science सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित है

1. जैव रसायन (Biochemistry) Eligibility :

Three year Bachelor degree with concerned subject (B.Sc. (Bio)/B.Sc.(Honours) with Chemistry as one of the subject Biochemistry/Microbiology/Biotechnology at B.Sc. Level).

2. सांख्यिकी (Statistics) Eligibility : Graduate in Mathematics/Statistics

स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम चयन की विधि एवं रूपरेखाः–

स्नातक विज्ञान (तीन वर्षीय) उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम दो वर्षका है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय एवं सत्रांत परीक्षा वर्षके अन्त में कराई जायेगी। समयानुसार प्रायोगिक कार्य (Laboratory Work) आयोजित किया जायेगा। वर्षके अन्त में इसमें भी प्रयोगात्मक परीक्षा कराई जायेगी। पाठ्यक्रम की रूपरेखा निम्नवत है :

स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम (MSc.) के शिक्षार्थी को अपने चयनित विषय के 24–24 क्रेडिट का प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में अध्ययन करना होता है। इसके अतिरिक्त विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम से 8–8 क्रेडिट को दोनों वर्षों में पढ़ना होगा। इसके साथ ही शिक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय दोनों वर्षों में किसी अन्य विषयसे सम्बन्धित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों मे से 08–08 क्रेडिट के एक–एक प्रश्न–पत्र का अध्ययन करना होगा है। इसके अलावा शिक्षार्थी को आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय वर्षमें नॉन क्रेडिट गाँधियन थाट्स एण्ड पीस स्टडीज अथवा ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटीज में से किसी एक प्रश्न पत्र को उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। इस प्रकार से स्नातकोत्तर विज्ञान कार्यक्रम में शिक्षार्थी द्वारा प्रथम वर्षमें 40 क्रेडिट के कार्यक्रम को तथा द्वितीय वर्ष में भी 40 क्रेडिट के कार्यक्रम को उत्तीर्ण करना होता है। सम्पूर्ण कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कुल 80 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य है। 80 क्रेडिट पूर्ण न करने एवं इंगित नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम को पूर्ण न करने पर कार्यक्रम पूर्ण नहीं माना जाता है।

शिक्षार्थी को कार्यक्रम की अवधि में ही नॉन क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन क्रेडिट पूर्ण न करने की दशा में कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा तथा शिक्षार्थी को उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(घ) कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एस.–सी. कम्प्यूटर साइंस)

कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर (M.Sc.) के शिक्षार्थियों को अपने चारों सेमेस्टर में 12–12 क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए 03–03 क्रेडिट के चार–चार प्रश्नपत्रों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में अध्ययन करना होगा। जबकि चतुर्थ सेमेस्टर में शिक्षार्थी को 12 क्रेडिट का प्रोजेक्ट कार्य करना अनिवार्य होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चारो सेमेस्टर में 04–04 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। अन्य विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 04–04 क्रेडिट के दो–दो प्रश्नपत्रों का चयन कर दोनों सेमेस्टरों में अध्ययन करना होगा। नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तृतीय सेमेस्टर में किसी एक प्रश्नपत्र का चयन कर अध्ययन करना होगा। इस प्रकार प्रथम सेमेस्टर में 16 क्रेडिट, द्वितीय सेमेस्टर में 24 क्रेडिट, तृतीय सेमेस्टर में 16 क्रेडिट तथा चतुर्थ सेमेस्टर में 24 क्रेडिट अर्थात कुल 80 क्रेडिट का अध्ययन कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए करना होगा। नॉन क्रेडिट कार्यक्रम को भी कार्यक्रम की अवधि में पूर्ण करना अनिवार्य है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम अवधि के दौरान ही नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को भी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। नॉन–क्रेडिट प्रश्न–पत्रों को पूर्ण न करने की दशा में शिक्षार्थी का पाठ्यक्रम पूरा नहीं माना जायेगा तथा उसे उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(ड़) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एल.आई.एस.)

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (MLIS) कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को प्रथम तथा द्वितीय दोनों सेमेस्टरों में 06–06 क्रेडिट के तीन–तीन अनिवार्य प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा। विषयकेन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 06–06 क्रेडिट के एक–एक प्रश्नपत्र का चयन कर दोनों सेमेस्टरों में अध्ययन करना होगा। इसके साथ ही नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम के एक–एक प्रश्न पत्र का अध्ययन दोनों सेमेस्टरों में अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी अन्य विषयसे सम्बन्धित 08 क्रेडिट के प्रश्पनत्र का प्रथम सेमेस्टर में तथा 06 क्रेडिट के प्रश्नपत्र द्वितीय सेमेस्टर में, का चयन कर अध्ययन करना होगा। इस प्रकार प्रथम वर्षमें 32 क्रेडिट तथा द्वितीय वर्षमें 30 क्रेडिट अर्थात् कुल 62 क्रेडिट को पूर्ण करने पर कार्यक्रम पूर्ण माना जाएगा। कार्यक्रम की अवधि में ही नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम को भी पूर्ण करना अनिवार्य है। 62 क्रेडिट के पाठ्यक्रम तथा नॉन क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को पूर्ण न कर पाने की दशा में कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा एवं शिक्षार्थी को उपाधि प्रदान नहीं की जाएगी।

(च) पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (एम.जे.)

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ) कार्यक्रम के शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम के दोनो वर्षो के प्रत्येक सेमेस्टर में 08–08 क्रेडिट के दो विषयकेन्द्रित अनिवार्य प्रश्न–पत्र तथा 08–08 क्रेडिट के एक–एक विषयकेन्द्रित वैकल्पिक प्रश्न–पत्र का चारों सेमेस्टर में चयन कर अध्ययन करना होगा। इसके साथ ही चतुर्थ सेमेस्टर में नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम का अध्ययन करना आवश्यक होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में 24–24 क्रेडिट को पूर्ण करते हुए कुल 96 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। नॉन क्रेडिट अनिवार्य आधार पाठ्यक्रम को भी कार्यक्रम की अवधि में पूर्ण करना अनिवार्य है। 96 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को तथा नॉन क्रेडिट आधार पाठ्यक्रम को पूर्ण किए बिना कार्यक्रम को पूर्ण नहीं माना जाएगा तथा शिक्षार्थी को किसी भी दशा में उपाधि प्रदान नही की जायेगी।

(vii) प्रवेश परीक्षा पर आधारित कार्यक्रम (Programmes Based on Entrance Test)

विश्वविद्यालय में संचालित व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA), कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (MCA), बी0एड0 तथा बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) कार्यक्रम प्रवेश परीक्षा पर आधारित हैं।

(viii) सामुदायिक कालेज के अर्न्तगत प्रस्तावित कौशल विकासयुक्त कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा एवं प्रमाण–पत्र स्तर के प्रस्तावित कौशल विकास युक्त कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है–

एडवांस डिप्लोमा कार्यक्रम – ई कामर्स , टूरिज्म एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, फैशन टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इन्टीरियर डिजाइनिंग, नर्सिंग, सर्विस एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, रिटेलिंग, एस पी एस एस, होटल मैनेजमेन्ट, एक्यूप्रेशर, एडवरटाइजिंग एण्ड पब्लिक रिलेशन, न्यूट्रीशनल बायोकेमिस्ट्री, इण्टरप्रेन्योरशिप, इन्डस्ट्रीयल बायोकेमिस्ट्री, न्यूज (कलेक्शन, राइटिंग एण्ड एडिटिंग), डायटीशियन एण्ड न्यूट्रीशन, हैन्डवर्क एण्ड नेटवर्किंग, फूड टेक्नोलॉजी एण्ड हास्पिटैलिटी, इन्श्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेन्ट।

डिप्लोमा कार्यक्रम – ई कामर्स , टूरिज्म एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, फैशन टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इन्टीरियर डिजाइनिंग, नर्सिंग, डेरी डेवलपमेन्ट, सर्विस एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, रिटेलिंग, एस पी एस एस, होटल मैनेजमेन्ट, एक्यूप्रेशर, एडवरटाइजिंग एण्ड पब्लिक रिलेशन, इनफारमेशन टेक्नोलॉजी, ई आफिस मैनेजमेन्ट, उर्दू ग्रामर एण्ड एस्से, कास्टूयम डिजाइनिंग एण्ड गारमेन्ट फैब्रिकेशन, बिजनेस लॉ, कम्पनी लॉ, कास्टिंग, न्यूट्रीशनल बायोकेमिस्ट्री, मार्केटिंग मैनेजमेन्ट, इण्टरप्रेन्योरशिप, इन्डस्ट्रीयल बायोकेमिस्ट्री, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, काउन्सिलिंग एण्ड गाइडेन्स, न्यूज (कलेक्शन, राइटिंग एण्ड एडिटिंग), डायटीशियन एण्ड न्यूट्रीशन, बिजनेस कम्यूनिकेशन, सेल्स मैनेजमेन्ट, ई लाइब्रेरी, क्रियेटिव क्राफ्ट्स, हैन्डवर्क एण्ड नेटवर्किंग, मेडिसिनिल एण्ड एरोमेटिक प्लान्ट्स, साइंटिफिक मेथड फार लैक कल्टिवेशन एण्ड इट्स वैल्यू एडिशन, फिश विथ पोल्ट्री एण्ड पर्ल कल्चर, योगा इन मार्डन लाइफ, कारपेट प्रोडक्शन एण्ड डिजाइन, फूड टेक्नोलॉजी एण्ड हास्पिटैलिटी, एकाउन्टेन्सी विथ टैली, फूड प्रोसेसिंग एण्ड प्रिजरवेशन, फ्रूट प्रिजरवेशन, इन्श्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेन्ट, फुटवेयर प्रोडक्शन डिजाइन एण्ड मैनेजमेन्ट, ग्लास वेयर, ब्रास वेयर।

प्रमाण पत्र कार्यक्रम – ई कार्मस , टूरिज्म एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, कमर्शियल आर्ट्स, ज्वैलरी डिजाइनिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इन्टीरियर डिजाइनिंग, नर्सिंग, डेरी डेवलपमेन्ट, सर्विस एण्ड हास्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट, रिटेलिंग, एस पी एस एस, होटल मैनेजमेन्ट, एक्यूप्रेशर, एडवरटाइजिंग एण्ड पब्लिक रिलेशन, इनफारमेशन टेक्नोलॉजी, ई–आफिस मैनेजमेन्ट, उर्दू ग्रामर एण्ड एस्से, कास्टूयम डिजाइनिंग एण्ड गारमेन्ट फैब्रिकेशन, ग्राफिक डिजाइनिंग बिजनेस लॉ, कम्पनी लॉ, कॉस्टिंग, न्यूट्रीशनल बायोकेमिस्ट्री, मार्केटिंग मैनेजमेन्ट, इण्टरप्रेन्योरशिप, इन्डस्ट्रीयल बायोकेमिस्ट्री, एजुकेशनल एडमिनिशट्रेशन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिन्टमीडिया, काउन्सिलिंग एण्ड गाइडेन्स, न्यूज (कलेक्शन, राइटिंग एण्ड एडिटिंग), डायटीशियन एण्ड न्यूट्रीशन, डिजिटल फोटोग्राफी, हैन्ड निटिंग, एम्ब्रायडरी, स्टिचिंग, बिजनेस कम्यूनिकेशन, सेल्स मैनेजमेन्ट, ई लाइब्रेरी, क्रियेटिव क्राफ्ट्स, हैन्डवर्क एण्ड नेटवर्किंग, मेडिसिनिल एण्ड एरोमेटिक प्लान्ट्स, मशरुम प्रोडक्शन, साइंटिफिक मेथड फार लैक कल्टिवेशन एण्ड इट्स वैल्यू एडिशन, स्वायल टेस्टिंग, फिश विथ पोल्ट्री एण्ड पर्ल कल्चर, योगा इन मार्डन लाइफ, कारपेट प्रोडक्शन एण्ड डिजाइन, सी सी सी, फूड टेक्नोलॉजी एण्ड हास्पिटैलिटी, एकाउन्टेन्सी विथ टैली, फूड प्रोसेसिंग एण्ड प्रिजरवेशन, फ्रूट प्रिजरवेशन, बी कीपिंग, इन्श्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेन्ट, फुटवेयर प्रोडक्शन डिजाइन एण्ड मैनेजमेन्ट, फर्स्ट एड, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, मोटर साइकिल सर्विस एण्ड रिपेयरिंग, ग्लास वेयर, ब्रास वेयर।

(ix) अधिगम संसाधन (Leaning Resources)

दूरस्थ शिक्षा एक ऐसी विधा है जो संसाधनों पर आधारभूत है। शिक्षा की इस विधा में कक्षा में आमने–सामने बैठकर अध्ययन–अध्यापन कार्य नहीं किया जाता है वरन् इसके स्थान पर अधिगम संसाधनों द्वारा शिक्षार्थी सीखता है। 'स्वाध्याय, स्वावलम्बन तथा स्वमंथन' दूरस्थ शिक्षा के तीन आधार स्तम्ब हैं। इस विधा में शिक्षार्थी स्वयं अध्ययन–मनन करके सीखता है

और उसके मन में उठने वाली जिज्ञासाओं एवं शैक्षिक समस्याओं का परामर्श सत्रों द्वारा निवारण किया जाता है। इस विधा में शिक्षक तथा शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी होती है। पाठ्य सामग्री एवं अधिगम संसाधनों द्वारा भी शिक्षार्थी को अध्ययन में सहायता मिलती है।

(x) स्व–अध्ययन सामग्री (Self Learning Materials)

दूरस्थ शिक्षा की रीढ़ कही जाने वाली स्व अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए शिक्षक का विकल्प होती है। स्व–अध्ययन सामग्री शिक्षक के स्थान पर शिक्षार्थी को अध्ययन के लिए प्रेरित करती है तथा उसका मार्गदर्शन करती है। स्व अध्ययन सामग्री के निर्माण में विशेष ध्यान रखा जाता है कि अध्ययन सामग्री की विषयवस्तु तथा भाषा आदि शिक्षार्थियां की क्षमता एवं स्तर के अनुरूप हो, जिससे वह शिक्षाथीमें शिक्षा के प्रति रूचि एवं जिज्ञासा उत्पन्न कर सके। सामग्री लेखन से पूर्व पाठ्यक्रम का निर्धारण कार्यक्रम के स्तर एवं शिक्षार्थी की अहर्ता–क्षमता का आकलन कर किया जाता है। इस कार्य के लिए विद्वानों एवं दक्ष विषय विशेषज्ञों की समिति गठित की जाती है, जिससे स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण उच्च कोटि का हो। समय समय पर पाठ्य सामग्री की उपयोगिता एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए पाठ्य –सामग्री का पुनर्निरीक्षण तथा संशोधन कर उसे अद्यतन किया जाता है।

छात्र केन्द्रित व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षार्थी अपनी इच्छानुसार कही भी बैठकर स्व अध्ययन कर सकता है। इसके लिए भी विश्वविद्यालय तीव्र गति से प्रयासरत हैं कि पाठ्य सामग्री को सी0डी0 (साफ्ट कापी) के रूप में भी उपलब्ध कराया जा सके तथा उसे ऑन लाइन उपलब्ध कराया जा सके।

(xi) विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित स्व–अध्ययन सामग्री (SLM developed by the University)

विश्वविद्यालय सत्र 2016–17 में भी पाठ्य–सामग्री के निर्माण की दिशा में तीव्रता से कार्य कर रहा है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के अनेक कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियों का निर्माण विश्वविद्यालय द्वारा तीव्रता से कराया जा रहा है। कई कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियों का लेखन पूर्ण हो चुका है तथा उनका परिमापन किया जा रहा है। पाठ्य–सामग्री निर्माण के लिए अलग–अलग विषयों के अध्ययन बोर्डो का गठन किया गया है जिससे समिति के सदस्यों द्वारा पाठ्यक्रमों का अवलोकन एवं आधुनिकीरण किया जा सके। विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रमों की पाठ्य–सामग्रियॉ हिन्दी–अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध हैं तथा ऐसे विषय है, जिनकी पाठ्य सामग्री किसी एक माध्यम में ही उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा अद्यतन निर्मित स्व–अध्ययन सामग्री

क्र.सं.	**स्नातक**	पाठ्यक्रम कोड	माध्यम (हिन्दी/अंग्रेजी)
01	संस्कृत	UGST-01 To UGST-09	हिन्दी
02	सांख्यिकी	UGSTAT-01 To 08	अंग्रेजी
03	पर्यटन	BTS-07 & BTS-08	हिन्दी/अँग्रेजी
04	फैशन डिजाइनिंग	UGFD -03, 04, 05, 06	हिन्दी/अँग्रेजी
05	टेक्सटाइल डिजाइनिंग	UGTD -03, 04, 05, 06	हिन्दी/अँग्रेजी
06	शिक्षाशास्त्र	UGED -01 To 06	हिन्दी
07	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	BLIS -01 To 09	हिन्दी
स्नातकोत्तर			
08	समाजशास्त्र	MASY-01 To MASY-10	हिन्दी
09	राजनीतिशास्त्र	MAPS-01 To MAPS-09	हिन्दी
10	शिक्षाशास्त्र	MAED-01 To 09	हिन्दी
11	वाणिज्य	MCOM-01 To 10	हिन्दी
12	पत्रकारिता	MJMC-06 To 11	हिन्दी
13	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	MLIS-01To 07	हिन्दी
14	संस्कृत	MAST-01 To 04, MAST (07,08) मुद्रण प्रक्रिया में	हिन्दी
स्नातकोत्तर डिप्लोमा			
15	पत्रकारिता	PGDJMC-01 To 04	हिन्दी

16	ग्रामीण पत्रकारिता	PGDRJMC -03 & 04	हिन्दी
17	वोकेशनल गाइडेंस एवं कैरियर काउन्सलिंग	PGDVGCC-01 To 06	हिन्दी
18	इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन	PGDEM & FP-01 To 04	हिन्दी
डिप्लोमा			
19	फैशन डिजाइनिंग	DFD-01 To 10	हिन्दी + अंग्रेजी
20	टेक्सटाइल्स डिजाइनिंग	DTD-01 To 10	हिन्दी + अंग्रेजी
21	होम आर्टस	DHA – 01 To 08	अंग्रेजी
प्रमाण पत्र			
22	कारपेट एण्ड टेक्सटाइल टेक्नालॉजी	CCTT- 01 To 05	हिन्दी
23	औषधीय एवं सुगन्धीय पौधों की खेती	CCMAP -01 To 03	हिन्दी
24	पशुधन उत्पादन प्रणाली	CLPS -01 To 03	हिन्दी
25	हार्डवेयर टेक्नोलाजी	DIHT- 01 To 09	अंग्रेजी
पर्यावरण अध्ययन			
26	पर्यावरण अध्ययन	CHEQ	हिन्दी
27	सूचना प्रौद्योगिकी आधार पाठ्यक्रम	UGFIT	हिन्दी + अंग्रेजी
एम. फिल्.			
28	एम. फिल्.	M Phil Ed-01	अंग्रेजी

मुद्रण प्रकिया में

क्र.सं.	**कार्यक्रम**	पाठ्यक्रम कोड	माध्यम (हिन्दी/अंग्रेजी)
29	एम0बी0ए0	MBA-1.2, 1.4, 2.1	अंग्रेजी
30	बी0एड0(सामान्य)	BED-01, 03	हिन्दी
31	बी0एड0(विशिष्ट शिक्षा)	BED-(SE)- B8, A-1	हिन्दी
32	संस्कृत	MAST-07,08	हिन्दी
33	समाज कार्य	MASW-01,02	हिन्दी

(xii) अन्य अधिगम संसाधन (Other Learning Resources)

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली मुख्यतया अधिगम संसाधनों पर निर्भर करती है। इनमें स्व–अध्ययन सामग्री का स्थान मुख्य होता है। किन्तु इसके साथ–साथ अन्य अधिगम संसाधनों द्वारा भी प्रदान की जाती है। अध्ययन सामग्री द्वारा अध्ययन करने से पूर्व शिक्षार्थी में अध्ययन की कौशल क्षमा किसित होनी चाहिए जिससे वह स्वयं अध्ययन के द्वारा सीख सके। अधिगम प्रक्रिया को त्वरित एवं सरल बनाने के लिए अन्य संसाधनों का प्रयोग दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण विधा में अनिवार्य है। इसके लिए विश्वविद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रहा है।

शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय समय–समय पर कार्यशाला ओं एवं संगोष्ठियों का आयोजन करता है। जिसमें प्रतिभाग कर शिक्षार्थी अपने ज्ञान में अभिवृद्धि करते हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यानमालाएँ भी शिक्षार्थियों में शिक्षा के प्रति अभिरुचि जाग्रत करती हैं तथा ज्ञान में वृद्धि करती है। इसी क्रम में सत्र 2016–17 में विश्वविद्यालय द्वारा कई कार्यशालाएँ तथा व्याख्यानमालाएँ आयोजित की गई।

————0————

4. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Learner Support Services)

वर्तमान समय में परम्परागत शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्ति के आकांक्षी शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त न हो पाने के कारण दूरस्थ शिक्षा पद्धति का प्रादुर्भाव हुआ। दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में शिक्षार्थी को आमने–सामने कक्षा में बैठकर शिक्षण कार्य नहीं करना होता है, अपितु उसके स्थान पर परामर्श सत्रों में प्रतिभाग कर समस्याओं का समाधान परामर्शदाताओं के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। परम्परागत शिक्षण व्यवस्था में अध्यापक केन्द्र में होता है जबकि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की संरचना शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर बनाई गयी है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षार्थी सहायता सेवाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के महत्वपूर्ण घटक निम्नवत् हैं :–

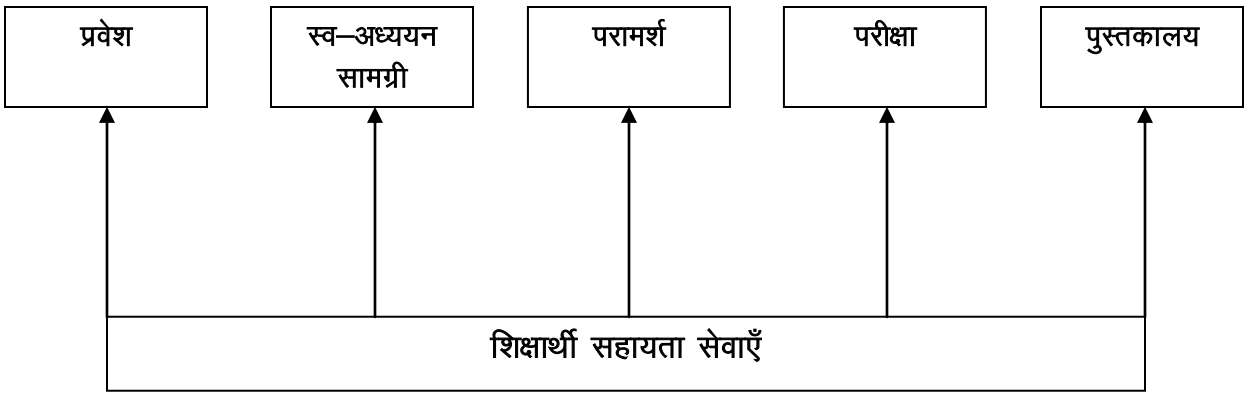

शिक्षार्थी सहायता सेवा के प्रभावी घटक (Effective Components of Learner Support Services)

सत्र 2015–2016 से विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के सभी घटकों को पूर्णतया आनलाईन कर दिया है, जिससे शिक्षार्थी घर बैठे पठन–पाठन से सम्बन्धित सुविधा का लाभ उठाकर अपने शैक्षिक उन्नयन की दिशा में प्रगतिशील हो सके। शिक्षार्थी सहायता सेवाओं के महत्वपूर्ण घटकों का विवेचन निम्नवत् वर्णित हैं :

(क) प्रवेश (Admission)

1. प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)

सत्र 2016–17 से वर्ष पर्यन्त प्रवेश व्यवस्था के अन्तर्गत सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। वर्षपर्यन्त प्रवेश के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा वर्षमें दो बार प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रवेश सत्र का रेखीय निरुपण निम्नवत् है–

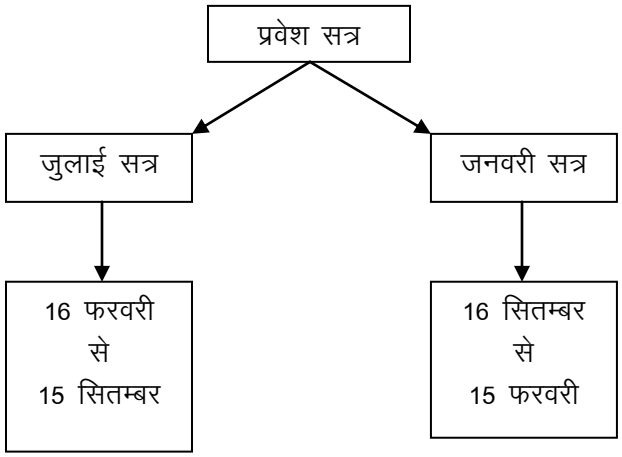

(i) प्रवेश सम्बन्धी सूचना के स्रोत (Sources of Admission Information)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2016–17 से 96 कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमन्त्रित किए गए। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अवस्थित 707 केन्द्रों के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की गयी। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार अपने चयनित अध्ययन केन्द्र पर आनलाइन आवेदन कर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। सत्र 2016–17 के सभी सामान्य कार्यक्रमों के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका का मुद्रण कराया गया परन्तु इस प्रवेश सूचना विवरणिका का प्रयोग केवल शिक्षार्थियों को सूचना प्रदान करने से सम्बन्धित है। शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका की हार्डकापी के साथ ही सॉफ्ट कापी भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। शिक्षार्थी प्रवेश सूचना विवरणिका से प्रवेश सम्बन्धी नियमों/प्रावधानों से अवगत होकर आनलाइन प्रवेश हेतु आवेदन करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा एम0बी0ए0, एम0सी0ए0, बी0एड0 तथा बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रमों में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के आधार पर सम्पादित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु कोई प्रवेश सूचना विवरणिका मुद्रित नहीं कराई जाती, अपितु शिक्षार्थी को प्रवेश हेतु पूर्णतया ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

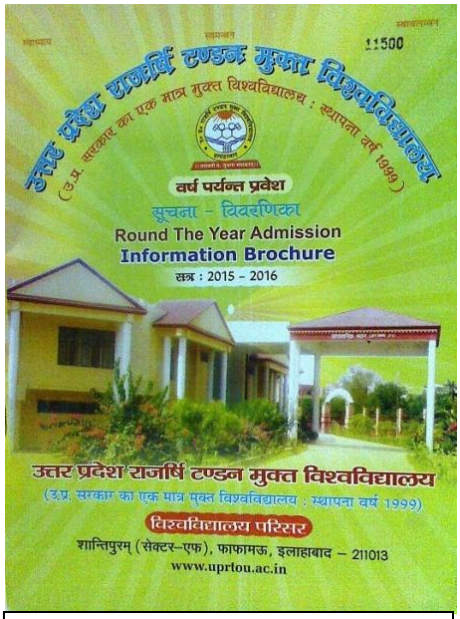

सूचना विवरणिका सत्र 2015–2016

(ii) प्रवेश सूचना विवरणिका का वितरण (Distribution of Admission Information Brochure)

प्रवेश सूचना विवरणिका का वितरण विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी 707 अध्ययन केन्द्रों, सभी क्षेत्रीय केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर के माध्यम से किया जाता है। शिक्षार्थी अपने अध्ययन हेतु चयनित केन्द्र से सूचना विवरणिका क्रय कर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

(iii) प्रवेश पद्धति (Admission Procedure)

(1) विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म पर आवेदन करना होगा। प्रवेश फार्म के साथ सभी श्रेणी/वर्ग के अभ्यर्थी को उनके द्वारा चयनित कार्यक्रम के लिए निर्धारित प्रवेश शुल्क की धनराशि जमा करने संबंधी ई–चालान की विश्वविद्यालय प्रति जो **"वित्त अधिकारी, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद"** के पक्ष में देय हो, संलग्न करना अनिवार्य है।

(2) प्रवेशार्थी को ऑन लाइन प्रवेश फार्म के प्रिण्टआउट के साथ अपेक्षित शैक्षिक योग्यता के स्वहस्ताक्षरित एवं प्रमाणित अंकपत्र एवं प्रमाण–पत्र के साथ ही एण्टी रैगिंग शपथ–पत्र को पूरित करते हुए मूल रूप में संलग्न कर प्रेषित करना होता है। इसके अलावा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत जाति/वर्ग प्रमाणपत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

(3) प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रवेश हेतु अभ्यर्थी को अलग–अलग ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरने होंगे।

(4) प्रवेश के लिए प्राप्त ऑनलाइन प्रवेश आवेदन पत्रों के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश–सूची घोषित की जाएगी। जिसकी सूचना अभ्यर्थी को अध्ययन केन्द्र द्वारा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित सूची ही वैध एवं मान्य होगी। शिक्षार्थी को उसके द्वारा माँगे गए अध्ययन केन्द्र का आबंटन न होने की परिस्थिति में अभ्यर्थी को उसके आवेदन पत्र में दिये गये पत्राचार के पते पर सूचना दी जाएगी, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा आबंटित अध्ययन केन्द्र का उल्लेख होगा।

(5) शिक्षार्थी के प्रवेश प्राप्त करने के उपरान्त यदि विश्वविद्यालय को ज्ञात होता है कि सम्बन्धित शिक्षार्थी ने ऑनलाइन आवेदन फार्म में गलत सूचना प्रविष्ट की है या गलत शैक्षिक प्रमाण–पत्र लगाया है तो उसकी पुष्टि होने पर उसका प्रवेश बिना किसी सूचना के निरस्त कर दिया जाता है और उसके द्वारा जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जायेगा। गलत सूचना के आधार पर प्रवेश प्राप्त करने की दशा में विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थी के

विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने का भी विधान है। इसलिए ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरते समय शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे विशेष सावधानी एवं सतर्कता के साथ सही सूचना का ही उल्लेख करें।

ऑन लाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरने हेतु मुख्य बिन्दु

- शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश आवेदन से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ सूचना विवरणिका से प्राप्त कर सकते हैं।
- शिक्षार्थी सर्वप्रथम ऑनलाइन प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.uprtou.ac.in** पर दिए गए ऑनलाइन लिंक के जरिए बैंक चालान को जनरेट करेंगे।
- ऑनलाइन प्रवेश आवेदन लिंक में शिक्षार्थी को निम्न जानकारियाँ उपलब्ध होंगी–
  - (a) ई–सूचना विवरणिका।
  - (b) कार्यक्रम का विवरण।
  - (c) ऑनलाइन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया के लिए दिशा–निर्देश।
  - (d) ऑनलाइन प्रवेश के लिए चालान जनरेशन लिंक।
  - (f) ई–मेल।
  - (g) हाईस्कूल अनुक्रमांक।
- ऑनलाइन ई–चालान (फार्म) में शिक्षार्थी द्वारा भरी जाने वाली सूचनाएँ–
  - (a) शिक्षार्थी का नाम
  - (b) पिता/माता/पति का नाम
  - (c) जन्म तिथि
  - (d) जिला/पता
  - (e) कार्यक्रम कोड
  - (f) अध्ययन केन्द्र कोड
  - (g) मोबाइल नम्बर
- शिक्षार्थी ऑनलाइन ई–चालान को जनरेट करके सर्वप्रथम उसके प्रिन्ट आउट को निकालेंगे।
- ऑनलाइन ई–चालान तीन प्रतियों में होगा–1) बैंक कापी
  2) शिक्षार्थी कॉपी तथा
  3) विश्वविद्यालय कॉपी
- शिक्षार्थी ऑनलाइन ई–चालान फार्म जनरेट करने के 24 घण्टे बाद इलाहाबाद बैंक, विजया बैंक एवं पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी शाखा में जाकर कार्यक्रम शुल्क को जमा करेंगे।
- फीस जमा करने के 24 घण्टे बाद शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश आवेदन लिंक पर पुनः जाकर निम्न जानकारियों की प्रविष्टि कर अपना प्रवेश आवेदन फार्म जनरेट करेंगे।
  (I) ई–चालान नम्बर
  (II) बैंक जनरल नम्बर
  (III) मोबाइल नम्बर
- शिक्षार्थी अपने फार्म का प्रिन्टआउट निकालकर निम्न कार्य करेंगे–
  (I) फार्म में पूछी गई जानकारियों को फार्म में भरेंगे।
  (II) सम्बन्धित स्थान पर पासपोर्ट आकार के फोटो को चस्पा करेंगे।
  (III) हस्ताक्षर वाले स्थान पर स्पष्ट हस्ताक्षर करेंगे।
  (IV) द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी अपना ऑन लाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरते समय निर्धारित स्थान पर अपनी नामांकन संख्या अनिवार्य रूप से भरेंगे।
- शिक्षार्थी अपने अध्ययन के लिए चयनित अध्ययन केन्द्र पर निम्नानुसार अपना आवेदन जमा करेंगे–
  (I) पूरित आवेदन फार्म।

(II) चालान की विश्वविद्यालय प्रति।

(III) सम्बन्धित योग्यता प्रदायी शैक्षिक अभिलेख की प्रमाणित छाया प्रति एवं मूल एण्टी रैगिंग शपथ–पत्र।

- अध्ययन केन्द्र द्वारा शिक्षार्थी के प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करते ही शिक्षार्थी को एस.एम.एस. से उसके प्रवेश सुनिश्चित होने की जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।
- अध्ययन केन्द्र द्वारा शिक्षार्थी के प्रवेश को कन्फर्म करते ही शिक्षार्थी की नामांकन संख्या जनरेट हो जाएगी। साथ ही शिक्षार्थी को एस.एम.एस. के माध्यम से नामांकन संख्या प्राप्त हो जाएगी।
- शिक्षार्थी अपनी नामांकन संख्या को विश्वविद्यालय की वेबसाइट के लिंक पर प्रविष्टि करके अपने भरे हुए फार्म का प्रिन्टआउट निकाल सकेंगे।
- फार्म में त्रुटि होने पर शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए संशोधन लिंक में जाकर सही सूचना की प्रविष्टि कर सकते हैं, परन्तु उसमें संशोधन विश्वविद्यालय के प्रवेश अनुभाग द्वारा ही शिक्षार्थी के मूल अभिलेखों के जाँचोपरान्त किया जाएगा।
- शिक्षार्थी को ऑन लाइन प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए प्रवेश सूचना विवरणिका को क्रय करना अनिवार्य है। प्रवेश सूचना विवरणिका के ऊपर मुद्रित फार्म संख्या को ऑन लाइन फार्म में दिये गये स्थान पर भरना अनिवार्य है। प्रवेश सूचना विवरणिका के क्रमांक को अंकित न करने की दशा में प्रवेश सम्बन्धी सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के पश्चात् भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- शिक्षार्थी को ऑन लाइन प्रवेश फार्म के साथ ही एण्टी रैगिंग शपथ पत्र फार्म को भी भरना अनिवार्य है। इस फार्म को न भरने पर शिक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- बैक शिक्षार्थी ऑन लाइन परीक्षा फार्म को भी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से ही भरकर आवेदन करेंगे।

(2) प्रवेश से सम्बन्धित उपलब्ध सुविधाएँ (Available Facilities Related to Admission)

(i) वर्ष पर्यन्त प्रवेश की सुविधा (Facility of Round The Year Admisson)

उत्तर प्रदेश भारत का एक विशाल प्रदेश है। उच्च शिक्षा के नामांकन को बढ़ाने में परम्परागत शिक्षण संस्थान सफल नही हो पा रहे, इसको दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय वर्षमें दो बार पूर्णतया ऑनलाइन प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत सत्र में दो बार प्रवेश दिया जाता है जिसे जुलाई एवं जनवरी सत्र के नाम से चिन्हित किया गया है।

(ii) एक से अधिक कार्यक्रम में प्रवेश लेने की सुविधा (Facility of Ad-On Courses)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के किसी कार्यक्रम के प्रवेशार्थी/शिक्षार्थी अन्य विश्वविद्यालय में भी छात्र रह सकते हैं, परन्तु उसी प्रकृति अर्थात् उसी स्तर के उपाधि, डिप्लोमा एवं प्रमाण–पत्र के कार्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति अथवा दूरस्थ एवं परम्परागत शिक्षा पद्धति से उसी विश्वविद्यालय अथवा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में कोई भी अध्ययनरत शिक्षार्थी निम्न संयोजन के अनुसार कार्यक्रमों में प्रवेश लेने का विकल्प चुन सकता है:–

1. एक डिग्री एवं एक डिप्लोमा/परास्नातक डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. एक परास्नातक डिप्लोमा एवं डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
3. एक डिप्लोमा एवं एक प्रमाण–पत्र कार्यक्रम
4. दो परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम
5. दो डिप्लोमा कार्यक्रम
6. दो प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(iii) कार्यक्रम अवधि में शिथिलता (Flexibility in Programme's Duration)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों में न्यूनतम से लेकर अधिकतम अवधि का प्रावधान किया गया है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार न्यूनतम से लेकर अधिकतम अवधि के बीच अपने कार्यक्रम हेतु अनुमन्य प्रश्न पत्रों की परीक्षा देकर अपना कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है।

(vi) पुनः पंजीकरण (Re-Registration)

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों के लिए न्यूनतम तथा अधिकतम अवधि दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मानकानुसार निर्धारित की गयी है। अधिकतम अवधि में यदि शिक्षार्थी कार्यक्रम को पूर्ण नहीं कर पाता है परन्तु वह उस कार्यक्रम को पूर्ण करना चाहता है तो उसे नियमानुसार पुनः पंजीकरण कराना होता है। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को कार्यक्रम शुल्क का 20 प्रतिशत देय जमा करना होता है। कार्यक्रम की अधिकतम अवधि समाप्त हो जाने के उपरान्त शिक्षार्थी द्वारा पूर्ण किए गए क्रेडिट को संरक्षित रखा जाता है तथा शेष क्रेडिट को पूर्ण करने के लिए निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार उसे बैक शिक्षार्थी के रूप में अवशेष प्रश्न पत्रों की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता है। पुनः पंजीकरण की **अवधि 1 वर्ष** निर्धारित है।

(v) लेटरल इन्ट्री द्वारा सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश (Direct Admission in Second Year through Lateral Entry)

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से PGDCA तथा PGDJMC डिग्री धारकों को क्रमशः MCA तथा MJ के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश देने की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। लेटरल इन्ट्री के द्वारा प्रवेश प्राप्त करने के लिए शिक्षार्थी को प्रथम वर्ष की प्रवेश सूचना विवरणिका के अनुसार ही द्वितीय वर्ष में प्रश्न पत्र चयन करने की बाध्यता होती है।

(vi) अध्ययन केन्द्र परिवर्तन की सुविधा (Facility to Change the Study Centre)

शिक्षार्थी को केन्द्र चयन में सुविधा दी गयी है इसलिए शिक्षार्थी द्वारा चयनित केन्द्र में परिवर्तन की माँग सामान्यतया स्वीकार नहीं की जायेगी। अध्ययन केन्द्र में परिवर्तन विशेष परिस्थितियों यथा–स्थानान्तरण, चिकित्सीय कारण एवं छात्राओं के विवाह होने अथवा किसी तर्क संगत कारण होने पर ही विचारणीय होगा। **जुलाई सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केन्द्र परिवर्तन **30 अक्टूबर** एवं **जनवरी सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन केन्द्र परिवर्तन **30 मार्च** तक ही अनुमन्य होंगे। अध्ययन केन्द्र परिवर्तन के लिए निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। अध्ययन केन्द्र में परिवर्तन के लिए निर्धारित शुल्क रू. 1000/– मात्र का ई–चालान (विश्वविद्यालय की प्रति) आवेदन पत्र के साथ सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के समन्वयक द्वारा अग्रसारित होने पर ही स्वीकार होगा। विशेष परिस्थिति में अध्ययन केन्द्र के परिवर्तन के सम्बन्ध में माननीय कुलपति जी समन्वयक द्वारा बिना अग्रसारित आवेदन पत्र पर भी आदेश दे सकते हैं।

विशेष : नये स्थापित अध्ययन केन्द्रों पर द्वितीय/तृतीय वर्ष में स्थानान्तरण की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

(vii) कार्यक्रम एवं विषय परिवर्तन की सुविधा (Facility to Change the Programme and Subject)

सामान्यतया, **जुलाई सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए **30 अक्टूबर** एवं **जनवरी सत्र** के शिक्षार्थियों के लिए **30 मार्च** तक ही कार्यक्रम एवं विषय परिवर्तन हेतु आवेदन पत्रों पर विचार किया जायेगा। निर्धारित तिथि के बाद इन आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्यक्रम परिवर्तन के लिए रू. 1000/– मात्र तथा विषय परिवर्तन (वैकल्पिक) के लिए रू0 500/– मात्र का ई–चालान जो **'वित्त अधिकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद' के नाम पर देय हो,** वही स्वीकार किया जायेगा। इसके साथ ही पूर्व में प्राप्त पाठ्य सामग्री को अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होगा। पूर्व में प्राप्त पाठ्य–सामग्री को जमा करने का प्रमाण–पत्र केन्द्र समन्वयक द्वारा अग्रसारित होना चाहिए। अग्रसारित प्रमाण–पत्र प्राप्त न होने की दशा में आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

(viii) शुल्क जमा करने का माध्यम (Method of Fee Deposit)

इस वर्ष से विश्वविद्यालय ने ई–चालान के माध्यम से शुल्क जमा करने की सुविधा प्रदान की है। ई–चालान के माध्यम से शुल्क जमा करने के लिए शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in से ई–चालान जेनरेट

करना होगा। ई–चालान में सभी सूचनाओं को पूर्ण रूप से भरकर उसका प्रिन्ट आउट लेना होगा। ई–चालान जेनरेट के पश्चात् शिक्षार्थी को उसका प्रिन्ट आउट लेकर 24 घण्टे बाद बैंक में जाकर कार्यक्रम शुल्क नकद जमा करना होगा। शिक्षार्थी का कार्यक्रम शुल्क ई–चालान, क्रेडिट कार्ड, डेविड कार्ड एवं इण्टरनेट बैंकिग के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित **इलाहाबाद बैंक, विजया बैंक तथा पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी शाखा में जमा किया जा सकता है।** बैंक द्वारा ई–चालान फार्म पर एक **जरनल नं0 दिया जायेगा,** जिसे आनलाइन प्रवेश फार्म पर निर्धारित स्थान पर भरना अनिवार्य होगा। ई–चालान की तीन प्रतियों में से विश्वविद्यालय की प्रति (UPRTOU Copy) को ऑनलाइन आवेदन फार्म के प्रिण्ट आउट के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है, छात्र प्रति को शिक्षार्थी अपने पास सुरक्षित रखेगा। ई–चालान पर एक बार भरी गई सूचनाओं में किसी भी दशा में संशोधन नहीं किया जाएगा।

(ix) प्रवेश सूचना विवरणिका एवं प्रवेश फार्म की ऑन–लाइन उपलब्धता की सुविधा (Facility of Online Availability of Admission Information Brochure and Admission Form)

सत्र 2015–2016 से ही सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। शिक्षार्थी ऑनलाइन आवेदन करते हुए अपने चयनित अध्ययन केन्द्र के माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षार्थी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्षपर्यन्त प्रवेश सूचना विवरणिका को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर अपलोड किया गया है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश सम्बन्धी सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

(ख) दूरस्थ शिक्षा में स्व–अध्ययन सामग्री (Self Learning Material in Distance Education)

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा शिक्षा की एक नई पद्धति है। इस पद्धति में शिक्षक एवं दूरस्थ शिक्षार्थी के मध्य शैक्षणिक संवाद, द्विमार्गी सम्प्रेषण एवं कुछ अन्य सहायक माध्यमों जैसे दृश्य–श्रव्य तकनीक, कम्प्यूटर, टेली कान्फ्रेन्सिंग आदि द्वारा सम्पन्न होता है। चूंकि सम्प्रेषण की प्रभावशीलता दूरस्थ शिक्षा की सफलता का प्रमुख आधार है, अतः दूरस्थ शिक्षक एवं इस शिक्षा प्रणाली से जुड़े हुए अन्य सभी लोगों के लिए विभिन्न सम्प्रेषण प्रक्रियाओं एवं सिद्धान्तों की जानकारी अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षा एवं शिक्षण के विविध पक्ष जैसे पाठ्यक्रम, पाठ्यसामग्री, शिक्षण एवं मूल्यांकन विधियां आदि कुछ निश्चित अधिगम सिद्धान्तों पर अवलम्बित होते हैं। ये सिद्धान्त पूर्व अनुभवों के परिणाम होते हैं जो हमारी वर्तमान एवं भावी जरूरतों को पूर्ण करने में सहायता प्रदान करते हैं। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य भौगोलिक दूरी के कारण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत सम्पर्क की सम्भावना बहुत कम होती है। अतः दूरवर्ती शिक्षा में अधिगम शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य अन्तः क्रिया का परिणाम नहीं होता अपितु यह मुद्रित पाठ्यसामग्री एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से सम्पन्न होता है। चूंकि शिक्षार्थी को स्व–अधिगम सामग्री से स्वयं अन्तःक्रिया करके सीखना होता है, अतः दूरस्थ शिक्षण प्रक्रिया में स्व अधिगम सामग्री के निर्माण को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है।

स्व–अधिगम सामग्री दूरस्थ शिक्षा का मूल आधार है। इसका प्रमुख उद्देश्य उन शिक्षार्थियों की सहायता करना होता है, जो अपनी परिस्थितियों में स्वतंत्र रूप से सीखते एवं अध्ययन करते हैं। प्रभावशाली अधिगम सामग्री शिक्षार्थियों में अधिगम के प्रति रुचि जागृत करती है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी दूर से ही सीखते हैं। वे अपने आवास अथवा कार्यस्थल पर रहते हुए अध्यापक तथा अपने सहपाठियों से आपस में अन्तःक्रिया नहीं कर पाते हैं। अतः दूरस्थ शिक्षा में अध्यापक के विकल्प के रूप में शिक्षार्थी को स्व–अधिगम सामग्री उपलब्ध करायी जाती है।

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी मुख्यतः दूरस्थ शिक्षा संस्थान एवं परामर्शी से अधिकांश समय दूर रहने के कारण पाठ्यक्रम के स्वरूप से लेकर शिक्षण तक प्रायः निराश्रित रहता है। उसको न तो परामर्शदाता का निर्देशन प्राप्त होता है और न ही सहपाठियों का सहयोग। अतएव इस कमी को पूरा करने हेतु स्व अधिगम सामग्री को ऐसे संकल्पित किया जाता है कि वह स्वयं में पूर्ण, पर्याप्त तथा स्पष्ट होती है और सहपाठी की तरह यह पाठ्यसामग्री दूरस्थ शिक्षार्थी को सहारा देने के साथ–साथ अधिगम हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह स्व–अध्ययन सामग्री दूरस्थ शिक्षार्थी के अधिगम को सरल बनाकर बाह्य सहायता पर निर्भरता को कम कर देती है।

स्व–अधिगम सामग्री मुख्यतः शिक्षार्थी केन्द्रित होती है, जो दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का मुख्य आधार होती है। इस पद्धति में प्रयोग की जाने वाली पाठ्यसामग्री को निर्धारित प्रारूप में तैयार किया जाता है। इसका अध्ययन करके शिक्षार्थी स्वयं सीखता है अतः इसे स्व अधिगम सामग्री कहा जाता है। स्व अध्ययन सामग्री अपने आप में स्व स्पष्ट, स्व अभिप्रेरित तथा अनौपचारिक रूप से लिखी होने के कारण दूरस्थ शिक्षार्थी के अधिगम में स्व अधिगम सामग्री की

अहम भूमिका होती है। शिक्षार्थी स्वेच्छानुसार इस पाठ्यसामग्री को किसी भी समय और स्थान पर स्वयं पढ़ एवं सीख सकता है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

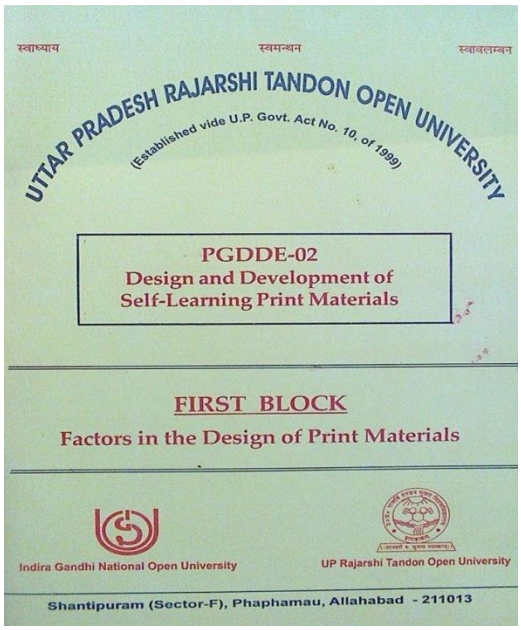

स्व अध्ययन सामग्री (अंग्रेजी माध्यम)

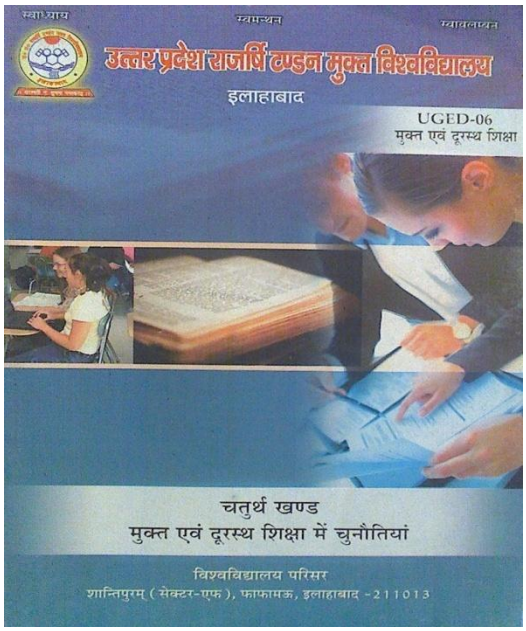

स्व अध्ययन सामग्री (हिन्दी माध्यम)

स्व व्याख्यात्मक (Self- Explanatory)

स्व अधिगम सामग्री (SLMs) की रचना इस प्रकार होनी चाहिए कि दूरस्थ शिक्षार्थी बिना किसी बाह्य सहायता के आसानी से पढ़, समझ व सीख सकें। उसकी विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण तथा भाषा सरल सुबोध स्पष्ट और प्रभावशाली होनी चाहिए। स्व–अधिगम सामग्री की रचना करते समय इस बात पर विशेष ध्यान रखना चाहिए कि अध्ययन हेतु पर्याप्त समय हो और उसे विशेष अध्ययन के लिए अन्य पुस्तकों और अध्यापकों के सहयोग की आवश्यकता न पड़े।

स्व–पूर्ण (Self- Contained)

स्व अधिगम सामग्री को स्वयं में पूर्ण तथा पर्याप्त होना चाहिए। इसमें शिक्षार्थी के लिए पाठयक्रम उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अपेक्षित समस्त आवश्यक विषयवस्तु का समावेश होना आवश्यक है। स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थियों को अध्ययन के प्रत्येक सोपान पर ज्ञान वृद्धि के लिए अतिरिक्त संदर्भित विषयसामग्री के अध्ययन हेतु जरूरी निर्देशन एवं सुझाव दिया जाना चाहिए।

स्व–निर्देशित (Self- Directed)

स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थियों हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्तियों के स्वयं अर्जन के लिये निर्देशन के साथ–साथ प्रत्येक अवस्था पर आवश्यक मार्गदर्शन, संकेत व सुझाव होने चाहिए।

स्व–अभिप्रेरित (Self- Motivated)

स्व अधिगम सामग्री में दूरस्थ शिक्षार्थियों में अध्ययन हेतु रुचि तथा अभिप्रेरणा उत्पन्न करने की और उसे बनाये रखने की क्षमता होनी चाहिए। इस प्रकार अधिगम के प्रत्येक सोपान पर शिक्षार्थी को अभिप्रेरणा और प्रबलीकरण/पुर्नवलन मिलने की अनुभूति होनी चाहिए।

स्व–मूल्यांकित (Self- Evaluated)

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी अकेला एवं परामर्शदाता से दूर रहता है। अतः स्व अधिगम सामग्री में शिक्षार्थी के लिए स्व–मूल्यांकन हेतु स्व जांच अभ्यास, मूल पाठ में प्रश्न अभ्यास प्रश्नावली आदि का समावेश होना चाहिए जिससे शिक्षार्थी को स्व जांच द्वारा समय–समय पर अपनी कमियों की जानकारी द्वारा अधिकाधिक प्रतिपुष्टि प्राप्त हो सके।

(ग) दूरस्थ शिक्षा में अधिन्यास (Assignment work in Distance Education)

अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य द्विमार्गी सम्प्रेषण स्थापित करने का सबसे अधिक महत्वपूर्ण प्रभावी माध्यम एवं सीखने की विधा है। शिक्षण सत्र के दौरान किसी निश्चित समयावधि में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के द्वारा शिक्षार्थी के ज्ञानार्जन में हुए विकास का मापन एवं मूल्यांकन करने वाले उपकरण को अधिन्यास कहते हैं। परम्परागत शिक्षा प्रणाली में शिक्षक एवं शिक्षार्थी के बीच आमने–सामने बैठकर अन्तःक्रिया सम्पन्न होती है जबकि इस शिक्षा प्रणाली में शिक्षार्थी एवं परामर्शी के मध्य भौगोलिक दूरी के कारण शैक्षिक प्रक्रिया विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों से ही सम्भव हो पाती है। छात्रों द्वारा अधिन्यास कार्य को पूरा करना एवं अध्यापक द्वारा उस पर की गयी टिप्पणियां इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। अधिन्यास के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है कि शिक्षार्थी को वह विषयबोध हो चुका है जो उन्हें पाठ्यसामग्री द्वारा सीखने और समझने के लिए दिया गया था। वास्तव में अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में शिक्षण अधिगम का वह साधन है, जो अनुभवों को दृढ़ता प्रदान करने, प्रोत्साहन देने व निर्देशित करने का आधार प्रस्तुत करता है।

अधिन्यास कार्य की उपयोगिता

1. दूरस्थ शिक्षा में शिक्षक–शिक्षार्थी के मध्य दोहरे सम्प्रेषण को स्थापित करने के लिये।
2. शिक्षार्थी के अधिगम स्तर की जानकारी प्राप्त करने के लिए।
3. शिक्षार्थी द्वारा अधिन्यास उत्तर पुस्तिका पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर पर परामर्शदाता द्वारा प्रदत्त टिप्पणियों के आधार पर शिक्षार्थी के अपने ज्ञानार्जन की वास्तविक स्थिति से अवगत होने के लिए।
4. सत्रान्त परीक्षा से पूर्व तैयारी का अवसर प्रदान करने के लिए।
5. पाठ्यसामग्री हेतु निर्धारित क्रेडिट (श्रेयांक) की पूर्ति हेतु।
6. अध्ययन– अध्यापन की प्रक्रिया में अवरोधक तत्वों की जानकारी प्राप्त करने हेतु।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास उत्तर पुस्तिका

65

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2014-2015

बी०एड० कार्यक्रम

B.Ed. Programme

विषय : बी०एड० विषय कोड : बी०एड०
Subject : B.Ed. Subject Code : B.Ed.
कोर्स शीर्षक : पाठ्यक्रम तथा निर्देशन कोर्स कोड : बी०एड०-01/01
Course Title : Curriculum and Instruction Course Code : B.Ed.-01/01

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : (Instructions)

1. Answer all questions.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. Question No. 1 to 3 are long answer questions Answers should be given in 800 to 1000 words.
प्रश्न संख्या 1 से 3 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिनका उत्तर 800 से 1000 शब्दो मे लिखना है।
3. Question No. 4 to 9 are short answer questions. Each answer should be given in 200 to 300 words.
प्रश्न संख्या 4 से 9 लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्यक का उत्तर 200 से 300 शब्दो मे लिखना है।
4. The Last date of submission of assignment at the study center is.........
अध्ययन केन्द्र पर इस अधिन्यास को प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि .... है।
5. Answer the questions in Hindi or in English in your own handwriting on prescribed assignment copy.
प्रश्नों का उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में स्पष्ट हस्तलिखित लेख के रूप में अधिन्यास पुस्तिका पर प्रस्तुत करना होगा।

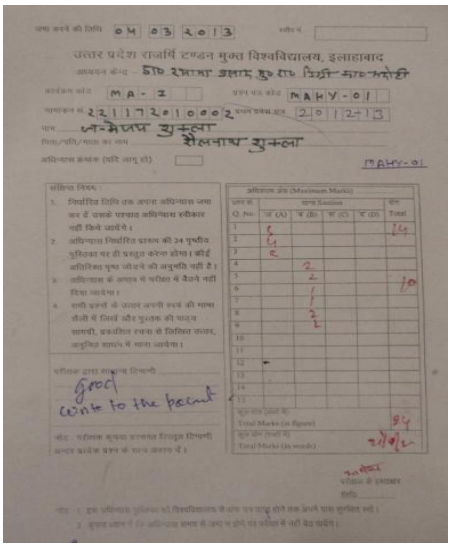

Section 'A'
खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

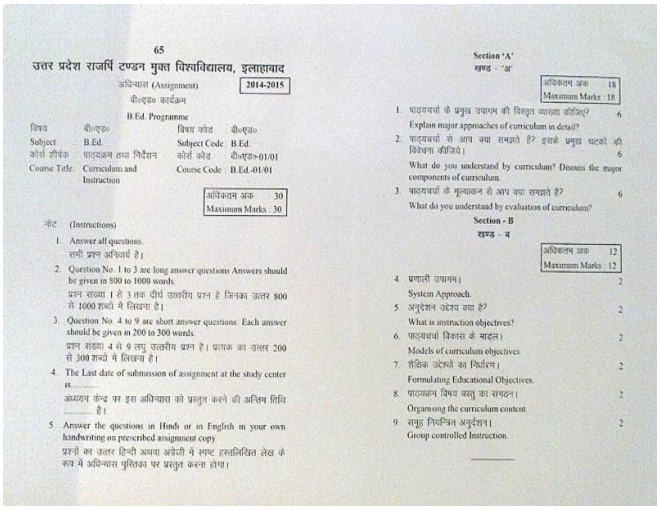

1. पाठ्यचर्या के प्रमुख उपागम की विस्तृत व्याख्या कीजिए? 6
Explain major approaches of curriculum in detail?
2. पाठ्यचर्या से आप क्या समझते है? इसके प्रमुख घटको की विवेचना कीजिये। 6
What do you understand by curriculum? Discuss the major components of curriculum.
3. पाठ्यचर्या के मूल्यांकन से आप क्या समझते है? 6
What do you understand by evaluation of curriculum?

Section - B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

4. प्रणाली उपागम। 2
System Approach.
5. अनुदेशन उद्देश्य क्या है? 2
What is instruction objectives?
6. पाठ्यचर्या विकास के माडल। 2
Models of curriculum objectives.
7. शैक्षिक उद्देश्यों का निर्धारण। 2
Formulating Educational Objectives.
8. पाठ्यक्रम विषय वस्तु का संगठन। 2
Organising the curriculum content.
9. समूह नियन्त्रित अनुदेशन। 2
Group controlled Instruction.

अधिन्यास प्रश्न पत्र

अधिन्यास मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी सत्र के दौरान स्वयं घर पर रहकर विभिन्न प्रश्न–पत्रों में स्वमूल्यांकन एवं परीक्षण करता है। परामर्श सत्रों द्वारा विभिन्न विषयों के प्रश्न–पत्रों में छात्र ने क्या सीखा, इसका मापन करने के लिये अधिन्यासों का उपयोग किया जाता है। शिक्षार्थी द्वारा अर्जित ज्ञान का मापन, उसकी कमियों का पता लगाने, ज्ञान प्राप्ति में आने वाली बाधाओं की जानकारी प्राप्त करने, उसकी कठिनाइयों एवं समस्याओं का समाधान करने आदि में अधिन्यास की प्रमुख भूमिका होती है। परामर्शदाता इनका उपयोग करके शिक्षार्थियों की समस्याओं

और कमियों को जान सकता है तथा आवश्यकतानुसार उनका समाधान कर सकता है। इसी कारण से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अधिन्यास निर्माण तथा मूल्यांकन सम्बन्धी कार्य को अत्यन्त गम्भीरता से लिया जाता है।

सतत मूल्यांकन अधिन्यास पर आधारित होता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्री एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों में इसे अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। शिक्षार्थियों द्वारा अधिन्यास कार्य पूर्ण किए बिना उन्हें सत्रान्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान नहीं की जाती है। शिक्षार्थी को अधिन्यास कार्य शैक्षिक कैलेण्डर में निर्धारित तिथि तक अपने अध्ययन हेतु चयनित अध्ययन केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होता है। अधिन्यास कार्य को पूर्ण करने से आशय है कि शिक्षार्थी ने स्वयं के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों का भली–भाँति अध्ययन कर लिया और वह सत्रान्त परीक्षा में बैठने के योग्य है। अधिन्यास आधारित प्रश्न–पत्र का मूल्यांकन 30 अंकों में किया जाता है। अधिन्यास प्रश्न पत्र को सत्र 2015–2016 से पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अपने अधिन्यास प्रश्न पत्र को डाउनलोड कर अपने सत्रीय कार्य को पूर्ण कर सकते हैं।

(घ) दूरस्थ शिक्षा में परामर्श (Counselling in Distance Education)

दूरस्थ विधा में परम्परागत विधाओं के समान शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य आमने–सामने बैठकर शिक्षण कार्य नहीं करना होता बल्कि निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित समस्याएं छात्रों द्वारा परामर्शदाताओं के सामने रखी जाती हैं जिनका समाधान परामर्शदाता के माध्यम से परामर्श सत्रों में किया जाता है। सभी अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय मुख्य परिसर पर विश्वविद्यालय के मानकानुसार परामर्श सत्रों के संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस सत्र में भी सभी केन्द्रों पर शिक्षार्थियों ने परामर्श सत्रों में प्रतिभाग कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय द्वारा क्रेडिट के अनुसार निर्धारित परामर्श सत्रों का विवरण निम्नानुसार वर्णित है।

1. सामान्य पाठ्यक्रमों/प्रश्नपत्रों के आठ क्रेडिट के कोर्स में 09 से 12, छह क्रेडिट के कोर्स में 06 से 09, चार क्रेडिट के कोर्स में 04 से 05 सम्पर्क कक्षाएं (सत्र) आयोजित होंगी।
2. ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें शिक्षार्थियों की संख्या 05 अथवा 05 से अधिक किन्तु 10 से कम हो, उनमें केवल 50 प्रतिशत काउन्सिलिंग कराने की व्यवस्था की जायेगी और यदि शिक्षार्थियों की संख्या 1 से 4 है तो 25 प्रतिशत परामर्श कक्षाएँ चलाई जायेंगी।
3. प्रमाण–पत्र कार्यक्रम जिनमें प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य है को छोड़कर शेष प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में कोई काउन्सिलिंग नहीं करायी जायेगी।
4. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान से सम्बन्धित BLIS-04 एवं BLIS-05 तथा MLIS-07 एवं MLIS-08 के प्रयोगात्मक कार्यों के परामर्श सत्रों की संख्या निम्नानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य की गई है।

क्र0सं0	क्रेडिट	विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य परामर्श सत्रों की संख्या
1	4	5 के स्थान पर 7 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
2	6	9 के स्थान पर 12 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित
3	8	12 के स्थान पर 15 सैद्धान्तिक परामर्श सत्रों सहित

सत्र 2016–17 से शिक्षार्थियों को परामर्श सत्रों का लाभ शत–प्रतिशत मिले इसके लिए माननीय कुलपति जी ने सभी अध्ययन केन्द्रों को सख्त निर्देश प्रदान किए हैं कि शिक्षार्थियों के लिए परामर्श सत्र शैक्षिक कैलेण्डर में वर्णित माह में सम्पन्न कराए जायें तथा परामर्श सत्रों की समय–सारणी विश्वविद्यालय के परामर्श प्रकोष्ठ को परामर्श सत्रों के संचालन से पूर्व प्राप्त हो जानी चाहिए। परामर्श सत्रों की समय–सारणी अध्ययन केन्द्र अपने महाविद्यालय के सूचना–पटल पर भी चस्पा कराए, जिससे शिक्षार्थी को परामर्श सत्रों के संचालन की सूचना समय से प्राप्त हो सके।

(च) परीक्षा (Examination)

(1) परीक्षा व्यवस्था (Examination System)

(i) परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं के माध्यम (Medium of Information Related to Examination)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थी का अपने अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क कम होने के कारण उन्हें सूचनाएँ आसानी से प्राप्त नहीं हो पातीं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति की गतिविधियाँ तभी सशक्त एवं प्रभावी हो सकती हैं जब इसका सूचना सम्प्रेषण तन्त्र अत्यधिक सशक्त हो। दूरस्थ शिक्षार्थी के लिए परीक्षा सम्बन्धी सभी सूचनाएँ जैसे– अधिन्यास जमा करने की तिथि, परीक्षा–तिथि, बैक परीक्षा फार्म एवं शुल्क इत्यादि की विस्तृत सूचनाएँ प्रवेश सूचना विवरणिका में मुद्रित कराई जाती हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी परीक्षा सम्बन्धी सूचनाएँ अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र एवं विश्वविद्यालय के परीक्षा अनुभाग से दूरभाष के माध्यम से अथवा व्यक्तिगत सम्पर्क कर प्राप्त कर सकता है। परीक्षा सम्बन्धी सूचनाओं को अध्ययन केन्द्रों के सूचना पटल तथा विश्वविद्यालय मुख्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा सम्बन्धी समस्त सूचनाओं कों विश्वविद्यालय वेबसाइट पर भी शिक्षार्थी की सुविधा के लिए अपलोड किया जाता है।

(ii) सत्रान्त परीक्षाएँ (Terminal Examination)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक सत्र में दो बार सेमेस्टर पद्धति एवं वार्षिक पद्धति पर आधारित परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। परीक्षा की शुचिता, गोपनीयता एवं गुणवत्ता की दृष्टि से विश्वविद्यालय द्वारा अधिन्यास एवं सत्रान्त परीक्षा के प्रश्न–पत्रों के निर्माण का कार्य योग्य एवं अनुभवी विषय–विशेषज्ञों के माध्यम से पूर्ण कराया जाता है। परियोजना कार्य एवं प्रयोगात्मक कार्य की परीक्षा व्यवस्था के लिए उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्रों को ही परीक्षा केन्द्र के रूप में चयनित किया जाता है। प्रयोगात्मक कार्यों की परीक्षा बाह्य एवं आन्तरिक विषय–विशेषज्ञों की देख–रेख में सम्पन्न कराई जाती है। सत्र को नियमित करने की दृष्टि से परीक्षाओं का आयोजन समय पर किया जाता है और परीक्षा के उपरान्त शीघ्र ही परीक्षाफल घोषित किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों को पूर्ण करने के लिए सभी प्रश्न–पत्रों के निर्धारित क्रेडिट को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने के पश्चात् ही उसे उत्तीर्ण अंकतालिका निर्गत की जाती है तथा उपाधि प्राप्त करने हेतु अर्ह माना जाता है। शिक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते सत्र 2016–17 की परीक्षा हेतु सम्बन्धित सभी जिलों में कम से कम एक परीक्षा केन्द्र अनिवार्य रूप से बनाया गया। परीक्षा की सत्रांत उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सभी क्षेत्रीय केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर सम्पन्न कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

सत्र 2016–2017 की परीक्षा का विवरण निम्न तालिका में वर्णित किया जा रहा है–

सत्र 2016–2017 की परीक्षाओं का विवरण				
परीक्षा अवधि	परीक्षा प्रारम्भ होने की तिथि	परीक्षा समाप्त होने की तिथि	परीक्षा केन्द्रों की संख्या	परीक्षा में सम्मिलित कुल शिक्षार्थियों की संख्या
दिसम्बर–परीक्षा	20.12.16	11.02.2017	68	12000
जून–परीक्षा	06.06.2017	15.07.2017	97	42000

परीक्षा अवधि में विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाते हैं। ये पर्यवेक्षक अपनी देख–रेख में परीक्षा सम्बन्धी समस्त कार्य सम्पादित कराते हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता तथा विसंगति की सूचना पर्यवेक्षक के माध्यम से परीक्षा नियंत्रक को उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय स्तर से उड़ाका दल का भी गठन किया जाता है जो विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर जाकर परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने हेतु अनुचित साधन का प्रयोग करने वाले शिक्षार्थियों की रिपोर्ट करते हैं। पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के सदस्यों के नाम मा0 कुलपति महोदय द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं।

(iii) मूल्यांकन–पद्धति (Evaluation Process)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद द्वारा शिक्षार्थियों के शैक्षिक स्तर के मूल्यांकन हेतु सामान्यतः त्रिस्तरीय मूल्यांकन पद्धति अपनायी गयी है। जिसका विवरण इस प्रकार है–

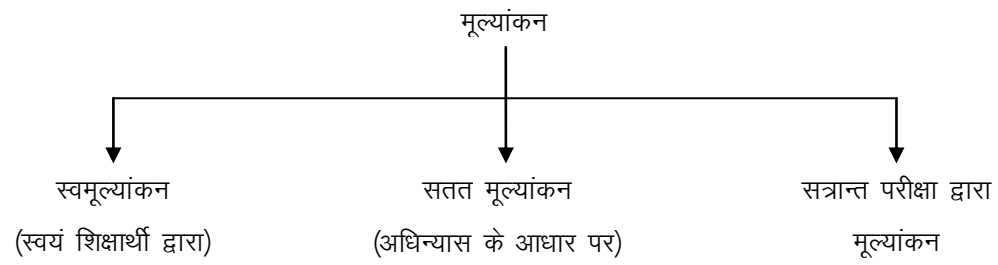

(अ) स्व–मूल्यांकन (Self Evaluation)

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के शिक्षार्थियों को परम्परागत शिक्षार्थियों के समान कक्षा में नियमित बैठकर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त नहीं होता है। जिसके कारण शिक्षार्थी अपनी समस्याओं का समाधान अध्यापक से कक्षा में प्राप्त नही कर पाते। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में अध्यापक की कमी को पूर्ण करने के लिए शिक्षार्थी को स्व–अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। स्वअध्ययन सामग्री का शिक्षार्थी स्वतः अध्ययन करता है और स्वयं सीखता है। शिक्षार्थी ने स्वअध्ययन के माध्यम से विषयवस्तु को कितना सीखा उसका आकलन वह इकाई के अन्त में दिए गये उत्तर से मिलान कर स्वयं करता है। शिक्षार्थी द्वारा किए गये स्वमूल्यांकन का कोई अधिभार परीक्षा परिणाम में नही जोड़ा जाता है।

(ब) सत्रीय मूल्यांकन (Sessional Evaluation)

इस विश्वविद्यालय में नामांकित शिक्षार्थियों को सत्रीय कार्य हेतु अधिन्यास कार्य को पूर्ण करना होता है। शिक्षार्थी को अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित अधिन्यास कार्य की हस्तलिखित उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर यथासमय जमा करना अनिवार्य है। यदि किसी शिक्षार्थी द्वारा अपनी सत्रान्त परीक्षा से पूर्व अधिन्यास कार्य पूर्ण नहीं किया जाता तो उसे उस सत्र की परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जाता है। अधिन्यास उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन 30 अंकों में किया जाता है।

(स) सत्रान्त परीक्षा (Terminal Examination)

विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम की प्रकृति के अनुसार वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है। सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षाएँ क्रमशः दिसम्बर व जून माह में तथा वार्षिक आधार वाले कार्यक्रमों की परीक्षाएँ सत्र के अन्त में अर्थात मई–जून में कराई जाती है। सत्रान्त परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 70 अंकों में कराया जाता है। अधिन्यास कार्य के अंक एवं सत्रान्त परीक्षा में प्राप्त अंकों को जोड़ते हुए परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं।

(2) परीक्षा से सम्बन्धित उपलब्ध सुविधाएँ (Available Facilities Related to Examination)

1- परीक्षा फार्म से सम्बन्धित सुविधाएँ (Facilities Related to Examination)

इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश फार्म जैसे ही आवेदित करता है उसके साथ ही शिक्षार्थी से परीक्षा से सम्बन्धित सूचनाओं को भरवा लिया जाता है। शिक्षार्थी को परीक्षा हेतु अलग से फार्म भरने की आवश्यकता नही होती है। प्रवेश फार्म में पूरित आकड़े ही परीक्षा अनुभाग को ऑनलाइन उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल शिक्षार्थी वरन विश्वविद्यालय के भी श्रम, समय एवं धन की बचत होती है।

2- इच्छानुसार परीक्षा में सम्मिलित होने की सुविधा (To Appear in Examination as Per Candidate Wish)

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगभग सभी कार्यक्रमों में यू.जी.सी. के दिशा–निर्देश के अनुपालन में सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम संरचना को लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों में मानकानुसार क्रेडिट पद्धति को लागू किया गया है। शिक्षार्थी को कार्यक्रम पूर्ण करने के लिए न्यूनतम अवधि से लेकर अधिकतम अवधि का प्रावधान किया गया है। शिक्षार्थी को न्यूनतम अवधि से लेकर अधिकतम अवधि तक कार्यक्रम को अपनी इच्छानुसार पूर्ण करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। निर्धारित अवधि तक कार्यक्रम के लिये अनुमन्य क्रेडिट को

पूर्ण कर लेने की दशा में शिक्षार्थी को उत्तीर्ण की अंकतालिका प्रदान कर दी जाती है। यदि शिक्षार्थी द्वारा नियत समय में सभी प्रश्नपत्रों की परीक्षा नहीं पूर्ण की जाती तो उसे बैक शिक्षार्थी के रूप में अपने क्रेडिट को पूर्ण करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है।

3- बैक परीक्षा की सुविधा (Facility of Back Paper Examination)

शिक्षार्थी द्वारा प्रवेश के पश्चात् यदि नियत सत्र में अपने अनुमन्य प्रश्न–पत्रों की परीक्षा नहीं दी जाती या वह अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे उन प्रश्नपत्रों को पूरा करने हेतु आगामी परीक्षा में बैक शिक्षार्थी के रूप में सम्मिलित होना होता है। इसके लिए शिक्षार्थी को प्रति प्रश्नपत्र 400 रू0 ऑनलाइन चालान के माध्यम से या डेबिटकार्ड एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से जमा करने होते हैं। सत्र 2015–16 से बैक परीक्षा फार्म को भी पूर्णतया ऑनलाइन कर दिया गया है। मैनुअल फार्म पर बैक शिक्षार्थी के रूप में प्रक्रिया पूर्ण करने पर उसे परीक्षा में किसी भी दशा में सम्मिलित नहीं किया जाता है। शिक्षार्थी को बैक परीक्षा में भी बैठने के लिए नियमानुसार अधिन्यास कार्य/सत्रीय कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होता है।

4- संवीक्षा का प्रावधान (Provision of Scrutiny)

संवीक्षा हेतु शिक्षार्थी को परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने की तिथि से 1 माह के अन्दर रू0 200/– का भुगतान ऑनलाइन चालान/क्रेडिट कार्ड/डेविट कार्ड के माध्यम से जमा करना होता है। इसके साथ ही शुल्क जमा के प्रिन्ट आउट के साथ संवीक्षा हेतु प्रार्थना पत्र परीक्षा नियंत्रक महोदय को प्रेषित करना होता है। तत्पश्चात् परीक्षा नियंत्रक द्वारा शिक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा कराई जाती है।

5- परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा (Facility to Change the Examination Centre)

शिक्षार्थी की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा भी विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों को प्रदान की जाती है। परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की शर्तों को ध्यान में रखते हुए एवं नियमानुसार 1000 रूपये का भुगतान करने की दशा में शिक्षार्थी के परीक्षा केन्द्र को भी परिवर्तित करने की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

6- परीक्षा प्रवेश पत्र एवं अंकपत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता की सुविधा (Facility of On-Line Availability of Examination Admit Card and Marksheets)

विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा प्रवेश पत्र को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार उसे डाउनलोड कर अपने परीक्षा केन्द्र पर जाकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने परीक्षा से पूर्व अपने अधिन्यास कार्य को पूर्ण नहीं किया है उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान नहीं की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा मूल्यांकन कार्य की समाप्ति के पश्चात् तथा परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने के उपरान्त शिक्षार्थियों के अंकपत्र को भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अपने अंकपत्र को डाउनलोड कर अपने परिणाम के सम्बन्ध में जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

7- परीक्षा समय–सारणी की ऑनलाइन उपलब्धता (Availability of On-Line Examination Time-Table)

परीक्षा समय–सारणी को भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। शिक्षार्थी घर बैठे परीक्षा समय–सारणी को डाउनलोड कर परीक्षा सम्बन्धी वांछित सूचनाओं को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं।

8- ग्रेड/श्रेणी विभाजन (Grade/Division of Classes)

सी.बी.सी.एस. पद्धति पर आधारित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को निम्नानुसार ग्रेड आबंटित किए जायेंगे–

Letter Grade	Grade Point	% Range
O (Outstanding)	10	90+
A+ (Excellent)	9	80+
A (Very Good)	8	70+
B+ (Good)	7	60+
B (Above Average)	6	50+
C (Average)	5	40+
P (Pass)	4	36+

F (Fail)	0	<36
Ab (Absent)	0	

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित पुराने शिक्षार्थियों को पुरानी व्यवस्था के अनुसार ही निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाती है–

शिक्षार्थी को श्रेणी का आबंटन	
प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत और अधिक
द्वितीय श्रेणी	48 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम
तृतीय श्रेणी	36 प्रतिशत और उससे अधिक परन्तु 48 प्रतिशत से कम
अनुत्तीर्ण	36 प्रतिशत से कम

सत्र 2015–16 की परीक्षाओं में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को 11वें दीक्षान्त समारोह में उपाधि, डिप्लोमा व प्रमाण–पत्र प्रदान किए गये। उनकी कार्यक्रमवार संख्या तथा सम्बन्धित अन्य विवरण **परिशिष्ट–6** पर उपलब्ध है।

(छ) दीक्षान्त समारोह (Convocation) दिनांक 19 फरवरी 2017 को सरस्वती परिसर स्थित मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह प्रांगण में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षान्त समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस शैक्षिक समावर्तन समारोह में विविध कार्यक्रमों की परीक्षा पूर्ण करने वाले शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी तथा भावी कल्याणमय जीवन हेतु मार्गदर्शन व आशीर्वाद देने की गरिमामयी परम्परा का निर्वाह किया गया।

बन्देमातरम् व कुलगीत के समय खड़े मा0 अतिथिगण।

अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते मा. कुधाधिपति एवं स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे जी।

दीक्षान्त समारोह के अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय राज्यपाल उ0प्र0 एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में व्याप्त अपने अध्ययन केन्द्रों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से उच्च शिक्षा की सार्वभौमिकता को एक नवीन सार्थक दिशा प्रदान कर रहा है। गुणवत्तायुक्त, कौशलपरक एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयत्नशील है। अंत में माननीय कुलाधिपति महोदय ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

मा0 कुलाधिपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के इस एकादश दीक्षान्त समारोह में पहली बार दीक्षान्त वेश–भूषा के रूप में भारतीय परिधान की व्यवस्था करने का अभिनव प्रयास किया गया। इसके अन्तर्गत दीक्षान्त समारोह में उपाधि धारकों एवं शिक्षकों हेतु दीक्षान्त वेश के रूप में भारतीय परिधान को अनिवार्य कर दिया गया। उपाधि धारक पुरुष शिक्षार्थियों ने सफेद कुर्ता और पायजामा तथा महिला शिक्षार्थियों ने हल्के पीले रंग की मैरून बार्डरदार साड़ी के ऊपर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त पीले रंग का उत्तरीय धारण कर उपाधियाँ ग्रहण की। साथ ही विश्वविद्यालय के अधिकारियों व

प्राध्यापकों में भी पुरुषों हेतु सफेद धोती–कुर्ता और महिलाओं हेतु हल्की पीली साड़ी दीक्षान्त वेशभूषा के रूप में अनुमन्य की गई थी जिसके अनुपालन द्वारा सम्पूर्ण दीक्षान्त सभामण्डप एक शैक्षिक महापर्व की अनुपम गरिमा से आलोकित हो उठा था।

दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ0 डी0वाई0 चन्दचूड ने अपने गरिमामय दीक्षान्त अभिभाषण से उपाधिधारक छात्र–छात्राओं में एक नवीन ऊर्जा का संचार किया और उन्हें प्रेरणा प्रदान की। कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने विश्वविद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। एकादश दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित 20 मेधावी को सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिये स्वर्ण पदक प्रदान किये गए।

इस दीक्षान्त समारोह में प्रथम बार किसी शिक्षार्थी को तीन स्वर्णपदक एक साथ मिले। ये तीनों पदक (कुलाधिपति स्वर्णपदक, विश्वविद्यालय स्वर्णपदक तथा दानदाता स्वर्णपदक) शिक्षा विद्याशाखा की बी0एड0 कार्यक्रम उत्तीर्ण करने वाली छात्रा को प्राप्त हुए जिससे महिलाओं एवं समाज के अन्य उपेक्षित वर्गों को उच्च शिक्षा द्वारा सशक्तता प्रदान करने हेतु संकल्पित इस विश्वविद्यालय को एक नया आत्मविश्वास मिला है। निश्चय ही इससे विश्वविद्यालय के गौरव में वृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय के इस एकादश दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 15 तथा सत्र जून 16 की परीक्षाओं के सापेक्ष 16,457 शिक्षार्थियों को उपाधि एवं डिप्लोमा प्रदान किये गये। ऐसे शिक्षार्थी जो दीक्षान्त समारोह में उपस्थित नहीं हो सके, उनकी उपाधियां पंजीकृत डाक के माध्यम से उनके निवास स्थान पर सफलतापूर्वक प्रेषित कराई गई।

(ज) पुस्तकालय (Library)

शिक्षार्थियों की शैक्षिक उन्नति एवं संवर्धन में पुस्तकालयों का महत्वपूर्ण स्थान है। पुस्तकालय के बिना किसी भी शिक्षा संस्था का विकास संभव नहीं है। पुस्तकालय का आदर्श वातावरण शिक्षार्थियों को अध्ययन हेतु प्रेरित करता है। शिक्षार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों पर पुस्तकालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की योजना को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित विश्वविद्यालय के अनेकानेक अध्ययन केन्द्रों पर भी छात्रों को पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयासरत है।

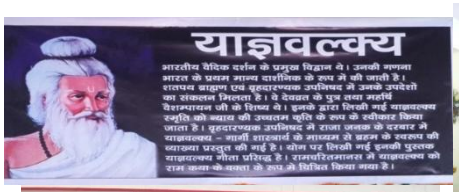

याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय

गार्गी सभागार

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में स्थित भव्य नवीन केन्द्रीय याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय का उद्घाटन माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार के कर–कमलों से सम्पन्न हुआ। याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना सन् 2000 ई0 में मात्र 279 पुस्तकों के साथ हुई थी। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय में लगभग 45,220 पुस्तकें, तथा 08 समाचार पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में इंटरनेट सर्चिंग, इलेक्ट्रानिक डाक्यूमेन्ट्स एक्सेस, रिप्रोग्राफिक सेवा तथा सन्दर्भ सेवा इत्यादि शिक्षार्थी को प्रदान की जाती है। पुस्तकालय में इलेक्ट्रानिक लाईब्रेरी (e-Library) की भी सुविधा शिक्षार्थियों एवं प्राध्यापकों के लिए उपलब्ध है। जिसके अन्तर्गत डेलनेट एवं यू.जी.सी. इन्फोनेट के माध्यम से ऑन–लाइन जर्नल्स एवं डाटाबेस सेवाएँ

प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय की अन्य गतिविधियों को पूर्णतया स्वचालित करने हेतु पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्क, अहमदाबाद द्वारा विकसित सोल 2.0 का प्रयोग किया जा रहा है। कुल लगभग 35,000 पुस्तकों का कम्प्यूटराइज्ड डाटाबेस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार कराया जा चुका है। पुस्तकालयी सेवाओं को दूरस्थ शिक्षा के शिक्षार्थियों तक पहुँचाने हेतु इसे विश्वविद्यालय वेबसाइट से भी जोड़े जाने की योजना अन्तिम चरण में है।

(झ) प्लेसमेंट (Placement)

विश्वविद्यालय का सेवा स्थापना प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (गंगा परिसर) में सुचारू रूप से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा प्लेसमेण्ट सम्बन्धित सूचनाओं की जानकारी जनमानस तक आसानी से सर्वसुलभ हो इसके लिए अलग से वेबसाइट का निर्माण कराया गया है। प्लेसमेंट सेल के निरन्तर प्रयास के द्वारा कैम्पस साक्षात्कार आयोजित कराकर विश्वविद्यालय अपने शिक्षार्थियों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। प्लेसमेंट सेल की सक्रियता के कारण कई शिक्षार्थी इस अवसर से लाभान्वित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर व्यवसाय कर रहे हैं।

5 शोध, परामर्श एवं प्रसार
(Research, Consultancy and Extension)

मानव व्यवहार के तीन प्रमुख पक्ष होते हैं। ज्ञान, भाव व क्रिया। इनमें ज्ञान की भूमिका एवं स्थान सर्वप्रथम तथा श्रेष्ठतम माना जाता है। आधुनिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी के विकास के पीछे भी ज्ञान की पिपासा, अनुत्तरित प्रश्नों एवं समस्याओं का समाधान खोजने की जिज्ञासा रही है। शोध ऐसे ही प्रयासों का एक सुव्यवस्थित, नियन्त्रित व औपचारिक स्वरूप होता है। वास्तव में शोध वर्तमान ज्ञान के परिमार्जन एवं नवीन ज्ञान के सृजन की एक प्रक्रिया है। इसलिए ज्ञान का संकलन, शोध तथा उच्च शिक्षा के प्रसार को उच्च शिक्षा के प्रमुख उद्देष्यों के रूप में परिभाषित किया जाता है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ उच्च शिक्षा के प्रसार एवं शोध के क्षेत्र में भी निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर समसामयिक एवं गुणवत्तायुक्त शोध प्रदान करने के लिए प्रारम्भ से ही शोध कार्यों पर बल देता रहा है तथा इसके लिए व्यापक सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। विश्वविद्यालय के याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय में संदर्भ व मान्य पुस्तकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करते हुए इण्टरनेट तथा ई–लाईब्रेरी की भी व्यवस्था शोधार्थियों क लिए की गई है। डिजिटल इंडिया मुहिम को सफल बनाने की दिषा में कार्य करते हुए विश्वविद्यालय ने यूनिवर्सिटी मैनेजमेण्ट सिस्टम (ईआरपी–यू एम एस) को अपनाकर तेजी से विकसित हो रही आधुनिक संचार प्रणाली और ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण कार्य किया है। ऑन लाइन सुविधाओं से अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता तथा शिक्षक –शिक्षार्थी संवाद में आशातीत वृद्धि हुई है।

शोध प्रकोष्ठ (Research Cell)

शोध कार्यो के व्यवस्थापन तथा सुचारु संचालन की दृष्टि से सत्र 2003–04 में विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रकोष्ठ की स्थापना हुई थी। जिसका कुशल मार्गदर्शन शिक्षा विद्याशाखा के तत्कालीन निदेशक प्रो. एस.पी. गुप्ता द्वारा 10 से अधिक वर्षो तक प्रभावशाली ढंग से किया गया । वर्तमान में यह प्रकोष्ठ शिक्षा विद्याशाखा के ही प्रभारी एवं आचार्य प्रो. पी.के. पाण्डेय के मार्गदर्शन में सक्षमता के साथ क्रियाशील है। राष्ट्रीय उत्थान एवं समाज के विकास के लिए शोध अति आवश्यक है। इसीलिए विश्वविद्यालय का शोध प्रकोष्ठ शोध में गुणात्मक वृद्धि के लिए निरन्तर सक्रिय है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) द्वारा जारी रेग्यूलेशन 2009 के पूर्व विश्वविद्यालय में प्रवेशित शोधार्थियों को पूर्व की भांति सत्र 2016–17 में भी विभिन्न विषयों में शोध उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) ने पत्र संख्या F-2-1/2017(DEB-III) दिनांक 15 फरवरी 2017 द्वारा पुनः विश्वविद्यालय को एम.फिल. व पी–एच.डी. कार्यक्रम संस्थागत माध्यम से प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान कर दी है। इस क्रम में यू.जी.सी.(Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil/ Ph.D Degree) Regulations -2016 का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा शोध अध्यादेश में वांछित संशोधन कार्य प्रक्रियाधीन है। शोध सम्बन्धी नीति–निर्माण एवं नियमन के क्षेत्र में शोध उपाधि समिति एवं विभागीय शोध उपाधि समिति के सहयोग से विभिन्न विषयों में पी–एच.डी. कार्यक्रम के कोर्स वर्क को तैयार करने का कार्य शीघ्रता से चल रहा है। शोधार्थी का नाम, शोध का विषय एवं अन्य समस्त शोध कार्यों का एक स्पष्ट डाटाबेस तैयार करने हेतु शोध प्रकोष्ठ तन्मयता से कार्यशील है।

शोध उपाधि समिति का संगठन–

• कुलपति	अध्यक्ष
• कुलपति जी द्वारा नामित दो विषयविशेषज्ञ	सदस्य
• सम्बन्धित विद्याशाखा के निदेशक	सदस्य
• कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड तथा विद्या परिषद का एक सदस्य	सदस्य
• शोध विकास तथा समन्वय का प्रभारी	सदस्य

शोध उपाधि समिति के कार्य–

- विभिन्न विद्याशाखाओं के प्रासंगिक विषयों पर शोध कार्य हेतु मानकों का निर्माण करना।
- शोध कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के पंजीकरण निर्देशन एवं अनुश्रवण आदि के लिए शोध नीतियों का निर्माण करना।

- शोध प्राथमिकताओं पर सुझाव देना।
- शोध के मूल्यांकन हेतु संसूचकों का निर्माण करना।
- विश्वविवद्यालय के शोध सम्बन्धी प्रयासों का आलेख तैयार करवाना।
- शोध विकास एवं समन्वय सम्बन्धी कार्य करना।

एकादश दीक्षान्त समारोह–

विगत वर्षों की भांति उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद का एकादश दीक्षान्त समारोह रविवार, दिनांक 19 फरवरी 2017 को पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर 2015 व जून 2016 की परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। विगत वर्ष की भाँति इस दीक्षान्त समारोह को भी भारतीय पारम्परिक परिधान में ही आयोजित किया गया। इस दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित होने के लिए विद्यार्थियों को ऑन लाइन पंजीकरण की सुविधा प्रदान की गयी।

इस एकादश दीक्षान्त समारोह में पी–एच.डी. उपाधि हेतु अर्ह कुल 57 शोध छात्र/छात्राओं को उपाधि प्रदान की गयी जिनका विषयवार विवरण निम्नानुसार है–

क्र.सं.	शोध कार्यक्रम का विषय	शोधार्थी संख्या
1.	प्राचीन इतिहास	01
2.	इतिहास	02
3.	राजनीति विज्ञान	04
4.	समाजशास्त्र	06
5.	वाणिज्य	01
6.	प्रबन्धन	08
7.	अर्थशास्त्र	03
8.	अंग्रेजी	01
9.	हिन्दी	10
10.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	04
11.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	02
12.	संस्कृत	01
13.	न्यूट्रीशन, फूड एण्ड डाइटेक्टिक्स	01
14.	कम्प्यूटर विज्ञान	02
15.	शिक्षाशास्त्र	11
	कुल योग	57

प्राध्यापकों का संव्यावसायिक विकास–

विश्वविद्यालय कार्यरत प्राध्यापकों के संव्यावसायिक विकास एवं उनके अकादमिक उत्थान हेतु निम्न सुविधायें एवं अवसरों को उपलब्ध कराता है–

- शोध कार्य
- लघु एवं दीर्घ अवधि शोध परियोजनाओं का संचालन
- शोध निर्देशन
- शोध प्रकाशन
- स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में प्रतिभाग

- ओरियन्टेशन एवं रिफ्रेषर कार्यक्रमों में प्रतिभाग
- अन्य संस्थाओं में व्याख्यान एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग
- सेमिनार, संगोष्ठियों, व्याख्यान एवं कार्यशाला ओं का आयोजन आदि।

विश्वविद्यालय के प्रकाशन–

कोई भी अनुसंधान कार्य अथवा सामुदायिक स्तर पर किया जाने वाला प्रसार कार्य बिना प्रकाशन के अपनी सम्पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सकता। शोध कार्यो का लाभ समाज को तभी मिल सकता है जब विविध प्रकाशनों के माध्यम से शोध के लाभकारी निष्कर्ष जन–सामान्य के सम्मुख प्रस्तुत किये जाते हैं। वस्तुतः किसी शिक्षण संस्थान में वर्ष भर होने वाले शैक्षिक क्रिया–कलापों के विवरण को प्रकाशित करने वाली समस्त सामग्री कहीं न कहीं उस संस्था के शिक्षा दर्शन और उद्देश्यों से जुड़ी हुई होती हैं, जिन्हें समाज में प्रसारित करके वह शिक्षा संस्था अपने शैक्षिक व सामाजिक लक्ष्यों का प्रकाशन करती है।

उपर्युक्त ढंग से देखा जाय तो उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2016–17 में हुए प्रकाशनों को निम्नानुसार लिपिबद्ध किया जा सकता है–

- **प्रवेश सूचना विवरिणका–** विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक कार्यक्रमों के सम्बन्ध में प्रवेश –पात्रता, कार्यक्रम अवधि, शुल्क आदि समस्त विवरणों को समाहित करते हुए विश्वविद्यालय में वर्ष पर्यन्त किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा प्रस्तुत करने वाली सत्र 2016–17 की प्रवेश सूचना विवरणिका का पुस्तिका रूप में प्रकाशन होने के साथ–साथ इसे वेबसाइट पर अपलोड भी कराया गया ताकि ''कोई भी, कहीं भी, कहीं भी'' के आधार पर ''शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार तक'' पहुँचाने की संकल्पना को मूर्त दिया जा सके।
- **शोध पत्रिका (Research Journal)**– विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्याशाखा द्वारा विगत वर्षों में 'यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड ओ0डी0एल0 स्टडीज' नामक वार्षिक जर्नल का प्रकाशन किया जाता रहा है। इस पत्रिका में मुख्यतः दूरस्थ शिक्षा और उसके साथ विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों द्वारा अपने विषय को दूरस्थ शिक्षा से जोड़ते हुए उस पर प्रकाश डालने वाले उच्चकोटि के स्तरीय शोध आलेखों को सम्मिलित किया गया है। वर्तमान में 'इंडियल जर्नल ऑफ डिस्टेन्स एजूकेशन' नाम से इसको पुनः प्रकाशित किये जाने की योजना है।
- **सोशल जस्टिस : डिस्ट्रीब्यूटिव प्रिसिंपल एण्ड बियाण्ड–** सामाजिक न्याय के क्षेत्र में विभिन्न अधिकारी विद्वानों द्वारा प्रदत्त उत्कृष्ट शोध लेखों के संकलन के रूप में इस वर्ष माननीय कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे द्वारा संपादित इस पुस्तक का प्रकाशन हुआ। इसमें शिक्षकों, शिक्षार्थियों, छात्रों एवं व्यापक जन–समाज के मार्गदर्शन की प्रचुर सामग्री विद्यमान है, जिसका निरूपण अत्यन्त प्रभावी ढंग से किया गया है।
- **संगोष्ठी प्रतिवेदन (सेमिनार प्रोसीडिंग्स)**– उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों में किए जाने वाले विचार मन्थन को पुस्तक रूप में प्रकाशित करने की परम्परा विद्यमान है। इसकी महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विगत वर्ष विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान मे सांख्यकी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन इस वर्ष 'इनोवेटिव प्रैक्टिसेज ऑफ स्टैटिस्टिक्स इन रिसर्च' नाम से डॉ. श्रुति (असिस्टेन्ट प्रोफेसर, सांख्यिकी) के संपादकत्व में प्रकाशित हुआ है। इस पुस्तक ने अनेक विषयों में शोधार्थियों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उपर्युक्त दोनों पुस्तकों का विमोचन विश्वविद्यालय में 20 सितम्बर 2016 को आयोजित 'दूरस्थ शिक्षा : युवा शक्ति और समाज विषयक राष्ट्रीय परिसंवाद सह पुराछात्र सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री राम नाईक जी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

- **दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा किये गये महत्वपूर्ण प्रकाशन–** शिक्षार्थी सहायता सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये विश्वविद्यालय में स्थापित दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र के शोध कार्य बहुत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। 'दीक्षान्तिका' और 'वैचारिकी' जैसे विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण प्रकाशनों के क्षेत्र में इस केन्द्र का प्रभावी योगदान रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की अर्द्धवार्षिक सूचना पत्रिका का प्रकाशन दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान केन्द्र द्वारा किया जा रहा है साथ ही

विभिन्न अवसरों पर विश्वविद्यालय में आयोजित विचार गोष्ठियों में अतिथि वक्ताओं एवं कुलपति महोदय के अध्यक्षीय उद्‌बोधनों का एक संकलन प्रकाषित करने की योजना पर कार्य चल रहा है।

- **<u>संगोष्ठियों, कार्यशाला ओं तथा व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन–</u>** माननीय कुलपति प्रो0 दुबे के नेतृत्व में शिक्षार्थियां एवं प्राध्यापकों की शोध के क्षेत्र में उन्नति तथा कैरियर संवर्द्धन हेतु विश्वविद्यालय की समस्त विद्याशाखाओं में वर्षभर अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशाला ओं तथा व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनका विवरण इस प्रकार है–

  - उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 30–31 जनवरी 2017 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन आई0सी0टी0' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की संयोजक डॉ. श्रुति (असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याषाखा), आयोजन सचिव सुश्री मारिषा (असि0 प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान) एवं सेमिनार निदेशक डॉ. आशुतोष गुप्ता रहे। सेमिनार के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी, विशिष्ट अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय तथा अध्यक्ष प्रो. आर.पी. मिश्र, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम का आयोजन मा. कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे के संरक्षकत्व में हुआ।
  - 27–28 फरवरी 2017 को विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा 'लैंगिक भेदभाव तथा भारतीय कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक सहभागिता के आयाम' विषयपर द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय तथा मुख्य वक्त प्रो0 संगीता श्रीवास्तव, अध्यक्ष गृहविज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहीं और अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे ने की। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 प्रेम प्रकाश दुबे (निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याषाखा), आयोजन सचिव डॉ. श्रुति एवं डॉ. गिरीश द्विवेदी रहे।
  - उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में 01–02 को वर्तमान में योग की प्रासंगिता विषयपर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। संगोष्ठी के अतिथि न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी तथा मुख्य वक्त प्रो0 राजलक्ष्मी वर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहीं। अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्रा जी ने एवं संरक्षकत्व माननीय कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे का रहा। राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव संयोजक डॉ. रामजी मिश्र, समन्वयक डॉ. गिरीष कुमार द्विवेदी एवं आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल रहीं।
  - 24–26 मार्च 2017 तक विश्वविद्यालय में 'डॉ. राम मनोहर लोहिया का दर्शन' विषयपर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री राम नाईक जी एवं विशिष्ट अतिथि पद्मभूषण डॉ0 सुभाष कष्यप, पूर्व महासचिव लोकसभा रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, आई0सी0पी0 आर नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो0 एस.आर. भट्‌ट एवं संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 गोपीनाथ पिल्लई ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से मंच को आलोकित किया। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय आदि अतिथि उपस्थित रहे।
  - उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में 27–28 मार्च 2017 को 'उर्दू कविता : अकबर इलाहाबादी के विशेष संदर्भ में (उर्दू शायरीः अकबर इलाहाबादी के खुसूसी हवाले से) विषयपर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण और मुख्य वक्ता प्रो0 मुजाबिर हुसैन रिजवी ने संगोष्ठी के विषयपर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्षता मा0 कुलपति जी ने की। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक मानविकी विद्याशाखा एवं आयोजन सचिव डॉ. अब्दुल हफीज़, शैक्षणिक परामर्शदाता, उर्दू रहे।
  - 29 मार्च 2017 को मानविकी विद्याशाखा के अन्तर्गत 'सोशल मीडिया के सामाजिक सरोकार' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती परिसर स्थिति लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगदीश उपासने, सम्पादक पांचजन्य और मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. ओम प्रकाश सिंह, मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी उपस्थित रहे। अध्यक्षता मा0 कुलपति ने की।

- 30–31 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'षोध में वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग' विषयपर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के उद्घाट्न सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आई.टी.) इलाहाबाद के निदेशक प्रो0 जी0सी0 नन्दी और मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभागाध्यक्ष प्रो0 अनूप चतुर्वेदी रहे। उद्घाट्न सत्र की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. श्रुति एवं संयोजक डॉ. जी.के. द्विवेदी तथा संगोष्ठी निदेशक डॉ. आशुतोष गुप्ता रहे।
- दिनांक 18–24 मार्च 2017 तक विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में 'रिसर्च मेथडोलॉजी, स्टैटिस्टिकल डाटा एनालिसिस यूजिंग लेटेक्स एण्ड आर सॉफ्टवेयर' विषयपर साप्ताहिक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ। उद्घाट्न सत्र में मुख्य अतिथि प्रो0 जे0पी0 वर्मा, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर रहे एवं अध्यक्षता मा0 कुलपति जी ने की। कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. श्रुति एवं डॉ. जी.के. द्विवेदी तथा संगोष्ठी निदेशक डॉ. आषुतोष गुप्ता रहे।
- **<u>अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन</u>–** विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा द्वारा दिनांक 09–10 मार्च 2017 को 'बायोलॉजिकल साइंसेज एण्ड बायो स्टैटिस्टिक्स' पर अन्तर्राट्रीय कान्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। इसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 के0बी0 पाण्डेय, कुलपति नेहरू ग्रामभारती विश्वविद्यालय रहे। बीज वक्ता प्रो. यू.सी. श्रीवास्तव, महासचिव नेषनल साइंस एकेडमी एवं अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। कान्फ्रेन्स के निदेशक के रूप में आशुतोष गुप्ता, संयोजक के रूप में डॉ. श्रुति तथा आयोजन सचिव के रूप में डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

- **समन्वयक कार्यशालाओं का आयोजन** – दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत विभिन्न शैक्षिक व प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। इसीलिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केन्द्रों पर समन्वयक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।
  - 20 एवं 21 अगस्त 2016 को इस्माईल नेषनल पी0जी0 कालेज मेरठ में गाजियाबाद तथा मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। दोनों कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्रमशः डॉ. बी.के. भदरी असिस्टेन्ट एजूकशनल एडवाइजर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली तथा डॉ. शाहिद रसूल, निदेशक, कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिा सेन्टर फॉर एशिया (सेमका), नई दिल्ली रहे। समारोह मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।
  - 18 अक्टूबर 2016 को विश्वविद्यालय के झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिपिन बिहारी डिग्री कालेज सभागार में किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र दुबे तथा विशिष्ट अतिथि विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ. एम.एम. पाण्डेय रहे। अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी ने की।
  - 19 अक्टूबर 2016 को आगरा विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में स्थित सेमिनार हॉल में क्षेत्रीय केन्द्र आगरा से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मा0 कुलपति जी रहे।
  - बरेली क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला तथा प्रषिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 06 नवम्बर 2016 को बरेली कालेज, बरेली में किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एम0जे0पी0 रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रो0 मुशाहिद हुसैन जी तथा विषिष्ट अतिथि डॉ0 सोमेश यादव, प्राचार्य बरेली कालेज, बरेली रहे। अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी ने की।
  - 13 नवम्बर 2016 को वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उ0प्र0

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ के वर्तमान कुलपति डॉ. पृथ्वीश नाग रहे और अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 दुबे जी ने की ।

- क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11 दिसम्बर 2016 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि उ0प्र0रा0ट0 मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे।
- 12 दिसम्बर 2016 को विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बप्पा श्री नारायण वोकेषनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ में किया गया। मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे।

➢ **सम–सामयिक विषयों पर व्याख्यान कार्यक्रम–** सम–सामायिक राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन करके विश्वविद्यालय छात्रों में शैक्षिक जागरूकता और सामाजिक सरोकार का एक साथ विकास करने में तत्पर रहता है।

- 14 जुलाई, 2016 को 'सामाजिक सरोकारों में दूरस्थ शिक्षा और मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक जागरण, इलाहाबाद के वरिष्ठ सम्पादक श्री जगदीष जोशी ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति महोदय ने की। संयोजक के रूप में डॉ० आर०पी०एस० यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, ने सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।
- 20 जुलाई, 2016 को 'प्रभावी साक्षात्कार हेतु तैयारी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम मुख्य वक्ता के रूप ब्रिगेडियर श्री अखिलेष भार्गव ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इसी दिन आयोजित एक अन्य व्याख्यान में 'भारतीय संस्कृति के प्रेरक प्रसंग' शीर्षक पर प्रो०एस०एन० कपूर (पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने श्रोताओं को अपने चिन्तन से लाभान्वित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ने की।
- 17 सितम्बर, 2016 को विष्वकर्मा पूजा के आयोजन के साथ–साथ 'हिन्दी पखवारा' के अन्तर्गत 'हिन्दी भाषा का विकास एवं समृद्धि' पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसके मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राजेन्द्र प्रसाद ने रोजगार की भाषा के रूप में दिन–प्रतिदिन सबल होती जा रही हिन्दी भाषा के उज्जवल भविष्य तथा विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे उसके व्यापक प्रयोग पर अपने सारगर्मित विचार प्रस्तुत किए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति जी ने कहा कि विश्वकर्मा जयन्ती पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि टेक्नोलॉजी का और विस्तार हो जिससे हिन्दी भाषा और अधिक समृद्धि को प्राप्त हो सके। हिन्दी आज अगर कहीं कमजोर हो रही है तो उसके पीछे राजनीतिक संरक्षण एवं वोट बैंक की राजनीति है।
- 10 नवम्बर, 2016 को प्रो० अरुण चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान ने माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम 'लोकतन्त्र एवं राष्ट्र निर्माण' विषयपर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, डॉ० आर०पी०एस० यादव रहे।
- 17 नवम्बर, 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक सभागार में प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक, डॉ० ओमजी गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित विचार–गोष्ठी में मंचासीन विद्वानों के रूप में डॉ० पी०पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा तथा डॉ० आर०पी०एस० यादव, विचार–गोष्ठी के संयोजक एवं निदेशक, मानविकी विद्याशाखा ने संगोष्ठी को गरिमा प्रदान की। डॉ० अतुल मिश्रा, शैक्षणिक परामर्शदाता दर्शनशास्त्र ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई।
- उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में 22 नवम्बर, 2016 को 'विकास के विभिन्न प्रतिमान एवं अन्य विकल्प' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रो० लीलाराम गुर्जर, निदेशक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्याशाखा वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। माननीय कुलपति जी ने अध्यक्ष के रूप में मंच को सुशोभित किया।

- 17 मई, 2017 को उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ स्थित नवनिर्मित क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद में मैत्रेयी ग्रंथागार एवं आदि शंकराचार्य सभागार के उद्घाटन व नामकरण के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० अशोक गजानन मोडक ने 'उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालयः अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय पर आयोजित विचार–गोष्ठी में अपने प्रभावशाली वक्तव्य के माध्यम से विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो० आर०पी० मिश्र, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद तथा संरक्षक के रूप में मा0 कुलपति प्रो० एम०पी० दूबे जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य के विषयमें डॉ० रामजी मिश्र, प्रो० पी०के० पाण्डेय, डॉ० आर०पी०एस० यादव, डॉ० टी०एन० दूबे एवं डॉ० जी०के० द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो० गिरजा शंकर शुक्ल ने किया।
- 21 जून, 2017 को विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य वक्ता क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान, झूँसी की ज्ञानमती माता ने योग पर अपना वक्तव्य दिया। माननीय कुलपति जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया।

➢ महापुरूषों की जयन्तियों पर आयोजित विचार–गोष्ठियाँ –

- दिनांक 01 अगस्त, 2016 को राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन जी की जयन्ती पर वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथ के रूप में न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय जी ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ने की।
- 02 अक्टूबर, 2016 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'गाँधी और विश्वशान्ति' विषयक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य वक्ता डॉ० सन्तोष गोइन्दी (समाजसेवी एवं गाँधीवादी विचारक) तथा मुख्य अतिथि प्रो० आर०पी० मिश्र (पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विष्वविद्यालय) रहे। अध्यक्ष के रूप माननीय कुलपति जी ने विश्वशान्ति के लिए गाँधी चिन्तन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।
- सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता सप्ताह के संदर्भ में 09 नवम्बर, 2016 को 'राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में पं० केषरीनाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल का मुख्य वक्ता के रूप में आगमन हुआ। कार्यक्रम का संयोजन मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ० आर०पी०एस० यादव ने किया। अध्यक्ष मा0 कुलपति जी रहे।

<u>परामर्श कार्य</u>

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को अन्य विश्वविद्यालय, संगठनों तथा शैक्षिक संस्थाओं में परामर्श देने का कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यहाँ के प्राध्यापकगण अन्य महाविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थाओं में आयोजित होने वाली शैक्षिक गतिविधियों जैसे– निबन्ध, भाषण, काव्य पाठ, वाद–विवाद आदि प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किए जाते है, जहाँ पर वे उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते है। इससे विश्वविद्यालय की गरिमा में वृद्धि हुई है।

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में नव–स्थापित स्टूडेन्ट गाइडेन्स एवं कोचिंग सेल के द्वारा छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के सम्बन्ध में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

<u>विश्वविद्यालय के सामुदायिक एवं प्रसार कार्यक्रम–</u> शिक्षा को समुदाय से प्रभावी ढंग से जोड़ने, मूल्य चिन्तन को प्राथमिकता देने, सम–सामयिक विषयों पर जन–जागरूकता उत्पन्न करने एवं दूरस्थ शिक्षा के दर्शन व कार्यप्रणाली का प्रसार करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं–

- 20 सितम्बर 2016 को सरस्वती परिसर में निर्मित होने वाले ऑडिटोरिम का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'दूरस्थ शिक्षाः युवा शक्ति और समाज' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद–सह–पुराछात्र सम्मेलन का उद्घाटन मा0 कुलाधिपति श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव के रूप में डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं परिसंवाद निदेशक के रुप में डॉ. संतोषा कुमार ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया। इस अवसर पर मा0 कुलाधिपति महोदय

ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित मोबाइल ऐप का भी उद्घाटन करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नई तकनीक के माध्यम से निष्चय ही युवाओं को और प्रदेश के सभी लोगों को सीधा लाभ होगा। मा0 कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को ऑनलाइन सुविधाएं देने हेतु कृत संकल्पित है।

इस कार्यक्रम के विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों के रूप में डॉ0 अनिल दत्त मिश्रा, उपनिदेशक, गांधी संग्रहालय नई दिल्ली, प्रो0 डी0पी0 सिंह, भूगोल विभाग नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना, तथा मा0 न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी ने युवा शक्ति के महत्व और दूरस्थ शिक्षा की व्यापक सामाजिक उपयोगिता पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये जिससे विश्वविद्यालय की सामुदायिक और प्रसार गतिविधियों को नये आयाम मिल सकें।

- 15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मा0 कुलपति जी द्वारा ध्वजारोहण एवं अध्यक्षीय उद्बोधन के पश्चात् स्वच्छ भारत अभियान की दिषा में विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृक्षारोपण एवं श्रमदान कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।
- शिक्षार्थियों को संस्कारवान बनाने के लिये विश्वविद्यालय द्वारा महापुरुषों की जयन्तियों पर उनके जीवन के प्रेरणादायक प्रसंगों पर विचार चिन्तन हेतु विद्वानों के व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। 02 अक्टूबर 2016 को गॉधी जयन्ती के अवसर पर 'गांधी और विश्वशान्ति विषयक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन तथा विश्वविद्यालय में वृहद स्वच्छता अभियान का अयोजन किया गया। इसके साथ ही गांधी चिन्तन और दार्शनिकता को मूर्त रूप देते हुए परिसर को स्वच्छ रखने में योगदान करने वाले उत्कृष्ट सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गांधी कक्ष एवं चरखा प्रयोगशाला में सूत कताई के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया ताकि युवाओं में स्वावलम्ब्न की भावना का विकास किया जा सके।
- 30 जनवरी 2017 को शहीद दिवस पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण किया गया। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0 एस0 यादव ने अपने वक्तव्य द्वारा गांधी के आदर्शात्मक जीवन के प्रेरक प्रसंगो को सबके समक्ष रखा। मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखते हुए उस महामानव को याद किया।
- 19 फरवरी 2017 को आयोजित होने वाले उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के एकादश दीक्षान्त समारोह से संबंधित जानकारियों के प्रचार–प्रसार हेतु 16 फरवरी 2017 को प्रेस क्रान्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें मा0 कुलपति जी, विश्वविद्यालय के निदेशकगण एवं अधिकारीगणों ने संवाददाताओं को दीक्षान्त समारोह के विषय में विशिष्ट जानकारियाँ प्रदान कीं।
- भारतीय संस्कृति के तीज त्योहारों की गरिमा को अपनी विरासत के रुप में ग्रहण करते हुए उनमें निहित मानवीय संदेश का प्रसार करने की दिशा में इस वर्षविश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में 18 मार्च 2017 को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव डॉ0 आर0 के0 पाण्डेय विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकों, प्राध्यापको तथा कर्मचारियों ने एक–दूसरें पर अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी तथा मिष्ठान वितरण भी हुआ।
- उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वाधान में दिनांक 24 मार्च 2017 को राजर्षि पुरुर्षोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यान माला के त्रयोदश पुष्प का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में डॉ0 सुभाष कश्यप, पूर्व महासचिव लोकसभा एवं अध्यक्षता कर रहे मा0 कुलपति जी ने मंच को सुशोभित किया।
- दिनांक 14 अप्रैल 2017 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयन्ती के अवसर पर प्रो0 अषोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, की पुस्तक, 'डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर और भारतीय एकात्मकता' के लोकार्पण समारोह का अयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के डी0पी0ए0 सभागार में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उ0प्र0 विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित, मुख्य वक्ता डॉ0 अशोक मोडक जी एवं विशिष्ट अतिथि पूर्वी उत्तर प्रदेश स्वदेशी जागरण मंच के संगठन मंत्री श्री अजय कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0प्र0रा0ट0 मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।
- उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वाधान में दिनांक 25 अप्रैल 2017 को उ0प्र0 अन्तर्विश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल के रूप में 'युवा संगम' महोत्सव का आयोजन किया गया। इस समारोह में रंगोली (अल्पना), कोलॉज,

मेंहदी, सोलोसांग (भक्ति, देश भक्ति एवं प्रेरणादायक गीत), प्लेइंग म्यूजिक (इन्ट्रूमेण्टल संगीत), शार्ट प्ले, फैंसी ड्रेस (राष्ट्रीय एकता), स्लोगन राइटिंग, स्पॉट पेंटिग, निबन्ध लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करके नवीन प्रतिभाओं को विकास का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया गया। सम्पूर्ण उ0प्र0 के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 120 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। उद्घाट्न सत्र में मुख्य अतिथि नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 लल्लन सिंह जी रहे एवं अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दूबे जी ने की। कार्यक्रम के आयोजन में संयोजक डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, सह–संयोजक डॉ0 अतुल मिश्रा एवं सह–आयोजन सचिव डॉ0 अल्का वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

- 16 मई 2017 को विश्वविद्यालय में पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यामाला के प्रथम पुष्प का अयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के उद्घाट्न अवसर पर मुख्य अतिथि मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री राम नाईक जी की गरिमामय उपस्थिति में मुख्य वक्ता प्रो0 अषोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र जी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के संरक्षक मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दूबे ने अतिथियों का स्वागत और अभिनन्दन करते हुये अपने वक्तव्य द्वारा दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति व्याख्यानमाला की प्रथम पुष्पांजलि अर्पित की।
- आज भूमण्डलीकरण और मूल्यों के संक्रमण के इस युग में देश की संस्कृति और परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए शिक्षा का मूल्यपरक होना अतिआवष्यक है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या में मूल्यपरकता का अभिनिवेष किया गया है। शिक्षार्थियों में नैतिक आचरण का विकास करने के लिए गांधी विचार एवं शान्ति अध्ययन को सभी विद्याशाखाओं के परास्नातक कार्यक्रमों में आधार पाठ्यक्रम के रूप में अनिवार्यतः लागू किया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष माघ मेला क्षेत्र में शिविर लगाकर साधारण जनता को यहाँ संचालित विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। इस प्रकार समाज में दूरस्थ शिक्षा व मुक्त शिक्षा प्रणाली के प्रति जागरूकता लाने का सक्रिय प्रयास किया जाता है।
- विश्वविद्यालय में समय–समय पर आयोजित होने वाले प्रसार कार्यो जैसे राष्ट्रीय एकता रैली, वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम, स्वच्छता प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देने वाले श्रमदान कार्यक्रम आदि के द्वारा शिक्षा को समाज से जोड़ने का सतत् प्रयास किया जाता है।
- विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा को स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ते हुये सामुदायिक कालेज की स्थापना की दिषा में भी प्रयत्नशील है। इसके अन्तर्गत 60 से अधिक रोजगार एवं कौशलपरक शैक्षणिक कार्यक्रमों को प्रारंभ करने की योजना है। जिनमें विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रसार कार्य का सबसे महत्वपूर्ण आयाम तकनीकी नवाचारों के क्षेत्र में प्रतिफलित हुआ है। क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर अत्याधुनिक संचार तकनीकी के प्रयोग द्वारा विश्वविद्यालयी सुविधाओं के विस्तार में विश्वविद्यालय अनुदिन संलग्न है। विश्वविद्यालय के दसों क्षेत्रीय केन्द्रों के जरिये प्रदेश व्यापी अध्ययन केन्द्रों को 'युनिवर्सिटी मैनेजमेण्ट सिस्टम' नामक सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय में होने वाले सेमिनार तथा विभागीय कार्यक्रमों को वेबसाइट के अलावा यू–ट्यूब व फेसबुक पर तत्काल अपलोड किया जाता है। विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों की जानकारी किसी भी समय और किसी भी स्थान पर उपलब्ध हो सकती है। सूचना तकनीकी के इस विस्तार के कारण विश्वविद्यालय का दायरा विदेशों तक विस्तृत हो गया है।

6. प्रशासन संचालन
(Governance)

किसी भी संस्था के विकास में वहॉ का प्रशासन तन्त्र महत्त्वपूर्ण कारक होता है। सुशासन की अनिवार्य शर्त है– नियमानुसार एवं समयबद्ध कार्य–संस्कृति का सुदृढ़ होना और यह तभी सम्भव है जब वहॉ की प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त हो, अधिकारियों, कार्मिकों में उत्तरदायित्व के प्रति समर्पण हो। इस दृष्टि से गंगा के तट पर अवस्थित ज्ञान गंगा को सतत सर्वजनसुलभ बनाता हुआ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद यशस्वी कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे के मार्गदर्शन में खरा उतरता है। मा0 ऊर्जस्वी कुलपति प्रो0 दुबे की प्रशासकीय क्षमता ने विश्वविद्यालय की कार्य–संस्कृति को सुदृढ़ किया है। समय–समय पर कुलपति जी सुशासन प्रति स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण एवं कार्यशालायें भी आयोजित करवाते रहे हैं। साथ ही प्राध्यापकों को उनकी अकादमिक एवं शोध–क्षमता–सम्वर्धन हेतु संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि के आयोजनों के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं, जिसका प्रतिफल है आकादमिक रूप से विश्वविद्यालय की पहचान तथा विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ प्रत्येक अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं।

प्रशासन संचालन की दृष्टि से विश्वविद्यालय अपने परिनियमों का पूर्णतः पालन करता है। राज्य के मा0 राज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। कुलपति की नियुक्ति मा0 कुलाधिपति द्वारा परिनियम 2.02 या परिनियम 3.05 द्वारा यथा उपबन्धित के सिवाय, उन व्यक्तियों में से की जाती है, जिनके नाम परिनियम 3.02 के अनुसार गठित समिति द्वारा उन्हें प्रस्तुत किया जाता है। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक होता है। वह विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों का पदेन सदस्य और अध्यक्ष होता है। कुलपति यदि चाहे तो विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं के आचार्यों या निदेशकों में से किसी एक को प्रतिकुलपति नियुक्त कर सकता है। विश्वविद्यालय में निदेशकों की नियुक्ति कार्यपरिषद् द्वारा विश्वविद्यालय परिनियमावली के उपबन्धों के अनुसार की जाती है।

विश्वविद्यालय की नीतियों को निर्धारित करने के प्रशासनिक निकाय (Governing Bodies) का गठन किया जाता है, जिसके अन्तर्गत निम्न परिषद्/बोर्ड आते हैं–

1. **कार्य परिषद् (Exceutive Council-EC)–** विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.01 के अनुसार कार्यपरिषद के सदस्यों का चयन किया जाता है। कार्यपरिषद् विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यपालक निकाय है। परिनियमों एवं अध्यादेशों को बनाना संशोधित करना एवं निरस्त करना कार्यपरिषद् के कार्य है। (परिशिष्ट–01)
2. **विद्या परिषद् (Academic Council-AC)–** विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.09 के अनुसार विद्यापरिषद् के सदस्यों का चयन किया जाता है। विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों का सामान्य पर्यवेक्षण करना एवं अनुदेश की पद्धतियों तथा शैक्षणिक मानकों में सुधारात्मक निर्देश देना, सभी विद्या सम्बन्धी मामलों में कार्यपरिषद् को परामर्श देना विद्यापरिषद् के कार्य है। (परिशिष्ट–01)
3. **योजना बोर्ड (Planning Board)–**विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.11 के अनुसार योजना बोर्ड के सदस्यों का चयन किया जाता है। योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के संरचना गत कार्यक्रम एवं क्रियाकलापों को अभिकल्पित और तैयार करता है। साथ ही विश्वविद्यालय के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक सभी विषयों पर कार्यपरिषद् को परामर्श देने का भी कार्य करता है। (परिशिष्ट–01)
4. **मान्यता बोर्ड (Board of Recognition)–**विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.15 के अनुसार मान्यता बोर्ड के सदस्यों का चयन किया जाता है। विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के अनुमोदन से संस्थाओं की मान्यता के लिए मानक निर्धारित करना तथा कुलपति द्वारा निर्दिष्ट किये गये संस्थाओं की मान्यता हेतु आवेदनों का परीक्षण करना और अपनी संस्तुति विद्यापरिषद् को प्रस्तुत करना आदि मान्यता बोर्ड के कार्य हैं। (परिशिष्ट–01)
5. **वित्त समिति (Finance Committee)–**विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.32 के अनुसार वित्त समिति का गठन किया जाता है। इसके प्रमुख कार्यों में कार्यपरिषद् को विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों के प्रशासन से सम्बन्ध विषयों पर सुझाव देना है। यह विश्वविद्यालय की आय तथा साधनों को ध्यान में रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कुल आवर्ती तथा अनावर्ती व्यय की सीमा नियत करती है एवं किसी विशेष कारण से वित्तीय वर्षके दौरान इस प्रकार की नियत व्यय की सीमा को पुनरीक्षित करती है और इस प्रकार नियत सीमा कार्यपरिषद् पर आबद्धकारी होगी। (परिशिष्ट–01)

6. **परीक्षा समिति–** विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय पॉच के परिनियम 5.40 के अनुसार परीक्षा समिति का गठन किया जाता है, जो विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाओं का, जिसके अन्तर्गत अनुसीमन तथा सारणीकरण भी है, का पर्यवेक्षण करती है। (परिशिष्ट–01)

त्रिस्तरीय विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान समय में 707 अध्ययन केन्द्र एवं 10 क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त बी.एड. पाठ्यक्रम का संचालन अध्ययन केन्द्रों तथा आर.सी.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) का संचालन 10 अध्ययन केन्द्रो पर किया जा रहा है। शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सुदूर क्षेत्रों में अध्ययन केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे 707 अध्ययन केन्द्रों का विवरण परिशिष्ट–09 में देखा जा सकता है। प्रारम्भ से विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की संख्या उत्तरोत्तर बढ़ रही है, जिससे विश्वविद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता एवं उपयोगिता का पता चलता है।

विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों के प्रवेश का विकास दर–

सत्र	कार्यक्रमों की संख्या	अध्ययन केन्द्रो की संख्या	नामांकित शिक्षार्थी	संचयी योग
1999–2000	20	15	3343	3343
2000–2001	30	28	3207	6550
2001–2002	41	27	3063	9615
2002–2003	38	47	4244	13857
2003–2004	39	63	8315	22172
2004–2005	42	81	8777	30949
2005–2006	50	102	10962	41911
2006–2007	61	198	16050	57961
2007–2008	76	279	14784	72745
2008–2009	81	252	17801	90546
2009–2010	82	430	22500	113046
2010–2011	90	449	25914	138960
2011–2012	96	399	30840	169800
2012–2013	73	531	24355	194155
2013–2014	73	578	71825	265980
2014–2015	83	564	31567	297547
2015–2016	73	670	21103	318650
2016–2017	96	707	46027	364677

उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रेसर विश्वविद्यालय के प्रशासन को सुचारु एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए इसकी प्रशासनिक व्यवस्था को तीन स्तरों में विभाजित कर देखा जा सकता है– मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र/सम्पर्क केन्द्र।

1. **विश्वविद्यालय मुख्यालय–** विश्वविद्यालय का मुख्यालय शान्तिपुरम्, सेक्टर–F, गोहरी रोड, फाफामऊ, इलाहाबाद में स्थित है। मुख्यालय में कुलपति, विद्याशाखा के निदेशकों, कुलसचिव, उपकुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, के कार्यालय जो तीन परिसरों में बँटा हुआ है–गंगा परिसर, यमुना परिसर एवं सरस्वती परिसर। गंगा परिसर में कुलपति, कुलसचिव, उपकुलसचिच वित्तअधिकारी एवं वित्त नियंत्रक के कार्यालयों के अतिरिक्त मीडिया सेन्टर, अतिथि गृह एवं कर्मचारियों के आवास भी स्थित है। सरस्वती परिसर में शैक्षणिक भवन में विद्याशाखाओं के निदेशकों के कार्यालय स्थित है, जहॉ इन विद्याशाखाओं की परामर्श कक्षाओं सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियॉ संचालित की

जाती है। विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय भवन भी इसी परिसर में स्थित है। यमुना परिसर विश्वविद्यालय का तीसरा परिसर है, जहॉ इलाहाबाद क्षेत्रीय कार्यालय एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए आवास निर्माणाधीन है।

1. **क्षेत्रीय केन्द्र–** सम्पूर्ण प्रदेश में फैले हुए 696 अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश, पाठ्य–सामग्री वितरण एवं शिक्षार्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण, छात्र सहायता सेवा एवं परीक्षा की गुणवत्ता के सुनिश्चितीकरण हेतु प्रदेश के सभी अध्ययन केन्द्रों को दश क्षेत्रीय केन्द्रों से सम्बन्ध कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के अभिलेखानुसार दश क्षेत्रीय केन्द्र निम्न रूप में है–

2. **क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद–** यमुना परिसर, सेक्टर–बी, शान्तिपुरम्, फाफामऊ, इलाहाबाद।
3. **क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी–** डी 59/32,ख, सिगरा, महमूरगंज रोड, वाराणसी 221010।
4. **क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर–** माया भवन, कैनाल रोड, दाउदपुर गोरखपुर।
5. **क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ–** सी–36 कमला नेहरू नगर, निकट श्री हंस भक्ति धाम, रिंग रोड, लखनऊ–226022।
6. **क्षेत्रीय केन्द्र बरेली–** 147–ए, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद बैंक के सामने, सरकिट हाउस चौरहा, बरेली–243001।
7. **क्षेत्रीय केन्द्र गाजियाबाद–** फ्लैट नं0–01 एन0एल0–2 गौड़ शापर्स इम्पायर, सेक्टर–11, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ0प्र0)।
8. **क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ–** स्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज बुढ़ाना गेट, मेरठ (उ0प्र0)।
9. **क्षेत्रीय केन्द्र आगरा–** अन्ना काम्प्लेक्स, खण्डारी, (डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय के प्रबन्धन संस्थान के सामने) आगरा–282002।
10. **क्षेत्रीय केन्द्र झॉसी–** डी0–17, एम0–2, बीरांगना नगर, झॉसी।
11. **क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर नगर–** ए–28,एम0आई0जी0, बर्रा–8 कानपुर नगर–208027।

उक्त समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्य निम्नवत हैं–

1. अध्ययन केन्द्रों की व्यवस्था एवं नियंत्रण।
2. अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण।
3. अध्ययन केन्द्रों से शैक्षिक गतिविधियों का आदान–प्रदान।
4. अध्ययन केन्द्रों को समय–सारणी, परिचय पत्र उपलब्ध कराना।
5. अध्ययन केन्द्रों से परामर्श कक्षाओं का विवरण प्राप्त करना एवं निरीक्षण करना।
6. नये अध्ययन केन्द्र स्थापित करने हेतु जानकारी एवं सुविधा प्रदान करना।
7. समय–समय पर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्रों हेतु कार्यशाला का आयोजन कराना।
8. अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों और शिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान एवं उन्हे सहायता उपलब्ध कराना।
9. अधिन्यास प्रश्न–पत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना।
10. अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय को अवगत कराना।

2. **अध्ययन केन्द्र–** विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था का तीसरा अंग अध्ययन केन्द्र है। विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम, पाठ्य–सामग्री, प्रवेश आदि के सन्दर्भ में शिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिए प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर समन्वयक, सह समन्वयक एवं सहायक शिक्षणेतर आदि की नियुक्ति करता है। इन अध्ययन केन्द्रों पर छात्र अपनी शैक्षिक समस्याओं एवं जिज्ञासाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते है। प्रायः प्रदेश के शासकीय एवं अर्द्धशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र खोले गये है। अपनी सेवायें लेने के लिए विश्वविद्यालय महाविद्यालय के प्राचार्य, अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों एवं कर्मचारियों को एक निश्चित मानदेय का भुगतान मासिक आधार पर करता है।

प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक शिक्षार्थियों के द्वार तक उच्च शिक्षा सुलभ कराने के लिए अध्ययन केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की गयी है। शिक्षार्थी पाठ्य–सामग्री, अधिन्यास, प्रवेश एवं अन्य समस्त वांछित सूचनायें अध्ययन केन्द्र से ही प्राप्त करते है। अध्ययन केन्द्र के समन्वयक सम्बन्धित कर्मचारियों पर नियंत्रण रखते है। सभी सूचनायें एकत्रित करना, क्षेत्रीय केन्द्रों से सूचनाओं का आदान–प्रदान करना, सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन, परामर्शदाताओं चयन, शिक्षको का चयन, शिक्षार्थियों की समस्याओं का निराकरण करना अध्ययन केन्द्र समन्वयकों के प्रमुख कार्य हैं।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा सामान्य प्रशासन संचालन एवं शिक्षणेतर क्रिया–कलापों के सम्पादनार्थ मुख्यालय स्तर पर विविध केन्द्रों एवं विशिष्ट प्रकोष्ठों की स्थापना एवं उनका गठन किया जाता है, जिनका विवरण निम्नवत है–

1. **अध्ययन केन्द्र स्थापना प्रकोष्ठ–** अध्ययन केन्द्र स्थापित किये जाने के इच्छुक महाविद्यालयों द्वारा अपने–अपने आवेदन इसी प्रकोष्ठ को प्रेषित किया जाता है। तत्पश्चात यह प्रकोष्ठ मा0 कुलपति जी के अनुमोदन के पश्चात महाविद्यालयों/संस्थाओं में भौतिक संशोधनों की उपलब्धता के निरीक्षण हेतु निरीक्षण–मण्डल नियुक्त करता है और तत्सम्बन्धी आख्या प्राप्त करता है। प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण एक समिति द्वारा किया जाता है। उसके बाद इन प्रस्तावों को मान्यता बोर्ड, विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद् के अनुमोदनार्थ भेज दिया जाता है। अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय तथा नव संस्थापित अध्ययन केन्द्रों के बीच एक अनुबन्ध हस्ताक्षरित किया जाता है। साथ ही महाविद्यालय के अध्यक्ष/प्राचार्य द्वारा भेजे गये तीन नामों की सूची में से किसी एक को मा0 कुलपति जी के द्वारा समन्वयक नियुक्त किये जाने के साथ अध्ययन केन्द्र अपना कार्य करने लगता है। इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 टी0एन0 दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष है।
2. **सूचना प्रकोष्ठ–** सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत देश के हर नागरिक को यह अधिकार मिला हुआ है कि वह कुछ मामलों को छोड़कर किसी भी विषय पर सूचना मांग सकता है। अतः इस विश्वविद्यालय में तदनुसार सूचना उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिसूचना संख्या ओ.यू./सूचना/809/2007 दिनॉक 24.09.2007 एवं ओ.यू./1127/2009 दिनॉक 09.01.2009 के क्रम में निम्नलिखित को जन सूचना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है जो अपने विभाग/अनुभाग से सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करायेंगे तथा समयान्तर्गत सूचना न उपलब्ध कराने की दशा में सूचना आयोग द्वारा निर्धारित अर्थ दण्ड हेतु स्वयं उत्तरदायी होंगे।

क्र0सं0	नाम	सम्बन्धित विभाग/अनुभाग
1.	निदेशक, प्रबन्धक अध्ययन विद्याशाखा	प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा
2.	निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा	कृषि विज्ञान विद्या शाखा
3.	निदेशक, मानविकी विद्या शाखा	मानविकी विद्या शाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान
4.	निदेशक, विज्ञान विद्या शाखाा	विज्ञान विद्या शाखा तथा कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा
5.	निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा	शिक्षा विद्या शाखा
6.	निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा	समाज विज्ञान विद्या शाखा
7.	कुलसचिव	प्रशासन से सम्बन्धित
8.	वित्त अधिकारी	वित्त विभाग से सम्बन्धित
9.	पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय विज्ञान से सम्बन्धित
10.	परीक्षा नियंत्रक	परीक्षा से सम्बन्धित
11.	प्रभारी, प्रवेश अनुभाग	प्रवेश, अध्ययन केन्द्रों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों से सम्बन्धित
12.	प्रभारी पाठ्य सामग्री	पाठ्य सामग्री अनुभाग से सम्बन्धित
13.	उप कुलसचिव	सहायक जन सूचना अधिकारी के रूप में कार्य करेंगें।

विश्वविद्यालय में कुलपति प्रथम अपीलीय अधिकारी होंगे, जिनके समक्ष जन सूचना अधिकारी के निर्णय या अनिर्णय पर अपील की जा सकती है।

पाठ्य सामग्री अनुभाग– यह अनुभाग विश्वविद्यालय में संचालित विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों हेतु दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की स्व अध्ययन सामग्री (S.L.M.) उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इसका मुख्य कार्य विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त शिक्षार्थियों को उनके द्वारा चयनित पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना है, जिसके प्रभारी डॉ0 संतोषा कुमार एसोशियेट प्रोफेसर समाज विज्ञान विद्याशाखा है।

प्रवेश प्रकोष्ठ– विश्वविद्यालय का प्रवेश प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के गंगा परिसर के प्रशासनिक भवन में स्थित है। प्रवेश प्रकोष्ठ के माध्यम से सत्र 2016–17 में संचालित सभी 94 कार्यक्रमों में प्रवेश सम्बन्धी समस्त क्रिया–कलाप सम्पन्न किये। प्रवेश सूचना विवरणिका का निर्माण प्रवेश प्रकोष्ठ के माध्यम से कराया जाता है। प्रवेश सूचना विवरणिका का प्रेषण प्रवेश प्रकोष्ठ अध्ययन केन्द्रों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों को करता है। सत्र 2016–17 में प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः आनलाइन कर दी गयी। आनलाइन

ई–प्रवेश आवेदन पत्र को पूरित कर तथा आन लाइन शुल्क जमा करने के पश्चात शिक्षार्थी अपने आवेदन पत्र का प्रिन्ट आउट अध्ययन केन्द्र पर जमा करता है। अध्ययन केन्द्र के द्वारा प्रक्रिया पूर्ण करने पर नामांकन संख्या जेनरेट हो जाती है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया पर प्रवेश प्रकोष्ठ का नियंत्रण रखा जाता है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से कुल शिक्षार्थियों यथार्थ संख्या कार्यक्रमवार संख्या आदि प्राप्त की जा सकती है। शिक्षार्थियों की प्रवेश सम्बन्धी समस्त समस्याओं का निराकरण इसी प्रकोष्ठ के द्वारा किया जाता है। प्रवेश के पश्चात अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, विषय परिवर्तन, कार्यक्रम परिवर्तन आदि महत्वपूर्ण कार्य यह प्रकोष्ठ करता है।

दूरस्थ शिक्षा अनुसन्धान केन्द्र– दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान को प्रोत्साहित करने के लिए दूरस्थ शिक्षा अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना की गयी है जिसके प्रभारी डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक मानविकी विद्या शाखा हैं।

सेवा स्थापना प्रकोष्ठ– शिक्षार्थियों को उनके कैरियर सम्बन्धी मार्गदर्शन देने, रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय में पृथक सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। इसके माध्यम से शिक्षार्थियों के लिए कम्पनियों द्वारा कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन किया जाता है, जिसके फलस्वरूप योग्य, अभ्यर्थियों का चयन कर अपनी कम्पनियों में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी शिक्षा विद्या शाखा इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ– विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की समस्याओं के निवारण के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया जाता है। शिक्षार्थियों को अंकपत्र में अधिन्यास के अंक चढ़वाने, अंकपत्र में नाम शुद्धि करण आदि परेशानियों से बचाने के लिए इस प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। डॉ0 मुकेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षा विद्या शाखा इसके प्रभारी है।

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ– विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रम से जन मानस को अवगत कराने के लिये इस प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ ग्रामीण क्षेत्रों एवं ऐतिहासिक स्थानों पर शिविर लगाकर कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार करता है। डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी असिस्टेन्ट प्रोफेसर प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, इसके प्रभारी है।

जन सम्पर्क प्रकोष्ठ– शिक्षार्थियों को प्रवेश आदि से सम्बन्धित जानकारी देने एवं विश्वविद्यालय की वर्षभर की दैनन्दिन गतिविधियों का विवरण रखने एवं समाचार पत्रों तथा टेलीवीजन आदि के माध्यम के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के कवरेज आदि की व्यवस्था के लिए जन सम्पर्क प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। डॉ0 साधना श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर पत्रकारिता एवं जनसंचार जन सम्पर्क अधिकारी है। डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर पत्रकारिता एवं जन संचार उप जन सम्पर्क अधिकारी है। डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा कम्प्यूटर आपरेटर, ग्रेड–1 मीडिया प्रभारी हैं।

यौन उत्पीड़न एवं रोकथाम समिति (Prevention of Sexual Harassment Comittee)– विश्वविद्यालय में यौन उत्पीडन की रोकथाम के लिए शासनादेश के अनुपालन में यौन उत्पीडन रोकथाम समिति गठित की गयी है। इस समिति की संयोजक डॉ0 इति तिवारी, एसो0प्रो0 समाज विज्ञान विद्या शाखा हैं।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ–(Internal Quality Assurance Cell)– यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में सीका (Centre for Internal Quality Assurance) के नाम से गठित किया गया है। प्रकृत प्रकोष्ठ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य है–विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली शिक्षार्थियों की सुविधाओं में सतत सुधार सुनिश्चित करना, गुणवत्ता संवर्धन के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सुधारात्मक सुझाव देना, दूरस्थ शिक्षा परिषद के दिशा–निर्देशों के क्रियान्वयन को नियमित अन्वीक्षण करना, विश्वविद्यालय में शोध आदि को प्रोत्साहित करना, गुणात्मक सुधार की प्रक्रिया में अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, नियोक्ताओं आदि से सम्बन्धित पक्षों की सहभागिता को सुनिश्चित करना है।

पर्यावरण जागरूकता एवं ग्रीन ऑडित समिति–(Environment Awareness Green Audit Comittee)– आज पर्यावरण के जितने भी घटक हैं, वे सभी प्रदूषण से ग्रस्त है, जिस कारण मानव जीवन के लिए अनेक समस्यायें उत्पन्न होती जा रही हैं। अतः पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति, संस्था आदि को उत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना चाहिये। इसी को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता एवं ग्रीन ऑडिट समिति का गठन किया गया है। वृक्षारोपण, स्वच्छता आदि की व्यवस्था एवं उसकी देखभाल इस समिति के कार्य हैं, जिसके संयोजक डॉ0 टी0एन0 दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष हैं।

एन्टी रैगिंग समिति– विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्र–छात्राओं के साथ रैंगिंग न हो, इसके लिए एन्टी रैगिंग समिति का गठन किया गया है, जिसके संयोजक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक मानविकी विद्याशाखा है।

वित्तीय प्रशासन– वित्तीय प्रशासन को संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय में वित्त अनुभाग कार्यरत है। आय–व्यय से सम्बन्धित समस्त वित्तीय लेन–देन को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिए उ0प्र0 शासन द्वारा वित्त अधिकारी नियुक्त हैं।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की आय के तीन मुख्य स्रोत हैं, जिनका विवरण निम्नवत है–

क्रस	**वित्तीय स्रोत**	**आय (रूपये लाख में)**						
		2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
1	विश्वविद्यालय के अपने स्रोतों से अर्जित आय	297.38	2856.95	2894.39	3896.99	3847.99	3932.70	4222.00
2	1. अन्य सरकार से प्राप्त पूँजीगत अनुदान	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....
	2. राजस्व अनुदान	180.04	115.65	128.32	129.82	183.97	130.77	128.32
3	1. दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनुदान	350.00	420.00	450.00	529.63	175.00	.....	.....
	2. दूरस्थ शिक्षा से प्राप्त अनएसाइन्ड अनुदान	3.00	.....	5.00	.....	.....	.....	.....
	योग	2930.42	3392.60	3477.71	4556.44	4206.95	4063.47	4350.32

7. नवाचारी व्यवहार
(Innovative Practices)

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का बहुत व्यापक क्षेत्र है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा के अंतर्गत बदलते परिवेश एवं आवश्यकताओं के अनुकूल शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नवाचारी व्यवहारों की अत्यन्त आवष्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय ने इस सत्र से शैक्षिक गतिविधियों के क्षेत्र में नवाचारी व्यवहार को विषेष प्राथमिकता दी है। नवाचारी व्यवहार के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षिक उन्नयन, शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए विश्वविद्यालय तथा शिक्षार्थियां के हित में नवीन व्यवस्था एवं अभिनव प्रयोग किए गये हैं।

विश्वविद्यालय ने डिजिटल इण्डिया की मुहिम को आगे बढाते हुए यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम के अन्तर्गत ऑनलाइन एडमीशन, परीक्षा, स्वअध्ययन सामग्री, वित्तीय एवं प्रषासनिक प्रक्रिया को समाहित किया है। विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट को इससे जोड़ा गया है। कनेक्ट मैंनेजमेंट बेस्ड(सी0एम0एस0 प्रणाली) के अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश , ऑनलाईन परीक्षा, ऑनलाइन स्वअध्ययन सामग्री तथा यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम जुड़े हुए हैं। इस व्यवस्था के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के पास उनका यूनिक लॉग इन आई0डी0 है।

DAINIK JAGRAN
ALLAHABAD
17-12-2016

ऑनलाइन हुए मुक्त विवि के पाठ्यक्रम

अजहर अंसारी, इलाहाबाद

प्रदेश में मुक्त शिक्षण के माध्यम से पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने अपने सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध करा दिया गया है। इसके लिए बाकायदा विशेष एप लॉच कर दिया गया है। छात्र इस ऐप को मोबाइल में डाउनलोड कर ऑनलाइन अध्ययन कर सकते है। इसका फायदा यह होगा कि किसी भी कोर्स में पंजीकृत इच्छुक शिक्षार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध स्वअध्ययन सामग्री को डाउनलोड कर सकते हैं।

विशेष दैनिक जागरण

- **वेबसाइट पर उपलब्ध स्वअध्ययन सामग्री कर सकेंगे डाउनलोड**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की पाठ्य सामग्री ऑनलाइन भी उपलब्ध करा दी गई है। विश्वविद्यालय में पंजीकृत शिक्षार्थी बेवसाइट पर उपलब्ध स्व अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं। कुलपति प्रो. एमपी दुबे का कहना है कि डिजिटल होती दुनिया में यह पहल छात्रों के लिए पाठ्यक्रमों का डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है। वेबसाइट के माध्यम से लांच एप में विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत अभ्यर्थियों को उनके विषय की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा दी जाएगी। छात्र मोबाइल पर अपनी डीटेल भरकर ऑनलाइन कोर्स प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा प्रणाली को डिजिटल शिक्षा प्रणाली में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया है। जिससे कि दूरदराज के शिक्षार्थी लाभ ले सकते है। ऐप लांच करने के पीछे छात्रों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने में देर होना भी बताया जा सकता है। पाठ्यक्रम का डिजिटलाइजेशन के माध्यम से पाठ्य सामग्री डाक से देर से मिलने की समस्या भी दूर हो जाएगी। इस मोबाइल एप से परीक्षा, प्रवेश व एसाइमेंट के बारे में सूचनाएं भी प्राप्त की जा सकती हैं। शिक्षार्थी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध यूपीआरटीओयू मोबाइल एप को डाउनलोड कर सकते हैं।

कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे की तरफ से एकादश दीक्षान्त समारोह में सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग विद्यार्थी एवं पर्यावरण सम्बन्धी योग्यता प्रदायी आधार पाठयक्रम के प्रश्नपत्र में स्नातक स्तर पर तथा गांधी विचार एवं शांति अध्ययन आधार पाठ्यक्रम के प्रष्न पत्र में परास्नातक स्तर पर प्रथम प्रयास में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए जाने का निर्णय लिया गया। 19 फरवरी 2017 को आयोजित एकादश दीक्षान्त समारोह में उक्त दोनों स्वर्ण पदक मेधावी शिक्षार्थियों को प्रदान किये गये।

सभी क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों को उनकी यूनिक लॉग इन आई0डी0 दे दी गयी है। पेन लेस, पेपर लेस की संकल्पना को साकार करते हुए इस व्यवस्था के अन्तर्गत एक ही बार में सबको एक साथ सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा सकता है। इसके द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित किसी भी कार्यक्रम या बैठक की सूचना क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों एवं कर्मचारियों को एक साथ प्राप्त होगी। यू0एम0एस0 पद्धति किसी भी डिवाइस स्मार्ट फोन या कम्प्यूटर से एक्सेस कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की यूजर फ्रेण्डली बेवसाइट पर सोषल मीडिया लिंक जैसे फेसबुक, यूट्यूब एवं टयूटर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय की बेवसाइट भारत में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले बेवसाइट में शुमार है इसलिए इसे गूगल सर्च इंजन द्वारा सराहा गया।

यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम में वित्त एवं लेखा प्रबन्धन कार्य को ऑनलाइन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत मुख्यतया लेखा के लिए कैशबुक, चेकबुक, चेक इष्यू रजिस्टर, बैंक डिपाजिट रजिस्टर, एडवांसेज कम एडवांसेज रिकवरी रजिस्टर, जनरल लेजर इण्ट्री, बैलेंस सीट, जी0पी0एफ0 रजिस्टर, पासबुक मेन्टेनेन्स, टीचर्स वेलफेयर फण्ड रजिस्टर, इन्कम टैक्स, डिडेक्शन फार्म 16ए रजिस्टर, वैट डिडेक्शन रजिस्टर तथा बजट कन्ट्रोल रजिस्टर का कार्य आनलाइन क्रियान्वित किया जा रहा है।

मोबाइल एप पर मिलेगा स्टडी मैटेरियल

जासं, लखनऊ : विश्वविद्यालय के छात्रों को अब स्टडी मैटीरियल के लिए भटकने से निजात मिलेगी। अब मोबाइल एप पर ही उन्हें स्टडी मैटेरियल उपलब्ध होगा। यह कहना था राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एम पी दुबे का। सोमवार को बप्पा श्रीनारायण वोकेशनल कॉलेज में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के अध्ययन केंद्र समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्र समंवयकों ने कुलपति के समक्ष अपनी–अपनी समस्याओं को रखा। कार्यशाला क दौरान कुलपति ने मोबाइल एप लांच किया। उन्होंने बताया कि एप पर छात्रों को परीक्षा के लिए स्टडी मैटेरियल उपलब्ध रहेगा।

यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम के अन्तर्गत ऑनलाइन परीक्षा पद्धति को क्रियाशील किया जा रहा है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत छात्र बैकपेपर फार्म ऑनलाइन भर सकता है। इसके साथ ही ई–मार्कशीट, ई–माइग्रेशन, ई–डिग्री, ई–एक्जामिनेशन टाइम टेबिल तथा ऑनलाइन एसाइनमेन्ट उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रमों पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इलाहाबाद में ऋंग्वेरपुर में स्थित बायोवेद संस्थान में मृदा परीक्षण, वैज्ञानिक ढंग से लाख की खेती, मोती की खेती, स्पायरोलिना की खेती, स्मार्ट डेरी, मुर्गी पालन, बत्तख पालन, मशरूम उत्पादन, औषधीय एवं सगंधीय पौधों की खेती, हाईटेक नर्सरी इत्यादि कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। इसका उद्देश्य युवाओं को कृषि के विविध क्षेत्र में स्वरोजगार उपलब्ध कराना तथा अतिरिक्त आय अर्जित करना है।

विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच अध्ययन केन्द्रों, एक क्षेत्रीय केन्द्र, एक शिक्षक तथा एक तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया। शिक्षक दिवस 5 सितम्बर 2016 को आयोजित सम्मान समारोह में इन्हें पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार शिक्षा विद्याशाखा में असि0 प्रोफेसर डॉ0 गिरीष कुमार द्विवेदी को एवं सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार श्री इन्दूभूषण पाण्डेय को प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केन्द्र का पुरस्कार लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 निरांजली सिन्हा को मिला। पाँच उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्रों का पुरस्कार शिव हर्ष किसान पी0जी0

कालेज, बस्ती, इस्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज, मेरठ, क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर, शिबली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ तथा बरेली कालेज बरेली के समन्वयकों ने प्राप्त किया।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी की शैक्षणिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिकल्पनाओं को साकार करने एवं समता मूलक समाज की स्थापना में श्री बाजपेयी द्वारा किये गये प्रयासों को विश्वविद्यालय स्तर पर शोध प्रबन्ध एवं सेमिनार/कान्फ्रेन्स के आयोजनों द्वारा जनमानस तक पहुंचाने के दृष्टिगत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अटल बिहारी बाजपेयी गुड गवर्नेन्स चेयर की स्थापना की गयी।

विश्वविद्यालय में आगामी शैक्षणिक सत्र जुलाई 2017–18 से योग में डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा। राष्ट्रीय स्तर पर योग की अत्यधिक माँग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर योग कार्यक्रम चलाये जाने हेतु विश्वविद्यालय ने सम्पूर्ण पाठयक्रम च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के आधार पर तैयार कर लिया है।

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी में करें डिप्लोमा

राजर्षि टंडन मुक्त विवि

● वृंदावन योजना में खुलेगा क्षेत्रीय केंद्र

जासं, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दो वर्षीय एडवांस डिप्लोमा इन प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी कोर्स पढ़ाया जाएगा। बागवानी, वाटर मैनेजमेंट, नर्सिंग असिस्टेंट के लिए प्रमाणपत्र व डिप्लोमा कोर्स भी चलेंगे। यह जानकारी कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने दी। शुक्रवार को वह लविवि में आयोजित एक सेमिनार में शिरकत करने आए थे। यहां पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कार्यपरिषद में हुए कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मानवाधिकार शिक्षा देने पर भी निर्णय लिया गया। इसके लिए मानवाधिकार एवं कर्तव्य प्रश्नपत्र स्नातक में पढ़ाया जाएगा। वहीं लखनऊ में आवास विकास परिषद द्वारा वृंदावन योजना में जमीन आवंटित कर दी गई है, जल्द ही यहां पर क्षेत्रीय केंद्र का निर्माण शुरू होगा।

मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सुदूर क्षेत्रों में स्थित छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन हेतु विश्वविद्यालय में कम्युनिटी रेडियो स्थापित किए जाने के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्रालय, भारत सरकार से दिशा–निर्देश प्राप्त होने के उपरान्त कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

AMAR UJALA ALLAHABAD 18-05-2017

मुविवि में मैत्रेय ग्रंथालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण

इस दौरान 'राजर्षि टंडन मुक्त विवि अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' विषय पर गोष्ठी

इलाहाबाद (ब्यूरो)। उप्र राजर्षि टंडन मुविवि के नवनिर्मित क्षेत्रीय केंद्र में मैत्रेय ग्रंथालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नेशनल रिसर्च प्रो. अशोक गजानन मोडक ने सभागार का नामकरण किया। इस मौके पर शंकराचार्य सभागार में 'राजर्षि टंडन मुक्त विवि अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' पर विचार गोष्ठी हुई।

इसमें इविवि के पूर्व कुलपति प्रो आरपी मिश्र ने कहा कि मुक्त विवि का वर्तमान स्वर्णिम काल है। विवि नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रो. मोडक ने कहा कि अतीत प्रेरणादायी रहा है जबकि वर्तमान चुनौतियों से भरा हुआ है। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा समय की आवश्यकता है। इसका विस्तार तेजी से हो रहा है।

अतिथियों का स्वागत निदेशक डॉ. पूर्णिमा शर्मा ने किया। इसमें डॉ रामजी मिश्र, प्रो पीके पांडेय, डॉ आरपीएस यादव, डॉ दीपन दुबे, डॉ जीके द्विवेदी ने विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया।

विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों हेतु निजी भवन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। इस दिशा में विश्वविद्यालय ने इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना अपने भवन में की। क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय का ऐसा पहला अध्ययन केन्द्र है जो अपने भवन से संचालित हो रहा है। केन्द्र का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल मा0 श्रीयुत् रामनाईक जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। क्षेत्रीय केन्द्र पर ही मैत्रेयी ग्रन्थालय एवं आदि शंकराचार्य सभागार का नामकरण मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर डॉ0 अशोक मोडक ने किया। विश्वविद्यालय के अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। सभी क्षेत्रीय केन्द्रों पर एक–एक सुविधा सम्पन्न अध्ययन केन्द्र विकसित करने की योजना है। क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर एवं वाराणसी के लिए भूमि/भवन क्रय किये जाने का निर्णय लिया। जिसके लिए गोरखपुर एवं वाराणसी के विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से पत्राचार प्रारम्भ कर दिया गया है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, लखनऊ द्वारा वृन्दावन योजना, लखनऊ में भूमि का आबंटन किया जा चुका है।

छात्र–छात्राओं को प्रदान किए जाने वाले अंकपत्रों एवं उपाधियों पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर होने तथा डिजिटल हस्ताक्षर युक्त अंकपत्र एवं उपाधि को विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किए जाने का निर्णय लिया गया। जुलाई 2017–18 से प्रवेशित शिक्षार्थियों को उनके कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात फोटोयुक्त उपाधि मुद्रित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

ओपन एजूकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) पालिसी के अन्तर्गत विभिन्न विद्याशाखाओं से ऑनलाइन एवं प्रिन्ट स्वअध्ययन सामग्री निर्माण किए जाने हेतु कामनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेन्टर फॉर एशिया (सेमका) को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।

विश्वविद्यालय में मानवाधिकार शिक्षा पर पाठ्यक्रम संचालित किए जाने के संबंध में ''मानवाधिकार एवं कर्तव्य'' प्रश्न पत्र अनिवार्य एवं वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम के रूप में स्नातक स्तर पर सभी विद्याशाखाओं में संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद से सरस्वती परिसर के याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के प्रथम तल में स्थानान्तरित आडियो विजुअल लैब में साउण्ड प्रूफिंग तथा उसे सुसज्जित कराये जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय की सुरक्षा हेतु विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों गंगा, यमुना एवं सरस्वती परिसर में गार्ड रूम का निर्माण कार्य द्रुतगति से जारी है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद में 1 अप्रैल 2005 के पूर्व पेंशनेबल पद पर नियुक्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकोश से पेंशन दिए जाने का निर्णय उ0प्र0 शासन ने लिया है। मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को 15 जुलाई, 1994 को निर्गत शासनादेश की व्यवस्थाओं के अधीन राजकोश से पेंशन दिए जाने की इस शर्त के अधीन अनुमति प्रदान की गई है कि उक्त सुविधा का लाभ विश्वविद्यालय के उन्हीं शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अनुमन्य होगा जिनकी प्रथम नियुक्ति 1 अप्रैल 2005 के पूर्व पेंशनेबल पद पर रही हो तथा जो पेंशन हेतु अर्हता की अन्य शर्तें पूर्ण करते हों।

उत्तर प्रदेश में स्टार्ट अप प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए तथा बड़ी संख्या में रोजगार सृजन हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्टार्ट अप इंडिया अभियान के लिए त्रिसूत्रीय कार्य योजना प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए स्टार्ट–अप इंडिया अभियान में मुक्त विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से कार्यरत है।

त्रिसूत्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत प्रथम चरण में नीतिगत जागरूकता, द्वितीय चरण में चिन्हीकरण तथा तृतीय चरण में प्रयास व प्रशिक्षण का आयोजन किये जाने की योजना है। इसके साथ ही भावी उद्यमियों को नीतिगत जागरूकता प्रदान करने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं व जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन द्वारा स्टार्टअप इंडिया अभियान के लाभ की जानकारी प्रदान करके नए उद्यमों को खोलने की पहल की जाएगी।

चिन्हीकरण के दूसरे सोपान में प्रदेश की भौगोलिक आवश्यकताओं व दशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए जाने वाले नए उद्यमों के लिए क्षेत्रों का निर्धारण करने में सहायता प्रदान की जाएगी। जबकि प्रयास व प्रशिक्षण के तीसरे सोपान में इच्छुक उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने की अनुमति प्राप्त करने तथा बैंक सहायता आदि से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियों एवं कौशल प्रदान करके स्टार्ट–अप प्रोजेक्ट तैयार कराये जाएंगे और राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले भौगोलिक भू–भाग में स्टार्ट–अप इण्डिया अभियान के अंतर्गत नए उद्यमों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। इससे विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अपने निजी उद्यमों को स्थापित करने और अन्य लोगों के लिए रोजगार सृजन की प्रवृत्ति को बल मिलेगा तथा वे भारत सरकार के स्टार्ट–अप इंडिया मंच की सहायता से देश व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकेंगे। स्टार्ट अप इंडिया अभियान की दिशा में किए जाने वाले कार्यक्रमों को सामुदायिक कालेज के क्रियाकलापों से जोड़ा जायेगा। विश्वविद्यालय स्तर पर गठित समिति शीघ्र ही इस दिशा में सक्रिय व प्रभावी दृष्टि से कार्य प्रारम्भ करेगी।

विश्वविद्यालय में महान चिन्तक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पं0दीन दयाल विश्वविद्यालय में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में व्याख्यानमाला की श्रृंखला प्रारम्भ की गयी। व्याख्यानमाला का प्रथम पुष्प 16 मई, 2017 को आयोजित किया गया। व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि उ0प्र0 के राज्यपाल श्री रामनाईक थे। व्याख्यानमाला के प्रथम पुष्प का व्याख्यान मुख्य वक्ता मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर प्रो0 अशोक गजानन मोडक द्वारा 'एकात्म मानववाद की विशेषताएँ' विषय पर दिया। व्याख्यानमाला के विशिष्ट अतिथि प्रकाण्ड विद्वान एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो0 राजेन्द्र मिश्र ''अभिराज'' थे।

इस अवसर पर विद्वान वक्ताओं ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी से परिपूर्ण था। उनका बहुआयामी व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन, एकात्म मानवदर्शन, स्वदेशी, अन्त्योदय, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद आज के भूमण्डलीकरण के युग में अत्यधिक प्रासंगिक हो गया है। पं0 उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जनमानस को अवगत कराने के लिए विशिष्ट विद्वानों द्वारा प्रारम्भ की गयी व्याख्यामाला की यह कड़ी निरन्तर आगे बढ़ती रहेगी।

विश्वविद्यालय में पहली बार उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्त पोषित उ0प्र0 अन्तरविश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल (युवा महोत्सव) का आयोजन 25 अप्रैल 2017 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित किया गया। यूथ फेस्टिवल में रंगोली (अल्पना), कोलाज, मेंहदी, सोलोसांग (भक्ति, देश भक्ति एवं प्रेरणादायी) प्लेइंग म्यूजिक (म्युजिकल इन्स्ट्रूमेन्टस्), शार्ट प्ले, फैंसी ड्रेस (राष्ट्रीय एकता), स्लोगन राइटिंग, स्पॉट पेंटिंग, निबन्ध लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विभिन्न

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की टीमों ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। युवा संगम में ओवरआल विजेता टीम महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं उपविजेता टीम वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को राजर्षि ट्राफी/शील्ड प्रदान की गयी।

विश्वविद्यालय में डिजिटल अधिन्यास प्रश्न बैंक की स्थापना की जाएगी, जिसमें सत्रवार विभिन्न कार्यक्रमों के प्रश्नपत्र उपलब्ध रहेंगे। विश्वविद्यालय वर्तमान शिक्षण प्रणाली को डिजिटल और आभासी सीखने की व्यवस्था में बदलने पर केंद्रित है। बहुत जल्द, विश्वविद्यालय सी0एस0सी0 ई–गवर्नेन्स सर्विसेज इण्डिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने जा रहा है जो डिजिटल इंडिया के तहत प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान के लिए एक कार्यान्वयन एजेन्सी है। इस साक्षरता मिशन के अन्तर्गत विश्वविद्यालय आस–पास के एक गांव/पंचायत को अपनायेगा और व्यक्ति और समुदाय के बीच सार्थक कार्यो के लिए डिजिटल तकनीको के उपयोग को समझने के लिए साक्ष्य देगा। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (डिजिटल इंडिया) के अंतर्गत विश्वविद्यालय गांव या पंचायत को गोद लेगा। इस अभियान में उस गांव के ऐसे परिवारों को शामिल किया जाएगा जिस परिवार का कोई सदस्य कम्प्यूटर साक्षर नहीं होगा। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा एक और कदम डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित डिग्री प्रदान करना है और इसके सीखने वालों को निशान पत्र प्रदान करना है जिसे सर्वत्र सत्यापित किया जा सके।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सभी कोर्स ऑनलाइन किए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने इस दिषा में प्रयास तेज कर दिए हैं। पहले चरण में एम0सी0ए0 और कामर्स के 50 प्रतिशत कोर्स तथा बाकी विषयों के 20 प्रतिशत कोर्स तैयार कराए जाएंगे। पाठ्यसामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने गत वर्षसे ही तैयारी प्रारम्भ कर दी थी। आगामी सत्र से विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए ऑनलाइन पाठ्यसामग्री प्राप्त करने का विकल्प खुला रहेगा। ऑनलाइन पाठ्यसामग्री प्राप्त करने पर प्रवेश के समय निर्धारित शुल्क में उसी अनुपात में कमी की जायेगी। विश्वविद्यालय अभी छात्रों को उनके घर के पते पर पाठ्यसामग्री भेज रहा है, परन्तु डाक विभाग की गड़बड़ी एवं सही पते के न मिलने पर छात्र तक पाठ्यसामग्री पहुंचने में दिक्कत आती है। विश्वविद्यालय ने इन्हीं सब गड़बड़ियों को देखते हुए डिजिटल इंडिया मुहिम को आगे बढ़ाते हुए पहले चरण में 50 प्रतिशत पाठ्यसामग्री की डिजिटल माध्यम से तैयार कराने का बीड़ा उठाया है। पाठ्यसामग्री को डिजिटल मोड से तैयार कराकर विश्वविद्यालय के पोर्टल में अपलोड कराया जायेगा।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा पद्धति से उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला देश का अग्रणी विश्वविद्यालय बन चुका है। रोजगारपरक एवं कौषल विकास पर आधारित कार्यक्रमों में भी छात्रों की रूचि बढ़ रही है। मोबाइल ऐप दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे छात्रों को समस्त सूचनाएं उनके मोबाइल पर मिल रही है। विश्वविद्यालय ने नवाचार की दिशा में मोबाइल ऐप डेवलपमेन्ट इकोसिस्टम (आई0मेड) प्रोग्राम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण अनुबन्ध किया है। इस प्रोग्राम के लिए आई मेड की समीक्षा समिति ने विश्वविद्यालय को अपनी प्रथम सूची में सम्मिलित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के साथ रखे जाने पर बधाई दी है। आई0मेड टेलीकाम सेन्टर फार एक्सीलेंस, दूरसंचार विभाग और ई0वी0सी0 के द्वारा शुरू किया गया संयुक्त कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में चुने जाने से विश्वविद्यालय को छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए अलग से मोबाइल ऐप नहीं बनाना पडेगा क्योंकि यह कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क है इस मोबाइल ऐप से विश्वविद्यालय ने अपनी समस्त गतिविधियां जैसे ऑनलाइन एडमिशन, विवरणिका, प्रवेश पत्र, परीक्षाफल, स्वअध्ययन सामग्री, विभिन्न विद्याशाखाओं की जानकारी, नवीनतम सूचनाएं एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को एकीकृत कर दिया है जो

दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे छात्रों को समस्त सूचनाएं उनके मोबाइल पर मिल रही है। यह मोबाइल ऐप विभिन्न मोबाइल प्लेटफार्म जैसे एन्ड्रायड, विन्डोज, ऐपल स्टोर पर उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक) के विकास में पूरी भावना के साथ काम कर रहा है। इस दिषा में विश्वविद्यालय ने कामनवेल्थ एवम सिमका नई दिल्ली के साथ अनुबन्ध की दिशा में कदम बढाया है। विश्वविद्यालय ने मूक के लिए एक मास्टर पोर्टल तैयार किया है जिसमें विभिन्न विद्याशाखाएं अपने स्वयं के मूक एवं अन्य ऑनलाइन उपलब्ध मूक्स को कोर्सवार अपलोड करेंगे।

वैश्वीकरण के दौर में मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीक आधारित शिक्षा प्रणाली को जन–जन से जोड़ने का प्रयास किया है। ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था में भी विश्वविद्यालय ने निरन्तर प्रगति की है। विश्वविद्यालय में कौशल विकास के लिए चरखा लैब, मुक्ति प्रद अध्ययन केन्द्र, योगा एवं फिटनेस सेन्टर की स्थापना की गयी है। आईसीटी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति करते हुए विश्वविद्यालय ने वोकेशनल कम स्मार्ट क्लास रूम की संकल्पना को अंतिम रूप दिया है। विश्वविद्यालय में विजया बैंक, डाकघर, कैण्टीन, डिस्पेन्सरी आदि की व्यवस्था की गई है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट 1

कार्यपरिषद् (Executive Council)

1. प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. माननीय न्यायमूर्ति श्री राजेश कुमार, 3–सी, ताशकन्द मार्ग, इलाहाबाद। **(08–02–2017 तक)**
3. प्रो. जी.सी.आर. जायसवाल, कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद
4. प्रो. रजनी रंजन झा, राजनीति शास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
5. डॉ. बी.बी. अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक, सृजन ग्रुप ऑफ हास्पिटल, 8/1/6, एल्गिन रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद।
6. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(08–02–2017 तक)**
7. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(कार्यकाल 06.01.2016 से)**
8. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(कार्यकाल 10.02.2017 से)**
9. प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(कार्यकाल 29.08. 2016 से)**
10. डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(कार्यकाल 24.11.2016 से)**
11. डॉ. संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(18–11–2016 तक)**
12. डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(16–06–2017 तक)**
13. डॉ.जी.के. द्विवेदी. असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(कार्यकाल** 28.06.2017 **से)**

विद्या परिषद्(Acadmic Council)

1. प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. डॉ. वाई.वी.एन. कृष्ण मिर्थी, निदेशक, भारतीय रिमोट सेन्सिंग संस्थान, 4 कालीदास रोड, देहरादून–248001 **(10–08–2016 तक)**
3. श्री जी.एन. साहा, पूर्व निदेशक, (National Atlas & Thematic Mapping Organisation, Kolkata) 23ए टीचर्स हाउसिंग इस्टेट बाघाजतीन पार्क, पो.आ.– पंचशायर, कोलकाता 700094 **(10–08–2016 तक)**
4. प्रो. ए.पी. वार्ष्णेय, कुलपति, पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा, उत्तर प्रदेश। **(10–08–2016 तक)**
5. प्रो. बी.एन. सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(10–08–2016 तक)**
6. प्रो. एच.एस. उपाध्याय, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
7. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(19–08–2016 से)**
8. प्रो. बी.एम. शर्मा, फारमर चेयरमैन, आर.एस.पी.एस.सी., पूर्व कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय (राजस्थान)। **(19–08–2016 से)**
9. प्रो. के.एस. मिश्र, डीन, (कला संकाय) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(19–08–2016 से)**
10. डॉ. अरविन्द दीक्षित, एसोसिएट प्रोफेसर, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर। **(19–08–2016 से)**
11. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
12. डॉ. प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
13. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
14. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

15. प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(28–06–2017 से)**
16. डॉ.पी.के. पाण्डेय, उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(24–01–2017 तक)**
17. प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(25–01–2017 से)**
18. प्रो. सुधाँशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(30–05–2017 से)**
19. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
20. डॉ. (श्रीमती) इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
21. डॉ. संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(25–01–2017 से)**
22. डॉ. श्रुति, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
23. डॉ. मुकेश कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षाविद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
24. श्री डी.पी. त्रिपाठी, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(13–09–2016 तक)**
25. डॉ. आर.के. पाण्डेय, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(14–09–2016 से 22–04–2016 तक)**
26. प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(22–04–2017 से)**

योजना बोर्ड (Planning Board)

1. प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. प्रो. डी. गोपाल, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068 **(04–02–2017 तक)**
3. श्री अम्बुज कुमार गुप्ता, स्वास्तिक बिल्डर्स प्रा. लि., बी.–30/68, लंका, वाराणसी। **(25–11–2016 तक)**
4. प्रो. जे.एन. मिश्र, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, पूर्व वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(11–04–2016 से)**
5. प्रो. एच.सी. पोखरियाल, अधिशाषी निदेशक, स्कूल ऑफ ओपेन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110009 **(11–04–2016 से)**
6. डॉ. अरविन्द दीक्षित, कुलपति, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा। **(11–04–2016 से)**
7. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
8. डॉ. दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
9. प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(31–03–2017 से)**
10. डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(31–03–2017 से)**
11. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(25–11–2016 तक)**
12. डॉ. जी.के. द्विवेदी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(25–11–2016 तक)**

मान्यता बोर्ड (Board of Recognition)

1. प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. श्री अम्बुज कुमार गुप्ता, स्वास्तिक बिल्डर्स प्रा. लि., बी.–30/68, लंका, वाराणसी। (25–11–2016 तक)
3. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
4. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
5. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

6. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
7. डॉ. टी.एन. दुबे, पुस्तकालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
8. डॉ. इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
9. श्री डी.पी. त्रिपाठी, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(13–09–2016 तक)**
10. डॉ. आर.के. पाण्डेय, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(14–09–2016 से 22–04–2016 तक)**
11. प्रो.(डॉ.) जी.एस. शुक्ल, कुलसचिव, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(22–04–2017 से)**

परीक्षा समिति (Examination Committee)

1. प्रो. एम.पी. दुबे, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
3. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
4. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
5. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
6. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
7. डॉ. श्रुति, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
8. डॉ. आर.पी.एस. यादव, परीक्षा नियंत्रक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(03–02–2016 तक)**
9. डॉ. मृदुल श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(08–12–2016 तक)**
10. डॉ. जी.के. द्विवेदी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। **(08–12–2016 से)**

सत्र 2016–17 में विभिन्न विद्याशाखा बोर्डो का विवरण

मानविकी विद्या शाखा

1. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. रूचि बाजपेई, असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. साधना श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा – सदस्य

समाज विज्ञान विद्या शाखा

1. डॉ. (श्रीमती) इति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
2. डॉ. संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
3. श्री सुनील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य

विज्ञान विद्या शाखा

1. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
3. सुश्री मारिषा, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य

शिक्षा विद्या शाखा

1. प्रो. पी.के. पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा – सदस्य
2. डॉ. दिनेश सिंह, सहायक निदेशक/असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. मुकेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा – सदस्य

प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा

1. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा – सदस्य

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा

1. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. मीरा पाल, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य

कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा

1. डॉ. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य
3. सुश्री मारिषा, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा – सदस्य

कृषि विज्ञान विद्या शाखा

1. डॉ. पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्या शाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. आर.पी.एस. यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा – सदस्य

व्यावसायिक अध्ययन विद्या शाखा

1. डॉ. आर.पी.एस. यादव, प्रभारी, मानविकी विद्याशाखा – अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) रूचि बाजपेई, असिस्टेंट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा – सदस्य
3. डॉ. अजय जेटली, अध्यक्ष, दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद – सदस्य
4. प्रो. रवीन्द्र नाथ मिश्रा, दृश्य कला विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी – सदस्य
4. प्रो. मधु रानी, अध्यक्ष, दृश्य कला विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ – सदस्य

परिशिष्ट 2 विद्याशाखाओं की इकाईयाँ
Units of School of Studies

विद्याषाखायें **(School)**	**अध्ययन इकाईयाँ** **(Study Units)**
मानविकी **(Humanities)**	संस्कृत और प्राकृत भाषा, हिन्दी और आधुनिक भारतीय भाषाएँ, अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा दर्षनषास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, भाषा विज्ञान, अध्ययन, पत्रकारिता एवं जनसंचार, उर्दू, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान।
समाज विज्ञान **(Social Sciences)**	राजनीतिशास्त्र, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विज्ञान, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास, समाज विज्ञान, समाज कार्य, लोक प्रशासन।
विज्ञान **(Sciences)**	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान, माइक्रो बायोलॉजी, सांख्यिकी, बोयोकेमिस्ट्री, फूड– टेक्नालॉजी।
शिक्षा **(Education)**	शिक्षा , प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा ।
प्रबन्धन अध्ययन **(Management Studies)**	वाणिज्य, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रशासन और व्यवसाय प्रबन्धन, वित्तीय विश्लेषण एवं लेखा।
स्वास्थ्य विज्ञान **(Health Science)**	स्वास्थ्य शिक्षा, न्यूट्रिशन, फूड एवं डाइट्रेटिक्स परिचर्या एवं पैराचिकित्सीय सेवाएँ। व्यवसाय प्रबन्धन, वित्तीय विश्लेषण एवं लेखा।
कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान **(Computer & Information Science)**	कम्प्यूटर एप्लिकेशन एवं कम्प्यूटर अभियन्त्रण, सूचना प्रौद्योगिकी व्यवसाय प्रबन्धन, वित्तीय विश्लेषण एवं लेखा।
व्यावसायिक अध्ययन **(Vocational Studies)**	फैशन डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, इन्टीरियर डिजाइनिंग, इन्टीरियर डेकोरेशन, वाणिज्यक कला, फोटोग्राफी
कृषि विज्ञान **(Agricultural Science)**	कृषि उत्पादन प्रणाली एवं प्रबन्धन, पशुधन उत्पादन प्रणाली, पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, प्रसार एवं सामुदायिक विकास

परिशिष्ट 3

विश्वविद्यालय के शिक्षक परामर्शदाता एवं प्रभारीगण

(Teachers, Consultants and Incharges of the University)

	Dr. Omji Gupta M.Com., D.Phil. Director, School of Management Studies
	Dr. P.P. Dubey M.Sc. (Ag.), Ph.D. Director, School of Agriculture Sciences
	Dr. R.P.S. Yadav M.A. (Economics), B.Ed., Ph.D. Director, School of Humanities
	Dr. Ashutosh Gupta M.E. Computer Science & Eng. D. Phil. Director, School of Sciences
	Prof. (Dr.) Girija Shankar Shukla M.D. (Homeopathy), Ph.D Director, School of Health Science
	Dr. P.K. Pandey M.A. (Education), M.Ed., L.L.B., D.Phil. Professor, School of Education
	Prof. Sudhanshu Tripathi M.A. (Political Science), Ph.D Incharge Director- School of Social Science
	Dr. Iti Tiwari M.A. (Sociology) D. Phil. Associate Professor (Sociology), School of Social Sciences

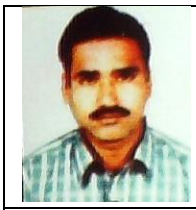	Dr. Santosha Kumar M.A. (M.Ed. His.), L.L.B, Ph.D. Associate Professor, History, School of Social Sciences
	Dr. Vinod Kumar Gupta M.A. (Sanskrit), Ph.D. Deputy Director/Associate Professor School of Humnities
	Dr. Ruchi Bajpai B.A. (Hindi), (Gold & Bronze Medalist) M.A. (Hindi), (Gold Medalist) UGC – NET (JRF), UP-SLET Ph.D. Hindi (Awarded UGC-JRF) Sr. Assistant Professor (Hindi), School of Humanities
	Dr. Shruti First Rank in Order of Merit at B. Sc.(H) (Statistics) Fifth Position in Order of Merit at M. Sc. (Statistics) First Rank in Order of Merit at M. Phil. (Statistics) Ph.D. (Statistics), Jawaharlal Nehru Scholarship, from Jawaharlal Nehru Memorial Fund, New Delhi, during – 1st January, 2001 till 31st December 2002, (Two Years) for Ph.D. Studies. Sr. Assistant Professor (Statistics), School of Sciences
	Dr. Achchhe Lal M.A. (Sanskrit), B.Ed., D.Phil. Assistant Professor (Sanskrit), School of Humanities (On Extra Ordinary Leave from-01-11-2014 to 31-10-2016)
	Dr. Meera Pal M.Sc. (Food and Nutrition), UGC – NET, Ph.D. Assistant Professor (Food and Nutrition), School of Health Science
	Dr. Gyan Prakash Yadav M.A. (Sanskrit), M.Com, M.B.A., UGC – NET D.Phil. Assistant Professor, School of Management Studies Assistant Director
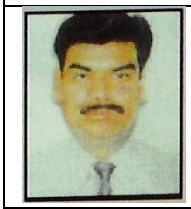	Dr. Devesh Ranjan Tripathi MMS, PGDJMC, D.Phil. Assistant Professor, School of Management Studies

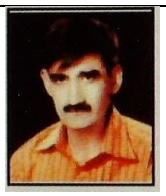	Dr. Girish Kumar Dwivedi M.Sc. (Botany), P.G. Diploma in Env. Sc., M.Ed., Ph.D Sr. Assistant Professor, School of Education
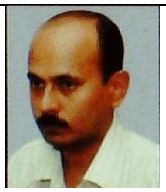	Dr. Dinesh Singh M.A. (Hindi, Ancient History), M.Ed. NET (Education) Ph.D. Sr. Assistant Director/ Assistant Professor, School of Education
	Dr. Mukesh Kumar M.Sc. (Chemistry) M.Ed., Ph.D. DCA, UGC-NET Sr. Assistant Professor, School of Education
	Dr. Sadhana Srivastava M.A. (Political Science), MJMC, M.Phill, NET, Ph.D Assistant Professor (Journalism & Mass Communication), School of Humanities
	Sri Sunil Kumar M.A. (A.I.H.C. & Archaeology) NET, Assistant Professor (Ancient History), School of Social Sciences
	Miss Marisha M.Sc. (Computer Science (Gold Medalist), NET/JRF, GATE Assistant Professor (Computer Sciences) School of Sciences
	Sri Manoj Kumar Balwant M.Tech. (Computer Science), NET Assistant Professor (Computer Sciences) School of Sciences
	Dr. Satish Chandra Jaisal M.J.(NET), MSW (NET), M.A.–Scociology (NET), Human Rights & Duties (NET) Ph.D (Social Work) Assistant Professor (Journalism & Mass Communication), School of Humanities

संविदा पर कार्यरत शिक्षक एवं परामर्शदाता

	Dr. Ranjana Srivastava M.A. (History), M.Ed. Ph.D. Lecturer (Education), School of Education
	Dr. Upendra Nath Tiwari M.A. (Ancient History & Geography), M.Ed. Ph.D., Lecturer (Education), School of Education
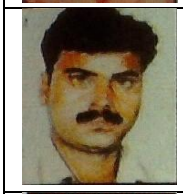	Dr. Shailesh Kumar Yadav M.A. (Economics), M.Ed. Ph.D. Lecturer, (Education), School of Education
	Dr. Smita Agrawal M.A. (Sanskrit), Ph.D Consultant (Sanskrit), School of Humanities
	Dr. Deepshikha Srivastava M.A. (Political Science), Ph.D., Consultant (Political Science), School of Social Science
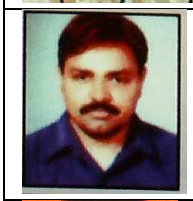	Dr. Atul Kumar Mishra M.A. (Philosophy) JRF, PDF, D.Phil. (Philosophy) Consultant, Distance Education Research Centre
	Shri.R.C.Yadav M.A.(Sociology), NET (Sociology) Consultant , School of Social Sciences
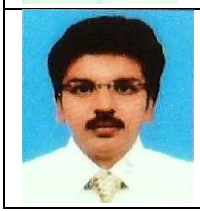	Dr.Gaurav Sankalp M.Com, MBA(HROB), NET (Commerce), D.Phil Academic Consultant (Commerce),School of Management Studies

	Dr. Alka Verma M.A. (Social Work), Ph.D. Acadmic Consultant (Social Work), School of Social Sciences
	Dr. Abdul Hafiz M.A. (Urdu), NET, Ph.D Acadmic Consultant (Urdu), School of Humnities
	Dr. Dinesh Kumar Gupta MSc. Ph.D (Inorganic Chemistry) Acadmic Consultant (Chemistry), School of Sciences
	Dr. Neeta Mishra MSc. (Botany), B.Ed. (SE), M.Ed (SPL) (HI) NET (Education), Ph.D Acadmic Consultant [Bed. SPL (HI)], School of Special Education

प्रभारीगण एवं अन्य

	T.N. Dubey M.A. (Ancient History), Ph.D. (Ancient History), I.Sc. Ph.D. (Lib.Sc.) University Librarian
	Dr. Rajesh Kumar Pandey Deputy Ragistrar M.Com D.Phill
	Mr. Sukh Ram Mathuria Deputy Ragistrar M. Tech., PGDBA
	Dr. Ram Janam Maurya M.L.I.Sc., (Gold Medalist), M.Phil., Ph.D. Assistant Librarian
	Mrs. Seema Singh M.Sc., (Physics), PGDCA, M.C.A., (IGNOU), M.Phil. (Physics), M. Tech Computer Programmer
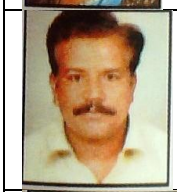	Dr. Anil Kumar Singh Bhadauriya M.A., (Philosophy & Sociology), D.Phil. Research Assistant, Incharge, Distance Education Awareness Cell
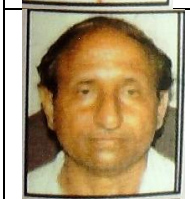	Captain Balwanta Yadav B.A. Consultant Up to 31-12-2016
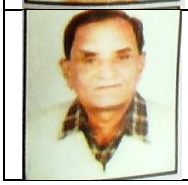	Sri S.B. Pandey B.A. (Honours) Consultant- Finance Up to 30-06-2017

	Sri Om Prakash Tiwari M.A. (Ancient History) Consultant- Finance Up to 30-06-2017
	Sri Kamlesh Chandra Khuller B.A. Consultant- Administration
	Sri Rajendra Singh Grover B.Sc. Consultant- Administration
	Sri Lakhan Kant Pandey B.Sc., LLB Consultant- Finance Up to 20-02-2017
	Sri Kaushlesh Shukla Intermediate (Science) Diploma Course in Civil Engineering Consultant Engineer Up to November 2016
	Dr. Ramji Mishra B.A., B.Lib.Sc. M.A. (Political Science) Ph.D. Shastracharya, D.Lit.
	Prof. Rajendra Mishra (Chair Professor Atal Bihari Bajpai Good Governance Chair Ex-Vice Chancellor Sampurna Nand Sanskrit University Varanashi (UP)
	Sri. Umesh Chandra Pandey Intermediate, ITI Consultant- Electricity

परिशिष्ट 4

परिशिष्ट 5

विगत वर्षो के पंजीकरण सम्बन्धी आंकड़े

(Data Regarding in the last years 2016-2017)

ID	Prog.	99-00	00-01	01-02	02-03	03-04	04-05	05-06	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	11-12	12-13	13-14	14-15	15-16	16-17	Total
1	APCCN											1	2	4	0	1	0	0	0	8
2	APDF								12	9	12	1	9	137	0	48	82	71	12	393
3	APHFE											1	8	1	3	6	10	2	3	34
4	APNF											2	11	3	1	3	3	1	0	24
5	APPR					71	54	9	46	34	21	25	52	14	2	17	13	9	13	380
6	APVAP									2					0	1	0	0	0	3
7	APY							1	3		21	4	12	19	2	32	2	6	15	117
8	B.Com	233	82	102	81	73	84	87	259	327	489	684	605	854	825	2375	871	444	1310	9785
9	B.Sc		64	72	46	88	112	102	270	169	153	296	628	810	908	3521	2232	1587	4224	15282
10	BA	1701	471	525	377	468	539	598	2509	2754	3371	5348	6612	9227	7135	26712	9697	5992	18177	102213
11	BBA										6	101	51	59	33	73	16	19	33	391
12	BC ART													42	0		0	0	0	42
13	BC COMMERCE													3	0		0	0	0	3
14	BCA		23	25	41	146	309	79	729	1448	1805	1183	563	481	311	931	198	151	345	8768
15	BCSCIENCE													18	0		0	0	0	18
16	BED					500	500	500	500	500	500	500	482	455	455		484	484	159	6019
17	BEDSE								400	400	400	480	468	477	424		395	395	355	4194
18	BLIS	375	407	307	540	704	861	927	1075	1000	1139	1699	1874	1589	953	1233	1160	894	991	17728
19	BSW													3	0		0	0	0	3

20	BTS	160	69	37	27	39	28	23	38	48	35	17	24	14	13	32	10	7	11	632
21	CAC										1	11	5	5	9	15	8	9	4	67
22	CASC																2	1	1	3
23	CCC	30	75	42	40	50	50	39	84	131	99	115	58	37	34	66	39	18	12	1019
24	CCC IT												4	2	0		0	0	0	6
25	CCCN	85	70	38	37	53	67	52	79	39	54	67	22	21	9	41	14	30	19	797
26	CCDTP	7	8												0		0	0	0	15
27	CCMAP								11	24	42	26	31	1	5	7	9	15	4	175
28	CCP				8	8	9	25	25	7	13	13	7	4	3	4	2	1	0	129
29	CCRE													1	0		0	0	0	1
30	CCTT									69	32	1	1	2	0	0	0	1	0	106
31	CCY							78	120	153	74	114	127	108	28	95	125	583	3152	4757
32	CDM				4	7	21	61	38	102	45	26	18	12	6	12	7	13	7	379
33	CES				21	21	75	44	131	84	25				0		0	0	0	401
34	CFD												1	17	2	4	8	0	0	32
35	CFS																0	0	2	0
36	CHFE						81	90	85	100	76	31	20	22	7	13	27	9	6	567
37	CHR				47	70	158	139	140	222	112	129	55	40	18	45	41	44	23	1283
38	CIB									2	2				0		0	0	0	4
39	CIC									2					0		0	0	0	2
40	CIEB													3	0		0	0	0	3
41	CIET													5	0		0	0	0	5

42	CIJV												2	5			0	0	0	7
43	CILT									2					0		0	0	0	2
44	CIP												3	2	0		0	0	0	5
45	CIRM												9	12	0		0	0	0	21
46	CIS													2	0		0	0	0	2
47	CLD				13	12	22	11	6	8	5				0		0	0	0	77
48	CLPS								7	3	15	7	2	2	0	7	23	7	6	79
49	CNF	16	16	11	14	23	34	25	30	38	27	48	22	37	12	55	38	31	24	501
50	CNGOM									22	22				0		0	0	0	44
51	COF													1	0		0	0	0	1
52	CPHE								2		2				0		0	0	0	4
53	CPHT& VA								1	1		1	1		0	10	1	5	0	20
54	CRJMC											7	9	63	38	41	33	34	32	257
55	CTD											1			0	0	1	0	0	2
56	CTEIM								7	5	10	3	5	5	1	6	1	5	1	49
	CTM																	0	0	0
57	CTS	26	21	2	13	19	11	12	19	10	9		2		2	3	1	0	0	150
58	CWED						3	5	8	5	10	4	3	7	5	9	16	0	5	80
59	DAC	40	26	4											0		0	0	0	70
60	DASC													5	0		0	1	1	5
61	DAVPFV													15			0	0	0	15
62	DCA		2												0		0	0	0	2

63	DCDN		18	19	31	40	80	66	49	74	49	32	31	61	16	39	44	41	59	749
64	DCILU		1												0		0	0	0	1
65	DCMT		138	214	398										0		0	0	0	750
66	DCOM	87	67	16	22	31	26	29	48	33	30	44	14	8	7	9	6	3	8	488
67	DCWE	4	7	1	4	5	2	8							0		0	0	0	31
68	DCWH	23	19	2	2	7	7	8							0		0	0	0	68
69	DDT													19	2		0	0	0	21
70	DDTP	10	6												0		0	0	0	16
71	DECE						5	9	16	10	13	25	20	20	7	21	15	10	7	178
72	DFD		11	7	6		5	10	13	19	15	22	16	30	12	54	47	49	68	384
73	DHA									1	4	1	2		0	2	8	0	2	20
74	DHEN	197	245	65	103	117	169	169	171	225	152	159	88	96	56	107	102	70	61	2352
75	DIC		20	22	13	8	12	7	13	16	11	11	49	48	35	9	14	8	11	307
76	DID		4												0		0	0	0	4
77	DIEB													4			0	0	0	4
78	DIHT									3	1	1	3	7	6	5	2	0	0	28
79	DIIH												1	3	0		0	0	0	4
80	DIJV												13	46	0		0	0	0	59
81	DIP									2	24	23	27	32	16	51	42	23	53	293
82	DIWDM	32	83	3		1		1	4	2					0		0	0	0	126
83	DJD																	0	0	0
	DPC																	0	3	3

84	DRD		51	30	36	41	34	40	80	68	46	59	40	194	20	34	29	14	22	838
85	DTD		16	17	9		3	5	11	21	7	16	13	20	7	27	14	7	7	200
86	DTS	96	45	11	31	48	31	18	34	30	21	8	30	9	1	4	13	3	5	438
87	DUJMC																	0	1	2
88	DUR																	0	1	1
89	DVGCC										4				0		0	0	0	4
90	M.Com							16	32	39	42	58	165	303	327	1020	738	567	1021	4328
91	M.Sc.(Com.Sc)										5		1	5	3	7	6	7	15	49
92	MA		284	470	415	539	403	634	1026	1660	3172	4241	5587	7196	7248	20677	12052	7600	12928	86132
93	MBA					119	104	197	316	218	356	202	101	83	50	241	90	85	169	2331
94	MCA					62	79	105	185	202	237	191	125	134	44	215	14	14	48	1655
95	MJMC/MJ								146	277	217	310	491	344	239	519	310	234	406	3493
96	MLIS				108	254	270	313	317	362	476	488	790	748	345	613	522	412	352	6370
97	MPHIL									7	277				0		0	0	0	284
98	PGBCH/MSC										74	128	303	442	445	1258	857	618	1180	5305
99	PGDCA		11	26	20	16	56	57	194	300	311	431	622	433	171	98	104	70	58	2978
100	PGDCP																		1	1
101	PGDCWE								4	2	5				0		0	0	0	11
102	PGDCWH								4	4	6	6	3	3	0	0	3	2	4	35
103	PGDDE											1	2	2	0	2	2	2	0	11
10	PGDEA										16	21	46	31	10	24	31	23	38	240

104																			
105	PGDEM		6	11	4	19	16	111	15	13					0		0	0	0	195
106	PGDEM &FP								11	18	30	21	24	17	5	23	15	4	7	175
107	PGD-ESD							21	11	8	7	10	3	4	1	7	9	4	9	94
108	PGDFH										1	5	2		0	0	2	1	1	12
109	PGDFM	25	92	49	64	83	71	119	115	173	108	77	44	29	15	18	31	19	25	1157
110	PGDGTS																		3	3
111	PGDGSW																	6	5	11
112	PGDHRD								62	91	83	35	40	21	13	23	15	10	14	407
	PGDHHM																		1	1
113	PGDIMB		81	27	20	30	33	37	40	22	15	17	5	4	2	7	1	2	3	346
114	PGDIPCH									2	1				0		0	0	0	3
115	PGDJMC	149	380	256	437	686	884	1000	1080	1205	1110	1003	654	444	218	306	268	157	176	10413
116	PGDMM								39	45	47	26	13	5	2	6	4	4	6	197
117	PGDPM								17	8	6	8	2	3	3	4	1	3	2	57
118	PGDRJMC											11	11	17	9	18	12	9	8	95
119	PGDRP								26	14	2				0		0	0	0	42
12	PGDSW												22	30	0		0	0	0	52

120																				
121	PGDT	47	64	22	26	25	23	23	30	19	13	20	24	18	26	80	63	38	97	658
122	PGDTM																		3	5
123	PGDVGCC										39	39	54	67	24	109	115	115	152	714
124	PGPD												101	314	436		397	0	0	1248
125	PHD					1	2		54	36					0		0	0	0	93
126	UGSS		224	630	1186	3831	3444	5052	5253	1835	2130	3780	4489	4866	3262	106681	0	0	32	50695
127	UGSS-Sc.										11	24	35	34	28	89	0	0	1	222
	Total	**3343**	**3207**	**3063**	**4244**	**8315**	**8777**	**10962**	**16050**	**14784**	**17801**	**22500**	**25914**	**30840**	**24355**	**71825**	**31567**	**21103**	**46020**	**364668**

परिशिष्ट 6

एकादश दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी

List of Degree/P.G. Diploma Recipients

11th Convocation

S.No.	Program	Total
1.	BA	2930
2.	BBA	06
3.	BCA	131
4.	BCOM	231
5.	BED	405
6.	BEDSP	282
7.	BLIS	443
8.	BSC	122
9.	BTS	01
10.	MA	6250
11.	MBA	39
12.	MCA	17
13.	MCOM	472
14.	MCS	01
15.	MJ	141
16.	MLIS	283
17.	M.Sc.	412
18.	PGDCA	30
19.	PGDDE	02
20.	PGDEA	04
21.	PGDEM&FP	02
22.	PGD-ESD	03
23.	PGDFH	01
24.	PGDFM	10
25.	PGDGSW	03
26.	PGHRD	04
27.	PGDJMC	41
28.	PGDRJMC	07
29.	PGDT	19
30.	PGDVGCC	92
31.	PGPD	10
32.	PH.D	57
TOTAL		**12451**

एकादश दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त शिक्षार्थी
List of Certificate/Diploma Recipients
11th Convocation

S.No.	Program	Total
1.	CAC	04
2.	CCC	06
3.	CCCN	13
4.	CCMAP	02
5.	CCY	337
6.	CDM	08
7.	CHFE	06
8.	CHR	21
9.	CLPS	04
10.	CNF	16
11.	CRJMC	18
12.	CWED	07
13.	DCDN	24
14.	DECE	05
15.	DFD	36
16.	DHEN	42
17.	DIHT	01
18.	DIP	13
19.	DRD	03
20.	DTD	01
21.	DTS	04
TOTAL		**571**

परिशिष्ट 7

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2015

EXPENDITURES	AMOUNT	INCOMES	AMOUNT
To General Fund A/c		By Grant in Aid From State Govt.	18,396,929
To Salary To Officer & Staffs	31,596,911	By Course Fees	262,488,167
		By Examination Fees	4,599,120
To Salary To contractual Staffs	18,095,563	By Other Income	2,051,577
		By Sale of Admission Booklet	4,551,661
To Salary to Teachers Staffs	14,645,101	By Interest on FDR	41,328,144
		By Interest on Bank	1,175,823
To Travelling Expenses	282,655		
To Telephone	773,732		
To Advertisement Expenses	418,218		
To Building Rent	213,000		
To Dispatch of Study Material	7,539,933		
To Electricity Expenses	5,551,315		
To Legal & Other Services	82,205		
To Maintenance & Petrol Of Vehicle	940,783		
To Misc. Expenses/Office Expenses	3,216,888		
To Postage	165,000		
To Preparation of Study Material	364,615		
To Printing of Study Materials	29,570,623		
To Printing & Publication Expenses	399,896		
To Purchase of Study Materials	4,753,100		
To Stationery	596,026		
To Subscription to AIU & Others	50,000		
To Vehicle Rent	1,205,700		
To Study Centre Expenses	29,369,518		
To Examination Expenses	20,746,146		
To Other Expenses	4,785,415		
To Development Fund A/c		**By Development Fund A/c**	
To Bank Charges	228	By Interest on Bank A/c	411,791
		By Interest on FDR A/c	32,895,473
To B.Ed. A/c		**By B.Ed. A/c**	
To Examination Expenses	1,689,918.00	By Course Fee Receipt	24,212,788
		By Sale of Forms	568,413
To B.Ed.,MBA,MCA A/c	3,484,535	By B ED Entrance Fees	4,369,610
		By Interest on Bank	239,536
To Study Centre Expenses	3,058,256	By Interest on FDR	5,445,375
		By B ED / spl B Ed /pgpdReg Add	286,400
To Other Payments	2,501,561		
To Teachers Welfare Fund A/c		**To Teachers Welfare Fund A/c**	
Bank Charges	67	By Teachers Welfare Fund Receive	136,949
		By Interest Received on Bank A/c	39,068
To Excess of Income Over Expenditure (Transferred to Fund Account)	217,099,916		
Total C/F	403,196,824	Total C/F	403,196,824

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

FINANCE OFFICER

PLACE: ALLAHABAD

DATE: 10-05-2016

As per our Report of even date

FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY

(KALIM ULLAH SIDDIQUI)

(CHARTERED ACCOUNTANT)

M.No. 401616

UTTAR PRADESH RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

SECTOR-F, SHANTIPURAM AWAS YOJNA, GOHARI ROAD, PHAPHAMAU,ALLAHABAD

BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH 2015.

LIABILITIES	Amount (Rs.)		ASSETS	Amount (Rs.)	
GENERAL FUND			**FIXED ASSETS:**		
Opening Balance	1,055,596,693		**Land & Building**		
Opening Balance -TWF	1,138,823		Opening Balance	95,754,547	
Add: Excess of Income over			Add: During The Year	Nil	95,754,547
Expenditure during the year	217,099,916	1,273,835,433			
			Furniture & Fixture		
CAPITAL RESERVE A/c			Opening Balance	1,034,278	
Opening Balance	54,683,181		Add: Purchase During The Year	980,868	
Add: During the Year	Nil			2,015,146	
	54,683,181		Less: Depreciation @ 10%	201,515	1,813,631
Less: Depreciation For the Year	687,657	53,995,524			
			Equipment,Fan,Cooler Etc.		
GOLD MEDAL RESERVE			Opening Balance	2,858,198	
Gold Medal Distribution		75,000	Add: Purchase During The Year	169,338	
				3,027,536	
EARNEST MONEY			Less: Depreciation @ 10%	302,754	2,724,782
Earnest Money B/F	602,440				
Add:Received	130,000		**Motor Vehicle**		
	732,440		Opening Balance	130,551	
Less: Paid	119,500	612,940	Add: Purchase During The Year	1,091,995	
				1,222,546	
			Less: Depreciation @ 15%	183,382	1,039,164
SECURITY MONEY					
New Centre Security Money	3,336,900		**Computer**		
Add:Received	80,200	3,417,100	Opening Balance	6	
			Less: Depreciation @ 60%	6	0
CURRENT LIABILITIES					
As per General Fund Bal. Sheet	164,983,948		**Books**		
As per B Ed Fund Bal. Sheet	17,160,020	182,143,968	Opening Balance B/f	532,622	
			Add: Purchase During The Year	Nil	532,622
			INVESTMENT		
			FDR at General Fund	805,904,864	
			FDR at Development Fund	108,497,913	
			FDR at B.ed A/c	141,792,437	
			FDR at TWF A/c	1,000,000	1,057,195,214
			LOAN,ADVANCES,OTHER CURRENT ASSETS		
			Current Assets in General Fund	38,339,202	
			Current Assets in Development A/c	99,250,813	
			Current Assets in B.ed A/c	63,721,406	
			Cash At Bank GF A/c	125,003,864	
			Cash At Bank DF A/c	8,302,909	
			Cash At Bank Bed/F A/c	20,087,039	
			Cash At Bank TWF A/c	314,773	355,020,006
TOTAL		1,514,079,965	TOTAL		1,514,079,965

FOR UTTAR PRADESH RAJARSHI
TANDON OPEN UNIVERSITY

As per our Report of even date
FOR K. U. SIDDIQUI AND COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PLACE: ALLAHABAD
DATE: 10-05-2016

FINANCE OFFICER

PROPRIETOR
(KALIM ULLAH SIDDIQUI)
M.No. 401616

परिशिष्ट 8

शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण

(Academic Programmes)
(2016-2017)

1.स्नातक कार्यक्रम

(i) स्नातक कला (B.A.)

(ii) स्नातक वाणिज्य (B.Com.)

(iii) बी.ए. (पर्यटन) B.A.(Tourism)

(iv) स्नातक विज्ञान (B.Sc.)

(v) कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (B.C.A.)

(vi) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (BLIS)

(vii) व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (BBA)

2.स्नातकोत्तर कार्यक्रम

(i) स्नातकोत्तर कला (M.A.) हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, समाज कार्य, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, सांख्यिकी

(ii) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (MLIS)

(iii) परास्नातक वाणिज्य (M.Com.)

(iv) पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ)

(v) कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर M.Sc. (Computer Science)

(vi) एम.एस.सी. (जैव रसायन एवं सांख्यिकी) M.Sc. (Bio Chemistry & Statistics)

3.स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(i) वित्तीय प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFM)

(ii) अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT)

(iii) अंतर्राष्ट्रीय मार्केटिंग और ई. बिजनेस में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDIMB)

(iv) हिन्दी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCWH)

(v) शैक्षणिक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEA)

(vi) पर्यावरण एवं संधृत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGD-ESD)

(vii) इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM & FP)

(viii) पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC)

(ix) विपणन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMM)

(x) उत्पादन प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDPM)

(xi) मानव संसाधन विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDHRD)

(xii) ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDRJMC)

(xiii) दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDDE)

(xiv) प्रयोजन मूलक हिन्दी स्नातकोत्तर में डिप्लोमा (PGDFH)

(xv) उपभोक्ता संरक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCP)

(xvi) ग्रीन सोशल वर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDSW)

(xvii) गांधी विचार एवं शान्ति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDGTS)

4. डिप्लोमा कार्यक्रम

(i) स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (DHEN)

(ii) पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (DTS)

(iii) ग्रामीण विकास में डिप्लोमा (DRD)

(iv) डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन में डिप्लोमा (DCDN)

(v) प्रारम्भिक बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा में डिप्लोमा (DECE)

(vi) डिप्लोमा इन एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स एण्ड कम्प्यूटर (DASC)

(vii) डिप्लोमा इन उर्दू (DUR)

(viii) डिप्लोमा इन उर्दू जर्नलिज्म एण्ड मास कम्प्युनिकेशन (DURJMC)

(ix) डिप्लोमा इन उर्दू न्यूज रीडिंग एण्ड एंकरिंग (DUNRA)

5. प्रमाण–पत्र कार्यक्रम

(i) पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन में प्रमाण–पत्र (CPHT & VA)

(ii) औषधीय एवं सगन्धीय पौधों की खेती में प्रमाण–पत्र (CCMAP)

(iii) पशुधन उत्पादन प्रणाली में प्रमाण–पत्र (CLPS)

(iv) पर्यटन अध्ययन में प्रमाण–पत्र (CTS)

(v) शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण–पत्र (CCCN)

(vi) पोषण एवं आहार में प्रमाण–पत्र (CNF)

(vii) उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण–पत्र (CCP)

(viii) मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र (CHR)

(ix) एच.आई.वी एवं परिवार शिक्षा में प्रमाण–पत्र (CHFE)

(x) महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण–पत्र (CWED)

(xi) योग में प्रमाण–पत्र (CCY)

(xii) कारपेट एण्ड टेक्सटाइल्स टेक्नॉलाजी में प्रमाण–पत्र (CCTT)

(xiii) कराधान और निर्यात–आयात प्रबन्धन में प्रमाण–पत्र (CTEIM)

(xiv) अपराधशास्त्र में प्रमाण–पत्र (CAC)

(xv) ग्रामीण पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रमाण–पत्र (CRJMC)

(xvi) आपदा प्रबन्धन में प्रमाण–पत्र (CDM)

(xvii) व्यावहारिक सांख्यिकी और कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र (CASC)

(xviii) फॉंरेन्सिक साइंस में प्रमाण–पत्र (CFS)

(xvi) टूरिज्म मैनेजमेन्ट में प्रमाण–पत्र (CTM)

6.कम्प्यूटर सम्बन्धी कार्यक्रम

(i) कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA)

(ii) कम्प्यूटर में बेसिक डिप्लोमा (DIC)

(iii) कार्यालय प्रबन्धन में कम्प्यूटर डिप्लोमा (DCOM)

(iv) हार्डवेयर टेक्नालाजी में डिप्लोमा (DIHT)

(v) कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र (CCC)

7. व्यावसायिक कार्यक्रम

(i) फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DFD)

(ii) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिप्लोमा (DTD)

(iii) फोटोग्राफी में डिप्लोमा (DIP)

(iv) होम आर्ट्स में डिप्लोमा (DHA)

(v) व्यावसायिक निर्देशन एवं कैरियर काउन्सिलिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDVGCC)

(vi) फैशन डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र (CFD)

(vii) टेक्सटाइल डिजाइनिंग में प्रमाण–पत्र (CTD)

(viii) डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन (DJD)

(ix) डिप्लोमा इन पेपर क्राफ्ट (DPC)

8. संव्यावसायिक कार्यक्रम

(i) बी.एड. (B.Ed.)

(ii) बी.एड. विशिष्ट शिक्षा (BE.d. SE)

(iii) व्यावसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)

(iv) कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (MCA)

(v) टूरिज्म मैनेजमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDTM)

9. जागरूकता कार्यक्रम

(i) पंचायती राज जागरूकता कार्यक्रम (APPR)

(ii) योग जागरूकता कार्यक्रम (APY)

(iii) डेरी उद्योग जागरूकता कार्यक्रम (APDF)

(iv) शिशु पालन एवं पोषण में जागरूकता कार्यक्रम (APCCN)

(v) पोषण एवं आहार में जागरूकता कार्यक्रम (APNF)

(vi) एच.आई.वी. एवं परिवार शिक्षा में जागरूकता कार्यक्रम (APHFE)

वार्षिक आधार पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम
BA	M.A.	PGDT	DHEN
B.Com.	(Hindi, English, History,	PGDCWH	DTD
B.A. (Tourism)	Sociology, Pol. Science,	PGDEA	DRD
B.Sc.	Economics, Education,	PGD-ESD	DCDN
	Statistics, Philosophy,	PGDEM & FP	DECE
	Sanskrit, Social Work)	PGDFH	DFD
		PGDVGCC	DTD
	M.Com.	PGDRJMC	DIP
		PGDDE	DHA
	M.Sc.	PGDCP	DASC
	(Bio-Chemistry &	PGDSW	DJD
	Statistics)	PGDGTS	DPC
			DUR
			DUJMC
			DUNRA

सेमेस्टर प्रणाली पर संचालित कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	डिप्लोमा कार्यक्रम	प्रमाण पत्र–कार्यक्रम	नॉन क्रेडिट जागरूकता कार्यक्रम
BCA BBA BLIS B.Ed. B.Ed.(SE)	MLIS MJ MBA MCA MCS	PGDJMC PGDFM PGDIMB PGDMM PGDPM PGDHRD PGDCA PGDTM	DIC DCOM DIHT	CPHT & VA CCMAP CLPS CTS CCCN CNF CCP CHR CDM CHFE CWED CCY CCTT CTEIM CAC CFD CTD CRJMC CCC CASC CFS CTM	APPR APY APDF APCCN APNF APHFE

परिशिष्ट 9

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों की सूची

क्र.सं.	केन्द्र कोड	अध्ययन केन्द्र का नाम
1.	S001	धर्म समाज कॉलेज, अलीगढ़– 202001
2.	S002	आर.बी.एस. कॉलेज, आगरा
3.	S004	श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज, बलिया– 277001
4.	S005	विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, इलाहाबाद
5.	S006	इविंग क्रिश्चियन कॉलेज इलाहाबाद
6.	S009	प्रताप बहादुर कॉलेज, प्रतापगढ़ – 230002
7.	S010	क्राइस्ट चर्च कॉलेज, कानपुर – 208001
8.	S011	विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज, कानपुर–208002
9.	S012	भारतीय महाविद्यालय, लोहाई रोड़, फर्रूखाबाद– 209625
10.	S013	बुद्ध पी.जी. कॉलेज, कुशीनगर– 274403
11.	S016	दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर – 273009
12.	S017	बी.आर.डी. पी.जी. कॉलेज, देवरिया–274001
13.	S018	जवाहर लाल नेहरू स्मारक पी.जी. कॉलेज, महाराजगंज
14.	S019	इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कॉलेज मेरठ
15.	S020	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर–39, नोएडा, गौतमबुद्व नगर– 210427
16.	S021	आई. पी. कॉलेज, बुलन्दशहर – 203001
17.	S022	के. एस. साकेत महाविद्यालय, फैजाबाद
18.	S023	राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर – 228001
19.	S024	बरेली कॉलेज, बरेली पिन–243005
20.	S025	शिव हर्ष किसान पी.जी. कॉलेज, बस्ती–272002
21.	S027	रतनसेन डिग्री कॉलेज, बॉसी, सिद्धार्थ नगर–272153
22.	S028	जी. डी. बिन्नानी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मिर्जापुर
23.	S030	हिन्दू कालेज, मुरादाबाद – 244001
24.	S031	युवराजदत्त महाविद्यालय लखीमपुर खीरी
25.	S032	इंदिरा गॉधी राजकीय महिला महाविद्यालय, रायबरेली
26.	S034	पी.जी. कॉलेज, रवीन्द्रपुरी गाजीपुर – 233001
27.	S036	टी.डी. कॉलेज, जौनपुर
28.	S037	हरिश्चन्द्र पी.जी. कॉलेज, मैदागिन, वाराणसी–221001
29.	S038	श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कॉलेज वाराणसी
30.	S039	जे. बी. जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सहारनपुर – 247001
31.	S040	जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, बॉदा
32.	S041	विपिन बिहारी पी.जी. कॉलेज, झॉसी –284001
33.	S043	लाल बहादुर शास्त्री पी.जी. कॉलेज, गोण्डा
34.	S044	महारानी लाल कुँवरि पी.जी. कॉलेज, तुलसी रोड़, बलरामपुर–271201
35.	S048	सरस्वती पी.जी. कॉलेज, हाथरस
36.	S049	शिबली नेशनल पी.जी. कॉलेज आजमगढ़
37.	S051	ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद – 211004
38.	S052	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर –244901
39.	S053	मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर, गाजियाबाद – 201204
40.	S054	डी.सी.एस.के.पी. जी. कॉलेज, मऊ – 275101
41.	S055	आर. आर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी, सुल्तानपुर–227405
42.	S056	यूपीटेक, कम्प्यूटर कन्सलटेन्सी लिमिटेड, तृतीय तल, संगम प्लेस (नजदीक काफी हाउस) सिविल लाइन्स,

		इलाहाबाद
43.	S061	राजा हरपाल सिंह पी.जी. कॉलेज, सिगरामऊ, जौनपुर–222175
44.	S063	दिगम्बर जैन कॉलेज, बड़ौत, बागपत – 250611
45.	S064	आर.एम.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीतापुर
46.	S065	दयानन्द सुभाष नेशनल कॉलेज, उन्नाव–209801
47.	S066	स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर – 242226
48.	S072	अतर्रा डिग्री कॉलेज, अतर्रा, बाँदा– 210201
49.	S074	जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा – 206124
50.	S075	दीनानाथ पाण्डेय राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज, देवरिया– 274001
51.	S078	भवन्स मेहता महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी–212201
52.	S079	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर – 210301
53.	S081	महात्मा गॉधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शान्तिनगर,जी.टी. रोड़, फतेहपुर–212601
54.	S084	उपाधि (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय, पीलीभीत–262001
55.	S085	कालीचरण डिग्री कालेज, हरदोई रोड, लखनऊ–3
56.	S086	उपरदहा डिग्री कॉलेज, उपरदहा (बरौत), इलाहाबाद
57.	S087	कुलभास्कर आश्रम डिगी कॉलेज, इलाहाबाद
58.	S088	राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
59.	S090	वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा – 210427
60.	S092	कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया
61.	S093	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट
62.	S094	बी. बी. एस. पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना लाल गोपालगंज, कुण्डा, प्रतापगढ़–229413
63.	S098	राजा कान्ह पी0जी0 कॉलेज (जगदीशपुर, जगेसरगंज, जायस मार्ग), सुल्तानपुर Pin-227809
64.	S099	डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह महाविद्यालय, सत्येन्द्र नगर, जमुनियॉ, जौनपुर–223103
65.	S102	आइस प्लस 11/149, निकट मिनी स्टेडियम, विकास नगर, लखनऊ– 226022
66.	S103	फैस–कास अकादमी, 127/1/57, W –1,साकेत नगर, (नजदीक पराग डेयरी) कानपुर – 208014
67.	S104	काशी इन्स्टीटयूट ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज, सिगरा, वाराणसी
68.	S105	गॉधी शान्ति निकतेन डिग्री कालेज,गोहनिया (जसरा), इलाहाबाद
69.	S106	मोती लाल नेहरू डिग्री कालेज, कौधियारा, जारी बाजार, इलाहाबाद –212106
70.	S107	राहुल महाविद्यालय, शेरवा, जौनपुर –222131
71.	S108	खेदू सिंह आदर्श कॉलेज, रामचरनपुर भीमापार, गाजीपुर
72.	S110	लार्ड बुद्ध पी0जी0 कॉलेज साकेत नगर, रूपईडीहा, बहराइच– 271881
73.	S111	चौधरी तुलसी राम यादव महाविद्यालय, धौसड़ा, तुलसी नगर, इलाहाबाद
74.	S112	महात्मा गॉधी मेमोरियल कॉलेज, सम्भल, मुरादाबाद – 244302
75.	S113	हंडिया पोस्टग्रेजुएट कॉलेज, हंडिया, इलाहाबाद – 221503
76.	S114	कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, मरदापुर, सादात, गाजीपुर
77.	S119	स्प्रिंगडोल कॉलेज आफ मैनेजमेन्ट स्टडीज, माधोटाड़ा रोड़, पीलीभीत– 262001
78.	S120	डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, फाफामऊ, इलाहाबाद
79.	S128	आदर्श भारती महाविद्यालय, खेतासराय, जौनपुर– 222139
80.	S129	कृषक पी0 जी0 कालेज, कोइरियापार, मऊ
81.	S130	लक्ष्मी देवी आर्य कन्या डिग्री कालेज, मवाना, मेरठ
82.	S132	कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर –228118
83.	S138	श्री गौरी शंकर संस्कृत महाविद्यालय, सुजानगंज, जौनपुर –222201
84.	S140	श्याम लाल सरस्वती महाविद्यलाय, शिकारपुर, बुलन्दशहर –202395
85.	S143	वाराणसी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, भीमनगर, सिकरौल, वाराणसी
86.	S147	इन्द्रदेव इन्स्टीटयूट ऑफ एजूकेशन एण्ड टैक्नोलाजी, मुराद नगर रोड, बागपत–250609
87.	S151	क्यूरेट–ए कम्प्यूटर ग्रुप, विवेकखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ– 226010
88.	S156	राष्ट्रीय शिक्षण शोध संस्थान 'बी.' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी, नैनी, इलाहाबाद–211008
89.	S158	इन्स्टीटयूट ऑफ कम्प्यूटर साइंसेज एण्ड मैनेजमेंट, (I.C.S.M.) चितईपुर, कन्दवॉ, वाराणासी–221106
90.	S168	चायल कम्प्यूटर एकेडमी, 221ए/1, प्रीतम नगर, कबीर मन्दिर के सामने, सुलेमसराय इलाहाबाद

91.	S170	रूचीज इन्स्टीट्यूट आफ क्रियेटिव आर्टस, 19/3 दयानन्द मार्ग, इलाहाबाद
92.	S172	आई.आई.सी.एस. स्टडी सेन्टर, 16, जे.एल.एन.रोड, सचान नर्सिंग होम के सामने, टैगोर टाउन, इलाहाबाद–211003
93.	S183	के. बी. इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेन्ट निकट रेलवे क्रासिंग, पंचकोशी परिक्रमा मार्ग, बेनीगंज, फैजाबाद–224001
94.	S187	राम लगन महाविद्यालय, जमालपुर, मिर्जापुर, घोसी, मऊ – 275105
95.	S189	गौतम बुद्ध महाविद्यालय, फूलपुर, इलाहाबाद –212402
96.	S190	श्रीमती रमादेवी महिला महाविद्यालय, झींझक, कानपुर देहात
97.	S193	इन्स्टीट्यूट फार कम्प्यूटर साइन्स, फर्स्ट फ्लोर, फेस–11 शाही मार्केट, सिनेमा रोड, गोरखपुर
98.	S194	इन्डियन इन्स्टीटयूट आफ इन्जीनियरिंग एण्ड इन्फारमेशन टेक्नोलाजी हरिओम नगर सिविल लाइन्स, गोरखपुर
99.	S195	कम्प्यूटर कैरियर इंस्टीट्यूट B34/130–12–1, ब्रहमानन्द नगर कालोनी, दुर्गाकुण्ड वाराणसी
100.	S196	बनवासी महिला महाविद्यालय, डाला, सोनभद्र
101.	S197	स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय महाविद्यालय, पूरे गोसाई रानीगंज, प्रतापगंढ – 230304
102.	S198	झामबाबा महाविद्यालय, सुरजूपुर, जलालपुर, अम्बेडकर नगर, उ.प्र.– 224183
103.	S200	श्री बाबा साधव राम महाविद्यालय, कोइनहां, बरसरा, खालसा, आजमगढ़ 276141
104.	S203	हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जमानियॉ, गाजीपुर – 232331
105.	S204	पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, एफ ब्लाक, राजाजीपुरम, लखनऊ 226017
106.	S208	स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पट्टी, प्रतापगढ़ 230135
107.	S209	पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी
108.	S211	शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट भठहीं खुर्द वाया– फाजिलनगर, कुशीनगर 274401
109.	S212	राज किशोर सिंह महाविद्यालय, बरूइन, जमनियॉ, गाजीपुर–232331
110.	S213	जय बजरंग महिला महाविद्यालय, मुगरा बादशाहपुर, जौनपुर
111.	S214	राम नगीना किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुड़ियारी, जखनियॉ, गाजीपुर 275207
112.	S216	डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, ई–ब्लाक, राजाजीपुरम, लखनऊ 226017
113.	S217	डी0 ए0 वी0 कॉलेज, खरखौदा, मेरठ – 245206
114.	S219	महात्मा बुद्ध महाविद्यालय, अझुवा, कौशाम्बी – 212217
115.	S223	राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात 209111
116.	S224	चन्द्रमा सिंह महाविद्यालय, हरहुआ, वाराणसी –221105
117.	S225	छत्रपति शाहूजी महाराज महाविद्यालय ग्राम. व पोस्ट. नरैना (अगरहुंडा) तह–कर्वी, चित्रकूट–210205
118.	S227	गदाधर श्लोक महाविद्यालय ग्रा. व पो. रेवतीपुर, गाजीपुर – 232328
119.	S228	फैज–ए–आम माडर्न डिग्री कालेज, 72, गोल्फ रोड, सिविल लाइन्स, मथुरा –281001
120.	S229	ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीरसिंहपुर, सया, अम्बेडकर नगर– 224451
121.	S230	छत्रधारी महाविद्यालय दयालपुर–सदलपुरा, चन्दौली, 232107
122.	S233	आईसेक्ट कम्प्यूटर सेन्टर, चन्दौली–232109
123.	S234	लखनऊ जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, संवादनगर, जियामऊ, लखनऊ 226001
124.	S237	पं. कैलाशनाथ इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट हाइडल चौक, सिधारी, आजमगढ़ 276001
125.	S239	सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेन्ट सर्वोदय कैम्पस, डॉ0 चन्द्र भान मिश्रा के पीछे, उमा नगर सी. सी. रोड, देवरिया–274001
126.	S252	अपडेट कम्प्यूटर एकेडमी 195ई/1ए, राजरूपपुर, इलाहाबाद
127.	S253	इलाहाबाद शिक्षण शोध संस्थान, सी–41, यू.पी. एस.आई.डी.सी., नैनी, इलाहाबाद
128.	S254	बायोवेद 'ाोध संस्थान, 103/42, मोती लाल नेहरू रोड, (निकट प्रयाग स्टेषन) इलाहाबाद–211002
129.	S260	आल इण्डिया भूतपूर्व सैनिक इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्यूटर इंस्टीटयूट, लोहा मण्डी, मलदहिया, वाराणसी 221001
130.	S263	श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, सूर्यनगर, राजाजीपुरम, लखनऊ
131.	S265	जी. एस. आर. एम. मेमोरियल डिग्री कालेज, डी.–6 इण्डस्ट्रियल एरिया, ,सरोजनी नगर, कानपुर रोड, लखनऊ–226008
132.	S266	सीटेक टेक्निकल कालेज, (शिक्षा शान्ति निकेतन समिति), सीटेक बिल्डिंग, कालेज रोड, ए–बी,नगर, उन्नाव–209801

133.	S267	सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, लारपुर, अम्बेडकरनगर
134.	S273	इन्द्रकली महाविद्यालय, गोसौरा खुर्द, उरूवा, मेजा, इलाहाबाद 212303
135.	S275	हर्ष इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल, कैरियर, डॉ0 अम्बेडकर इण्टर कॉलेज परिसर, तेजगढ़ी रोड, मेरठ
136.	S276	ए. आई. आई. टी (AIIT) मैनेजमेन्ट कालेज 728, गणेश मार्केट, (RSY) कैम्पस हवेलिया, झूंसी इलाहाबाद–221506
137.	S278	शहीद स्मारक राजकीय महाविद्यालय, युसूफपुर, मुहम्मदाबाद, गाजीपुर 233227
138.	S281	रामपाल मौर्या महाविद्यालय, सुल्तानपुर घोष, खागा, फतेहपुर
139.	S282	स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर–233001
140.	S285	श्री रामकरन महाविद्यालय, ईशोपुर, रामपुर, गाजीपुर–233223
141.	S287	धनराजी देवी बालिका महाविद्यालय, उतरेथू, अम्बेडकर नगर
142.	S288	अब्दुल अजीज अन्सारी डिग्री कॉलेज, शाहगंज, जौनपुर–223101
143.	S291	प्रभु नारायण सिंह महाविद्यालय, बघेल, वंशीय मड़ही आश्रम, कासिमाबाद, गाजीपुर
144.	S293	श्री महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज, मोहनलालगंज, लखनऊ –227305
145.	S295	सेक्रेड हार्ट इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, नैयपालपुर, सीतापुर –261001
146.	S296	मृत्युजंय पाण्डेय संस्कृत महाविद्यालय, सं भं वि. बरहुआ, सैदपुर, चन्दौली
147.	S297	राम सेवक यादव महाविद्यालय ग्रा0 चन्दौली, बाराबंकी – 225123
148.	S298	सृजन महाविद्यालय, भटेवरा, (जंघई बाजार) जौनपुर–212401
149.	S299	श्री रामेश्वरदास अग्रवाल कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नवीपुर रोड, हाथरस –204101
150.	S300	मातृ गंगाजली पी.जी. कॉलेज महाविद्यालय, मौधियाँ, गाजीपुर
151.	S302	जोखन महाविद्यालय, इकरा, गौरा, गाजीपुर – 233304
152.	S303	नायब अब्बासी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, किला रोड, अमरोहा, जे0पी0 नगर
153.	S305	ग्राम समाज महाविद्यालय, जयस्थली, बाबू की खजुरी, आजमगढ़–276204
154.	S308	चौ. एस. एस. पी.जी. कॉलेज, ग्राम व डाक–माछरा, मेरठ–250106
155.	S309	जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगतपुर, वाराणसी–221301
156.	S310	रामधन दामोदर महाविद्यालय, ग्राम. कसारा, पो. कसारा, मऊ – 275102
157.	S311	महादेव महाविद्यालय, नेरूवाडीह, गहना, मऊ
158.	S315	स्व. रामप्रसाद यादव महाविद्यलाय, ग्रा. व प्रो. सिंधाव, ब्लाक असोधर, फतेहपुर
159.	S316	सैनिक गिरजाशंकर महाविद्यालय, केराकत, जौनपुर
160.	S317	कमलेश यादव डिग्री कॉलेज, रहिमापुर, झूँसी, इलाहाबाद
161.	S319	हाइपर लिंक एजूकेशन सेन्टर, सराय अकिल, कौशाम्बी–212216
162.	S323	सूर्यमणि इन्फारमेशन टेक्नोलाजी संस्थान, पुराना यूनियन बैंक, पट्टी नरेन्द्रपुर जौनपुर,
163.	S327	स्वमी विवेकानन्द कालेज आफ एडवान्स स्टडीज, चाणक्य–एड, स्टेशन रोड, मैनपुरी–205001
164.	S330	इन्सिपरेशन कम्प्यूटर शिक्षा समिति, स्व.एल.पी.सिंह मेमोरियल आई.टी.आई. कैम्पस, खन्नापुरी, सिविल लाइन्स,स.र.न.भदोही –221401
165.	S331	डाटानेट कम्प्यूटर एजूकेशन, 846/993 युनिवर्सिटी रोड, पुराना कटरा, इलाहाबाद
166.	S337	कर्नल एकेडमी आफ कम्प्यूटर साइंस, 125/6 मालवीय रोड, जार्ज टाउन, इलाहाबाद–211003
167.	S343	एकलब्य महाविद्यालय, दरेडी रोड, बांदा'–290297
168.	S345	बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ–226001
169.	S348	ऋषि राम नरेश कृषक महाविद्यालय, दुबारी, मऊ– 221601
170.	S350	कृष्णा कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड रूरल टेक्नोलॉजी, बमरौली, कटरा, आगरा–6
171.	S358	राजा कमलाकर डिग्री कॉलेज, शंकरगढ़, इलाहाबाद– 212108
172.	S362	इन्फोटेक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, नजदीक तहसील नगर पंचायत कार्यालय, मड़ियाहूँ जौनपुर
173.	S364	नेशनल कम्प्यूटर एकेडमी, 213इ/1ए, लूकरगंज, तारा कुटीर रोड, इलाहाबाद
174.	S369	माइक्रोवेब इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट टेंक्नोलाजी, बिल्थरा रोड, बलिया
175.	S373	पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सैदाबाद, इलाहाबाद
176.	S374	श्री शिवा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तेरही, कप्तानगंज, आजमगढ़–276149
177.	S376	भगवन्त सिंह महाविद्यालय, कुआ खेड़ा खालसा, ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद)–244601
178.	S377	बुद्धा नेशनल महाविद्यालय निजामाबाद, आजमगढ़ 276206

179.	S379	राम नगर पी0जी0 कॉलेज, राम नगर, बाराबंकी
180.	S380	श्री बलदेव पी0जी0 कॉलेज, बड़गांव, वाराणसी
181.	S381	बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर
182.	S385	आचार्य नरेन्द्र देव टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, बिजवार, लखनऊ रोड, सीतापुर–261001
183.	S387	बाला प्रसाद कुशवाहा महाविद्यालय, बलरामपुर, बरेठी, इलाहाबाद
184.	S388	हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज, हाजी बशीर नगर, निकट किसान पेट्रोलियम, बिनौर रोड, अमरोहा (जे0पी0 नगर)
185.	S391	श्री शिव बाबा महाविद्यालय, दादनपुर, अल्लॅपुर, पिड़सई, मऊ
186.	S392	एन0 डी0 डिग्री कालेज, शमसावाद, आगरा
187.	S395	कौशिल्या महाविद्यालय, दिलावरपुर, मड़ियाहूँ, जौनपुर
188.	S396	चन्द्रभान देवी– सेवक महाविद्यलालय, प्रतापपुर, कमैचा (चॉदा), सुल्तानपुर
189.	S397	प्रयाग महाविद्यालय, शिवमंगल नगर, हेतापट्टी, इलाहाबाद– 221507
190.	S398	बद्री प्रसाद महाविद्यालय, आरिफपुर, मण्डनपुर, आजमगढ़– 276124
191.	S400	भगवान दीन यादव महाविद्यालय, हरखपुर, सोरांव, इलाहाबाद
192.	S401	राम रहीम महाविद्यालय, गहमर, गाजीपुर
193.	S403	श्रीमती मूलावती देवी राम दास महाविद्यालय, बद्दू का पूरा, ब्यूर, हण्डिया, इलाहाबाद
194.	S404	डॉ0 राम मनोहर लोहिया, महाविद्यालय, मालीबारी–बरियारपुर, पो.–बड़हर, देवरिया–274001
195.	S406	बिहारी लाल स्मारक किसान महाविद्यालय, आभा, दरवेशपुर, अम्बेडकर नगर
196.	S407	देवी श्याम रथी महिला महाविद्यालय, ग्रा. व पो. बरसरा खालासा, आजमगढ़ 276141
197.	S408	नन्दन महाविद्यालय, चतुरगढ़ बिसहिया, प्रतापगढ़
198.	S414	दिशा इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्लोलाजी, पुरानी पोस्ट आफिस बिल्डिंग, गोला रोड, बड़हलगंज, गोरखपुर–273402
199.	S416	साफ्टवेयर क्वालिटी एजुकेशनल सेन्टर, चतुर्वेदी काम्पलेक्स फर्स्ट फ्लोर, सुमेरसागर रोड, नियर इलाहाबाद बैंक, गोरखपुर, उ0प्र0
200.	S421	ओम हाईटेक कम्प्यूटर्स शिक्षण संस्थान, ए–1/65 डी–, शशिनगर, कालोनी, नगवॉ लंका, वाराणासी
201.	S423	सुभावती ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, 40A-न्याय नगर झूँसी, इलाहाबाद–211019
202.	S424	आलटेक इन्स्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज, 31–सी मोतीलाल नेहरु (बंद) रोड, (इलाहाबाद वि0वि0 लाइब्रेरी के सामने), इलाहाबाद–211002
203.	S425	कम्यूटेक , द्वितीय तल रमाकुंज अन्नपूर्णानगर, वाराणसी
204.	S426	डा0 भीमराव अम्बेडकर इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर टेक्नोलाजी, शास्त्री नगर, नेहरू नगर, मुन्सफ कटरा जी0टी0 रोड, चन्दौली
205.	S427	आई.टी. एम. एस. कॉलेज, 3, गुलाटी मार्ग, म्योहाल चौराहा, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001
206.	S429	इलाहाबाद इन्स्टीट्यूट आफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी, 35डी/9ए, सक्सेना मार्केट, प्रीतमनगर, धूमनगंज, इलाहाबाद
207.	S434	गार्डेनिया इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, प्लाट सं.–35, साकेत नगर कॉलोनी, (संकट मोचन– गाँधी नगर मार्ग), लंका, वाराणसी –5
208.	S436	बी0सी0 आई0 एस0 इन्फोटेक कैम्पस, एस– 17/331–छ प्रथम तल, पार्श्व कुन्ज, मालदहिया, वाराणसी –221002
209.	S441	पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान 4, पालिका बंगला, सिविल लाइन्स, फैजाबाद–224001
210.	S442	फिरोज गॉधी कॉलेज, रायबरेली – 229001
211.	S444	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जलेसर, एटा
212.	S446	श्री घनश्याम दुबे महाविद्यालय, सुरियावॉ, सन्त रविदास नगर (भदोही)
213.	S447	सन्त तुलसीदास पी.जी.कालेज, कांदीपुर,(भरुवारी) सुलतानपुर – 228145
214.	S450	श्री रतीराम महाविद्यालय ग्रा. संकेत, नन्द गॉव, बरसाना रोड, मथुरा
215.	S451	श्री रामतीर्थ मिश्र स्मारक महाविद्यालय, इटियाथोक, गोण्डा
216.	S453	गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुल्तानपुर–228001
217.	S456	सरयू इन्द्रा महाविद्यालय, संग्रामगढ़, प्रतापगढ़ –230141
218.	S459	केन ग्रोवर्स नेहरू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोलागोकर्णनाथ, खीरी–262802
219.	S466	डी.ए.वी. (कॉलेज शिकारपुर बाई–पास रोड, बुलन्दशहर– 203001

220.	S469	रामानुज प्रताप महाविद्यालय, ड्रमण्डगंज, मिर्जापुर–231211
221.	S478	भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर–खीरी–262701
222.	S479	राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन राजकीय महाविद्यालय, तालबेहट, ललितपुर 284126
223.	S489	खरडीहा महाविद्यालय, खरडीहा, गाजीपुर – 233233
224.	S492	श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर–222149
225.	S495	नरसिंह बहादुर सिंह शान्तीदेवी संस्कृत महाविद्यालय, ग्रा. छीटपुर, पो. प्रमधर पट्टी (दिलीपुर) वि.ख. बावाबेल, खरनाथ धाम, तहसील–रानीगंज, प्रतापगढ़
226.	S498	श्री राम औतार सिंह महाविद्यालय, शेषपुर, उनवा, फतेहपुर
227.	S499	अमर शहीद ठा0 दरियाव सिंह महाविद्यालय, हरदों, खागा, फतेहपुर–212655
228.	S500	जगन्नाथ प्रसाद स्मारक महाविद्यालय, बुदांव, जसरा, गौहनियां, इलाहाबाद
229.	S505	अमर सिंह कालेज, लखावटी, बुलन्दशहर – 245407
230.	S506	हीरा लाल यादव बालिका डिग्री कालेज, सरोजनी नगर, कानपुर रोड, लखनऊ–226008
231.	S508	आई. सी. एल. ए. कम्प्यूटर एजूकेशन सेन्टर, मुयूनिश्पल मार्केट, प्रेम नगर, सीतापुर–261001
232.	S513	जुहारी देवी गर्ल्स पी. जी. कालेज, कैनाल रोड, कानपुर।
233.	S514	बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर लॉ कालेज, हरकंसगढ़ी, राय बरेली रोड, लखनऊ–227305
234.	S517	श्री कृष्ण अम्बेडकर, महाविद्यालय, मधुबन (सिद्धा अहिलासपुर), मऊ
235.	S519	पूर्वाचल पी. जी. कालेज, पो–रानी की सराय, आजमगढ़
236.	S520	दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर
237.	S528	महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेक्टर–एम, आशियाना, लखनऊ–226012
238.	S530	सर्वोदय महाविद्यालय, मिहीपुरवा, बहराइच
239.	S532	अमीरूद्रदौला इस्लामिया डिग्री कालेज, लालबाग, लखनऊ– 226001
240.	S537	श्री भगवान महावीर पी.जी. कॉलेज, पवानगर (फाजिलनगर), कुशीनगर– 274401
241.	S538	नेहरू महाविद्यालय, सागर रोड, ललितपुर
242.	S539	सावित्री बाई फुले राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चकिया, चन्दौली–232103
243.	S545	रूद्रा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, बी–1 शास्त्री नगर, (तेजगढ़ चौपला) मेरठ
244.	S550	फ0अ0अ0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महमूदाबाद, सीतापुर
245.	S551	किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ
246.	S556	नन्द किशोर सिंह डिग्री कॉलेज, धनुहा, चाका, इलाहाबाद
247.	S558	सिद्धनारायण रामहर्ष डिग्री कॉलेज सांगीपुर (विद्यानगर), होलागढ़, इलाहाबाद
248.	S559	त्रिवेदी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, महरहा, बिन्दकी, फतेहपुर–212635
249.	S560	सीतादेवी महाविद्यालय, भटनी, देवरिया
250.	S563	रवीन्द्र किषोर षाही राजकीय महाविद्यालय, घुड़ीकुण्ड, खुद, पथरदेवा, देवरिया–274404
251.	S565	श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर, बलिया
252.	S566	सर्वोदय किसान डिग्री कालेज, कौड़ीराम, गोरखपुर–273413
253.	S567	एम0 के0 राय दीप आदर्श बालिका महाविद्यालय, भगवानपुर, ठेकमा, आजमगढ़ –276303
254.	S572	बासुदेव मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, 51, विमलनगर, (हरिहर नगर), चिनहना, इन्दिरा नगर, लखनऊ
255.	S576	कृष्ण गोपाल महाविद्यालय, नगीना, (बिजनौर) उ.प्र.– 246762
256.	S578	मोहन लाल वर्मा एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, पल्हरी, बाराबंकी– 225001
257.	S580	माँ शुकली देवी डिग्री कालेज, सहजौर, दिमुनपुरा, मलकौली, सलेमपुर, देवरिया
258.	S581	यूनिटि डिग्री कालेज, पी.ओ. बरावन कला, काकोरी, हरदोई रोड, लखनऊ–227107
259.	S582	नगर निगम डिग्री कालेज, अमीनाबाद, लखनऊ–226018
260.	S589	आर.एस.एम.पी. डिग्री कालेज, रायअसकरनपुर, कुण्डा, प्रतापगढ़
261.	S590	एन. आर. ई. सी. कालेज, खुर्जा–203131, जिला–बुलन्दशहर
262.	S592	इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, (आई.पी. एस.) एच. ओ.–115,न्यू मोहन पुरी, मेरठ
263.	S594	देवनागरी महाविद्यालय, रेलवे रोड क्रासिंग, घंटाघर, मेरठ–250002
264.	S605	डा. भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माधौगंज हरदोई
265.	S611	डॉ0 आर0 पी0 रिछारिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सनौरा, बरूआसागर, झाँसी
266.	S614	महादेव महाविद्यालय, बरियासनपुर, चिरईगॉव, वाराणसी– 221007
267.	S616	राजनारायण पाण्डेय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरूई, गारापुर, इलाहाबाद

268.	S617	मॉ सरस्वती महाविद्यालय, दामोदरा, जौनपुर
269.	S618	बी0बी0एस0 इन्स्टीट्यूट जमानिया, गाजीपुर
270.	S625	श्री बाबू सिंह डिग्री कालेज, संयारा, कौशाम्बी
271.	S627	श्री दुर्गा संस्कृत महाविद्यालय, छत्रपुरा सैयदराजा, चन्दौली–232110
272.	S630	मल्टीनेशनल बिजनेस एकेडमी, ए–6–3, आम्रपाली ग्रीन,इन्द्रापुरम्, गाजियाबाद– 201014
273.	S631	श्री महन्त रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुडकुडा– गाजीपुर –275203
274.	S633	सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, 819, डासना, 27 किमी. स्टोन, दिल्ली हापुर बाई पास, पो. आध्यात्मिक नगर, डासना, गाजियाबाद–09
275.	S642	बलराम महाविद्यालय, सिरहिर मेजा, इलाहाबाद
276.	S643	आई.सी.एस.डी. एजूकेशनल सेन्टर, 52ए/28,चिन्तामणि रोड, (निकट पोस्ट आफिस), जार्ज टाउन, इलाहाबाद
277.	S648	राम सुन्दर पाण्डेय महाविद्यालय, गजियापुर, मऊ–221601
278.	S649	माँ फूला देवी कन्या महाविद्यालय, तिलौली, बघुड़ी, बलिया –221717
279.	S650	शाबरी बालिका महाविद्यालय, ग्रा0 व पो0–सिखड़ी, गाजीपुर –275202
280.	S654	महिला महाविद्यालय, होतिमपुर, जमानिया, गाजीपुर–232329
281.	S656	सुकदेव सिंह लवकुश महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट–बबेरु, बांदा–210121
282.	S659	कबूतरी देवी राजेश्वर त्रिपाठी स्मारक पी0जी0 कॉलेज, बालेन्द्रपुरी, डुमरी खास, गोरखपुर–273202
283.	S660	राम नाथ महाविद्यालय, ग्रा0–नेवादा, पो0–बसना, तह0–प्रतापपुर, इलाहाबाद
284.	S661	शान्ति महाविद्यालय, ग्रा0– बगई कला, पो0–बगई खुर्द, तह0– फूलपुर, इलाहाबाद –212404
285.	S663	राजीव गाँधी महाविद्यालय, जगदीशपुर, सुलतानपुर
286.	S665	जगत्धात्री इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलाजी (JIMT) 7/11 सी, निकट कोपरेटिव चौराहा,ए.एन.झा मार्ग, जार्ज टाउन, इलाहाबाद–211002
287.	S666	श्री ओमर वैश्य विद्यापीठ, लाला पुरूषोत्तम दास ज्वैलर्स महाविद्यालय, डी0 143, श्याम नगर, कानपुर
288.	S667	रघुवीर महाविद्यालय, थलोई,भिखारीपुर कलाँ, जौनपुर
289.	S668	श्री रामकरन पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, भीमपुरा न.–1, बलिया–221716
290.	S670	उदित नारायण ऋषभ महाविद्यालय, पिण्डरी, पत्रालय– अगरौली, बलिया–277001
291.	S671	लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, गोसाईगंज, लखनऊ–227125
292.	S673	वी.के. जैन कालेज आफ एजूकेशन, सौरो, रोड, कासगंज, कांशीराम नगर–207123
293.	S675	अमित महाविद्यालय, अमितनगर, सपहां रोड, कसया–कुशीनगर – 274402
294.	S677	सन्त द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय, कोटवा, मोहम्मदपुर, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर
295.	S678	आगरा वनस्थली महाविद्यालय, गाटा संख्या–627, छलेसर, आगरा–फिरोजाबाद रोड, झरना नाला, आगरा–282006
296.	S683	बसंत महाविद्यालय, तेन्दुई, सरायइनायत, इलाहाबाद–221505
297.	S684	राजदीप महिला महाविद्यालय, ग्राम– कैलहट, पोस्ट–पचेवरा,मिर्जापुर–231305
298.	S685	बदली महाविद्यालय,अमरेथू, डड़िया, कादीपुर,सुलतानपुर–228145
299.	S688	महाविद्यालय बाँसडीह, बलिया
300.	S690	सद्गुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान, झूंसी, इलाहाबाद
301.	S692	आचार्य बलदेव कॉलेज, कोपा, पतरही, जौनपुर – 222001
302.	S696	विमला यादव महाविद्यालय, एकावसपट्टी, भितरी, सैदपुर, गाजीपुर – 233304
303.	S698	श्री जगदम्बा महिला महाविद्यालय, ग्राम. मऊदेव, पो.– सुलतानगढ़, फतेहपुर
304.	S701	श्री सुदामा यादव महाविद्यालय, लक्ष्मीपुर, धनौति खुर्द, देवरिया
305.	S702	मॉ फूलपति देंवी महाविद्यालय, सुगरी, रामपुर कारखाना, देवरिया
306.	S703	डिफेन्स कॉलेज आफ कॉमर्स एण्ड टेक्निकल मैनेजमेन्ट, 25/253, न्यू कॉलोनी, देवरिया 274001
307.	S707	युवा सम्राट राजीव गॉधी डिग्री कॉलेज, गौहरपुर, सरायममरेज, इलाहाबाद 212403
308.	S708	एन. ए. एस. पी.जी. कॉलेज, मेरठ
309.	S 711	चौधरी गया प्रसाद महाविद्यालय, शिवपुर, बहराइच – 271830
310.	S713	बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, नगर पंचायत भटनी, देवरिया
311.	S714	रामरेखा रामगंगा राय महिला महाविद्यालय, राजीव नगर, महाराजगंज
312.	S715	सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया
313.	S716	सरस्वती देवी महाविद्यालय, नन्दापार, जैतपुर, गोरखपुर

314.	S717	सरस्वती देवी महाविद्यालय, खड्डाबाजार, कुशीनगर
315.	S718	सरस्वती देवी महाविद्यालय, निचलौल, महराजगंज
316.	S719	सिद्दीक अहमद पी0जी0 कॉलेज, दिस्तौली, चनुकी जिला देवरिया
317.	S720	प0 श्रीकृष्ण उपाध्याय महिला महाविद्यालय, रूद्रपुर, देवरिया
318.	S722	माँ बन्धुई देवराज महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट – पशुहारी, बलिया – 221718
319.	S723	बाबू तहसीलदार शाही महाविद्यालय, सिंगहाँ, कुशीनगर–274305
320.	S724	विवेकानन्द महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट– सुमेरी, बलिया
321.	S726	रामदास महाविद्यालय, ग्राम–सिकरिया, पोस्ट–भीमपुरा नं.0–1 बलिया
322.	S728	श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुदिष्टपुरी, रानीगंज, बलिया
323.	S729	प्रेमलता महिला महाविद्यालय, ग्राम 7 अछिया, पोस्ट– मेंहदावल, सन्त कबीर नगर
324.	S731	श्री कृष्णन पी.जी. कॉलेज, बाँसगाँव, बोंगरिया, तरवॉ, मेंहनगर, आजमगढ़–276126
325.	S732	बंशीचन्द्र पी.जी.कॉलेज, चिलवां, गोरखपुर
326.	S733	बाबू बैजनाथ सिंह कन्या महाविद्यालय, देवढ़ी, अण्डिला, देवरिया
327.	S734	जनता वैदिक महाविद्यालय, मेंहदावल, सन्त कबीर नगर
328.	S735	भगवानदास महाविद्यालय, सिकन्दरपुर, गाय घाट, बस्ती
329.	S736	माँ सिंहासिनी देवी महाविद्यालय, गुदछी चकिया, बारीपुर, कुटी, पत्रालय– गड़ेंर, देवरिया
330.	S737	ध्रुव नारायण महिला महाविद्यालय, ग्राम–हरिहरपुर, पो.–सिन्दुरिया, क्षेत्र– मिठौरा, महाराजगंज
331.	S738	प्रभा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुखलिसपुर रोड, खलीलाबाद, सन्त कबीर नगर
332.	S739	श्री पं0 यज्ञ नारायण दुबे स्मारक महाविद्यालय, लतीफपुर,बरना बाजार, पो0, फूलपुर, इलाहाबाद
333.	S740	सर्वेश्वरी महाविद्यालय, धनुहॉ चाका, नैनी, इलाहाबाद
334.	S741	इन्दिरा गॉधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गौरीगंज, सुल्तानपुर – 227409
335.	S742	मनीशी महिला महाविद्यालय, गौरीगंज, छत्रपति शाहूजी महराजनगर
336.	S744	स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे बुद्धीधर, बाबागंज, प्रतापगढ़
337.	S745	भगवती प्रसाद दौलतराम महाविद्यालय, सिराथू, कौशाम्बी
338.	S746	टीकाराम यादव स्मृति महाविद्यालय, स्टेट बैंक के पास, कानपुर रोड–मोंठ झांसी – 284303
339.	S748	मैनाथी कुँवर चन्द्रावती महाविद्यालय, सराय आनादेव, लालगंज, प्रतापगढ़
340.	S749	स्व0 कामता प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय, थाने के सामने, इलाहाबाद रोड, बदौसा,बांदा
341.	S752	सावित्रीदेवी महाविद्यालय,सोनाई, करछना, इलाहाबाद
342.	S754	रामपाल बिटाना देवी महाविद्यालय, शहीद स्थल– बावन इमली, खजुहा, फतेहपुर
343.	S755	नरसिंह नारायण शुक्ल महाविद्यालय, राजकलीनगर, सुबंस चौराहा, रहवई, कुण्डा, प्रतापगढ़
344.	S757	भगवानदीन सिंह पटेल महाविद्यालय, ग्राम–रगौली, तह– कर्वी, चित्रकूट
345.	S758	स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय, कोटवां मिश्र, थाना– बघौचघाट, देवरिया पिनकोड – 274404
346.	S760	राम सजीवन सिंह महाविद्यालय, ग्राम– जयन्तीपुर, तहसील–चायल, कौशाम्बी
347.	S762	सरस्वती बी0एड0 महाविद्यालय, रघुवीर नगर, रूमा, कानपुर – 208001
348.	S763	फुन्दी सिंह लौना राजकीय स्ना0 महाविद्यालय, जालौन – 285123
349.	S765	इरम गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सी0 ब्लाक, इन्दिरा नगर लखनऊ
350.	S767	कुँवरी चन्द्रावती महाविद्यालय, ग्राम व पो.– मुमताज नगर, फैजाबाद
351.	S769	सुभाष चन्द्र बोस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कहली तेरवा, गौसगंज, हरदोई–241305
352.	S770	आदर्श जनता महाविद्यालय, देवकली, लखीमपुर –खीरी
353.	S772	श्री रामहित लछिमन स्मारक महिला महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट – बन्दीपुर, अम्बेडकर नगर
354.	S773	सरदार पटेल बंशगोपाल सनातन धर्म डिग्री कालेज हिन्दयालखेड़ा, सरिया महाई, उन्नाव
355.	S776	कुँवर राम भरोसे सिंह महाविद्यालय, ग्राव व पो.– हसनगंज, उन्नाव
356.	S778	हलीम मुस्लिम पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, 105/591, निकट चन्द्रिका देवी चौराहा, चमनगंज, कानपुर –208001
357.	S780	लाल बहादुर सिंह स्मारक महाविद्यालय, गोहावर, चांदपुर, बिजनौर–246748
358.	S781	जसवन्त सिंह भदौरिया कन्या महाविद्यालय, कोसी खुर्द, भरतपुर रोड मथुरा – 281005
359.	S785	शिव मन्दिर छुट्टन लाल काका गर्ल्स पी.जी. कालेज, खलीबाड़ा, सिकन्दाबार, बुलन्दशहर
360.	S788	राम सुमेर सूर्यवंशी महिला महाविद्यालय, देवस्थली, डाही, गाजीपुर
361.	S789	द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय, विजाधर मऊ, मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर
362.	S791	इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंस, बी–32/3 बी–एम नरिया (अपोजिट चौधरी लान), बी.एच.यू.

		डी.एल.डब्ल्यू. रोड, वाराणसी–221005
363.	S793	राजा श्री कृष्ण दत्त स्ना0 महाविद्यालय, नियर अटाला मस्जिद, सदर, जौनपुर – 222001
364.	S795	मालती सिंह महाविद्यालय, अम्बरपुर, बेलवा, महिडयाहूँ, जौनपुर–222161
365.	S796	सुखदेव किसान महाविद्यालय, बुढ़ानपुर फूलपुर, गाजीपुर – 275203
366.	S797	बाबा डोमनदेव महाविद्यालय, कपिसा, कटेहरे, दानगंज, वाराणसी
367.	S798	सरजू राय मेमोरियल डिग्री कालेज, गांधी नगर, गाजीपुर
368.	S801	आशा महाविद्यालय, ग्रा0– धिरजीजोत पोस्ट – सिखड़ी, गाजीपुर
369.	S802	यशोदा महाविद्यालय, पतरही, जौनपुर
370.	S803	मोहन मेमोरियल प्रयाग महाविद्यालय, ग्राम–शिवदासिकचक, पो– बासूचक गाजीपुर
371.	S804	बाबा विश्वनाथ महाविद्यालय, ग्राम–तेलयानि, पो– बहदिया, गाजीपुर –233223
372.	S805	श्री धनेश्वर महाविद्यालय, कुसम्हीं खुर्द, सिरगिया, पो– पहलवानपुर,गाजीपुर
373.	S806	गुरु फूलचन्द पी.जी. कालेज, दौलतपुर, गाजीपुर –233304
374.	S807	श्री दर्शन महाविद्यालय दिबियापुर रोड, औरैया–206122
375.	S809	महामाया राजकीय महाविद्यालय, इकौना, श्रावस्ती
376.	S810	दीक्षित कालेज ऑफ हायर एजूकेशन, 7 किमी. रामपुर–शाहबाद रोड, नसरत नगर, निकट नारायणपुर, रामपुर–244901
377.	S814	बैसवारा डिग्री कालेज, बस स्टैण्ड के सामने, लालगंज, रायबरेली–229206
378.	S815	बलदेव श्रीधर महाविद्यालय, भवरहॉ पाण्डेयपुर राधे, गाजीपुर–233308
379.	S816	देव इन्द्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अम्बेडकर नगर पिन– 224151
380.	S818	श्रीराम महाविद्यालय, तेलियाकलॉ, देवरिया–274001
381.	S819	डॉ0 राम नरेश महाविद्यालय, चंगईपुर, जीयनपुर, जनपद– आजमगढ़
382.	S820	बाबा बलिराज महाविद्यालय, ग्राम–देवपार पो.–मदनपुर, जिला–देवरिया–274205
383.	S821	अमर शहीद कंचनसिंह पी0जी0 कालेज, ग्राम–शिवपुरी, खखरेरू, खागा, फतेहपुर–212656
384.	S822	पृथ्वीराज चौहान महाविद्यालय मऊनाथ भंजन, जनपद–मऊ (उ0प्र0)275101
385.	S823	डॉ0 राममनोहर लोहिया पी0जी0 कालेज, ग्राम–झोटारी, पो0–धामूपुर जिला–गाजीपुर–275202
386.	S824	हरिश्चन्द्र महाविद्यालय, ग्राम–कवला जखनियां, पो.–जखनियां, जिला–गाजीपुर पिन–275203
387.	S825	रामदेव रामहर्ष किसान महाविद्यालय, ग्रा0–चिरैयाकोट, घिरैयामोट, मऊ–276129
388.	S827	बाबू फतेह बहादुर सिंह डिग्री कालेज, चिलबिला, नहवाई, इलाहाबाद–212104
389.	S828	ठा0 जागेश्वर सिंह, मनमोहन सिंह महाविद्यालय, सरौली– किशनपुर, खागा, फतेहपुर –212655
390.	S829	शिव श्याम महाविद्यालय, ग्रा0–शहबाजपुर, पो0–हनुमानगंज, इलाहाबाद पिन– 221508
391.	S832	दूधनाथ सिंह स्मारक महाविद्यालय, ईदगाह रोड (रेवले स्टेशन के निकट), मड़ियाहूं जौनपुर–222161
392.	S833	बाबा बनवारी लाल गोपाल महाविद्यालय, मलौरा, पो.– मिर्जापुर, गाजीपुर–275204
393.	S835	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, मऊपरासिन, मेहनाजपुर आजमगढ़–270203
394.	S836	श्रीराम लच्छन महाविद्यालय, अमिला जिला–मऊ (उ0प्र.) पिन – 275301
395.	S837	कोसल महाविद्यालय, बरई पारा, मया, फैजाबाद (उ0प्र0)
396.	S838	श्री बाबूनन्दन आदर्श महाविद्यालय, रामपुरवन्तर, नन्दगंज, गाजीपुर–233302
397.	S839	अर्जुनगंज विद्या मन्दिर डिग्री कॉलेज, सुल्तानपुर रोड, अर्जुनगंज, लखनऊ–226002
398.	S840	मां गोमती स्मारक महाविद्यालय, ग्रा. व पो.–भाव सिपा, कुण्डा, प्रतापगढ़ पिन–230201
399.	S841	कर्मयोगी रामसूरत त्रिपाठी महाविद्यालय, कृष्णा नगर सिसवा, पो0–रामपुर, सकरवारी अकबरपुर, अम्बेडकरनगर–224122
400.	S843	कुमार परमार्थ बाबा गोविन्द महाविद्यालय, कल्यानपुर, जनपद–मऊ–275105
401.	S845	राजनाथ महाविद्यालय, शुकुल पट्टी, पो0–काठतरॉव, मऊ–221602
402.	S849	मां वागेश्वरी देवी महिला महाविद्यालय, ग्रा0–नसीरपुर, पो0–देवकली, जिला–गाजीपुर पिन–233306
403.	S850	एस0एम0डी0कालेज, सुखदेव बुर्ज अकोश, मथुरा–281301
404.	S851	श्री रमाशंकर बालगोपाल महाविद्यालय, –नसीरपुर (मऊपारा), देवकली, गाजीपुर–233306
405.	S852	श्री कृष्ण महाविद्यालय, बालैनी, जिला–बागपत उ0प्र0–250626
406.	S853	श्री रैनाथ ब्रह्मदेव डिग्री कॉलेज, सुलेमपुर, देवरिया, पिन– 274509
407.	S854	माता प्रसाद आदर्श महाविद्यालय, भभौरी, शेरवॉ, जौनपुर (उ0प्र0) पिन–222131
408.	S855	सेंट जोसेफ कॉलेज फार बुमेन, सिविल लाइन्स, युनिवर्सिटी, पो0– गोरखपुर पिन–273009

409.	S856	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महाविालय, इन्दारा, मऊ–275102
410.	S857	ग्राम्यांचल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हैदर गढ़, बाराबंकी पिन–225124
411.	S860	राम अवध स्मारक पी0जी0 कॉलेज,कसदहां, शुकुल बाजार, अम्बेडकरनगर–224129
412.	S861	धनराज कुंवर गर्ल्स डिग्री कालेज, सराय भूपति, कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़ (उ0प्र0) 230146
413.	S862	जनभारती महाविद्यालय, ग्राम–डिलिया, पो0–तलवल, जिला–गाजीपुर (उ0प्र0) पिन–233001
414.	S863	पूरनमल रामलाल डिग्री कॉलेज, बाईपास रोड, गंगोह जिला–सहारनपुर–247341
415.	S864	ब्रजराज सहोदरा महाविद्यालय पूरे पहाड़ सिंह, विशेषरगंज, अमेठी, पिन–227407
416.	S866	श्री रामचरन सिंह महाविद्यालय, जटौरा, पोस्ट बल्देव, जनपद–मथुरा, पिन– 231201
417.	S867	विशेश्वर दयाल महाविद्यालय कोन्सर चौराहा बिसवां, मदनापुर, सीतापुर–261201
418.	S868	श्री शिव पूजन गोकुल महाविद्यालय, ग्राम–गहरपुर, पो0–रामपुर बलभद्र, जिला–गाजीपुर–275203
419.	S870	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, सेक्टर–डी, लखनऊ–226024
420.	S871	किशोरी लाल पी0जी0 कॉलेज, चक रघुनाथ नैनी, इलाहाबाद–211008
421.	S872	सिद्धि नारायण त्रिपाठी कॉलेज ऑफ एजूकेशन एण्ड टेक्नॉलाजी, रामनाथपुर, हनुमानगंज, इलाहाबाद–221505
422.	S873	सहस डिग्री कॉलेज, नई बस्ती, नौगांवा सादात, अमरोहा, जे0पी0नगर पिन–244221
423.	S874	सरदार पटेल डिग्री कॉलेज, ग्राम–बरगदवा, पो0–कोपिया, सन्त कबीर नगर पिन–212759
424.	S875	लालसर कृषक महाविद्यालय, टकटेउवां, रामपुर, तहसील– घोसी, जिला–मऊ पिन–275301
425.	S876	चन्द्रगुप्त मौर्य प्रभावंश महिला महाविद्यालय, मथौली, बनकटी, बस्ती, पिन–272123
426.	S877	शमा परवीन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, ग्राम–हरियाना (जोया), जिला – अमरोहा (उ0प्र0) पिन – 244222
427.	S878	केदारनाथ रामस्वरूप महाविद्यालय, खटवारा मऊ, चित्रकूट–
428.	S879	छत्रपति शाहू जी महिला विश्वविद्यालय, गंगा जी रोड़, चकरेही चौराहा, कर्वी चित्रकूट–210205
429.	S880	जगन्नाथ प्रसाद भगवान देई साहु कन्या महाविद्यालय, मेंहदीगंज, लखनऊ –226003
430.	S881	राधिका महाविद्यालय, करवल–मझगाँवा, गगहा, गोरखपुर–273411
431.	S882	पं. महावीर प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय, विजयपुर, मीरजापुर–
432.	S884	मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटपारानी, देवरिया–274702
433.	S885	एस.एस. विलायत हुसैन पी.जी. कॉलेज, सीतापट्टी, पो.– वनजरिया बाजार, देवरिया–274408
434.	S886	बजनू स्मारक महाविद्यालय, ग्राम–वघरा, पो.– उवहुवा, आजमगढ़– 276126
435.	S887	श्री बोधनराम महाविद्यालय, बनवारीपुर, कुषहाँ, छानवे, मीरजापुर–231303
436.	S888	ठा. मातिवर सिंह महाविद्यालय, पूरा उत्तम, जमालापुर, जौनपुर–222137
437.	S889	छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज, सहसों, इलाहाबाद– 221507
438.	S891	राजीव गाँधी महाविद्यालय, बल्देव–मन्दुरी, कप्तानगंज, आजमगढ़–276141
439.	S892	संत लखनदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तपेष्वरी नगर, मरदह, गाजीपुर–233226
440.	S893	विमल सिंह महाविद्यालय, इटहरा, स.र.न., भदोही–221309
441.	S894	श्रीमती पनाऊ देवी महाविद्यालय, केवटली, दियावाँ, प्रतापगढ़–230121
442.	S895	बैकुण्ड नाथ महाविद्यालय, हुजूरपुर रोड़, करनैलगंज, गोण्डा–271502
443.	S897	राजकीय महाविद्यालय, मंगरौरा, अतरसण्ड, प्रतापगढ़– 230401
444.	S899	ब्रम्हदेव महाविद्यालय, जरांव, धनूपुर, हण्डिया, इलाहाबाद–221503
445.	S900	केशई राम झूरा देवी महाविद्यालय, (अँतरी सिकमी) पथरताल, कोरांव, इलाहाबाद–
446.	S902	बाबा गज्जनदास बालिका महाविद्यालय, खानकाह खुर्द, जेवल, गाजीपुर–233306
447.	S903	ठा. युगराज सिंह महाविद्यालय, शान्ती नगर, जी.टी. रोड़, फतेहपुर–212601
448.	S904	श्री शंकर दुर्गाजी महाविद्यालय, खरचलपुर, जमालपुर, सोफीपुर,आजगढ़–
449.	S905	सुशीला देवी महाविद्यालय, लोहगरा, इलाहाबाद–212107
450.	S906	श्री रामप्रसाद मिश्र पं. बाबूलाल महाविद्यालय, चिल्ला गौहानी जसरा, इलाहाबाद–212107
451.	S907	महावीर कैलाश महाविद्यालय, कोसड़ा कला, माण्डा, इलाहाबाद–212104
452.	S908	श्री बच्चूराम सिंह रामस्वरूप सिंह महाविद्यालय, अढ़ौली, घाता, फतेहपुर–212641
453.	S909	श्री बंषी बाल गोपाल महाविद्यालय, सगरा, राजूपुर, गाजीपुर–233306
454.	S910	साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, श्यामगंज, बरेली
455.	S912	इन्द्रदेव रामनवल बनाफर महाविद्यालय, डहरमौवा, गाजीपुर–275204
456.	S914	पहलवान गुरूदीन महिला महाविद्यालय, पनारी, ललितपुर–284403
457.	S916	गंगा जद्दी बालिका महाविद्यालय, रजहती, बहेरी, गाजीपुर

458.	S917	सुभाष महाविद्यालय, 1420, वाई ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर–208011
459.	S919	राजीव गांधी महाविद्यालय, मदरा जखनिया, गाजीपुर–275203
460.	S920	महामण्डलेश्वर श्री बालकृष्ण यति महाविद्यालय बिन्द्रावन, हुरमूजपुर, गाजीपुर–275204
461.	S921	कृष्ण सुदामा संस्थान, भँदहा कला कैथी वाराणसी–221116
462.	S922	के.वी.एस संस्थान, बक्सुपुर, हुरमुजपुर, गाजीपुर–275204
463.	S923	रामसूरत–शिवमूर्ति महाविद्यालय, महमूदपुर हथिनी, देवकली, सैदपुर, गाजीपुर–233306
464.	S924	राम दिहल सिंह महाविद्यालय, गरयें (भरखरी) सुलतानपुर–227304
465.	S925	माता दूजा देवी निकुम्भ महिला महाविद्यालय, केशमौर, कैथवली, मऊ–275101
466.	S926	श्रीमती कुसमा दीक्षित महाविद्यालय, छिकाऊ, पचौखरा, टूण्डला, फिरोजाबाद–283204
467.	S927	बाबा हरदेव बालिका महाविद्यालय, भभौरा, औड़िहार, गाजीपुर–233221
468.	S928	राधाकृष्ण रामनरेश महाविद्यालय, सलेमपुर, बधई, गाजीपुर–275204
469.	S929	काशीनाथ शिक्षा संस्थान नरामनपुर ककरही, दौलतपुर, गाजीपुर–233304
470.	S930	श्रीमती अनुरागी देवी महाविद्यालय, बहुआस, सिंघाड़ी बाजार, कुशीनगर–274301
471.	S931	सांई डिग्री कालेज, बेलहरा रोड, फतेहपुर, बाराबंकी–225305
472.	S932	महर्षि बाबा लोदीदास महाविद्यालय, खुरहट, मुहम्मदाबादगोहना, मऊ–276403
473.	S933	राजेश कुमार साधना देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धुमरी, एटा–207248
474.	S934	देवकी देवी डिग्री कालेज पगरा, हाटा, कुशीनगर–274203
475.	S935	ओम प्रकाश मिश्र स्मारक महाविद्यालय, मोलनापुर, अहमद वक्ष फुलेश आजमगढ़–223224
476.	S936	वीराँगना रानी अवन्तीबाई लोधी राजकीय महिला, महाविद्यालय, आनन्द आश्रम के समक्ष, रामपुर गार्डन, बरेली–243001
477.	S937	शिव कुमारी साहब महाविद्यालय, क्यामपुर, मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ–276403
478.	S938	ओम प्रकाश महाविद्यालय, बहुआर कला, झुलनीपुर, महराजगंज–273304
479.	S939	शैलेश महाविद्यालय, सवास (शैलेशे नगर), मुबारपुर, हरतरा, बहरियाबाद, गाजीपुर–275204
480.	S940	स्व0 रामपाल त्रिपाठी महाविद्यालय, पिपरा शुक्ल, भटनी, सलेमपुर, खुखुन्दू देवरिया–274501
481.	S941	शहीद चन्द्रशेखर सिंह सेवा संस्थान महाविद्यालय, वरडीहा, परशुरामलार, देवरिया–274505
482.	S942	बाबा बैजनाथ जी स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, गोधपुर, किशुनदासपुर, आजमगढ़–276208
483.	S943	स्व0 पं0 राम दुलारे पाण्डेय महाविद्यालय, मुबारकपुर, फूलपुर, इलाहाबाद–229412
484.	S944	समरजीत (एस.जे.) महाविद्यालय, वीरभानपुर, जौनपुर–222109
485.	S945	आर0पी0एस0एम0बी0एस0 महाविद्यालय, सिसानी जाफरगंज, अम्बेडकरनगर
486.	S946	पं0 राम जियावन शुक्ल महाविद्यालय, रोही, ज्ञानपुर, भदोही–221308
487.	S947	परस बाबा साहब अम्बेडकर शहीद फौजदार राम महाविद्यालय, परसपुर, डूमराव, मऊ–275101
488.	S948	सन्त कीनाराम महाविद्यालय, कनेरी, सैदपुर, गाजीपुर–233304
489.	S949	नवदुर्गा महाविद्यालय, खसरोपुर, बसखारी, अम्बेडकरनगर–224129
490.	S950	जगपति सिंह स्मारक महाविद्यालय, सेमरा, रफीगंज, अम्बेडकरनगर–224183
491.	S951	विकलांग केन्द्र, भारद्वाज आश्रम, इलाहाबाद
492.	S952	इसराजी देवी शिक्षण संस्थान, एल्गिन रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद
493.	S953	उ0प्र0 इन्स्टीट्यूट फार दि हेयरिंग हैण्डीकेप, जार्ज टाउन, इलाहाबाद
494.	S954	षिक्षित युवा सेवा समिति, पाण्डेय बाजार, बस्ती
495.	S955	षिक्षित युवा सेवा समिति, जिगना, बस्ती
496.	S956	चेतना संस्थान, सेक्टर–सी अलीगंज, लखनऊ
497.	S957	इन्टीग्रेटेड इन्स्टीट्यूट फार दि डिसेबल्ड, करौंदी, वाराणसी
498.	S959	टी0डी0 कालेज, (विकलांग पुनर्वास केन्द्र), जौनपुर
499.	S960	ट्रेनिंग कालेज फार टीचर्स आफ दि डेफ, ऐषबाग, लखनऊ
500.	S961	खादी ग्रामोद्योग विकास समिति, बधवा ताहिरपुर, झूँसी, इलाहाबाद
501.	S963	फ्रेंड्स आफ हैण्डीकैप्ड–इण्डिया, स्वामी सत्यानन्द सरस्वतिम ''वाणी'' स्कूल एण्ड रिसर्च सेन्टर फार हियरिंग इम्पेयर्ड एण्ड मेन्टली रिटार्डेड चिल्ड्रेन, पी0–1, पल्लवपुरम् फेज–II मेरठ–250110
502.	S1001	बाबा बनवारी लाल गर्ल्स कालेज, बद्धोपुर, मजुई, दौलतनगर, गाजीपुर–275204
503.	S1002	बाबा जगदेव दास मॉ अमरावती शिवपूजन महाविद्यालय पकडी ताल ओजीपुर घोसी मऊ–275304
504.	S1003	डा0 अवधेश प्रकाश शर्मा स्मारक महाविद्यालय नसीपुर मंसारा बाराबंकी–225416

505.	S1004	विन्देश्वरी पी0 जी0 कालेज धबरियासाथ मऊ–275305
506.	S1005	आत्म प्रकाश आदर्श महाविद्यालय अरसदपुर जंगीपुर गाजीपुर –233305
507.	S1006	सरजू सिंह महाविद्यालय, हमजापुर खास झोटना, गाजीपुर–275203
508.	S1007	बी0एस0एस0 महाविद्यालय, लाडनपुर, कोपागंज मऊ–275305
509.	S1008	लालती महिला महाविद्यालय, बनगांव आजमगढ़–276123
510.	S1009	आर0 के0 जी0 एजूकेशनल कालेज ओमैक्स सिटी रामबरेली रोड लखनऊ–226025
511.	S1010	रानी नीलिमा कुमारी महिला महाविद्यालय, धारूपुर जलेसरगंज, प्रतापगढ़ – 230132
512.	S1011	भगवती स्मारक महाविद्यालय मिर्जापुर खास शाहपुर जहानागंज आजमगढ़–276131
513.	S1012	श्रीमती कमलेश स्मृति महाविद्यालय कुरावली मैनपुरी उ0प्र0–205265
514.	S1013	जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट ग्रेजुएट कालेज बाराबंकी –225001
515.	S1014	रामकरन शिवकरन आदर्श महाविद्यालय सियॉवा भितरी गाजीपुर–233304
516.	S1015	स्वामी श्री कृष्णा नन्द महाविद्यालय पचोखरा एट जालौन –285201
517.	S1016	बाबू रामानन्द सिंह महिला महाविद्यालय कोटा ऊचहुआ आजमगढ–27126
518.	S1017	कालिका चन्द्रिका इन्द्रसन महाविद्यालय, भरतपुर गाजीपुर–275204
519.	S1018	स्व0 अर्जुन सिंह रानी इप्दिरा सिंह महाविद्यालय गंरगौला जयरामपुर फतेहपुर–212656
520.	S1019	लोदी किसान महाविद्यालय महादेवपुर सेनपुर आजमगढ
521.	S1020	हीरा सिंह यादव महाविद्यालय गोरारी विक्रमपुर गाजीपुर–233307
522.	S1021	श्री योगेश्वर नाथ महाविद्यालय शहबागंज चन्दौली–232118
523.	S1022	सुखई सिंह महाविद्यालय, ग्राम–भेलवल, पो0–पिपरा गौतम बस्ती–272124
524.	S1023	राजधारी सिंह स्मारक महाविद्यालय मिर्जापुर गाजीपुर–275204
525.	S1024	नवल्स पी0 जी0 कालेज कुसुम्ही गोरखपुर–273201
526.	S1025	राम मूरत महिला महाविद्यालय बडसरा गाजीपुर
527.	S1026	सार्वजनिक पी0 जी0 कालेज मुॅ0 बादशाहपुर जौनपुर–22202
528.	S1027	पं0 विद्याधर मिश्र सरस्वती विद्या मंदिर विज्ञान एवं अनुसंधान महाविद्यालय, रामपुर बावली, लालगंज, प्रतापगढ–230132
529.	S1028	जयनाथ महाविद्यालय अलीपुर मँदरा जखनियाँ, गाजीपुर –275203
530.	S1029	एस.के. बी.एम. डिग्री कालेज, उसिया दिलदारनगर, गाजीपुर – 232326
531.	S1030	बाबा हजारी सिंह मेमोरियल बालिका महाविद्यालय, सलेमपुर बहादुर जखनियाँ, गाजीपुर–275203
532.	S1031	हरदेव महाविद्यालय पगही धानापुर, चन्दौली–232105
533.	S1032	श्री दूधनाथ सुदामी बालिका महाविद्यालय, भीमापार सादात, गाजीपुर–233307
534.	S1033	श्री शिव स्नातकोत्तर महाविद्यालय फरीदहा खानपुर, गाजीपुर–233223
535.	S1034	आदर्श रामाधार महाविद्यालय, नई कोर्ट रईसपुर, मुड़ियार, गाजीपुर–233304
536.	S1035	आई.एम.आई.आर.सी, कालेज, गढ़ सियान्स रोड गढ़मुक्ति श्वार, हापुर– 262222
537.	S1036	ओम जी महाविद्यालय, गौरा जखनियाँ, गाजीपुर– 275903
538.	S1037	जीउत दास गर्ल्स कालेज, चैनपुर, सादात, गाजीपुर–233306
539.	S1038	सिटी एकेडमी डिग्री कालेज, फैजाबाद रोड, तिवारीगंज, चिनटट लखनऊ–227105
540.	S1039	श्री कृष्णा महिला महाविद्यालय, फिरोजपुर उर्फ शेषपुर (बाबूपुर) फूलपुर, इलाहाबाद–212402
541.	S1040	काशीनाथ बनारसी महाविद्यालय, अछैबनगर, राजूपुर, सम्मनपुर, गाजीपुर–233306
542.	S1041	श्री किशोर गोस्वामी महाविद्यालय, कुलपहाड़ जनपद–महोबा
543.	S1042	उदय प्रताप महिला महाविद्यालय, कुत्तुबपुर खेताबपुर गाजीपुर–275203
544.	S1043	माँ यशोदा नौबत महाविद्यालय, आसपुर–अकबरपुर गाजीपुर–275204
545.	S1044	महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर–251316
546.	S1045	महामाया चमेली देवी डिग्री कालेज, फौलादपुर, बिरौंडी ताजपुर, सिब्बाद, बुलन्दशहर–203001
547.	S1046	रामलाल आदर्श महाविद्यालय बड़ागाँव मखदुमपुर गाजीपुर–233307
548.	S1047	मोती लाल महाविद्यालय, सैदपुर गाजीपुर– 233304
549.	S1048	हरिओम महाविद्यालय, अतरैठ, आजमगढ़ –276142
550.	S1049	आर.डी.आर.बी. पी.जी. कालेज, नत्थूपुर लौधाना अम्बेडकरनगर–224149
551.	S1050	श्री रामसूरत महिला महाविद्यालय सौना गाजीपुर–233221
552.	S1051	श्यामकुमारी महाविद्यालय, आसेपुर, हण्डिया, इलाहाबाद–221508

553.	S1052	भगवान दास मौर्य महिला महाविद्यालय, शुक्ल बाजार अम्बेडकरनगर–224129
554.	S1053	अमृत गंगा डिग्री कालेज, कटहरा हण्डिया, इलाहाबाद–221503
555.	S1054	राममिलन मौर्य करमा देवी महिला महाविद्यालय, नत्थूपुर लौधना अम्बेडकरनगर–244149
556.	S1055	राजश्री इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी ग्राम लभेड़ा जिला–बरेली–
557.	S1056	मुसाफिर बालगोपाल महाविद्यालय रामगढ़ सोनभद्र–231213
558.	S1057	संत रामलखन डिग्री काजेल बीरापुर कसौधन बरौत इलाहाबाद–
559.	S1058	एस. आर. डिग्री कालेज रसूलपुर भभैंचा हसवां फतेहपुर –212645
560.	S1059	स्व0 किशुन चन्द बषारी बाबा महाविद्यालय, तियरा बिरनो, गाजीपुर–
561.	S1060	मूलचन्द महाविद्यालय, होलीपुर गाजीपुर–233304
562.	S1061	श्री रामचनद्र बदामी महाविद्यालय, विद्यापारा चौकिया, गाजीपुर– 233001
563.	S1062	श्री हुब राज जायसवाल महिला महाविद्यालय बरिवावन अम्बेडकरनगर–224210
564.	S1063	डॉ. भीम राव अम्बेडकर कृषक महाविद्यालय, जलालाबाद दुल्लहपुर गाजीपुर–
565.	S1064	केदार फौजदार महाविद्यालय, गुरैनी गाजीपुर–275205
566.	S1065	श्री मोहन पैरामेडिकल महाविद्यालय लालगढ़ी सादाबाद हाथरस–281306
567.	S1066	दयाशंकर महिला महाविद्यालय, फूलपुर–प्रतापपुर मार्ग, बसनेहटा, हण्डिया, इलाहाबाद–212405
568.	S1067	सैनिक डिग्री कालेज, मई देवकली, हनुमानगंज इलाहाबाद–221505
569.	S1068	बी.एन.सिंह स्मारक महाविद्यालय, पुवांसी प्रतापगढ़–230128
570.	S1069	प्रताप नारायण सुभद्रा देवी महाविद्यालय, फिरोजपुर हेता पट्टी, इलाहाबाद–211507
571.	S1070	सुब्बा महाविद्यालय खलीलपुर हुरमुजपुर, गाजीपुर–275204
572.	S1071	बहन मायावती महाविद्यालय, चौकड़ी चौरा, गाजीपुर–
573.	S1072	सहाय सिंह महाविद्यालय अंगूरपुर, रामपुर बलभद्र गाजीपुर–275203
574.	S1073	बाबा विश्वनाथ महाविद्यालय मरदानपुर, गुरैनी, गाजीपुर–275205
575.	S1074	मारकण्डेय महाविद्यालय, तारापुर चन्दौली–232120
576.	S1075	माँ कमला महाविद्यालय ढाखा मेदनीपुर, अम्बरपुर, अम्बेडकरनगर–224149
577.	S1076	सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरेह चौरा भटनी, देवरिया–
578.	S1077	रमा जैन कन्या महाविद्यालय, नजीबाबाद, बिजनौर–246763
579.	S1078	चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय, बरईपार पाण्डेय, बनकरा, देवरिया–
580.	S1079	श्री लछिराम महाविद्यालय सालिकपुर, सौरी गाजीपुर–275205
581.	S1080	माँ प्रेमा महिला महाविद्यालय, बासूचक, गाजीपुर
582.	S1081	महाराजा अग्रसेन कालेज ऑफ कामर्स, देवरिया–274001
583.	S1082	डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय करौदी, भलुआनी, देवरिया–274182
584.	S1083	एस एस एजूकेशनल इस्टीट्यूट, 12 माइलस्टोन जगनर रोड गोमरी मालपुरा, आगरा–282001
585.	S1084	घनश्याम उर्वशी महाविद्यालय, बौडई, फूलपुर, इलाहाबाद–212402
586.	S1085	रघुनन्दन किशुनदेव महाविद्यालय, देवचन्दनपुर, गाजीपुर–233304
587.	S1086	श्रीमती तपेश्वरी देवी महिला महाविद्यालय, जंगल रसूलपुर न–2 नईबाजार, गोरखपुर–273203
588.	S1087	श्री भगवान दत्त महिला महाविद्यालय ककवल गौरीबाजार, देवरिया–274202
589.	S1088	मेवाती देवी महाविद्यालय, टड़वा जरगर मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ
590.	S1089	द्रौपदी देवी विन्ध्याचल महाविद्यालय, अहरौली, सिहोरवॉ, गोरखपुर–273007
591.	S1090	श्री शुक्रदेव प्रसाद त्रिपाठी स्मारक संस्कृत विद्यापीठ भठहीखुर्द, कुशीनगर–274401
592.	S1091	विद्यावती देवी महिला महाविद्यालय दामोदरपुर अतरौली, चकमोकामअली, डोलहपरा, देवरिया
593.	S1092	स्व0 सी0 जी0 गर्ल्स डिग्री कालेज, रामपुर, बलभद्र, गाजीपुर–275203
594.	S1093	श्री राधारमण महाविद्यालय, रूहोपुर, गाजीपुर
595.	S1094	श्री चन्द्रबली बालिका महाविद्यालय, ताजपुर मोलना, सैदपुर, गाजीपुर–233304
596.	S1095	राम सजीवन चन्द्रा देवी बालिका महाविद्यालय, अमौली, फतेहपुर–212631
597.	S1096	संत कबीर संत भगवान राम 'ारण महाविद्यालय, बाबा पुरवा, डूड़ी (लालगंज) चैला, बाराबंकी–225209
598.	S1097	ग्राम्य शिक्षा बालिका महाविद्यालय, भृगारी, डोहरिया, मेजा, इलाहाबाद–212305
599.	S1098	हरिशचन्द्र महाविद्यालय, मौधियॉ, सादात, गाजीपुर
600.	S1099	श्री कन्हैया लाल मानिक चन्द्र महिला महाविद्यालय, भवानीपुर सूरापुर, सुल्तानपुर–228161
601.	S1100	जीवनदीप महाविद्यालय, बड़ालापुर लमही, वाराणसी–221007

602.	S1101	श्री संकट मोचन उच्च शिक्षा एवं तकनीकी महाविद्यालय, चौबेपुर, वाराणसी–221104
603.	S1102	राजर्षि स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलाजी, यू0 पी0 कालेज परिसर भोजपुर, वाराणसी–221002
604.	S1103	रामकृष्ण मिशन कम्प्यूटर सेन्टर, रामकृष्ण मिषन सेवाश्रम, विज्ञानानंद मार्ग मुठ्ठीगंज इलाहाबाद–211003
605.	S1104	अतर सिंह डिग्री कालेज, विट्ठलपुर उर्फ बरामदपुर, केवाई बुजुर्ग, हण्डिया, इलाहाबाद–221502
606.	S1105	प्राची महाविद्यालय, फत्तेपुर दक्षिण, सेन पश्चिम पारा, नौबस्ता, कानपुर–209305
607.	S1106	श्री राममिलन मिश्र बालिका महाविद्यालय, मोतिगरपुर, सुल्तानपुर–228132
608.	S1107	बिहारी स्मृति महिला महाविद्यालय, बन्दीपुर, जलालपुर, अम्बेडकरनगर–224125
609.	S1108	श्रीमती भूदेवी महाविद्यालय, शास्त्रीपुरम् दहतोरा आगरा–282007
610.	S1109	प्रीति रूरल इन्स्टीट्यूट फार टैक्नोलॉजी एण्ड एजेकेषन, (प्रीति कालेज) प्रीति विहार, रसूला चौराहा, बीसलपुर रोड, बरेली–243503
611.	S1110	गुलाब सिंह पी0जी0 कालेज, किचकिला, हण्डिया इलाहाबाद–221503
612.	S1111	हनुमत पाल महाविद्यालय, चूहापीरन, सौर्ख बुजुर्ग कड़ा, कौषाम्बी–212204
613.	S1112	माँ प्रभावती बलिका महाविद्यालय, सुराई सठियाँव, आजमगढ़–276406
614.	S1113	रहमानिया डिग्री कालेज, रोपनपुर, हिसामपुर, मऊ–221602
615.	S1114	डॉ0 राममनोहर लोहिया महाविद्यालय, मालीबारी, शाहपुर, पोस्ट–रामपुर कारखाना, देवरिया–274206
616.	S1115	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, चकरा–बासूनगर दरगाह, मऊ
617.	S1116	श्री के0एल0 शास्त्री गर्ल्स डिग्री कालेज, फतेहाबाद रोड, ताजगंज, आगरा–282001
618.	S1117	श्री भवानन्द स0म0वि0 पुनर्जी जहानागंज, आजमगढ़
619.	S1118	श्रीकृष्णा महिला महाविद्यालय, सिपाह इब्राहिमाबाद, मऊ–221603
620.	S1119	गौतमबुद्ध पंचशील महाविद्यालय, एदिलपुर अतरौलिया, आजमगढ़
621.	S1120	सर्वेष्वरी महाविद्यालय, कमरूद्दीनपुर, रामपुर, जौनपुर–221003
622.	S1121	गंजी प्रसाद महाविद्यालय, डिहवाँ मुगलसराय, अलीनगर चन्दौली–232101
623.	S1122	स्वामी शरण महाविद्यालय, जमुरखाँ, जनौली, कमालपुर, चन्दौली–232106
624.	S1123	सत्यम षिवम शुभम महाविद्यालय, टिकरी, धरवनपुर, इलाहाबाद–
625.	S1124	पं0 राजपति पाण्डेय गुलाबकली महिला महाविद्यालय, मवईया, जिगना, मिर्जापुर–231313
626.	S1125	नटराज इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड टेक्नोलाजी, पूठा, दौलतपुर, जहाँगीराबाद रोड, बुलन्दशहर–202394
627.	S1126	पृथ्वीपाल भगत स्मारक संस्कृत महाविद्यालय, ढेकवारा कोपागंज, मऊ–275305
628.	S1127	सियाराम सिंह डिग्री कालेज, वी.वी.एस. कम्पाउण्ड कोनडरा रोड, अवागढ़, एटा–207301
629.	S1128	के.एस. कालेज, जहानाबाद, बीरई, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद–283203
630.	S1129	एस.एन. कालेज ऑफ हायर एजूकेशन, वाजीदपुर, सिढ़पुरा, कासगंज–207246
631.	S1130	श्री संस्कृत महाविद्यालय, अमरपुर, बासगाँव, गोरखपुर–273403
632.	S1131	गजाधर सिंह महाविद्यालय, गुम्मा, (शक्तिनगर), गाजीपुर–233305
633.	S1132	हरदेवानन्द महिला महाविद्यालय, तेन्दुहान सैयदराजा, चन्दौली–232110
634.	S1133	माँ शारदा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शम्भूपुर, गहजी, आजमगढ़–223221
635.	S1134	आर.एन. गर्ल्स डिग्री कालेज, शान्तिनगर छोटा बरहा, आलमबाग, लखनऊ–226005
636.	S1135	दुलारी देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिन्दवलियाँ, भीखमपुर, देवरिया–274405
637.	S1136	मान्यवर कांशीराम गौतम बुद्ध गर्ल्स डिग्री कालेज, सौरहा, गांगीबाजार, महराजगंज–273165
638.	S1137	सिंगारी देवी स्मारक महाविद्यालय, रामनगर, अम्बेडकरनगर–224181
639.	S1138	बी.एम. मेमोरियल डिग्री कालेज, ककरही किशुनपुर, माडरमऊ, अम्बेडकरनगर–224147
640.	S1139	सरस्वती उच्च शिक्षा एवं तकनीकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गहनी, आयर, वाराणसी–221210
641.	S1140	एल्पाइन कॉलिज ऑफ ऐजुकेशन, जलालाबाद, ‘ाामली–247772
642.	S1141	महात्मा रतन गुलजार महाविद्यालय, सरायभारती कोप, सिलहटा, बलिया–221712
643.	S1142	एम.एन.बी. मेमोरियल महिला महाविद्यालय, नसीरपुर मठ, कोटवा नरायनपुर, बलिया–277501
644.	S1143	सर्व सेवा महाविद्यालय, आवादान, बैरान, गाजीपुर–233227
645.	S1144	माँ सरस्वती सीता डिग्री कालेज, हरखपुर महरौड़ा, सोरांव, इलाहाबाद–212501
646.	S1145	गौतम बुद्ध राजकीय महाविद्यालय, दर्शन नगर, फैजाबाद–224135
647.	S1146	शिवगोविन्द रामबचन महाविद्यालय शिक्षा संस्थान, ललितपुर लुदुही, घोसी, मऊ–275307
648.	S1147	बाबा धर्मदेव बालिका महाविद्यालय, कैथवलिया, माहपुर, गाजीपुर–233304
649.	S1148	वीरेन्द्र मिथिलेश्वर महाविद्यालय, महदेइया, लोटन, सिद्धार्थनगर–272006

650.	S1149	रामलगन गर्ल्स डिग्री कालेज, अमिला, मऊ–275301
651.	S1150	सरदार पटेल पी.जी. कालेज, बड़ागाँव, जलालपुर, अम्बेडकरनगर–224149
652.	S1151	राधेश्याम डिग्री कालेज, गंगागंज, नगराम रोड, लखनऊ–227125
653.	S1152	स्वामी अड़गड़ानन्द महिला महाविद्यालय, कछवा बाजार, मीरजापुर–231501
654.	S1153	महमूदाबाद कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी, महमूदाबाद, सीतापुर–261203
655.	S1154	सीताराम समर्पण महाविद्यालय, नरौनी, बांदा–210129
656.	S1155	डॉ0 सबिता अग्रवाल महिला महाविद्यालय, संड़वा खुर्द, रींवा रोड, इलाहाबाद
657.	S1156	श्रीमती केशा देवी महिला महाविद्यालय, पकड़ी वीरभद्र, देवरिया–274206
658.	S1157	जय माँ खण्डवारी महिला महाविद्यालय, कोटवां, कहिनौर, मऊ–275101
659.	S1158	रणजीत पाण्डेय स्मारक महिला महाविद्यालय, कमालुद्दीनपुर, सौसरवाँ, मऊ–276402
660.	S1159	श्रीमती राजदेई सिंह महिला महाविद्यालय, ताखा–पश्चिम, शाहगंज, जौनपुर–223101
661.	S1160	महावीर परशुराम महाविद्यालय, विशुनपुर, टंड़वा, मौधिया, गाजीपुर–275204
662.	S1161	मा. कांशीराम डिग्री कालेज, सिया–खरका, बामौर, झाँसी–284203
663.	S1162	श्रीमती शंकर देई महिला डिग्री कालेज, घनघटा, संतकबीर नगर–272162
664.	S1163	ज्वाला देवी महाविद्यालय, रेताही, मानिकपुर, प्रतापगढ़–230202
665.	S1164	श्री राधा कृष्ण महिला महाविद्यालय, नागेपुर, सकलडीहा, चन्दौली–232109
666.	S1165	रघुनाथ प्रसाद डिग्री कालेज, तेरही माफी (तिन्दवारी), बाँदा–210001
667.	S1166	श्री राम मनोहर यादव महाविद्यालय, जी.टी. रोड (बाई पास) फतेहपुर–212601
668.	S1167	श्री वशिष्ठ नारायण करवरिया महाविद्यालय, मझगवाँ, राजापुर, चित्रकूट–210207
669.	S1168	श्री प्रभु दयाल महिला महाविद्यालय, ढकवा (भण्डियां), रेहुआ, सीतापुर–261303
670.	S1169	इन्दु देवी रामपति महिला डिग्री कालेज, सेवरही, कुशीनगर–274406
671.	S1170	प्रेरणा जन संचार एवं 'ोध संस्थान, सी–56/20, सेक्टर–62, (निकट बाबा बालकनाथ मन्दिर), नोएडा–201301
672.	S1171	सुरेषदीप कालेज ऑफ आयुर्वेद, योग तथा नेचुरोपैथी, NH-24, दिल्ली–हापुड़ रोड़, डासना, गाजियाबाद–201015
673.	S1172	सैम्स इन्स्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेन्ट, भेलखाँ, व्यास बाग हनुमान मन्दिर के पास, तरना, षिवपुर–एयरपोर्ट रोड, वाराणसी–221003
674.	S1173	इण्टरनेशलन इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन एण्ड आर्ट, बी–108, कमला नगर, आगरा–282005
675.	S1174	श्री गुलाब हरि संस्कृत महाविद्यालय, गुरूकुल मार्ग राजपुर, वृन्दावन, मथुरा–281121
676.	S1175	एम.ए.एस. डिग्री कालेज, 'ेखपुर, आषिक, कुण्डा, प्रतापगढ़–230201
677.	S1176	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आवास विकास, बदायूँ–243601
678.	S1177	मुशतरी मेमोरियल माइनारिटी महिला महाविद्यालय, तिरनई, खिजिरपुर, पलिया खास, बलिया–221718
679.	S1178	सनराइज महाविद्यालय, औगासी रोड, मर्का तिराहा, बबेरू, बांदा–210121
680.	S1179	माँ सुदामी देवी महिला महाविद्यालय, करियाबर, खलिया सेमरी, आजमगढ़–276206
681.	S1180	स्वामी विवेकानन्द पी.जी. कालेज, मोहम्मदी रोड, पुवाँया, 'ाहजहाँपुर–
682.	S1181	दीक्षा व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, शंकर–सदन, बिजुआ, लखीमपुर खीरी–262901
683.	S1182	बिहारी लाल डिग्री कालेज एण्ड प्रोफेशनल स्टडीज, बेरिया, बुधेरा, जहाँगीराबाद, रामनगर, बाराबंकी–225208
684.	S1183	डी.एस.एस.ए. महाविद्यालय, दादनपुर अहिरौली, अरियासो घोसी, मऊ–275105
685.	S1184	केशव माधव बैजनाथ महाविद्यालय, चकविलायत, दरगाह, मऊ–276306
686.	S1185	बबुआ जी स्नातक महाविद्यालय, पिण्डी, लार, देवरिया–274508
687.	S1186	डॉ. हरिवंष राय बच्चन महाविद्यालय, नौबस्ता (भाऊपुर), मैथा, कानपुर देहात–208024
688.	S1187	जे.एस.पी. महाविद्यालय, कसयाँकला, सोनभद्र–231216
689.	S1188	डॉ. राम मनोहर लोहिया बालिका महाविद्यालय, तारापुर, कंदई, बिहार कुण्डा, प्रतापगढ़–230128
690.	S1189	श्रीमती विमला देवी डिग्री कालेज, बछलौता रोड, बाबुगढ़ छावनी, हापुड़–245201
691.	S1190	जगन्नाथ सिंह कन्या महाविद्यालय, गजनेर, कानपुर देहात–209121
692.	S1191	एन.के. नेशनल महिला महाविद्यालय, नदावासराय, मऊ–275302
693.	S1192	कमला डिग्री कालेज, मीरपुर, लखीमपुर खीरी–262701
694.	S1193	श्री भोला शंकर महिला महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट कामर, छाता, मथुरा–281403

695.	S1194	हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एण्ड टूरिज्म, 13 किमी. माइल स्टोन हेरिटेज नॉलेज सिटी, बमरौली कटारा, फतेहाबाद रोड, आगरा–282006
696.	S1195	मंजूर अली महाविद्यालय, करजहाँ (बैतालपुर), गौरीबाजार, देवरिया – 274201
697.	S1196	कशिश फाउन्डेशन इन्स्टीट्यूट, नियर मिहिर भोज इण्टर कालेज, मेन जी.टी. रोड, दादरी, गौतमबुद्धनगर–203207
698.	S1197	बीजू पटनायक सोनकर बालिका डिग्री कालेज, देवचन्द्रपुर, सैदपुर, गाजीपुर–233304
699.	S1198	स्व सूबेदार सिंह स्मृति महिला महाविद्यालय, कटेसर कलां, चौबेपुर, वाराणसी–221104
700.	S1199	श्री पी.एन. शर्मा डिग्री कालेज, ग्राम व पोस्ट सैदपुर, ललितपुर–284404
701.	S1200	श्री वषिष्ठ महाविद्यालय, बघरी–जमानियाँ, गाजीपुर – 232329
702.	S1201	छेदालाल महाविद्यालय, गौसगंज, हरदोई–241305
703.	S1202	शहीद हीरा सिंह राजकीय महाविद्यालय, धानापुर, चन्दौली – 235105
704.	S1203	प्रेम दीप महाविद्यालय, सुल्तानपुर अमहित, केराकत, जौनपुर
705.	S1204	मुन्नी देवी महिला महाविद्यालय, गोपालपुर, सरदहा बाजार, आजमगढ़–276139
706.	S1205	परमेश्वर पाण्डेय महाविद्यालय, जंगल एकला नं.–2 (हतवा), गुलरिया बाजार, गोरखपुर–273013
707.	S1206	श्री मंगलम् कालेज ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज, सी–56, ए/5, इन्स्टीट्यूटशनल एरिया, सेक्टर–62, नोएडा–201301

परिशिष्ट 10

विशिष्ट आगन्तुक

1. श्रीयुत् राम नाईक, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
2. प्रो. हरिशंकर उपाध्याय, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
3. श्री पृथ्वी राज चौहान, स्टेशन निदेशक, आकाशवाणी
4. नेश कुमार (आई.ए.एस.) सचिव, वोकेशनल एजूकेशन एण्ड स्किल डेवलेपमेन्ट, उ.प्र.सरकार
5. प्रो. जे.वी. वैशम्पायन, कुलपति, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर
6. डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी निदेशक, नेशनल इन्स्टीट्यूट इलेक्ट्रानिक एवं इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी गोरखपुर
7. न्यायमूर्ति श्री रविन्द्र सिंह, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
8. श्री विनोद चन्द्र दुबे, पूर्व दूरस्थ छात्र संघ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद
9. प्रो. आर.पी.मिश्र, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
10. प्रो0 अविनाश चन्द्र पाण्डेय जी, पूर्व कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी
11. प्रो. एच.पी.दीक्षित जी, महानिदेशक, सुशासन एवं नीति विश्लेशण विद्याशाखा (जबलपुर)
12. श्री दिनेश सिंह चन्देल जी, कमानडेन्ट, आर.ए.एफ. इलाहाबाद
13. संविधान विशेषज्ञ लोकसभा के पूर्व महासचिव पद्मभूषण डॉ. सुभाष कश्यप
14. श्रीयुत पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगााल
15. श्री एस. के. राय, निदेशक, डाक सेवा, इलाहाबाद मण्डल, इलाहाबाद।
16. सी–डेक' पूना के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. हेंमन्त दरबारी
17. अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री रामसहाय यादव
18. प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर,
19. प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर
20. श्री डी.पी.एस. चौहान, माननीय न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त), उच्च न्यायालय, जबलपुर,
21. न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, इलाहाबाद उच्च न्यायालय
22. डॉ. सुरेन्द्र वर्मा, पूर्व कला संकायाध्यक्ष, देवी अहल्याबाई वि.वि. इन्दौर
23. माननीय न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई चन्द्रचूड़, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
24. लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथी कालेज के प्राचार्य डॉ आनन्द चतुर्वेदी
25. लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.बी.निमसे जी
26. न्यायमूर्ति सभाजीत यादव, इलाहाबाद उच्च न्यायालय
27. नेहरु ग्राम भारतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेया
28. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. जनक पाण्डेय जी,
29. प्रो0 के0 पी0 पाण्डेय जी, पूर्व कुलपति, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
30. प्रो0 आर. एल. हागंलू, कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
31. प्रो0 रामजी सिंह, पुर्व सांसद एवं पूर्व कुलपति, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, जयपुर,
32. श्री राजन शुक्ला, आयुक्त, इलाहाबाद मण्डल, इलाहाबाद
33. प्रो0 ए. एन. सिंह, समाज कार्य विभाग, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
34. श्री कृष्ण कुमार जी निदेश एन.सी.जेट.सी.सी. इलाहाबाद
35. प्रो. आई.पी.त्रिपाठी, ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट,
36. बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झॉसी के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दुबे
37. डॉ. (श्रीमति) नीरजा टण्डन, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
38. प्रो0 आर0 सी0 सोबती, कुलपति, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ
39. डॉ0 पी.सी. बोस, DDG, Ministry of Statistics and Program Implementation, RO, NSSO, Allahabad
40. प्रो0 रघु सिन्हा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 कुणाल केशरी, जी.बी. पन्त सामाजिक संस्थान, झूँसी, इलाहाबाद

41. प्रो0 ज्ञान प्रकाश सिंह, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय,
42. डॉ0 प्रमेन्द्र सिंह पुन्डिर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
43. डॉ0 अनुप कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
44. प्रो0 जी0सी0आर0 जायसवाल, कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद
45. डॉ0 लक्ष्मण राव नागुबन्दी, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद तेलंगाना
46. पद्मश्री शम्सुर्रहमान फारूकी जी, प्रख्यात साहित्यकार,
47. प्रो0 शबनम हमीद जी, पूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
48. प्रो0 एस0के0 सेठ, पूर्व आचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
49. प्रो.आर.सी.मिश्रा निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, उत्तराखण्ड ओपेन यूनिवर्सिटी
50. प्रो.पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
51. प्रो.एनसी गौतम, कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय
52. प्रो. ओम प्रकाश, पूर्व कुलपति, रुहेलखण्ड, बरेली
53. डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षामंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
54. डॉ. बीबी अग्रवाल, कार्यपरिषद के मा0 सदस्य
55. प्रो0 पी. आर. त्रिवेदी, संरक्षक, एन.आई.सी.ई.आर, नई दिल्ली
56. श्री अम्बुज कुमार गुप्ता जी, योजना बोर्ड के सदस्य
57. डॉ. आनन्द शंकर सिंह, प्राचार्य, ईश्वर शरण डिग्री कालेज, इलाहाबाद
58. प्रो0 आर.सी.त्रिपाठी, पूर्व निदेशक, गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान झूँसी, इलाहाबाद
59. श्री विश्वनाथ पाण्डेय जी, उप निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा, इलाहाबाद
60. सुश्री रानी सिंह, Business Icon in South Africa
61. श्री ओ.पी.दुबे जी Ex. Vice Precedent, Manpower development and management world Bank
62. श्री विक्रम सिंह, Counselor to Natal Province in South Africa
63. डॉ0 सचिन शर्मा, संपादक, अमर उजाला, इलाहाबाद,
64. डॉ. प्रदीप भार्गव, गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, इलाहाबाद
65. श्री जगदीश जोशी, वरिष्ठ सम्पादक, दैनिक जागरण, इलाहाबाद
66. श्री अखिलेश भार्गव, ब्रिगेडियर, 19 सर्विस सेलेक्शन बोर्ड इलाहाबाद
67. प्रो. एस.एन. कपूर, पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
68. डॉ0 बी0के0 भदरी, असिस्टेंट एजूके'ानल एडवाइजन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
69. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
70. प्रो0 डी0पी0 सिंह, भूगोल विभाग, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना
71. प्रो0 आर0वी0पी0सिंह, कुलपति, नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय, पटना
72. डॉ. सन्तोष गोइन्दी, समाजसेवी व गांधीवादी विचारक
73. प्रो0 मुशाहिद हुसैन जी, कुलपति, एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली
74. प्राचार्य, बरेली कालेज, बरेली डॉ. सोमेश यादव
75. प्रो0 अरूण चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान
76. डॉ0 अरविन्द दीक्षित,कुलपति, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
77. श्री अम्बुज गुप्ता, स्वास्तिक बिल्डर्स प्रा0 लि0, बी0–30/68, लंका, वाराणसी,
78. प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,
79. प्रो0 के0एस0 मिश्रा, डीन (कला संकाय) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,
80. प्रो0 लीला राम गुर्जर निदेशक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्याशाखा, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान
81. श्री एस0 पी0 खरे, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद
82. श्री कैलाश नाथ, अपर निदेशक कोशागार एवं पेंसन, इलाहाबाद डिविजन, इलाहाबाद,

83. श्री डी0 बी0 सिंह, सेवा निवृत्त, निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उ0प्र0 इलाहाबाद,
84. प्रो0 जी0सी0आर0 जायसवाल, कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद,
85. प्रो0 रजनी रंजन झा, राजनीतिशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी,
86. डॉ0 बी0बी0 अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक, सृजन ग्रुप ऑफ हास्पिटल, इलाहाबाद,
87. डॉ0 ए0के0 दुबे, सचिव, कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली
88. श्री अतुल कोठारी, सचिव, संस्कृति उत्थान न्यास,
89. डॉ0 वी0पी0 जैन, संयोजक भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली
90. श्री दिनेश सिंह चन्देल जी, कमाण्डेन्ट, 101 बटालियन आर0ए0एफ0 इलाहाबाद
91. न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, इलाहाबाद
92. प्रो0 संगीता श्रीवास्तव, अध्यक्ष, गृहविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
93. प्रो0 ललित जोशी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
94. प्रो0 राजलक्ष्मी वर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,
95. प्रो0 के0बी0 पाण्डेया, कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
96. प्रो0 यू0सी0 श्रीवास्तव, महासचिव, नेशनल साइंस एकेडमी
97. प्रो0 डी0के0 गुप्ता, पूर्व कुलपति, जे0पी0 विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार
98. प्रोफेसर जे0पी0 वर्मा, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर
99. पद्मभूषण डॉ0 सुभाष सी. कश्यप पूर्व महासचिव एवं संविधान विशेषज्ञ, लोकसभा
100. प्रो0 एस.आर. भट्ट, अध्यक्ष, आई0सी0पी0आर0 नई दिल्ली
101. प्रो0 गोपीनाथ, संयोजक नामित बाई आई0सी0पी0आर0 नई दिल्ली
102. प्रो0 आनन्द कुमार, समाजशास्त्र विभाग, जे.एन.यू. नई दिल्ली
103. प्रो0 मुजाबिर हुसैन रिजवी,
104. प्रो0 जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय पटना
105. प्रो0 शबनम हमीद, अध्यक्ष, उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
106. श्री जगदीश उपासने, सम्पादक, पांचजन्य
107. प्रो ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान, माहात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
108. डॉ राम नरेश त्रिपाठी, निदेशक, भारती विद्या भवन, भरवारी, कौशम्बी
109. अनिल उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
110. प्रो0 जी0सी0 नन्दी, निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आई0टी0) इलाहाबाद
111. प्रो0 अनूप चतुर्वेदी, अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
112. डॉ0 राजेश टेलर, सांख्यिकीय विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन,
113. प्रो0 जे0 एन0 मिश्रा, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, पूर्व वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
114. प्रो0 लल्लन सिंह, कुलपति, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद
115. प्रो0 अशोक गजानन मोडक, नेशनल रीसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन किकास मंत्रालय
116. प्रो0 मनोज दीक्षित लखनऊ विश्वविद्यालय

Back Cover Page